र जिस्ट्री सं० डी०---(डी)-



PUBLISHED BY AUTHORITY

₩o 18]

नई विल्ली, शनिवार, मई 3, 1980 (वैशाख 13, 1902)

No. 181 NEW DELHI, SATURDAY, MAY 3, 1980 (VAISAKHA 13, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग 111-खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यापात्रयों, नियन्त्रक और महाजेबावरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेप विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union

Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा झायौग

नई विल्ली-110011, दिमांक 1 प्राप्रैश 1980

सं० ए० 12019/1/79-प्रशा० II— संघ लीक सेवा श्रायोग के कार्यालय में बरिष्ठ वैयक्तिक सहायक श्री के० सन्दरम को 17-3-1980 से 25-3-1980 तक और 27-3-1980 से 26-6-1980 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तम जो भी पहले हो, ग्रध्यक्ष के विशेष सहायक के पद पर स्थानान्तरण पर प्रतिनिय्क्ति के प्राधार पर स्थानापन्न रूप से तवर्ष प्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

 श्री के० सुन्दरम, ग्रध्यक्ष के विशेष सहायक के संवर्ग-बाह य पद पर प्रतिनियुक्ति पर होंगे भीर उनका वेतन वित्त मंत्रालय व्यय विभाग के साय समय पर संशोधित का० ज्ञा० एफ० 10 (24)-ई० I^ग/60 दिनांक 4-5-1961 में उल्लिखित उपबन्धीं के प्रनुसार विनिविधित हीगा।

> बालचन्द्रन भ्रवर सचिव, कृते ग्रध्यक्ष, मंघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, विनांक म्ब्रप्रल 1980 सं • ए० 35014/2/79-प्रका • II— सचिव, संघ लोक सेवा भायोग बारा संघ लोक सेवा भायोग में के० स० से० संवर्ष

के स्थायी सहायक श्री श्रो०पी० गोयल को 1-4-1980 से तीन वर्ष की भ्रवधि के लिए भथवा भागामी भादेशों तक जो भी पहले हो, संघ शोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में स्थानान्तरण पर प्रतिनियक्ति के भाधार पर स्वागत ग्रधिकारी के पद पर स्था-नापम रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

REGISTERED NO.

2. श्री गोयल, स्वागत श्रधिकारी के संवर्गवाहय पद पर प्रतिनियमित पर होंने भीर अनका वेतन कित मन्त्रालय, भ्यय विभाग के समय साय पर यवा लंगोबित का० जा० सं० एफ० 10 (24) ई॰ III/60 दिनांक 4-5-1961 की शर्तों के अनुसार बिनियोमित होगा।

> बालचन्द्रन भवर समिव कते सचिव संघ लोक सेवा अव्योग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 मार्च 1980

सं ए उ 38015/2/79-प्रशा II--श्री एस एस ० भोपड़ा ने 31 मार्च, 1980 (भ्रापराह्न) से निवर्तन होने पर श्रपनी सेत्रा निवृत्ति के परिणामस्वरूप संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में स्वागत प्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है

> एस० बालवन्यन भवर सचिव संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतकंता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 8 मंत्रेल, 1980

सं० 18 मार० सी० टी० 1— केन्द्रीय सतर्कता म्रायुक्त एतद द्वारा श्री ए० सी० पंचधारी, मुख्य ग्रमियंता, केन्द्रीय लोक-निर्माण विभाग, को केन्द्रीय सतर्कता म्रायोग में दिनांक 3 म्रप्रैल, 1980 (पूर्वाह्म) से मगले मादेश तक स्थानापन्न रूप से मुख्य तकनीकी परीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> एन० एल० लखनपाल उप-सचिव, कृते केन्द्रीय सतर्कता मायुक्त

गृह मंझालय कर्मेचारी चयन भायोग

कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग नई विस्ली-110003, विनांक 10 ग्रप्रैल, 1980

सं० ए-22013/1/80-प्र०--भारत सरकार के खाद्य विभाग, बस्बई, में कनिष्ठ लेखा प्रधिकारी श्री ए० के० प्रप्रवाल को कर्मचारी चयन प्रायोग के पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय, बस्बई में, 1 प्रप्रैल, 1980 के पूर्वाह्म से प्रगले आदेश तक, श्री के० एस० मुन्दरामूर्ति के स्यान पर, जिनकी सेवायें उनके मूल संवर्ग प्रयत् निर्माण व प्रावाल मन्द्रालय को 1 प्रप्रैल, 1980 के पूर्वाह्म से ही वापिस सौंप वी गई हैं, अनुभाग श्रधकारी के स्पर्भें प्रतिनियुक्त किया गया है।

Divisitable सिंह अवर ^सिंबव (प्रशासन) | 10 लागी कि लागी क्या कि लागी कि लागी

सं० पी० एफ०/जै-81/73-प्रशा०-1- कि वर्ग की प्राप् में निवर्तन की भागु प्राप्त कर लेने पर, कलकत्ता पुलिस से प्रति- नियुक्त पुलिस निरीक्षक श्री जे० सी० सरकार को दिनां के 29-2-80 के भपराक्ष में केन्द्रीय भन्वेषण ब्यूरो/मार्थिक भपराध स्कन्ध, कलकत्ता में भपने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

दिनांक 15 मध्रेल 1980

सं० पी० एफ०/बी०-107/70-प्रशा०-1—पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्ति पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस के श्रीधकारी श्री बिमलेन्द्र मौमिक को दिनांक 10-3-80 के प्रपराह्म में केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, श्राधिक श्रपराध स्कन्ध, कलकत्ता शाखा में श्रपने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

की० ला० ग्रोबर प्रणासनिक ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय भ्रन्वेषण क्यूरो

मशानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई विल्ली-110001,दिनांक 11 श्रप्रैल 1980

सं० श्रो० दो० 1444/78-स्थापना---महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) इफ्तेखारू निसा बेगम को 4-3-80 के पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिए ग्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा श्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

> के० घार० के० प्रसाद सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-110019, दिनोक 8 भद्रैल 1980

सं० ई-38013(3)/24/79-कार्मिक हैदराबाद को स्थानांतरित होने पर श्री ए० एस० एम० राव ने 22 फरवरी, 1980 के प्रपराह्म से के० भौ० सु० ब० यूनिट एफ० सी० भाई० रामागुन्डम के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया भौर उन्होंने 23 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्म से के० भी० सु० ब० यूनिट, आई० जी० मिट, हैदराबाद के सहायक कार्डिट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

वित्त मंत्रालय ग्राथिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्रणालय (अक्ट केट्ट वेवास, विशोक 10 ग्रप्रैल 1980

फा० सं० बी० एकै० पी०/सी०/5/80—इस कायलिय की अधिसूचनी के शंक बी० एन० पी०/सी/5/79 दिनांक 9-1-80 के अनुक्रम में श्री अयोक जोगी को तक नोकी अधिकारी (मुदण एवं प्लट निर्माण) के पद पर तदर्य आधार पर को गई निर्मुक्ति की अवधि उन्हीं शर्ती पर दिनांक 12-4-80 से आगामी सीन माह के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो बढ़ाई जाती है।

पी० एस० शिवराम महाप्रबन्धक

ह० अपठनीय

महानिरोक्षक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार का कार्यालय, कर्नाटक वंगलोर,दिनांक 3 प्रप्रैल 1980

सं० स्था० $I/\nabla 0$ 4/80-81/12—महालेखाकार, श्री के० संपत, स्थायी श्रतुभाग ग्रिकिशारी के, उनके वरिष्ठों के बिना प्रतिकृत प्रभाव डाले, ग्रगले शादेश जारी होने तक, लेखा ग्रिधिकारी पद में, उस पद का कार्यभार ग्रहण करने का दिनोक से केवल श्रस्थायी रूप में पदोमत करते हैं।

यह पदोन्नत सन् 1978 के सर्वोच्च न्यायालय के लेख याचिका नं 4367 के मन्तिम नतीओं के प्रधीन रहते हैं।

> एम० ए० सौन्दरराजन् वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रणासन)

कार्यालय निवेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 15 प्रप्रैल 1980

सं० 204/ए-प्रशासन/130/79-80—वार्धक्य निवृत्ति भागु प्राप्त करने पर श्री भार० रामदुरई, स्थाई लेखा परीका भिकारी, दिनांक 31-3-80 (अपराह्म) लेखा परीक्षा सेवाएं विभाग से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 205/ए-प्रशासन/130/79-80—निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवायें प्रधीनस्थ, लेखा सेवा के स्थायी श्री ए० एन० गोपाल क्रिष्णन को संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा, (प्रायुक्त फैक्टरी) जबलपुर में, दिनांक 14-3-80 (प्रपराह्म) से स्थानापन्न लेखा परीक्षा प्रधिकारी के रूप में प्रगले आदेश पर्यन्त तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> के० बी० द(स भौमिक संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवायें

उद्योग मंत्रालय

वस्त्र भागक्त काकार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 8 अप्रेल 1980

सं० सी० एल० बी० 11/10 (2)/77-80--- कपास नियंद्रण मादेश, 1955 के खंड 5 (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए में एतद्द्वारा वस्त्र धायुक्त की मधिसूचना सं० 10 (1)/73-74/सीएलबी-11 दिनांक 19 दिसम्बर 1974 में निम्नलिखित मतिरिक्त संशोधन करता हूं, मर्थात:---

उक्त ग्रधिसूचना में स्पष्टीकरण (एक) के स्थान पर निम्न-लिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, ग्रथित :—

"(एक) भौसत मासिक खपत विनिर्माता द्वारा वस्त्र श्रायुक्तको भेजे गए सीएसटी-एच प्रपन्न में सूचित सितम्बर, 1978/भगस्त, 1979 में हुई वास्तविक खपत के भ्राक्षार पर संगणित होगी।"

> म० वा० चेंबुरकर संयुक्त वस्त्र मायुक्त

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक ८ मन्नैल 1980

सं० ई-II (7)—इस विभाग के श्रिधसूबना सं० ई-II (7), दिनांक 11 जुलाई, 1969 में श्रेणी 7 प्रभाग 2 के श्रिधीन निम्नलिखित जोड़ा जाए, श्रयात्:—

 "कोबरा एग्स ऑर सरपेन्ट (बाईट)" प्रविष्टि के *पश्चात् *कलर स्मोक्स केवल बाह्य प्रयोगहेतु"।

> इंगुव नर्सिह मूर्ति मुक्य बिस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन प्रनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल 1980

स० ए-17011/153/80-प्र०-6—इस महानिदेशालय के मधीन महास निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण मधिकारी (वस्त्र) के पद पर भवनत होने पर श्री सुनीत कुमार चक्रवर्ती ने दिनांक 16 जनवरी, 1980 के भपराह्म से उस कार्यालय में सहायक निरीक्षण भिन्नकारी (वस्त्र) का पद भार छोड़ दिया।

सं० ए-17011/170/80-प्र०-6--महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, निदेशक पूर्ति (बस्त्र) बम्बई के कार्यालय में स्थाई भण्डार परीक्षक तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड 1) श्री ए० एम० परांजप्ये को दिनांक 1 मार्च, 1980 के पूर्वाल से मागामी श्रादेशों तक निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में तदर्थ साधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण ब्रधि-कारी (इन्जीनियरी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

> पी० डी० सेठ उप निवेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात भौर खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 10 धप्रैल 1980

सं० 2819बी०/ए०-32013 (4-ब्रिलर)/78-19 बी०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक
(ब्रिलिंग) श्री के० के० मुखर्जी को ब्रिलर के पद पर भारतीय
भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-74035-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200
६० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, ग्रागामी ग्रादेश होने
तक 22 फरवरी, 1980 के पूर्वाह्म से पदोश्नित पर नियुक्त किया
जा रहा है।

बी० एस० कृष्णस्वामी महा निदेशक

भारतीय खान स्परो

नागपुर, दिनांक 11 प्रप्रैल 1980

सं० ए०-19011 (28)/70-स्था० ए०---विभागीय पदोश्चित समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपित श्री एन० एन० सुब्रहमणियन, वर्तमान प्रमुख भ्रयस्क प्रसाधन ध्रधिकारी (तदभ भ्राधार पर) को स्थानापन्न रूप में प्रमुख श्रयस्क प्रसाधन ध्रधिकारी के पद पर भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 27-3-80 को श्रपराह्म से भ्रगले श्रादेश तक सहषं नियक्ति प्रदान करते हैं।

एस० बी० ध्रली कार्यालय मध्यक्ष

भारतीय खान ध्यूरो भारतीय सर्वेक्षण विभाग वेहरादून, दिनांक 8 ध्रप्रैल 1980

सं० स्था० 1-5615/881-अधिकारी— डाक्टर कुलदेव सिंह नेगीं, एम० बी० बी० एम०, भारतीय सर्वेक्षण विभाग अौधधालय हाथीबड़कला, देहरादून में डाक्टर ए० एन० चटर्जी जो दिनांक 30-6-1979 (अपराह्म) से सेवा निवृत्त हो गए हैं, के स्थान पर दिनांक 25-2-80 (पूर्वाह्म) से सा० सि० से० सुप "बी" में चिकित्सा अधिकारी के पव पर 1155/- क० (कुल) अतिमाह बेतन पर अधिकतम अवधि 6 माह (90 दिन के बाद 25-5-80 को एक दिन के लिए सेवा विष्ठेद करके) अथवा जब तक उक्त औषधालय में किसी नियमित डाक्टर की नियुक्ति नहीं कर सी जाती, जो भी पहले हो, के लिए, पूर्णतया अस्थायी आधार पर नियुक्त किए जाते हैं।

प्राधिकार:—स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का पन्न सं० ए-12034/20/79-के० स्वास्थ्य सेवाएं, दिनांक 8-8-1979।

दिनांक 10 मप्रैल 1980

सं० स्था० 1-5616/579-सिले० 74 (क्लास II)---इस कार्यालय की ग्रधिसूचना सं०स्था० 1-5520/579-सिले० 74 (म्लास ।) विनांक 3 जुलाई, 1979, के अनुक्रम में श्री जे॰ एम॰ शर्मा, अधिकारी सर्वेक्षक, युप 'बी' की तवर्ष नियुक्ति की अविधि 30-9-1979 से 6 माह के लिए और अथवा उस समय तक के लिए जब तक कि यह पद नियमित आक्षार पर नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, बढ़ा वी जाती है।

के० एत० खोसला मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण मई दिल्ली-11, विमोक 7 ग्रेप्रेल 1980

सं० 14-2/80-एम० (टी)-स्मारक (पर्यटन)—प्राचीन संस्वारक, पुरातात्त्वक स्थल एवं अवलेष नियमावली, 1958 के नियम-6 के अधीन प्रदत्त सन्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं (के० वी० सौन्दर राजन), निदेशक (स्मारक), यह निदेश जारी करता हूं कि राजगिरी पर्वत दुर्ग, जिजी, दक्षिण-आरकोट, जिला तिमलनाडु के स्मारकों में विनांक 21 अप्रैल, से 30 अप्रैल, 1980 तकां 10 दिनों के लिए (इनमें दोनों तारीखें समिनलित है) देवी कमलाकित्याम्मन के वार्षिक उत्सव के उपलक्ष में प्रवेश निश्लक होगा।

के० वी० सौन्दर राजन, निदेशक (स्तारक) कृते महानिदेशक

ग्राकाशवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 7 ग्रप्रैल 1980

सं 0 10/47/79-एस ० तीन महानिदेशक, झाकाशवाणी, श्री झशोक कुमार डेसरकार को दिनांक 14 मार्च, 1980 (पूर्वाह्न) से धगले झावेशों तक, झाकाशवाणी, कलकता में अस्थायी झाधार पर सहायक झिमयंता के पद पर नियुक्त करते हैं।

एंच०, विश्वास प्रशासन उपनिवेशक कृते महानिवेशक

सूचना श्रीर प्रसारण मन्त्रालय

(फिल्म समारोह निवेशालय)

नई बिरुली-3, विनांक 7 अप्रैस 1980,

सं० 4/10/80-एफ एफ डी---यह एतदद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि फिल्म सक्तरोह निदेशास्त्रम शिर्णना संव 1/2/80 - एक एक डो दिनांक 25 जनवरी, 1980 में प्रकाशित राष्ट्रीय फिल्म समारोह, 1980 की नियमावली नियम 9 के

कम ।फल्म का शीर्षक भी	रभाषा पुरस्यारविजेताकाकाम	<i>पुरस्थ</i> ार
io		_
1 2	3	4
	1फ⊩रफि	रुमें
 संजीतम की वर फिल्म 		
मोध	निर्माता	
(हिन्दी)	(1) श्रीसीतावान्त मिश्रा	'स्वर्ण कमल' घौ र देवल रू० 40,000
	कर्लिंग फिल्म इन्टरनेशनल	(चालीस हजार ४०) वा मयद पुरस्वार
	मेहत व रोड,	,
	कट <i>न</i> -753003	
	निर्देशक	
	श्री विप्लव राय चौधुरी	'स्वर्णवासल' मौर वेवल ६० 20,८८०/
	140/4-7/1,	(रु० बीस हजा र के बल) का नव द पुरस्कार [']
	नेत जी सुभाष चन्द्र बोस रोड	,
	रीजेंट प.र्क, कलकत्ता-7000	40
2. नोहीरागः, स्व स्थ्य	मनोरंजन भ्रौर कलात्मक मूल्य से युक्त सर्वोत	तम फीचर फिल्म के लिए पुरस्कार
र्षा हरामरणम	निर्मा ।	~ -
(तेलु १)	(1) श्री एक्किंग नागेश्वयराव	व 'स्वर्णं कमल'
,	(2) श्री ग्रकासम श्री रामुल्	Ţ
	नं० 34, II मेन रो ड	
	दूस्टपुरम, मद्रास-24	
	निर्देश क	
	श्री के० विषयनाथ	
	2, 6वीं कास स्ट्रीट	रजत कमल'
	यूनाइटिङ इंडिया	
	कार्लीनी	
	मंद्रीस-24	
3 र ब्ह्रीय एक बापर स	वॉतम फीवरफिल्म के लिए पुरस्कार	
22 जून 1897	निर्माता	
(मराठी)	श्रीः निचकेत	'रजतसमल'ग्रीर केवल ४० ३०,००० रू
	पट्वर्धन 55/14	(तीस हजारक०) का नवद पुरस्कार
	इरेडवाना	
	पूना-411004	
	निर्वेशक	
	(1) श्री नचिकेत	'रजतं समल' वे:बल ६० 10,000 (बंबस हर
	पट्वर्धन 55/14	हजार ६०) का नवद पुरस्कार
	इरेडवाना पूना-411004	
	(2) श्रीमती जपूपटवर्द्धम	
	55/14 इरेडवाना पूना-411	
	गमें सर्वोत्तम फीचर फिल्म के लिए पुरस्कार 	
(क) एह विन प्रतिविन / \	निर्माता ० ३	
(बंगला)	श्री मृणाल सेन,	'रजत कमल' झौर वेवल ६०, 10,00
	4 ई मोतीलाल	(केवल दसहजाररु०) का मुक्द ग्रुप्स्थाए
	नेहरू रोड,	
	कलकत्ता-700029	

1 2	3	4
	निर्देशक	
	श्री मृणाल सेन,	'रजस व्सल' झौर केवल र० 5,000
	4 ई-मोतीलाल नेहरू रोड	(पाच हजार रु०) का नकद पुरस्कार
	कलकता-700029	(, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,
(ख) स्पर्ग	निर्मात <u>ा</u>	
•	श्री बासु भट्टाचार्य	'रजत कमस' भीर केवल रू० 10,000/-
(हिन्दी)	ग्रारोही फिल्म मेवर्स	(दस हजार रु०) का नक्द पुरस्कार
	गोल्ड मिस्ट,	(40 Garras) ware 2000
	36 कार्देर रोड, बान्द्रा,	
	सम्बर्ध-50	
	निर्देशक	
	श्री मती साई प्रांजपे	'रजलकमल' ग्रौर के व ल ६० 5,000/-
	मार्फत मारोही फिल्म मेवर्स	(पाच हजारकः) कानकद पुरस्थार
	गोल्ड मिस्ट,	(
	36, नाटेंर रोड, बान्द्रा,	
	बस्बई-50	
/ - \C	निर्माता	
(ग) बारिबु	कु० ललिता के ० ग्रा र०	'रजत कमस' ग्रीर केवल ४० 10,000
(চহার)	न० 9, 6वां मेन रोड	(दस हजार रु०) का नकव पुरस्कार
	वयूलिकवल वंगलीर-3	(40.6-0.44-) 10.443.404
	निर्देशकः	
	श्री कटी रामचन्द्र	'रजत कमल' ग्रौर केवल द० 5,000 (पांच
	न० 6वी मेन रोड,	हजार रु०) का नकद पुरस्कार
	ग्रां, लिक वल	6.1. (1.) II. 11. 3
	वंगलीर-560003	
() A conference	नि र्मा ता	
(म) पैदव ⁻ जियम न तस	श्री प्रेम प्रशास,	'रज त कमल' मौ र केवल ६० 10,000/-
(मलयालम)	त्रा त्रण नगास, प्रकाश भवन, कोट्टायम-6	(दस हजार २०) का मक्द पुरस्वार
	प्रकारसम्बद्धायस-छ (केरल राज्य)	(40 601, 40) 30 114 3011
	(करेल राज्य) निर्देशकः	
	श्री पी० पदमराजन	'रजत कमल' झौर केवल ६० 5000/- (पांच
	टी० सी० 17/373 [']	हजार ६०) का नक्व पुरस्कार
	पजाप्युरा पी० ग्रो० स्निवेन्द्रम	Gallian III 3
	केरल राज्य	
(४) तिहासन	निर्माता	'रजत कमल' भीर केवल र॰ 10,000 (वस
(मर ठी)	श्री डी० वी० रा व घौ र	हजार रु०) का नकद पुरस्कार
	श्री जन्मर पटेल बी-201	हजार एक) का सक्त पुरस्कार
	कल्पिता एनकलेवस सहर रोड,	
	ग्रन्धेरी (ई) बम्बई-400069 निर्देशक	
	।नदशक डा० जङ्कर पटेल	'रजत कमल' भी र केवल रु० 5000/-
	कुर-कुम रोड, डौंड,	(पांच हजार ४०) का मकद पुरस्कार
	जुर-द्वार राष्ट्र जिला पुणे, महाराष्ट्र	(
	_	
(च) श्रीकृष्ण	निर्माता को जिन्हां जन सोस्पनी	'रजल कमल' भीर केवल द० 10,00 0 '-
र तार (उद्देश)	श्रो चितरंत्रन मोहस्ती,	(वसहजारकः) कानमदं पूरस्कार।
	2097, रामेश्वर,	(पत्त रुपारपण्) या गय पुरस्तारा
	पटना-भुवनेश्वर-2	

2	3	4
	निर्देशक	
	श्री सोना मुक्जी	'रअत कमल' ग्रीर केवल २० 10,001
	मार्फत श्री एस० सी० सरकार,	(दस हजाररु०) कानवद पुरस्कार।
	पलित पाड़ा, कटक	, , ,
	निर्माता	
(छ) पासी (तमिल)	श्रीमती जी० ललिता	'रजत कमल' भीर केवख रू० 10,000/-
, , ,	4, मशोक स्ट्रीट,	(दसंहजार र०) कामकद पुरस्कार ।
	ग्रलवारपेट, मद्रास-600018	, ,
	निर्देशक	
	श्री दुरै 4-मशोक स्ट्रीट,	'रजत कमल' भौर केवल रु० 5,000/-
	भ्रतनारपेट,	(पांच हजाररु०) का नकद पुरस्कार।
	मदास-600018	, , , , , ,
(ग) नग्न संस्यम्	निर्माता 🕴	
े (तेलुगु)	श्री यू० निश्वेषनरराय	'रजत कमल' घौर केवल द० 10,000/-
(400)	46, उस्मान रोड,	(दस हजार ६०) का नवद पुरस्वार।
	मद्रास-600017	, , ,
	निर्देशक	
	श्री यू० विश्वेश्वरराव	'रजत कमल' भीर केवल ६० 5,000/-
	14, तीसरी स्ट्रीट,	(पौचहजाररु०) कानमद पुरस्कार।
	हबीबुल्लाह रोड,	,
	'टी' नगर मब्रास-17	
	निर्माता	
(भा) मालंगवागी	श्री जी० नारायण शर्मा	'रजत कमल' मौर केवल र∘ 10,000/-
वाकमडासू	ए न० एस० फि ल्म,	(दस हजार र०) का नकद पुरस्कार।
(मगिपुरी)	पाजना रोड, इस्फाल ।	
	निर्देश क	
	श्री ग्ररिवाम श्याम	'रजत कमल' भीर केवस 5,000/- (पां च
	शर्मा, थागमेबन्द,	हजार रु०) कानकद पुरस्कार।
	इ .स्फाल	_
5. सर्वोत्तम बाल-फिल्म वे	के लिए पुरस्कार	
ड∤गेप्र डडा	निर्माता	
मक्कालु (कन्नड़)	(1) श्रीटी० एस० नरसिहन श्रीर	'स्वर्ण कमल' ग्रोर 15,000/- (पन्द्रह हजार
	(2) श्रीबी० एस० सोमसुन्दर	रु०) कानकव पुरस्कार।
	मेसर्स कोमल प्रोडक्शन्स	
	4/54, पहली मेन रोड,	
	टाटा, सिङ्क फार्मे,	
	दासवानागुकी अंगलीर-560004	
	निर्देशक	
	श्री यु० एस० वेदीराज	'रजत कमल' ग्रीर केवल (दस हजार ४०)
	1 9 9 / 2 2 ए कास,	10,000/- का नकद पुरस्कार
	तीसरा ब्लाक, जयानगर बंगलौर-21	• • • • • • • • • • • • • • • • • • •
 सर्वोत्तम निर्देशन के लि 	ए पुरस्कार	
एक दिन प्रतिदिन	श्रीम्पास सेन	'रजत कमल' भीर केवल ६० 20,000
(यंगला)	4ई, मोतीलाल नेहरू रोड,	(बीस हजार ६०) का नकद पुरस्कार।
` '	कलकत्ता-700029	, , , , , , ,

1 2	3	4
7. सर्वोत्तम स्कीनप्ले के लिए	प्रस्कार	
स्पर्श	श्रीमती साईप्रांजपे	'रजत कमल' ग्रीर केवल रु० 10,000
(फ़्लिकी)	न्नारों ही फिल्म मेक्स	(दस हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
	नीएड निस्ट, 36, कार्टर रोड वान्दरा	(
	बम्बई-50	
8 सर्वोत्तम मभिनय के लिए	परस्कार	
(क) सर्जीतम ग्रभिनैता स्पर		'रजत कमल' भीर केवल रु० 10,000 (दस
(हिन्दी)	मार्फित भारोही फिल्म	हजार द०) का नकद पुरस्कार।
(•)	मेकर्स, गोल्ड मिस्ट,	6
	36, कार्टर रोड, बान्दरा,	
	बम्बई-50	
(ख) सर्वोत्तमं भौभनेत्री		
पासी	श्रीमती शोभा	'रजत कमल' भीर केवल २० 10,000/ -
(तमिल)	श्रमोकनगर मंत्रास-600083	(इस हजार ६०) का नकद पुरस्कार।
(ग) श्वर्शेत्सम बाल श्रीभनेत		Landan cash in and 3 cours
प्रांगन की कली	वैवी गीता खन्ना	'रजत कमल' भीर केवल र० 5,000 (पांच
	शोले, 7 वंगस्रा बरसोवा, बम्बई-400058	हजार) का नकद पुरस्कार।
·		Barry and Branch
 सर्वोत्तम सिनेमेटोग्राफी ((
शोध (श्री राजन किनागी	'रज़त कमल' झौर केवल ६० 5,000/- (पा च
(हिम्दी)	138, घराम नगर 11 भन्धेरी,	हजारकः) कानकद पुरस्कार।
	सम्ब ई-400061	
10. सर्भोत्तम सिनेमेटोग्राफी		
तीम मञ पूर्मा	न्धी कल ल नायक	'रजत क्रमल' ग्रीर केवल ६० क, ०००/ - (प्रक्रिय
(वंग मा)	±ु3-द्वी, महेशबैरक श्रेन, कलकत्ता-700011	ह जार ≅०) कानकद पुरस्कार ।
11. सर्वोत्तम सम्पादक के लिए	, पुरस्कार	
एक दिन प्रतिदिन	श्री गंगाधरनास्कर	'रजत कंगल' भीर केवल ६० 5,000/- (पांच
(र्बगला)	3, हेरीसभा रोड,	हजार ४०) का नकद पुरस्कार।
	क लकता-700041	
12. सर्वोत्तम कला निर्देशन	हे लिए पुरस्⊤ार	
22 जून, 1897	श्रीमती जगूपटवर्बन,	'रजुत कमल' भौर केवल ६० 5,000/-
"	5 <i>5 </i> 14 इरेंडवाना,	पाच हजार ४०) का नकद पुरस्कार।
	्रुना-411004, महाराष्ट्र	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,
13. सर्वोत्तम संगीत निर्देशन		
गंकराभरणम (तेलुगु)	श्री के०वी० महादेवन	'कारम करन' गोर केल्स रूप 1000 d
मकरामरणम (तलुगु)	त्रा पाठपाठ बहायपन 121, जी० एन० शेट्टी रोड,	'रजल कवल' भीर केवल रु० 10,000/- का
	121, आठ एनच सट्टा राड, 'टी' नगर, मदास-17	जन ्द पुरस्कार।
	·	
14. सर्वोत्तम पार्श्वगायक के	-	
शंकराभरणम	की एकक्पी० बालसुबहमण्यम	'रजत कमल' भीर केवल २० 10,000 (दस
	64, कर्स्ट क स स्ट्रीट,	हजार ६०) कानकद पुरस्कार ।
	कामवार नगर-मद्रास-34	
15. सर्वोत्तम पार्श्व गायिका		
संबद्धाभ दुष्यम	श्र्वीमतीः वा णी जयराम	'राजत कमल' भौर केवल ४० 10,000 (दस
	#7 अ काछबियास	ह्आर रू∞) का नकद पुरस्कार।
	मद्रास-18	

1 2	3	4
	ाा. लघु फिल्म	
 मंर्वोत्तम सूचना फिल्म (वृत ! 	चित्र)	
कालबेलियाज नामेडस श्राफ	निर्माता	
राजस्थान (ग्रंग्रेजी)	2 2:	(
	श्री तेजबीर सिंह	'रजत कमल' भौर केवल रु० 5000/- (पांच
	59, रीगल ब्रिलिंडग्स	हजार रु०) का नकद पुरस्कार ।
	कनाट सर्कम नई दिल्ली-110001	
	नद्द । दल्ला-110001 निर्देशक	
	ानदशक श्री वालमीक थापर	'रावन क्याल' गौर केलस हु० ४०००। (चार
	श्रा वालमाक श्रापर 59,रीगल बिल्डिंग्स	'रजत कमल' ग्रौर केवल रु० 4000/- (चार हजार रु०) का नकद पुरस्कार ।
	कनाट सर्कस कनाट सर्कस	र्जार ४०) ना तमच पुरस्कार ।
	नर्गाट समान नई दिल्ली-110001	
2. सर्वोत्तम शिक्षाप्रद श्रौर ज्ञानवर		
ए मैटर ग्राफ लाइफ एंड डैथ	3 17 (1)/C-1	
(श्रंग्रेजी)	निर्माता	
(37,311)	फिल्म प्रभाग,	'रजत कमल, श्रौर केवल ६० 5,000/- (पांच
	भारत सरकार, 24-डा० जी० देशमुख मार्ग	हजार ६०) का नकद पुरस्कार।
	बम्बई-400026	, , ,
	निद्यांक	
	श्री ए० एन० परमेश	'रजत कमल' श्रौर केवल रु० 4000/- (चार
	मार्फत फिल्म प्रभाग	हजाररु०) कानकद पुरस्कार।
	भारत सरकार	
	24-डा० जी० देणमुख मार्ग,	
	बम्बई-400026	
 सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म (गैर व 	व्यापारिक/व्यापारिक)	
. स्टोरी ग्राफ इनडिप ैन्डें स	निर्माता	
(श्रंग्रेजी)	फिल्म मीडिया, 47,	
	लक्ष्मी इन्शयोरेन्स बिल्डिंग	'रजत कमल'।
	सरपी० एम० रोड, फोर्ट	
	बम्बई-400001	
	नि र्दे शक	
	मैसर्स लिन्टास इंडिया	
	लिमिटेड भ्रौर फिल्म मीडिया	
	द्वारा रचनात्मक	
	योगदान मार्फत 47, लक्ष्मी इन्मयोरेन्स बिलिंडग,	'रजत कमल' ।
	सर् पी०एम० रोड	
	फोर्ट, वम्बई-400001	
4. सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म		
चाइल्ड श्रान ए चैस बोर्ड	निर्माता	'रजत कमल्' श्रौर केवल इ . 5,000/- (पांच
	फिल्म प्रभाग	हजार ४०) कानकद पुरस्कार।
	भारत सरकार	
	डा० जी० देशमुख	
	मार्ग बम्बई-400026	
	निर्देशक	
	श्री विजय बी० चन्द्र	'रजत कमल' श्रौर केवल रु० 4,000/- (चार
	मार्फत फिल्म प्रभाग,	हजार रु०) का नकद पुरस्कार ।

1 2	3	4
	भारत सरकार डा० जी० देशमुख मार्ग,	
	बम्बर्ध-400026	
5. सर्वोत्तम न्यूजरील कैमरामैन		
मिशन ट चाइना	कैमरामैन	
(ग्राई०एन० श्रार० नं० 1585)	श्री एच० एस० ग्राडवाणी फिल्म	'रजत कमल' श्रौर केवल २० 5,000/- (पांच
	प्रभाग भारत सरकार	हजार रु०) कानकद पुरस्कार ।
	24-डा० जी० देशमृख मार्ग,	
	बम्बई-400026	
 सर्वोत्तम भारतीय समाचार चित्र 		
(श्राई०एन०ग्रार० नं० 1592)	निर्माता	'रजत कमल' ग्रौर केवल र० 5,000/- (पांच
	फिल्म प्रभाग,	हजार रु०) का नकद पुरस्कार ।
	भारत सरकार	
	24-डा० जी० देणमख	
	मार्ग-बम्बई-400026	
यरी द्वारा विशेष सराहना		
श्राचार्य कृपालानी	निर्माता	
(ฆंग्रेजी)	फिल्म प्र भाग	
	भारत सरकार 24 डा० जी० देणमुख	
	बम्बई-400026	
	निर्देशक	
	श्री गिरीश वैद्य	
	फिल्म प्रभाग	
	24-डा० जी० देशमुख मार्ग,	
	बम्बई-400026	
ए मान्यूमेंट ट् फ्रैंडणिप	निर्माता	
(भ्रंग्रेजी)	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार	
	24-डा० जी० देशमुख माग,	
	बम्बई-400026	
	निर्देशक	
	श्री पी०एन० कौल	
	फिल्म प्रभाग, भारत सरकार	
	24-डा० जी० देशमृख मार्ग	
	बम्बई-400026	
 दादा साहेब फाल्के पुरस्कार 		
-	श्री सोहराब मोदी	'स्वर्ण कमल' श्रौर केवल 40,000 रु०
	पाइलट, 211, बन्दर रोड, बम्बई	(चालीसहजार क०) कानकद पुरस्कार ध्रीर
		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·

एम० एल० जुनजा, संयुक्त निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रप्रैल 1980

सं ० ए० 19019/24/77-(जे० ग्राई०पी०)/प्रणा०-I---केवा निवृत्ति की धायु के हो जाने पर डा० (कुमारी) बिसला सूद ने 31 जनवरी, 1980 के श्रपराह्न को जवाहर लाल स्नात-कोत्तर चिकित्सा णिक्षा एवं अनुसन्धान संस्थान, पांडिचेरी से दन्त चिकित्सा के प्रोफेसर के पद का कार्यभार छोड़ दिस है।

सं० ए० 31014/2/79-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक, ने श्री पुरुषोत्तम काकड़ा को 1 श्रक्तूबर, 1977 से राजकुमारी श्रमृतकौर कालेज श्राव् नर्सिंग, नई दिल्ली में भौतिक विज्ञान के लेक्चरर के पद पर स्थाई श्राधार पर नियुक्त किया है। सं० ए० 31014/7/79-प्रशासन-I-स्वास्थ्य मेवा महा-निदेशक ने डा० के० एन० टण्डन, को 20 प्रक्तूबर, 1977 से, केन्द्रीय धनुसन्धान संस्थान, कसौली, में पणु चिकित्सा सहायक सर्जन के पद पर स्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

> शाम लाल कुठियाला, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1980

सं० ए० 19019/25/79 के० स० स्वा० यो०-1— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० कुमारी लता श्रीवास्तवा को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना मे 3-3-1980 पूर्वाह्न से श्रस्थाई ग्राधार पर श्रायुर्वेदिक फिजिशियन के पद पर नियुक्त किया है।

एन० एन० घो**ब**, उप निदेशक प्रशासन

भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग) बम्बई-400085, दिनांक 21 मार्थ 1980

सं० 8 (24)/79-पुष्टि/644—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को स्टेशन आफीसर के पद पर भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र में 1 मार्च 1979 से मूल रूप में नियुक्त करते हैं:—

क ० सं ०		तनमान ग्रेड	प्रभाग	बी० ए० आर० सी० में वर्तमान स्थायी पद पर नियुक्ति
	ते० एस० पष्ठ 102/116)	ू उप-मुख्य ग्रग्निशमन ग्रधिकारी	रसायन श्रभियांत्रिकी (एफ० एस० एस०)	सब श्राफीसर
_ '	के० वी० कृष्णन 102 126	स्टेशन ग्राफीसर)	रसायन श्रभियांत्रिकी (एफ० एस०	 एस०)

एच० वी० स्रवतरामाणी उप स्थापना स्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग बम्बई-5, दिनांक 7 स्रप्रैल 1980

सं० विप्राइप्र/3 (262) 76-प्रशासन/379/3942---इस प्रभाग की दिनांक फरवरी, 25, 1980 की समसंख्यक प्रधि- सूचना के अनूकम में इस प्रभाग के एक स्थायी प्रवरण कोढि लिपिक श्री एन० टी० वारवानी, जो इस प्रभाग में फरवरी 19, 1980 के पूर्वाह्म से अप्रैंल 3, 1980 के अपराह्म तक के लिए सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किए गए थे, को मई 17, 1980 के अपराह्म तक के लिए उसी पद का कार्यभार अस्थायी रूप से संभान रखने के लिए अनुजा प्रदान कर दी गई है।

व० वि० थत्ते, प्रशासन प्रधिकारी

ऋय एवं भंडार निदेशालय मुम्बई-400 001, दिनांक 11 ग्रप्रैल 1980

सं० डो० पी० एस०/23/8/77-स्थापना/5951---निदेशक, परनाणु ऊर्जा विभाग, ऋष एवं भंडार निदेशालय इस निदेशालय के सहायक लेखा कार श्री जे० पी० साठे को सहायक लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में रुपए 650-30-740-35-869-द० रो०-40-960 के बेतन कम में 30-1-1980 (पूर्वाह्म) तक तथवं रूप से इसी निवेशालय में नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कु**लकणी** महायक कार्मिक श्रविकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, विनांक 7 भ्रप्रँल_. 1980

सं० प० ख० प्र०-1/23/79-प्रशासन—परमाण ऊर्जा विभाग के परमाण खितज प्रभाग के निदेशक श्री एम० बिम्मैया को परमाण खिनज प्रभाग में 14 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर ग्रामें ग्रामें ग्रामें कि प्रमाण स्वातिक प्रभाग में ग्रामें ग

स० प० ख० प्र० 123/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री शिव कुमार को परमाणु खनिज प्रभाग में 20 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से लेकर ग्रगले ग्रांदेश होने तक ग्रस्थायी रूप में वैज्ञानिक ग्रिधिकारी/ग्रिभियन्ता ग्रेड 'एस० बीठ' नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा श्रधिकारी

ग्रन्तरिक्ष विभाग

विक्रम साराभाई श्रन्नरिक्ष केन्द्र निक्वनंतपुरम-695 022, दिनांक 1 ग्रप्रैल 1980 स्थापना अनुभाग

सं० वी० एस० एस० सी०/स्था०/एफ/1(17)—भारतीय प्रन्तिरक्ष अनुसन्धान संगठन में अन्तिरक्ष विभाग के संयुक्त सिचव द्वारा जारी को गई कार्यालय जापन सं० 2/2(19)/77-1 दिनांक 13-12-1979 के प्रनुसार 1 जनवरी 1980 से प्रशासनिक श्रेणी के सहायक प्रशासन श्रिधकारियों के वेतनमान

550-25-750-द० रो०-30-900-से क० 650-30 740-35-880-द० रो०-40-960 के रूप में परिशोधित किए जाने के कारण वीएसएससी के निम्नलिखित प्रधिकारियों को 1 जनवरी 1980 से परिशोधित वेतनमान मे रखा गया है।

क्रम नाम सं०	पदनाम	प्रभाग/ सुविधा
1. श्री एन० शंकरा भ्रय्यर	सहायक प्रशासन ग्रधिकारी	सी० एच० एफ०
 श्री वी० पी० दामोदरन निम्बयार 	71	पी० जी० ए०
 श्री वी० कक्षणाकुरन नायर 	11	पी०जी०ए०
 श्री जी० मुरलीधरन नायर 	n	पी०जी०ए०
5. श्री ए० पी० राजगोपाल	सहायक जनसम्पर्क स्रधिकारी	पी०जी०ए०

पी० ए० कृरियन प्रशासन अधिकारी-U (स्थापना) कृते नियन्त्रक वी०एस०एस०सी०

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 5 श्रप्रैल 1980

सं० ए० 31013/1/79 ई०ए०--राष्ट्रपति ने निम्नलिखित भ्रधिकारियों को दिनांक 17 जनवरी, 1980 से नागर विमानन विभाग के विमान मार्ग तथा विमान क्षेत्र संगठन में वरिष्ठ विमान क्षेत्र श्रिष्ठकारी के ग्रेड में स्थायी रूप से नियक्त किया है :--

कम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1	2	3
1. श्री ह	के० जी० श्रय्यर	मब्रास एयरपोर्ट
2. श्रीष	गि० सी० व्यास	लिबिया सरकार के पास प्रतिनियुक्ति पर
3. श्री ह	के०वी०पी० श्रयंगर	त्रातानयुक्ति पर मद्रास एयरपोर्ट
4. श्री	शै० जी <i>०</i> करनाड	बम्बई एयरपोर्ट
5. श्री व	ी० एस० एन० राव	दिल्ली एयरपोर्ट, पालम
6. श्री	बी० एम० रा य	कलकत्ता एयरपोर्ट
7. श्री	र्स० भट्ट	सहायक निदेशक (सी० एल० एंड ए०) मुख्यालय
8. श्री	प्रार०एन० भटनागर	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद
9. श्री	के० एन० बहल	नागर विमानन प्रशिक्षण
10. श्री	के० सी० दुग्गल	केन्द्र, इलाहाबाद सहायक निदेशक
		(टी० एंड ई०) मुख्यालय
11. श्री:	ग्राई०एम० तुली	<mark>श्रगरत</mark> ल्ला
	त्री० वी० बग्गा	सहायक निदेशक
	<u></u>	(प्रचालन) मुख्यालय

1	2	3
1 3.	श्री भ्रार० जे० युवराज	बम्बई एयरपोर्ट
14.	श्री एम० के० दास	कलकत्ता एयरपोर्ट
15.	श्री एम० एस० जी० के०	वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधि-
	वैरियर	कारी, ए० टी० सी० पी०
		(सी) मुख्यालय
16.	श्री पी० के० विक्वास	दिल्ली एयरपोर्ट, पालम
17.	श्री डी०एन० गुप्ता	बम्बई, एयरपोर्ट
18.	श्री पी०श्राई०सी० विद्यासागर	बेगम पत्

दिनांक 10 अप्रैल 1980

सं० ए० 38013/1/80 ई०ए० -- सर्वश्री ए० सी० सरकार तथा एस० प्रार० दास शर्मा सहायक विमान क्षेत्र प्रधिकारियों ने निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 31 मार्च 1980 (ग्रपराह्न) से ग्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

> विश्व विनोद जौहरी उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रप्रैल 1980

सं० ए० 12025/2/79-ई० सी०--राष्ट्रपति जी ने श्री सीमित्रा सैना को दिनांक 17-3-80 (पूर्वाह्न) से नागर विमानन विभाग के वैभानिक संचार संगठन में संचार ग्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया है । भ्रौर उन्हें श्रन्य श्रादेश होने तक नियंत्रक संचार कार्यालय, वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता एयरपोर्ट, कलकत्ता में तैनात किया जाता है।

दिनांक 14 श्रप्रैल 1980

सं० ए० 32013/11/79-ई०सी०--राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो तकनीकी अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से दिए गए स्टेशन पर वरिष्ठ तकनीकी श्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ ग्राधार पर 6 मास की श्रवधि के लिए या ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, नियुक्त किया है:--

ऋम नाम	वर्तमान	नया	कार्यभार
सं०	तैनाती स्टेशन	ं तैनाती स् टेशन	संभालनें की
			तारीख
सर्वश्री			
1. भार० सम्पत-	वैमानिक	वैमानिक	21-3-80
कुमारन	संचार	संचार	(पूर्वाह्म)
-	स्टेशन,	स्टेशन,	
	बम्बई	बम्बई	
2. विश्वनाथ	रेडियो	रेडियो	20-3-80
	निर्माण एवं	निर्माण एवं	(पूर्वाह्न)
	विकास	विकास	
	एकक,	एकक,	
	नई दिल्ली	नई दिल्ली	
		श्रा	र० एन० दास
		सहायक निदेश	क प्रशासन

नाम

幣の

सं०

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 10 श्रप्रैल 1980

सं० 1/73/79-स्था०—विदेण संचार सेवा के महानिदेणक एतव्द्वारा बम्बई शाखा के तकनीकी सहायक, श्री एस० एस० मिलक को 1-6-1979 से 28-8-1979 तक की अवधि के लिए उसी शाखा में तवर्थ श्राधार पर स्थानापक्ष रूप से सहायक श्रीभ-यंता नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मलहौद्रा उप निदेशक (प्रशा०), कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा णुल्क समाहर्नालय मदास-34, दिनांक 19 मार्च 1980

नियमित

किए गय

शामिल होने

की तारीख

सं० 11/3/22/80----निम्निनिखित केन्द्रीय उत्पादन णुल्क मद्रास समाहर्तालय के निरीक्षक, प्रधीक्षक वर्ग----'ख' में स्था-नापन्न तथा नियुक्त हुए है ब्रौर प्रत्येक व्यक्ति के नाम के आगे नियमित किए गए स्थान तथा तारीख सूचित किए गए हैं।

40	स्थानी ग्रधीक्षक वर्ग 'ख' मे	नम् (।। राज्य
1 2	3	4
सर्वेश्री		
1. बी० राधाक् ^{टण} न्	मुख्यालय मब्रास	04-08-79
2. जी० श्रार० बालसुन्दरम	कूनूर डिविजन	24-08-79
3. मी बी० नी०लालोचनन्	मद्रास III डिवीजन	03-08-79
4 सी० जॉन लाजर	कूनूर डिवीजन उटी रेंज	03-10-79
 भ्रार० भ्रनन्तनारायनन् 	कोयंबसूर डिवी जन	27-08-79
 श्रार० कृष्णमामी 	कोयंबत्तूर डि वी जन	21-09-79
 एस० श्रीनिवासन् 	मद्रास II डिवीजन	11-01-80 मध्याह्न
8. एम० श्रीनिवासन	मु ख्या लय मद्रास	17-12-79 मध्याह्न
9. ए स० मुद्रमण्य म्	मब्रास III डिबीजन	08-02-80

	3	4
सर्व श्री		
10. भ्रार० वेंकटवाप्यम्	मुख्यालय,	03-12-79
	म द्रास	(मध्याह्न)
11. ग्रार० सी० मुत्तुसामी	पोल्लाचि	28-12-79
	डिवीजन	
12. म्रार० बालसुन्नमण्यम	मद्रास ${f I}$	30-09-79
	डिवीजन	(मध्याह्न)
13. जोति पांडयन जेसुडिय	ान् सेलम रेंज	29-12-79
	कोयंबतूर Π	
	डिवीजन	
14 स्रार० कृष्णन	गोबि रेंज	22-12-79
•	ईरोड डिवीज	न
15. एस० बालसुन्दरम्	कोटगिरि रेज	22-12-79
	कूनूर डिबीज	न (मध्याह्न)
16. एम० पृथ्वीराज	पोडनूर रेंज	31-01-80
	पोल्लाचि	
	डिवीजन	

बम्बई-400 020, दिनांक 19 श्रप्रैल 1980

मंऽ II/3ई (ए) 2/77पी०टी-1—निम्नलिखित वरित श्रेणी निरीक्षकों ने पदोन्नित पर बम्बई केन्द्रीय उत्पाद णुल्क समाहर्तालय में स्थानापन्न श्रक्षीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद णुल्क समूह "ख" के रूप में श्रपने नामों के आगे श्रंकित तिथियों से कार्यभार सम्भाल लिया है।

ऋम सं०	नाम 	कार्यभार सम्भालने की तिथि
Ι,	श्री एस० बी० कुलकर्णी	4-1-78
2.	श्री जी० के० मिरानी	4-1-78
, 3.	श्रीजे० ग्रार० देशमुख	3-1-78
4.	श्री एस० एस० जोशी	16-1-78
5.	श्री के० एस० टिपनिस	16-1-78
6.	श्री एम० एम० मोदी	16-1-78
7.	श्री भ्रार० एन० श्रास्तानी	1-2-78
8.	श्री एम० वी० रेकर	16-1-78
9.	श्रीके० ई० धुसे	16-1-78
10.	श्री के० एस० प्रभू	1-2-78
11.	श्री पी० पी० दम्बल	24-1-78
12.	श्री बी० के० वदगांवकर	16-1-78
13.	श्री भ्रार० जी० कदम	16-1-78
14.	श्री एन० एम० चैनानी	6-2-78
15.	श्रीवी० बी० कुलकर्णी	16-1-78
16.	श्रीटी० एम० कदम	1-2 - 78

क्र० नाम	कार्यभार	क्रम नाम	कार्यभार सम्भालने की
सं ०	सम्भालने	सं०	तिथि
	की तिथि	58. श्री वी/० एस० सावंत	26-10-78
**************************************		59. श्री के० वेनुगोपालन	1-3-79
17. श्री एफ० डिसोजा	16-1-78	60. श्री वाय० सी० सलगांवकर	27-10-78
18. श्री एस० पी० मोंडकर	16~1-78		मध्याह्न से
19. श्री ए० ग्रार०पाटील	1-2-78	61. श्री जी० एस० गानभाग	25-10-78
20. श्री जे० एफ० सिल्वा	30-1-78	62. श्री यु० जी० भाटिया	1-11-78
21. श्री ए० वी० बोरकर	16-1-78	63. श्री ए० भार० कुदालकर	
22. श्री जे० वी० गोकुलगांधी	16-1-78	64. श्री ए० ब्रार० एस० मेदाले	16-11-78
23. श्री एस० वी० जोशी	16-1-78	०४: आ ५० आ २० ५५० मधाल	26-10-78
24. श्री वी० डी० जाघव	16-1-78	८८ भी जी जार प्रस्ती	मध्याह्न से
25. श्री एम० एच० लालवानी	16-1-78	65. श्री जी० एस० पतकी 66. श्री सी० टी० लीलारमान	1-11-78
26. श्री सी० वाय० महाजन	16-1-78		1-11-78
27. श्री जे० के० बिबीकर	16-1-78	67. श्री ए० के० भ्रार० मन्सूरी	15-11-78
28. श्री एम० एच० ग्रडजानिया	2-2-78		मध्याह्य से
29. श्री एस० के० सांगले	16-1-78	68. श्रीवी० के० पाटील	15-11-78
30. श्री भार० विजयराधवन	1-2-78	69. श्री एन० एस० सिंगेसान	15-11 -78
31. श्री जे० एन० मुरार	16-1-78	70. श्री एस० वी० मुले	15-11-78
32. श्रीबी० डी० सावरे	1-2-78	71. श्री भार० जी० शिवदसानी	15-11-78
33. श्री एच० जी० पेसवानी	27-1-78	72. श्रीपी० बी० देशपांडे	15-11-78
34. श्री डी॰ एस॰ थावरानी	16-1-78	73. श्री टी०पी० डोंगरे	15-11-78
35. श्री भ्रार० वाय० जायदे	23-3-78		मध्याह्न से
36. श्री एस० वी० पतेकर	16-1-78	74. श्री एच० वी० नाडकर्णी	16-11-78
37. श्री ए० वी० तरखडकर	28-2-78	75. श्रीपी०एस० कर्किद	15-11-78
38. श्री जेम्स पोथेन	6-2-78	76. श्री एम० भ्रार० डनीग्रल्स	15-11-78
39. श्रीटी०एन०सुन्दरम	16-1-78	77. श्री एस० वी० खेरे	15-11-78
40. श्री एम० एल० जकोबी	3-2-78	78. श्री पी० एस० मालेगांवकर	15-11-78
41. श्री एल० के० देशपांड	16-1-78		मध्याह्न स
42. श्री एम० एच० मिरचन्दानी	15-3-78	79. श्री पी० एस० पोपले	15-11-78
43. श्री भ्रार० वी० सावडुत	19-4-78	80. श्री भार ्यू ् पिल्ले	16-12-78
44. श्री जी० बी० वांयगपकर	24-5-78	81. श्री वी० ग्रायं० भोसले	28-2-79
45. श्री एस० के० शिन्दे	3-6-78	82. श्री ई०पी० बतास	19-2-78
46. श्रीपी० ग्रार० कदम	1-6-78	83. श्री एम० एस० जे० ग्रगा	26-11-78
47. श्री एस० एम० चच्हाण	11-7-78		मध्याह्न स
48. श्री एस० बी० उनावन		84. श्री एम० के० देशमुख	15-11-78
49. श्री एस० एस० गायकवाड	4-7-78	85. श्री के ० एस० जाधव	20-2-79
50, श्री एस० के० लोन्धे	30-8-78	86. श्री वी० डी० देवधर	19-3-79
50. श्रीबी० एम० निकालजी	1-8-78	87. श्री ए० के० जोशी	12-3-79
-	1-8-78	88. श्री एस० एस० राणे	1-3-79
52. श्रीसः किंग्नियम	21-9-78	89. श्री बी० एच० महाजनी	8-3-79
53. श्री ए० पी० गुजर	25-9-78	90. श्री एल० एम० कुलकर्णी	26-3-79
54. श्री सी० डी० वाधमार	22-8-78	91. श्री पी० ए० मोतियानी	22-3-79
	मध्याह्न स	92. श्री एस० जे० चुगानी	11-4-79
55. श्री जी० बी० मेस्त्री	15-11 - 78	93. श्रीबी० एम० गुप्ते	5-5-79
56. श्री एफ० एस० मचाडो	9-1-79	94. श्रीटी०एन०केतकर	4-5-79
57. श्रीजी०एन० दबके	28-10-78	95. श्रीके० एल० नारंग	5-6-79

2	3
96. श्री प्रार० के० शाह	4-6-79
97. श्रीबी० बी० लुते	4-6-79
98. श्री डी० एम० केलकर	5-6-79
99. श्री एन० एम० राजे	7-6-79
100. श्री ध्रार० डी० कर्णिक	4-6-79
	मध्याह्न से
101. श्री एस० एल० काम्बले	29-6-79
	मध्याह्न से
102. श्री जे० आर० मराठे	11-6-79
103. श्री एन० डी० गडग	11-6-79
104. श्री जे० म्रार० खन्ना	8-6-79
105. श्री एन० एच० देशपांडे	11-6-79
	मध्याह्न से
106. श्री के० के० विजन	8-6-79
107. श्री वी० जी० राणे	5-7-79
108. श्री बी० के० कातारिया	11-6-79
109. श्री के० एम० दौलतानी	8-6-79
	मध्याह्न से
110. श्रीडी० ए० घ्रार० मन्स्री	30-6-79
-	मध्याह्न से
111. श्री ई० पी० वेनूगोपालन	30-6-79
	मध्याह्न से

सं o I l/3 ई (फ) 2/77-1—बम्बई केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क समाहर्तालय के निम्नलिखित समूह "ख" के राजपित्रत प्रधिकारी/प्रधीक्षक/प्रशासनिक प्रधिकारी/सहायक मुख्य लेखा प्रधिकारी/प्रधिवार्षिकी/स्वैच्छिक प्राधार पर अपने नामों के प्रागे प्रंकित तिथियों को प्रप० में सेवानिवृत्त हो गए हैं:—

कम सं०	नाम	पवनाम	सेवानिवृत्ति की तिथि
1	2	3	4
1.	श्री के० एन० जोशी	ग्र धीक्षक	31-7-78
2.	श्री एन० ग्रार० राजा- ध्यक्ष	प्रशासनिक श्रधि- कारी	31-7-78
3.	श्री एल० एफ० पेस	प्रधीक्ष क	31-7-78
4.	श्री बी०एल० गायकवाड	श्रधीक्षक	31-8-78
5.	श्री एस० एन० टकले	ग्र धीक्षक	30-9-78
6.	श्री जे० जे० डिसिल्वा	मधीक्षक	30-9-78
7.	श्री जी० जी० किणी	सहा० मुख्य लेखा भ्रधिकारी	30-9-78
8.	श्री एस० वी० ग्रेट	ग्र धीक्षक	31-10-78
9.	श्रीवी० एस० कुलकर्णी	श्रधीक्षक	31-10-78
10.	श्री एफ० एक्स० गोयस	ग्र धीक्षक	31-12-78
11.	श्री वाय० वी० ग्राकेरकर	प्रधीक्ष क	31-1-79
12.	श्री एन० के० चव्हाण	श्रघीक्षक	31-1-79
13.	श्री एम० ग्रार० किर्तीकर	प्रशा० ग्रधिकारी	31-1-79

1 2	<u></u>	3	4
1.4. श्री एस० बी	 ० प्रभू	प्रशा० ग्रधिकारी	31-1-79
15. श्रीपी० एस	० दोन्दे	ग्रधीक्षक	28-2-79
16. श्री एस० बी	० तोरवी	म्रधीक्षक	28-2-79
17. श्री ए० एम	् ए० शेख	त्रधीक्षक	28-2-7 9
18. श्री ए० एच	• भ्रा य०	सहा० मुख्य लेखा	28-2-79
घो ग्द्र		ग्रधिकारी	
19. श्रीके० बी०	ऐलानी	प्रधीक्षक	31-3-79
20. श्रीवी०पी०	राजेश्वर	प्रधीक्षक	30-4-79
21. श्री एम०	एच०	ग्र धीक्षक	31-5-79
अङ्गानिया			
22. श्री म्नार० डी	ि भाटकर	श्रधीक्षक	31-5-79
2.3. श्री एन० ए०	पिजाणी	प्रधीक्षक	30-6-79
24. श्री एस० वी	० घटोले	ग्रधीक्षक	30-6-79
25. श्री एम० जी	० पंडी त	प्रधीक्षक	30-11-79
26. श्रीपी०वी०	गोन्साल्विस	प्रधीक्षक	30-11-79

कु० श्री० दिलिपसिंहजी, समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (समाहर्ता)

मद्रास-600 034, दिनौंक 19 मार्च 1980

सी॰ सं॰ 11/3/24/79-स्था॰ --श्री डब्ल्यू॰ एस॰ पार्थसारथी कार्यालय श्रधीक्षक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन शुल्क कार्यालय, मद्रास प्रशासनिक श्रधिकारी वर्ग 'ख' में स्थानापन्न हुए हैं श्रीर मद्रास-II डिविजन में (श्रा॰) श्रादेश देने तक) तारीख 31-12-79 से नियुक्त किए गए हैं।

बी० म्नार० रेड्डी, समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रैल 1980

सं० 9/80—श्री जीवन कृष्ण ने, जो कि पहले चण्डीगढ़ समाहतालय में सहायक समाहता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर कार्यरत थे, राजस्व विभाग के दिनांक 11-1-80 के स्रावेण सं० 10/80 (फा॰ सं॰ ए-22012/38/79-प्रशा॰ II) द्वारा निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में स्थानान्तरित होने पर, 31 मार्च, 1980 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण प्रधिकारी (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) युप 'क' के पद का कार्यभार संभाल लिया।

के० एल० रे**खी**, निरीक्षण निदेशक

नौवहन श्रौर परिवहन मंत्रालय

नौबहन महानिदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 7 अप्रैल 1980

मं० 1-टी ग्रार०(3)/76—-राष्ट्रपति, मोगल लाइन लिमिटेड, बम्बई, के ग्रिधिकारी कप्नान ए० एन० श्रोसमानी को प्रतिनियुक्ति पर प्रशिक्षण पोत "राजेन्द्र" में तारीख 6-10-1976 (पूर्विद्ध) में श्रगले श्रादेशों तक तदर्थ ग्राधार पर नाटिकल श्रिधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० एस० सिधु, नौवहन उप महानिदेशक

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 17 अप्रैल 1980

मं० 78/प्रार० ई० 161/1—रंलवे लाइनों श्रौर परिसरों के सभी उपयोगकर्ताश्रों की सामान्य जानकारी के लिए एतद्वारा सूचित किया जाता है कि श्रलग-श्रलग खंडों के लिए नीचे दी गई नारीखों को श्रथवा उनके बाद ए० सी० ऊपरी कर्षण तारों में 25 कि० बा० की उच्च वोल्टता वाली ऊर्जा चालू की जायेगी :—

खंड नारीख

चिराला (छोड़कर) से उप्पृगुडूर (छोड़कर) तक 15-4-1980 उप्पृगुंडूर (महिन) से घ्रोंगोल (महित) तक 15-4-1980 घ्रोंगोल (छोड़कर) से बिटगंटा (छोडकर) तक 30-6-1980

उमी तारीख में अगरी कर्षण लाइन हर समय बिजलीयुक्त मानी जायेगी तथा कोई श्रनधिकृत व्यक्ति उसके सामीष्य में न तो श्रायगा न काम करेगा।

जनना को भी चेतावनी दी जाती है कि :

- 1. खंड में बिजली कर्षण तारों और फिटिंग से दूर रहें।
- 2. व्यक्तिगत रूप से सीधे प्रथवा खम्भों, बांसों, धात की छड़ जैसी चीजों के जरिए ऐसी तारों और फिटिंग के पास प्रथवा सम्पर्क में न ब्रायें क्योंकि ऐसा करना घातक सिद्ध होगा।
- 3. डिब्बों के बाहर ग्रथने गरीर के किसी हिस्से की झुकाना ग्रथवा बाहर नहीं निकालना चाहिए ग्रन्यथा घायल होने का खतरा है क्योंकि लाइन के दोनों ग्रोर कर्षण तारों के लिए इस्पात के स्तूल खड़े किए गए हैं।
- विजली की फिटिंग धौर ऊपरी विजली तारों से दो मीटर के क्षेत्र में ग्रन्दर न श्रायें।
- 5. ऊररी नारों के पास न तो श्रायें, न काम करें।
- 6. पायदानों पर यात्रा करना श्रथवा डिब्बों की छत ्रीपर चढ़ना मना है क्योंकि ऐसा करना घानक सिद्ध हो सकता है ।

7. यदि किसी टूटी नार को देखें तो क्रुपया निकटवर्ती स्टेशन मास्टर को सूचना दें। इस चेनावनी की उपेक्षा करने के कारण होने वाली किसी भी दुर्घटना के लिए रेल प्रशासन जिस्मेदार नहीं होगा।

के० बालचन्द्रनः मचिव, रेलवे बोर्ड

दक्षिण मध्य रेलवे सिकन्दराबाद, 10 <mark>प्रप्रेन</mark> 1980

सं० पी० (जी० ए० जेड०) 185/लेखा—श्री टी० रामानुजा-चारी, दक्षिण मध्य रेलवे के लेखा विभाग के स्थानापन्न ग्रधिकारी (श्रेणी-II) को उसी विभाग की श्रेणी-II (ग्रुप ख) सेवा में 29-3-1979 से स्थायी किया जाता है ।

> एन० नीलकण्ठ शर्मा, महाप्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्यं मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रौर मैं० भाटिया ब्रावर्म ट्रांसपोर्ट कं० 8347 रोशनारा रोड़, दिल्ली (प्रा०) लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 13 दिसम्बर 1979

मं० 2916/21735—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की छपधार (5) के अनुसरण में एतदहारा सूचना दी जाती हैं कि मैं० भाटिया आदर्म ट्रांसपोर्ट कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

हर लाल सहायक रजिस्ट्रार स्राफ कम्पनीज

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स बादी ब्रादर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 26 मार्च 1980

सं० 12840/560(5)—-कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती हैं कि मैसर्स बादी ब्रादर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई हैं।

कम्पनी प्रधिनियम 1956 एवं मैंसर्स मीरान्डा एग्री इन्डस्ट्रीज रीसर्चे प्रायवेट लिमिटड के विषय मे

बम्बई, दिनांक 26 मार्च 1980

मं० 18070/560(5)—कस्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रमुमरण में एतद्द्वारा सूचना

दो जानी है को सैमर्थ मोरान्डा अग्रो इन्डस्ट्रीज रोसर्च क्रिप्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्ट्रर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 एवं मेसर्स ग्रोरीयन्ट इनस्युलसन्स प्रायवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 26 मार्च 1980]

सं० 12198/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतवृद्धारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स भोरीयन्ट इनस्युलेशन प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विभटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैससे मेगनेटीक्स प्रायवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 26 मार्च 1980

सं० 11917/560(3)—कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीम मास के प्रवसान पर मैसर्स मेगनेटिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० सी० गुप्ता कम्पनियों का भ्रतिरिक्त ∡ेरजिस्ट्रार, महाराष्ट्र

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मैसर्स भावनगर पोटरीज लिमिटेड के विषय में

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1980

सं०/560/2079—कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के भ्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के भ्रवसान पर मैसर्स भावनगर पोटरीज लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत दिश्यत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त किम्पनी विधटित कर दी जाएगी ।

> जे० गो० गाथा प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य, श्रहमदाबाद

कम्पनी श्रिक्षिनियम, 1956 श्रीर सोम् ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 10 श्रप्रैल 1980

सं० 4162/560(5)/80— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्कारा सूचना दी जाती है कि सोमू ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> (**ह० अप**ठनीय) कम्पनियों का सहायक सहायक रजिस्ट्रार

म्राय-कर भ्रपील भ्रधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 10 श्रप्रैल 1980

सं एफ 48-एडी (एटी)/79 भाग II—श्री बनवारीलाल, सहायक पंजीकार, श्राय-कर श्रपील श्रधिकरण, चडीगढ़ [न्यायपीठ, चंडीगढ़ को स्वश्रनुरोध पर उनके श्रपने मूल विभाग [पंचायती राज (I) विभाग, उत्तर प्रवेश सरकार] में, श्रपर मुख्य कार्य-पालक श्रधिकारी, बलिया (उ० प्र०) के पद पर नियुक्ति के लिए प्रत्यावर्तित कर दिया गया है उन्होंने 6 मार्च, 1980 के श्रपराह्म में सहायक पंजीकार, श्रायकर श्रपील श्रधिकरण, चंडीगढ़ न्यायपीठ, चंडीगढ़ के पद प्रभार का परित्याग कर विया।

टी० डी० शग्ला श्रध्यक्ष प्रकप भाई। टी। एन। एस।----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रजेन रेंज- ,4/14क, आसफअली मार्ग नई दिल्ली नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 ध्रप्रैल 1980

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० श्रार०—I/ 8-79/5691—श्रतः, मुझे, आर० बी० एल० श्रयवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात् 'उक्त अधिनियन' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम शाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर पंपत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फैक्टरी प्लाट नं० 5-ए, जो मकान नं० 69 नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकरा प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रमस्त 1979 को।

पूर्वीवन संपति के उचित बाशार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत प्रधित है और भन्तरिक (प्रस्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे भन्तरण के लिए तम पाम ममा प्रतिकन, निश्नलिखित उद्देश्य मे उका भन्तर निखित में बाशाबिक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उबत अधि-नियम, के धन्नीन कर बेने के सम्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रथ्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना आहृष्ट् था, छिपाने में सुविधा के निए:

अतः अब, उत्रत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम को घारा 269भ को उपघारा (1) के सधीन तिम्त्रलिखित व्यक्तियों, अवीतः—

- 1. मैसर्स ईश एशस्मलेटिंग कम्पनी 69/5-ए नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली हिस्सेदारों के ब्राराश्री ग्रमर नाथ पसरीचा (2) श्री बनारसी लाल पसरीचा (3) श्री ग्रशोक कुमार पसरीचा (4) श्री राज कुमार निवासी जे-59 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. सुमेर मल पटवारी ट्रस्ट इसके मैनेजिंग डायरेक्टर ट्रस्टी श्री के एल जैन, के-71 कीर्ति नगर, नई दिल्ली। (श्वन्तरिती)

को यह पूजना जारी करके पूजींक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के प्रार्वन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तार्राख से
 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका क्यक्तियों
 में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़ किसी भ्रष्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पड्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर पदों का, जा उनत श्रीधिनयम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित है, बही प्रयं होगा, जो उस घडराय में दिया गया है।

प्रमुखी

फैक्टरी का नमूना प्लाट नं० 5-ए, मकान नं० 69 नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 5777 वर्ग गज है।

> न्नार० बी० एल० भ्रमवालः सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज,-II नई विस्ली।

तारीख: 14-4-1980

प्रकप आई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, 4/14 क, आसफअली मार्ग नई विल्ली नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 धर्मेल 1980

भौर जिसकी सं० बी/160 है तथा जो नरेणा बिहार, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिअस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अगस्त 1979

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्यापूर्वोका गमानिका उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गमा प्रतिकल, निम्नलिखन उद्देश से उक्त अनरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से दुई कियो आय की बाबत उत्तर प्रधिष्मिम, के अधीन कर देने के व्यक्तदक के धायित्व में कमी करने था उप्ते बचने में मुबिधा के लिए; बौर/बा
- (स्व) एमी किसी आप या किसी धन या ग्रन्थ प्रवित्यों की जिन्ने भारतीय आय कर पश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन कर प्रशित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविता के लिए;

अतः, धव, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की बारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् :~→ 1. श्रीमती सत्यावती विश्ववा स्वर्गीय श्री करम चंद कवकड निववासी ई-24/A डी डी ए पर्वट राजौरी गार्डन नजवीक मायापुरी जी-8 इलाका नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रनस्या प्रसाव जखानधूरा पुत स्वर्गीय श्री विशे-शवर दत्त खानधुरी निवासी बी-160 नरेणा विहार डी० डी० ए० कालोनी, नई विल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में सनाष्त्र होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

एक मकान नं० बी/160 नरैणा बिहार नई दिल्ली में है। उसके साथ 4 कनरे एक स्टोर, किवन, 2 बरामदे एक बाथरूम, लैटरीन, ऑन जी एक म्रोर स्टेयर केस इत्यादि हैं।

> म्रार० बी० एल० म्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख: 14-4-1980

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

क्षायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, 4/14क, आसफ अली मार्ग, नई विल्ली नई विल्ली-110002, दिनांक 14 श्रप्रैल, 1980

निर्वेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू० /11/एस० श्रार० 1 8-79/5713--श्रतः मुझे, झार० बी० एल० भ्रप्रवाल, आयकर प्रधिनियम, 1931 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के अधीन सक्षम, प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थाति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एफ० 14/46 है तथा जो (एफ०—
14/46) माडल टाउन विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे
उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख
अगस्त 1979

को बूर्वोक्त सम्पत्ति के ढिक्कित बाजार मूह्य से कम के बृह्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह बिह्वास करने का कारण है कि सबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरित (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिद्धा उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तबिक कप धे किया नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसो भाग की बाबत, उक्त जिल्ला नियम के भ्रष्टीन कर देने के भन्तरक के बाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या बन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिसी द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

मतः मन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसर्थ में, में, उक्त समिनियम की बारा 269-घ की उपद्वारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात्।---

- श्री यायूवानस नारायण पुत्र श्री रायका नाराक निवासी जी-3/5 माडल टाऊन, दिल्ली। (श्रन्सरक)
- 2. श्रीमती समकौर धर्मपत्नी सरदार शान सिंह कोहली निवासी एफ 14/46 माडल टाउन, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पति के अर्जन के छिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्वित्त के सर्जन के संबंध में कोई भी साक्षेत्र :--

- (क) इस भूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 विम के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी प्रण्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ता करी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त गब्दों और पढ़ों का, जो छक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, नहीं धर्य होगा को उस अध्याय में विया नया है।

अनुसूची

मकान नं ं एफ॰ 14/46 जिसका क्षेत्रफल 233.3/10 वर्ग गज, बाइल टाउन गांव के इलाके मिलकपुर चानी दिल्ली में स्थित है।

भ्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल स्वाम प्राधिकारी स्वायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज- , दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-4-1980

मोहरः 🛛

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-II, 4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 प्रप्रैल 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्पू० /II/एस० आर०1/8-79/5711— अतः मुझे, आर० बी० एल० अप्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 3436 से 3441 तक है तथा जो और 3471 से 3476 तक मेन हौज काजी वार्ड नं० 6 दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्व रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से किथा गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः—

- श्री भगवान भाजन भ्राश्रम बिन्दाबन के द्वारा श्री बिहारी लाल झूनझूनवाला पुत्र श्री वशेशर नाथ सैकेटरी (श्रन्तरक)
- श्रीमती उमा जैन पत्नी श्री सुरेण चंद जैन 1323
 गली गुलियान दरीबा कलान, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

धतसची

मकान नं० 3436 से 3441 तक श्रीर 3471 से 3476 तक मेन हाउज काजी, वार्ड नं० 6, दिल्ली में स्थित है।

भ्रार० बी० एल० भ्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकीरा सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख: 14-4-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ${f y}$ र्जन रेंज- ${f II}$, 4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 ${f y}$ र्रेस 1980

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० म्रार०—I/ 8-79/6717—श्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० म्रग्नवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 19 ब्लाक श्री (श्री/19) है तथा जो कम्यूनिटी सेंटर किंग्जवे कैंम्प नार्थ, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय, डाक्टर मुखर्जी नगर, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीक्षिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख श्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथित्:—-

- 1. श्री नरेश कुमार बर्मा पुत श्री ऐ० ग्रार० वर्मा निवासी ऐ०-53 कीर्ति नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री डागर मल सोनी पुत्र श्री हंस राज श्री श्रगोक कुमार सोनी श्रीर निरदोश कुमार सोनी पुत्र श्री डागर मल सोनी निवासी 740 छोटा बाजार कशमीरी गेट दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-दब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रय्क्तः शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 19 ब्लाक बी (बी-19) जिसका क्षेत्रफल 101.44 वर्ग मीटर कम्यूनिटी सेंटर किगंजवे कैम्प नार्थ, डा० मुखर्जी नगर में स्थित है।

> श्चार० बी० एल० श्चग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायुक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज- , दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-4-1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रोंज- , नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 भ्रप्रैल 1980

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० II/एम० श्रार०--II/8
~79/2762~-श्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल, भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्गावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 15 है तथा जो एन० अब्ल्यू० ए० रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीवर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त, 1979

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्षन संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्वमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरित (भ्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्चेत भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रग्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत खक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या जिसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव, उक्त श्राधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री बलदेव राज निवासी
 श्री रोड़, ब्राजाद माकिट दिल्ली। (श्रम्तरक)
- 2 श्री राजन कुमार पुत्र श्री श्रार० वी० कौर श्रीर श्रीमती णीला रानी धर्मपत्नी श्री ग्रार० वी० बत्रा निवासी 6/14 पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह पुजना जारी करहे पुर्योका सम्मति हे अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

जरून सम्पति हे प्रजैत हे पम्बर्ध में होई भी प्राज़ेर :--

- (क) इस सूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्नम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूवता के राजस्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उन्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिशासरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के म्राध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रयें होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

एक प्लाट नं० 15 जिसका क्षेत्रफल 500 वर्ग मीटर, एन० डब्ल्यू० ए० रोड़, पंजाबी बाग गाँव के इलाके मादीपुर दिल्ली राज्य दिल्ली में स्थित है।

> भ्रार० बी० एल० श्रम्रवाल सभान प्राधिकारी सहायक प्रायक्तर प्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजन रेंज-11, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-4-1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

श्राय हर प्रधिनियम, 1961 (1961 हा 43) की धारा 269-प (1) के श्र**धीन** सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 **धर्मल, 1980**

निदेश सं० श्राई० ए० सी० एक्यू०/II/एस० श्रार०—II /8—79 2761—--अतः मुझे, श्रार० बी० एल० ध्रप्रधाल, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्न प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- र० से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 15 है सथा जो नार्थ बैस्ट ऐबेन्यू रोड़, पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता ग्रिधकारी वे कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, ग्रास्त, 1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधितियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के **प्रनुसरण** में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यादः ---

- श्री रामश्रकाण पुत्र श्री बलदेव राज निवासी 9
 शिवःजी रोड़ श्राजाद मार्थिट, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री विजय कुमार बन्ना एवं श्री राजेश कुमार बन्ना पुत्र श्री श्रार० बी० बन्ना निवासी 6/14 पंजाबी बाग ईस्ट, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगें।

हराब्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट का हिस्सा जिसका नं० 15, नार्ष वैस्ट ऐबेन्यू रोड़ जिस कालोनी को पंजाबी बाग के नाम से जाना जाता है। गाँव के इलाके मादीपुर दिल्ली राज्य दिल्ली में स्थित है।

> श्रार० बी० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14-4-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के जधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002
नई दिल्ली-110002, दिना: 14 प्रप्रैल, 1980

निदेश सं० आई० ए० नी० एक्यू०-- II एस० आर०-II/8-- 79 5702----अतः मृमे, आर० री० एन० अग्रवारः
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260--व के अधीन सक्षम प्राधिकारी हो, यह विस्वार करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उत्ति बानार मृन्य 25,000/--रु. से अधिक है

घौर जिसकी सं० 1557 है तथा जो फैजरंज, एटौदी हाउस दरयागंज, नई दिल्ली में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकरर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिकस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रगस्त, 1979

को पूर्वाक्स सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांवा गंपित का अंशत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्फ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गटा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसिन में वास्तिवक रूप से किथन नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्ग आस्तियाँ की, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पनकर अधिनियम, या पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थालः——

- ा श्रीमारी राजकरनी विधवा स्व० श्री एन० देवा सिंह निवासी मकान नं०णच०-53 न्य सीलमपुर, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री सुदंशन कुमार मागन पुत्र श्री सन्त राम निवासी ऐ० डी-38 टैगोर गार्डन सरकारी कवाटर नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाग;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

2 के मंजिल बिल्डिंग जिसका नं∘ 1557 फैंज गंज नजदीत पटौदी हाउस दरमागंज नई दिल्ली में स्थित है। जिसका वार्ड नं∘ 11 है।

> भ्रार० बी० एल० भ्रम्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-II, दिल्ली, निर्दे दिल्ली-110002

तारीखा: 14-4-1980

प्ररूप आहरे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) ${f r}$ फर्जन रेंज- ${f II}$, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनाक 14 अप्रैल 1980

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० एक्यू० II एस० ग्रार०-I /8-79 5639---ग्रतः मृझे, ग्रार० बी० एल० प्रग्रवाल, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

जीर जिसकी सं० के०-2/8 है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रन्स्ची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधवारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, धगस्त, 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के जधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों अथित्:—

- श्रोमती सत्या मचदेवा धर्मपत्नी श्री के० एल० सचदेवा निवामी के०- 2/8 माडल टाउन, दिल्ली। (प्रन्तरक)
- 2 श्री निरंजन लाल गुप्ता पुत्न श्री जे० एन० गुप्ता निवासी एफ०~9/4, माडल टाउन, दिल्ली। (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान जिसका प्लाट नं० कें ०-2/8, माइल टाउन गांव के इलाके मलीक पुर बझौनी दिल्ली राज्य दिल्ली में है जिसका क्षेत्रफल 272.22 वर्ग गज है।

> श्रार० बी० एस० श्रप्नवास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-II, विल्ली, नई विल्ली-110002

तारीख: 14-4-1980

माहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिलांक 14 श्रप्रैल, 1980

और जिसकी संख्या 34 रोड नं० 52 कलास बी० पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, अगस्त, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल किन्नितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल किन्नितियों के बीच एसे अन्तरण कि लिए त्य पाया गया प्रतिफल किन्नितियों के बीच एसे अन्तरण कि लिए त्य पाया गया प्रतिफल किन्नितियों के बीच एसे अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— श्री प्रवतार सिंह मचदेवा पुत्र श्री नंद सास सचदेवा निवासी 34/52 पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)

2. श्री जगराम पुत्र श्री हरकी राम (2) श्री हवा सिंह (3) श्री हृष्ण कुमार (4) श्री विशन कुमार श्रीर लिलत कुमार शर्मा पुत्र श्री जगराम निवासी 34/52 पंजाबी बाग, दिल्ली। (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजधत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अवस्थि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपरित में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

अनुसृची

मकान नं० 34 रोड़ नं० 52 क्लास-बी पंजाबी बाग, में स्थिस है।

> श्रार० बी० एल० **अग्रवाल,** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आग्र<mark>क्त, (निरीक्षण</mark>) अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 14--4--1980

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-------

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा-269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनाक 28 विसम्बर 1979

निर्देश सं० आर०-140/श्रजंन---श्रत मुझे, श्रमर सिंह विसेन.

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल इसमें इन्हें परकार 'उन्हें पिजियम' हका गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 215/464 का 17/28 भाग तथा जो पान दरीबा चार बाग, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख 16-10-1979

को पूर्वोक्त समात्ति ह उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफन ह निए प्रत्निरित की गई है घोर मुझे यह विद्यास करने हा हारण है हि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफन से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफन है धौर प्रत्ने (प्रन्नरिकों) घौर प्रन्नरिती (प्रन्नरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण ह निए तर स्था गया प्रतिफन, निस्नलिखिन उद्देश से उका प्रस्तरण निधित में वास्तिक रूप से कथा गरी किया गया है:—

- (क) अनारण सं तुई किसी आय की वाबन उक्त श्रधि-नियम, के अयोग कर देने के अन्तर के दायित्व में तनी करा या उपन बबने में सुविधा क लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप पा ितसी धन या अन्य प्रास्तियों का, जिन्हें नारतीर प्रारक्त प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) रा उक्का प्रजिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः, भ्रव, उकत भ्रधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मै, उकत भ्रधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) क भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रधीत :---

- 1. श्रीमती मीनादेवी श्रग्रवाल (ग्रन्तरन)
- 2. श्री रामचन्द्र श्रमरनानी (श्रन्तरिती)
- 3 बिकेता एवं किराएदारान

किरायेदार: (1) मैं मर्स प्रेम मायिषल वर्स (2) प्रेम सायिषल वर्स (3) बहरूमल (4) सन्तिसह (5) सन्तिसिह हलवाई (6) गोपीराम हलवाई (7) सुन्दर बिनया (8) हरीण चन्द्र खेड़ा (9) सरदार मक्खन भिह् (10) प्रमाकर बागची (11) रहीम बक्स (12) सनादीन (13) मुझालाल बहार (14) ग्रंमने कहार (15) रामप्रसाद (16) मुखही बहार (17) महादेव (18) सरदार महेन्द्रिमिह (19) सरदार चरणसिह (20) ए० गी० बुजिफ (21) सालूर म अप्रवाल (22) रामित्रास अप्रवाल (23) एन० ने१० बोस (24) एणा सहायक। (के व्यक्ति, जिनक अधिभोग में सम्मत्ति है)

को यह सूचना जारी करते पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त अव्यक्ति है अर्बन है हिन्दी के कि आक्षेप:--

- (क) इस सूबना के राजनल में प्रकायन की तारीख से 45 दिन की प्रमित्रा तत्त्रंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की जामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नमाध्य होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिवारा;
- (ख) इप पूजना ह राजाज में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन कंभीनर उक्त स्थावर समात्ति में हिनवद्ध किसी प्रश्न व्यक्ति सारा, अप्रोड्स्सक्षरी के पास लिखित में हिए जा सकेंगे।

स्तरको **हरमः → न्दा**नें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम ह प्रध्याय 20-ह में परिभाषित **हैं, वही** प्रार्थ होगा, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

प्लाट न० 61 व 61 ए पर बनी इमारत जिसका नगर महागालिया का नम्बर 215/464 है उमका 17/ 28वा माग जो माहल्ता पादिरीवा चारबाग (पुराना कैनिंग स्ट्रीट) शहर लखनऊ में स्थित है सम्पत्ति का 1ह नब विवरण जो भेजडीड व फार्म 37 जी संख्या 5572/ 79 में विजा है जो पब रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनाक 16-10-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

> श्रमर सिह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख 28-12-1979 मोहर प्रस्त प्राई० टी० एत० एत०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक प्रायकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्चर्णन रेज, लखनक लखनक, दिनार 19 फरवरी, 1980

निर्देश सं० अ।र०→142/प्रर्जन----प्रतः, मुझे, श्रमर सिह बिसेन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्क अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीर सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्धि, जिनक उत्ति ग्रावर मृह्य 25,000/- इत्ये से अधिक है

और जिसकी मकान सं० 280-ए व 280-बी है तथा जो मो० काली बाडी बरेली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में प्रारं पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रिक्षकारी के कार्यालय, बरेली में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-६-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एंदे दृश्यमान श्रीक्तल के पन्दर् प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के शैच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल. निम्नलिखिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शासिक हम हिया तहीं कि साराम हमान रिकार साराम का साराम साराम साराम साराम का साराम साराम साराम का साराम सारा

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राथ की राहा उस प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक क दायिस्य में कमा करन या उसमे वसने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी हिसी आप पा किसी धन या प्रश्न आस्तिसी को, जिन्हें भएरती। आयहर प्रवितियम, 1922 (1922 का 11) या उनत सिंधीनेत्रम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाता चाहिए था, खिपाने में मुविधा ह लिए।

अतः अतः, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उन्त प्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियां, तर्धात्:—

- 1 श्री राजेन्द्र प्रकाश
- (ब्रन्तरकः)
- 2 श्री रामबहादुर व केशव प्रनाद (भ्रन्तरिती)
- 3 विक्रोता (वह व्यक्ति, जिसके क्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राह्मेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी म्यक्तियो पर सूचना की तारीख से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में पे किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितकब किमी अन्य व्यक्त द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित सें किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदो का, जी उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ें.हैं, वही धर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गथा है।

ानुसूधा

मतान नं० 280--ए व 280--बी मय कोठरी दालान, दिनरोड, गोदाम सहन मय जमीन व नल पानी मय मशीन व पिटिंग आदि ब दूकानात स्थित मोहल्ला काली बाड़ी पो० ओ० सिटी शहर बरेली व सम्पत्ति का बहु सब विवरण जो सेलडोड व फार्म 37-जी सं० 4543/1/79 में विणित है जिनवा पंजीकरण सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 21--9--79 को हो चुना है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनक

नारीख: 19--2--1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 19 फरवरी 1980

निर्देश सं० श्रार०--143/श्रर्जन---श्रतः मुझे, श्रमर सिंह विसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

न्नोर जिसकी सं० एन० एम० पी० सी० 30/33 है तथा जो मालदहिया, वाराणसी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15--9-1979

को पूर्योक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- ा. श्रीमती मुकुल रानी दास गुप्ता (श्रन्तरक)
- 2. श्री राजेन्द्र किशोर राय व देवेन्द्र विश्वोर राय
- 3. श्रीमती मुकुल रानी दास गुप्ता व उनके परिवार के सदस्य। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

एक दो मंजिला ईंटों का बना पक्का मकान जो कि फीहोल्ड भूमि जिसका क्षेत्रफल 1526 वर्गफिट है पर बना हुआ है। यह एस० पी० नं० 541 का भाग है और इसका नगर महापालिका नं० सी०-30/33 मालदिह्या वाराणसी है। तथा संपक्ति का वह सब विवरण जो फार्म 37-जी संख्या 7946 व सेलडीड में किया जा चुका है जिनका पंजीकर सब रिजस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 15-9-1979 को किया जा चुका है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 19-2-1980

माहरः

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.----

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- लखनऊ लखनऊ, दिनांक 29 फरवरी, 1980

निर्देश सं० बी- 89/प्रर्जन--ग्रतः मुझे, ग्रमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी प्लाट सं० 124/ए है तथा जो महानगर हा० स्कूल लखनक में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, लखनक में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रयोन, तारीख 20-8-79

को पूर्वाक्त संपित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिष्कत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उण्धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- 1. श्रीमती शांन्ति चौहान (अन्तरक)
- 2. श्रीमती बीना रस्तोगी (श्रन्तरिती)
- 3. बिकेता (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[‡], वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट लीजहोत्ड नं० सी० 128/ए पैमाइण 4573 वर्गफिट वाके महानगर हाउसिंग स्कीम महानगर लखनऊ व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37 जी सख्या 4308 में विणित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 20→8--79 को हो चुका है।

> भमर सिंह विसेन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 29-2-1980

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-----

न्नायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांग 29 फरवरी, 1980

निर्देण सं० सी-- 26/प्रजंन-----ग्रतः मुझे, ग्रमर सिंह विसेन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० बी० 15 है तथा जो एल० रोड़, महानगर, लखनऊ में रिध्त है (श्रीर इन्से उपाबद प्रमुस्पी में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णीत है), रिध्दिश विषय प्रधिकारी के वार्यालय, लखनऊ में रिष्टिश है। रिप्रहीव रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-19-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योकन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान क्रिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक है दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुत्रिधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उका अधिनियम की धारा 269-ग के स्नतु-सरण गों, में, उका धिकिश्वम ही धारा 269 ध की उपधारण (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री इफपित गार श्रहमद (ध्रन्तरक)
- 2. श्री चन्द्रशेखर श्रीमती संध्या शर्मा (भ्रन्तरिती)
- 3. श्री इफितिकार श्रहमद (वह व्यक्ति, जिसके श्रधि-भोग में संगत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्ब े ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ण्लाट सं० बी-13 स्थित एल रोड़, महानगर एक्सटेंगन लखनऊ। क्षेत्रफल: 6324 वर्गफिट सीमा: पूर्व प्लाट सं० बी-11 व 41 पश्चिम: 60 फिट चौड़ी एल० रोड और प्लाट सं० बी०-1 व 14 दक्षिण प्लाट नं० बी०-1 व 12 पैमाईश पूर्व-पश्चिम: 62 फिट। उत्तर दक्षिण: 102 फिट और संपत्ति का वह सब विषरण जो सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 5186 में विणित है जिन्या पंजी- करण सब राजस्ट्रार, लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 27-9-79 को हो चुका है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम **अधिकारी,** मह्यक ग्रायकर श्रायु**क्**त (नि**रीक्षण),** श्रर्गन रेंज, लखनऊ

तारीख: 29--2-1980

प्रकृष भाई • टी • एन • एत • ---

बायसर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ(1) के प्रशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गयक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजैन रॅज, सखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 फरवरी 1980

निर्देश सं० जे-51/म्रर्जन---म्रतः, मुझे, ग्रमर सिंह बिसेन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त अधि नियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/-र• से प्रधिक है

भौर जिसकी मकान सं० ई० सी० .02/237 है तथा जो कटरा चांव खां बरेली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरेली में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-5-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है भौर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिवात अधिक है भौर धन्तरित (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उय पाया गया प्रतिकल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निकात में वास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आखि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या इससे इचने में सबा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किनी आप या किसी धन या सन्य मारित्यों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या धनत प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथित :—
5—46GI/80

1 श्री मिर्जा धसगर घली बेग

(ग्रन्तरक)

2 श्री जितेन्द्र कुमार श्रग्रवाल

(ग्रन्तरिती)

3 डा० भवानी शंकर श्रग्रवाल (वह व्यक्ति, জিন্ট) श्रिधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस मूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की भवधि, जी भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गरूदों भीर पदों का, को उक्त प्रितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस बद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० ई० सी० .02/237 स्थित मोहल्ला कटरा चांद खां शहर बरेली व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीड व फार्म 37 जी संख्या 4725 में विणित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 3-9-1979 को हो चुका है।

> अमर सिंह विसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 29-2-1980

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-षु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय्लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, 29 फरवरी 1980

निर्देश सं० वी०-45/प्रर्जन---ग्रतः, मुझे, श्रमरसिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रज. से अधिक है

श्रीर जिसकी दीपक बिल्डिंग का श्राधा भाग है तथा जो बुद्धबाजार, मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29-8-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ख्रय से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों अर्थात्:—-

1. श्री साविन्दर सिंह

(भ्रन्तरक)

2, श्री विश्वनाथ बहुल

(मन्तरिती)

3, उपरोक्त ग्रन्तरक एवं ग्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कागे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उसर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

दीपक बिल्डिंग का भ्राधा भाग स्थित बुद्धबाजार स्टेशन रोड, मुरादाबाद, यू० पी० व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडींड व फार्म 37-जी संख्या 4969 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 29-8-79 को हो चुका है।

> अमर सिंह बिसेन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

सारीख: 29-2-80

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रशिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण द्यर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 25 मार्च 1980

निर्देश सं० के०--90/ग्रर्जन--ग्रतः मृक्षे, ग्रमरसिंह बिसेन,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या 5 ब्लाक-ए है तथा जो कस्तूरबानगर सिगरारामपुरा, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-8-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पण्डा प्रतिफल के पण्डा है की यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डा प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठितियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगमे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय झाय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुमरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :—

- (1) श्री रमाकान्त मिश्राव जिरये भटार्मी भनुराग मिश्रा (2) श्री अनुराग मिश्रा। (ग्रन्तरक)
- 2. फर्म कुमार कारपेट एक्सपोर्टस व जरिये पार्टनर्स रंजीतकुमार, ग्रजीतकुमार, श्रीमती प्रभावती देवी और ऊषा देवी व मंजू देवी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- [] | (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधीह्स्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो जक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2450 वर्गफिट क्षेत्रफल का प्लाट नं० 5 ब्लाक-ए, कस्तूरबानगर मोहल्ला सिगरा ग्राम रामापुरा, घाराणसी मय तीन मंजिला मकान जो इस पर बना हुम्रा है व सम्पत्ति का वह सब विजरण को पेनिजीड व फार्म 37-जी संख्या 5929 में विणित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 2-8-1979 को हो चुका है।

ग्रभर सिह् बिसेन सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), सर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 25-3-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

श्रायरुर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रत, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 3 प्रप्रैल 1980

निदेश सं० ए०-81/ग्रर्जन--ग्रतः मुझे, ग्रमर सिंह बिसेन,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उका श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षात्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रिक है

ग्रीर जिसकी सं० बी-27/78 ए- 1 तथा बी 27/78 ए- 1- ए हैं तथा जो न्यू कालोनी, भेलूपुर, वाराणसी में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 23-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या भ्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्ठिपाने में सुविधा के लिए;

यतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों अर्चीत — 1. डा० जे० एम० घोषाल

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री ध्रष्ण कुमार, जायस कुमार, भूपेन्द्र कुमार व ग्रश्विनी कुमार (ग्रन्तरिती)
- 3. उपरोक्त विकेता (वह व्यक्ति, जिसके ध्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घनिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की घनिध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भित्त में हित-बद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त बाध्यों भीए पदों का, जो उपत ग्रिक्षितियम के ग्राध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रार्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

तीन मंजिला सकान नं० बी 27/78 ए-1 तथा बी 27/78-ए-1-ए सय भूमि के स्थित: मुहल्ला न्यू कालोनी भेनूपुर, शहर: वाराणसी व वह सारी सम्पत्ति जिसका विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 6841 में दिया गया है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार वाराणसी के कार्यान्य में दिनांक 23-8-79 को हो चुका है।

श्रमर सिंह बिसेन स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 3-4-1980

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ इस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के घंधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

ध्रजेन ेंज- , ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 15 फरवरी, 1980

निर्देश सं० सी॰श्रार० 869 ए०सी०क्यू०-23—II/79-80--श्रतः, मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन समम प्राधिकारी को यह निव्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वपये से प्रधिक है और जिसकी सं० जमीन का प्लाट एस० नं० 148, 135/1 और 143 है तथा जो गांव वालन्जा जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कामरेज में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है और प्रमारक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे पन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण लिखित में बाद्यविक कप से क्या नदीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ऐ हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रिष्ठितियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधाः के लिए। पौर/या
- (वा) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
 भी जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 अयोजनार्थ भन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

यतः अव, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों अर्थात् !---

- श्री नानाभाई ग्रंबालाल देसाई वलन्जा त० कामरेज (ग्रन्तरक)
- 1. (1) श्री वनमालीमाई लल्लूभाई पटेल
 - (2) श्री दुनाभाई लल्लूभाई पटेल।
 - (3) श्री इच्छुभाई लल्लूभाई पटेल वेन्डेसर, ता० चोरयासी जिला सुरत। (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सन्पत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी धार्सेप :----

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीब से 49 विन की भवित्र या एरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवित्र, जो भी भवित्र बाद में समाच्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसं व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर जक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबदा किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधीहस्ताक्षरी के पास लिकित' में किए जा सकेंगे:

स्पद्धीकरमा--इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्यों का, को उक्त प्रक्षि-नियम के प्रस्माय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस प्रक्रमाय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती लायक जमीन 24 एकड़ गांव वालन्जा तालुका कामरेज में स्थित है ग्रौर रिजस्ट्री रिजस्टर्ड कार्यालय कामरज में दिनांक 1-8-79 को नं० 774/79 से की गई है।

एस० एन० मोडल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर **ग्रायुक्त (निरोक्षण),** श्रर्जन रेंज, श्रह्मदाबाध

तारीख: 15-2-1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

ग्हायां सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रार्जन रेंज-11, प्रक्षमदाबाद

ग्रहमदाबाघ, दिनांक 15 फरवरी 1980 सं० पी० ग्रार० नं० 870 ए० सी० क्यू० 23- / 79-80--ग्रत मुझे, एम० एन० मंडन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० नोध नं० 1275 सोयगेरी नं० 2 वार्ड नं० 5 है तथा जो हीरापुर, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप मे विणत है). रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, सुरत मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 1-8-79

को प्रांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों अधीन;——

- 1. प्रभुदास हीरालाल पटेल 6/2202 महीधरपुरा, नगरगेरी नाका सुरत। (भ्रन्तरक)
 - 2 (1) श्री सुरेशचन्द्रा शंकरलाल सिगवाला
 - (2) श्री दिनेश चन्द्र शंकरलाल सिगवाला
 - (3) श्री भूपेन्द्रा शंकरलाल सिगवाला

णिकत कृपा को० श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० विभाग-2 वेरच्छा रोड़, सूरत । (श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हित- द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन मो किए जा सकरो।

भ्यन्द्रीकरणः—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अगसची

मिलकत नोध नं० 1225 वार्ड नं० 5 जो सोइगरी मूरत में स्थित है और रिजिस्ट्री रिजिस्टर्ड कार्यालय सूरत में दिनांक 1-8-79 को नं० 1275/79 से रिजिस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० मंडल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) अर्जन रेंज, श्रहदाबाद

तारीख: 15-2-1980

मोहरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज- Π , अहमदाबाद

ग्रहमदाबाष, दिनांक 29 फरवरी 1980

रेफ० सं० पी० ग्रार० नं० 878 एकन $23-\Pi/79-80-$ - ग्रतः मुझे, एस० एन० मंडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० प्लाट नं० 9, म्यु० नं० 13, मर्वे० नं० 328-9 टी० पी० नं० 5 है तथा जो नर्मद नगर भ्रष्ठवा सूरत में स्थित है (भीर इससे उपावद मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, सूरत मे रिजस्ट्री-करण भ्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 7-8-79

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियों वद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थात्:——

- 2. नीलाबेन प्रावीन चन्द्रा ठाकर नामद नगर सोसायटी श्रठवा लाइनम, सूरत। (श्रन्तरक)
- 2. श्री वृजलाल धुर्लभराम जोशी लाल दरवाजा गुन्ही शेरी, सूरत। (श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस सिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलकियत जो माप में 441 चौरस दार है, ग्रौर जो नार्मवनगर में प्लाट नं० 9 ग्रौर टी० पी० सं० 5, ग्रठवा कारन सूरत में हम यह मलकियत रजिस्टर्ड नं० 2987 के ग्रतिरिक्त नं० 7-8-79 के दिन रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सूरत द्वारा रजिस्ट्री की गई है।

> एस० एन० मंडल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) प्रजन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 29-2-1980

मोहरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकार

काय्रिय, सहायक कायकर कायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद शहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

सं० पी० धार० नं० 887 एक्वि० 23-4-1/79-80---भ्रतः मुझे एस० एन० मंडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० नं० 184/1 + 3 कि जमीन है तथा जो गडखोल ता० मंकलेश्वर में स्थित है (भौर इससे उपाबद झनुसूची में भौर पूर्ण रूप में घणित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, मंकलेश्वर में रजिस्ट्री-करण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 2-8-79

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और छन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिवक क्ष्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुकिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या खन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का ३७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, म्, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों क्षांत्रं---

- 1. श्री फकीरभाई वेवजीभाई, काजी फलीग्रा, ग्रव लेश्वर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री अम्बालाल चिमनलाल श्रीर दूसरे, श्रंक्लेश्वर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिहिबत में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कां, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो गड़खोल ता० ग्रंकलेश्वर में है जिसका स० नं० 184/1+3 है यह जमीन रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी ग्रंकलेश्वर के द्वारा ता० 2-8-79 को रिजस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० मंडल सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर खाबुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रॅंज⊶Ⅱ, श्रहमदाबाद

तारीखा: 3→3→1980

माहरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज⊸II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 184/1 + 3 की जमीन हैं तथा जो गोडखल ता० श्रंकलेश्वर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रंकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15→8→1979

को पूर्वाकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्नलिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——
6—46GI/80

- 1. श्री फकीरभाई देवजीभाई काजी फलीग्रा, ग्रंवलेण्वर (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री भ्रम्बालाल भीमनलाल भ्रौर दूसरे अंकलेश्वर
 - (2) धनसुखभाई चुन्नीलाल मीठाईवाला, ग्रंकलेण्वर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पश्चीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

जमीन जो गडखोल ता० श्रंकलेक्वर में है श्रीर जिसका सर्वे न० 184/1+3 है। यह जमीन रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी श्रंकलेक्वर के कार्यालय में ता० 2-8-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

एम० एन० मंडल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 3-3-1980

मोहरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायानिय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज—I, ग्रहमदावाद

अहमदाबाद, दिनांकः 10 जनवरी 1980

निर्देश स० एक्वी० 23--I 2529(922)/11-4/ 79--80---श्रतः मुझे, एम० एन० मंडल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गर्पात्व जिसका उचित बाजार सूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्ठीर जिसकी सं० सर्वे नं० 1723, सिटी पर्वे वार्ड नं० 3, शीट नं० 151 स्युनि० नं० 10-6-56 पैकी है तथा जो बाडिया रोड, पोरबंदर से स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्री नि अधिकारी के नार्यालय, पोरबंदर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तर्णिय श्रगस्त,

को पूर्वोक्त सपित के उचिन बाजार मून्य से कम के उश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएविक्त संपरित का चित्र बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल ने पन्द्रह प्रतिमत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गथा प्रति-फल निम्नलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविद्य रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दापित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धा-कर अधिनियम, या धा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (!) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थान्:---

1. श्री जेराजनाः लजी पाचमतीया मार्फत श्री पी० डी० क्षक्षड, एडवीकेट मारफत एम० पी० रोड, पोरबन्दर। (अन्तरक)

श्री प्रमुदास देवचन्द चोटाई सुतारवाङा, पोन्दददर।
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाधिस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किभी व्यक्ति द्वारा,
- (म) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सपत्ति मो हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहेम्ताक्षरी के पास व्यक्ति मो किए जा सकरेंग।

स्पर्काङ्गरणः — उनसे प्रयुक्त अव्यो और पत्रो का, जो उक्त अत्तर्भ के अध्यास 20-क में परिभाषित ही, वहां अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

अमृसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 1723, सिटी सर्वे नं० 3, शीट नं० 151 म्यूनि० नं० 10-46-456 पैकी नं० 916-83 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली भेरेज रूम तथा कम्पाउन्डपोल के साथ जो बिगया रोड पोरबदर में स्थित है तथा बिक्री दस्तावेज नं० 2904 श्रगस्त 1979 से रिजस्ट्रीकर्ता श्रधियारी पोरबंदर द्वारा रिजस्टर्ड हुआ याने उसमें जैसे प्रापर्टी वा पूर्ण वर्णन दिया गरा है।

> एस० एन० मंडल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, श्रहमदाबाट

नारीख: 10-1-1980

मोहरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, श्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिना⊹ 10 जनवरी 1980

स० ए० सी० क्यू० 23-I-2529(923)/11-4/79-80--- श्रत: मुझ एस० एस० मंडल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणान् 'उक्त अनिनयम' कहा गया है), की धारा 26 राम के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर मणात्न जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० सीटी सर्वे नं० 1723 पैकी वार्ड नं० 3, शीट नं० 151 स्यूलिं० नं० 10.6-56 हैं तथा जो वडीया राष्ट्र, पोर्ग्वदर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध स्राह्मों में श्रीर पूर्ण का में जिन्ह है), रिक्ट्रीत नी प्रावकारी के जार्यालय, पोर्ग्वदर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के प्रवीन, तारीख श्रगस्त, 1979

को पूर्वित गर्पात के अधित वाजार भूलय में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित भंपित का अंधित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल गं, एता दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निगम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दागित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स्र) एसी किसी आय या किसी पन या अन्य शास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्ति एसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, न्नियान में म्विथा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग क अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया अर्थात्:--- 1 श्री नेराज वानजी पाचमतीया, मार्फत श्री पी० डी० कक्कड़, एडवोकट एम० जी० रोड, पोरबंदर।

(भ्रन्तरक)

2 श्री जयतीलाल रामजी गठीया, केंदारेश्वर रोड, पोरबंदर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इंग सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिभित में किए जा सकरों।

स्पद्धीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दौ और पद्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहो अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूखी

खुली जमीन मर्वे नं० 1723 वाली मिटी मर्वे वार्ड नं० 3, शिट नं० 151-म्युनि० नं० 10-6~51 पैकी 189-58 वर्षगज क्षेत्रफत याली जो बगीया रोड पोरवंदर में स्थित है तथा विक्री दस्तावेग नं० 2907/ प्रगस्त 1979 स र्राइस्ट्रीयनी प्रधियारी पोरबन्दर द्वारा रोत्रहर्ष हुन्न है याने उत्तमे जैसी प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मंडल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (तराकण) श्रर्जन रेच-1, श्रहमदाकाद

तारीख: 10-1-1980

मांहर

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 10 जनवरी 1980
सं० ए० सी० क्यू० 23-I-2529(924) 11-4/
79-80---यत: मुझा, एस० एन० मंडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० सिटी सर्वे नं० 1723 पैकी शीट नं० 151, वार्ड नं० 3, म्युनि० नं० 10-6-56 है तथा जो बाडिया रोड, पोरबंदर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पोरबन्दर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, म⁵, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:--- श्री जेराज लालजी पांचमतीया मार्फत श्री पी० डी० कक्कड़, एडवोकेट एम० जी० रोड, पोरबंदर।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती जय गौरी रितलाल जोगिया ठक्कर, पोरबंदर।
 (ग्रन्तिति)
को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्वष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सिटी सर्वे नं० 1723, पैकी सीट नं० 151, वार्ड नं० 3, म्युनि० नं० 10-6-56 जो वाडिया रोड, पोरबंदर में स्थित है। 187-79 वर्ग-गज क्षेत्रफल वाला तथा बिकी दस्तावेज नं० 2906/ ग्रगस्त 1979 से रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी पोरबन्दर द्वारा रिजस्ट्रेड हुआ है याने उसमें असे प्रापर्टी पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मंडल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 10--1-1980

माहरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जनवरी 1980

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निरुवास करने का कारण है कि स्थायर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सीटीसर्वे नं० 1723 म्युनि० नं० 10-6-56 पैंडी है तथा जो बड़ौदा रोड, पोरबंदर में स्थित है (शौर इस से उपाबद्ध अनुसूची में शौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, पोरबंदर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख अगस्त 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- (1) श्री जेराज लालजी पाचर्मानया श्री पी०डी० कक्कड़, अंडवीकेट के मारकन एम० जी० रोड पोरबंदर (ग्रन्तरक)
 - (2) श्री प्रवीण कुमार बल्लभिदास पाऊ सवेरी बाजार पोरबंदर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सीटी मर्वे नं० 1723 वाली खुली जमीन — म्युनि नं० 10-6-56 पंडी 410-48 वर्गगज क्षेत्रफल वाली जो बडीया रोड पोरबंदर में स्थित है तथा बिक्री दस्तावेज नं० 2905/ अगस्त—1979 से रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी पोरबंदर द्वारा रिजस्टर्ड हुआ है याने उसमें जैसे प्रापर्टी का पूण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मंडल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊸I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 10-1-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० आई० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रॅज⊷I, श्रहमदाबाद

ग्रह्मदाबाद, दिनांक 4 मार्च 1980

सं० ए० सी० क्यू० 23-I-2713(956)/1-1/79-80--थ्रत: मुझे, एस० एन० मांडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० सब प्लाट नं० 160 तथा 161, नरोडा हण्डस्ट्रियल एस्टेट के हैं तथा जो नरोडा—श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदा-बाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 13-8→1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. श्री हीरालाल बनमालीदास प्रजापती बी-2, पहली मंजिल, भारतनगर, ग्रान्टरोड़, बम्बई। (ग्रन्तरक)
- 2. मैं रीलायन्स टैक्सटाइल्स इण्डस्ट्रीज पोर्ट हाउम चौथी मंजिल, तिलक मार्ग, धोबीतलाब, बम्बई-2। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ग्गान्टीकरणः—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क मं परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

1673-63 वर्गमीटर क्षेत्रफल वाली इमारत जिसका सब प्लाट नं० 160 तथा 161 हैं जो नरोड़ा इण्डस्ट्रियल एस्टेट श्रह्मदाबाद में स्थित है तथा बिकी दस्तावेज न० 9458/13-8-1979 से रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी श्रहमदा= बाद द्वारा रजिस्टर्ड हुआ है याने उसमें जैसे प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एम० एन० मंडल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 4-3-1980

माहरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 4 मार्च 1980

सं० एस० सी० क्यू० -23-I-2996(957)/1-1/79-80--अतः मुझे, एस० एन० मंडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० कालुपुर वार्ड नं०-1, शीट नं० 22, सर्वे नं० 2433, 2446, 2447, 2448 है तथा जो कालुपुर टावर के सामने, कालुपुर महमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उप।बद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में धणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, महमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 4-8-1979

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्निलिषित व्यक्तियों अर्थात्:—— 1. कोरावाला महाजन

द्वारा सर्वश्री (1) पटेल रणछोङ्गाल हरीलाल नोवोबास वानापीठ, श्रष्टमदाबाद।

- (2) हीरालाल रामचन्द श्रीरामजी की पोल, वाडीगाम दरीयापुर, ग्रहमदाबाद।
- (3) शांतिलाल माधवलाल, भंडेरीपोल कालुपुर, भ्रहमदाबाव (भ्रन्तरक)
 - 2. कालुपुर कामिशयल सेन्टर प्रमोटर्स सर्वश्री:---
- (1) श्री शहबीर ईमरानभाई लोखंडवाला शेख मुंजाल का मोहल्ला कालुपुर टापर के पास कालुपुर श्रहमदा-बाद।
- (2) श्री जवाह्रलाल डाल्याभाई गांधी निचली शेरी, ढाल के पोल, ग्रहमदाबाद द्वारा। (श्रन्तरिती)
 - 3. (1) श्री जे० नाथाभाई
 - (2) श्री सुरेशचन्द्र गोरधनदास
 - (3) श्री घल्लभदास मोहनलाल
- (4) श्री स्टार कारपोरेशन सब कालुपुर कार्माशयल सेन्टर के मारफत कालुपुर टावर के सामने कालुपुर, श्रहमदाबाद। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्क्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

ईमारत जो कालुपुर कार्मणियल सेंटर नाम से प्रख्यात है जो कालुपुर वार्ड नं० 1 ग्रीट नं० 22, सर्वे नं० 2433, 2446, 2447, 2418 में, कालुपुर, कालुपुर टावर के मामने श्रहमदाबाद में स्थित है। तथा बिकी दस्तावेज नं० 8426/4-8-1979 में रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रहमदा-वाद हारा रजिस्टर्ड हुआ है याने उसमें जैसे प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मंडल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 4-3-1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 13 मार्च, 1980

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-J-2682 (983)/
16-6/79-80---अत: मुझे, एस० एन० मांडल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स्न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक है

मीर जिसकी सं० केवडावाडी, शेरी नं० 2, राजकोट हैं तथा जो केवडावाडी, शेरी नं० 2, राजकोट में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीखा 7-8-1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निश्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- श्री रामजीभाई मेपाभाई चोटलीया, 22, केवडावाडी, राजकोट। (श्रन्तरक)
- श्री बचुभाई मंछोभाई, केवडावाडी गोरी नं० 2, राजकोट। (ग्रन्तरिती)
 - 3. (1) श्री शांतिलाल पोपटलाल
 - (2) श्री बाबूलाल पोपटलाल
 - (3) जिवीबेन रणछोड़भाई
 - (4) मगनलाल खीमजी
 - (5) मनसुखलाल करसनभाई केवडावाडी शेरी नं० 2, राजकोट । (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में संपक्ति है)।

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पाधिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिल का इमारत 333.6 वर्ग गज जमीन पर खड़ी हुई जो केवडावाडी शेरी नं० 2, राजकोट में स्थित है तथा रिजस्ट्रेशन नं० 4848 दिनांक 7-8-1979 से रिजस्टर्ड बिकी दस्तावेज में जैसे पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० एन० मोडल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 13-3-1980

भाक्षरः

प्रकाशकार्थक टीक एक एसक-

आवक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के मझीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, भ्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च 19

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रयोन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छवित बाबार मूस्य 25,000/- व• से प्रधिक है

गौर जिसकी संग्नोध नंग 2783, बार्ड नंग 2 है तथा जो कवितपुरा, सगरामपुरा, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपा- बद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप सें वर्णित है), रिजरद्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 22-8-79 को पूर्वोक्त सम्।ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रद्व प्रतिकात अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) धार अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अग्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धिंतियम के घंधीन कर देने के अग्तरक र दायित्व में कभी करने या अग्रसे वजने में स्विधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या घम्य पास्तियों को जिन्हें भारतोय भायकर धिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिंधनियम, या धन-कर धिंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया काना चाड्रिक् था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः, बाब, उन्त धिविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की जन-जारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 7--46G1/80

- 1. श्रीमती भ्रमीना बीबी भ्रब्दुल सत्तार श्रब्दुल करीम, सिंधिवाड, सुरत। (अंतरक)
- 2. श्रीमती जोहर बीबी मुसुफमीया श्रमीरभीया, गोलकीवाड, सगरामपुरा, सूरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप !---

- (क) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारी खासे 45 दिन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की वामी ज से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता कें राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पतिमारण: --इसर्ने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भश्याय 20-क में परिभाषित है, कही सर्थ होगा, जो अस सम्यास में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो सगरामपुरा, सूरत में स्थित है। जिसकी नोंध नं∘ 2783 कि ग्रतिरिक्त यह जमीन रेजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधि-कारी सूरत के कार्यालय में ता॰ 22-8-79 की रेजिस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, श्रहमदाबा

तारीख: 19-3-1980

मोहरः

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च, 1980

निदेंश सं०पी० न्नार० नं० 896/एक्वि० 23/19-8/79-80-श्रतः मुझे, एस० एन० माडल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० नोंद नं० 5153, वोर्ड नं० 2, है तथा जो कारम मोहल्ला सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 7-8-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल सि से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- श्री सावक जहांगीरजी उनवाला खुसरो बाग, एफ-2, बम्बई। (ब्रन्तरक)
- श्री सुन्दरलाल मोतीलाल डामरवाला कराम मोहल्ल। रस्तमपुरा, सूरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन श्रीर मकान जो कराम मोहस्ला रस्तमपुरा सूरत में है। जिसका नोंद नं० 5153, श्रीर कोई नं० 2 है ये मिलिकियत रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी सूरत के कार्यालय में ता० 2-8-1979 को रिजस्टर्ड की गई है।

एस॰ एन॰ मान्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 19-3-1980

माहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०——— ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंजII-, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 19-3-1980

निदेश सं०पी० भार० नं० 897-एक्वी०-23/19-8/79-80— भतः मुझे, एस० एन० माण्डल

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम', कहा गया है), की घारा 269ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से मिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 468 पैकी जमीत है तथा जो कतारगाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचि में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 1-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का परवह प्रतिगत ग्रधिक है ग्रीर मन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्न ग्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय म्राय-कर म्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था किपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती निर्मला बेन, बाबुभाई गोपीपरा, लीमड़ी-कुई, सुरत। (ग्रन्तरक)
- (2) सैकेटरी: जयंतिलाल रामजीभाई पटेल, मंत्री: श्री परषोत्तम जवाहरलाल पटेल के द्वारा प्रभु-नगर, को० भ्राप० हाउसिंग सोसाइटी, वरीभ्रावी, बाजार, सैयदपुरा, सूरत। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप.---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख । 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधितयम', के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जो कतारगाम में स्थित है श्रौर जिसका सर्वे नं० 468 है, ये जमीन नं० 2910 से सूरत रजिस्ट्री कार्यालय में रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० माण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 19-3-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर भिव्यमित्र (1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भिर्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19-3-1980

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 898 एक्वी०, 23/19-8/79-80—श्रतः मुझे एस० एन० मान्डल,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० पैकी जमीन है तथा जो कतारगाम सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है प्री प्रम्तरक (प्रग्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत, उक्त मिस्तियम के अधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें अन्तारेती द्वारा प्रकट नहीं किया गंगा था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रनः श्रव, उर्रन मिश्रिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त मिश्रिनियम की धारा 269-घ की उत्थारा (1) मिश्रीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यात्:---

- (1) श्री हे मन्तकुमार बालूभाई गोपीपूरा, लीमडी कुई सूरत। (ग्रन्तरक)
- (2) सैंकेटरी: जयंतीलाल रामजीभाई पटेल, मंत्री: श्री परषोत्तम जवाहर पटेल सैयदपुरा, वरीग्राधी बाजार, सूरत। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्तिके ग्रर्जन के लिए

कार्यवाहियां करता हूं।

(क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अबधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त

उनन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:---

(ख) इस भूचना के राजपत में त्रकाशन की लारोख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
किसी धन्य व्यक्ति बारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे '

व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

रगण्टीकरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

जमीन जो कतारगाम में स्थित है ग्रीर जिसका सब नं० 468 है, ये जमीन नं० 2911 से सूरत रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय में 1-8-1979 को रजिस्ट्री की गई है।

> एस० एन० मान्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- अहुमदाकाद

तारीख: 19-3-1980

प्रकप धाई • टी • एन • एस • ----

आयकर प्रश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के प्रश्चीन मुचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, म्रहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 19-3-1980

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 899-एक्वी०-23/19-8/79-80---श्रतः मुझे एस० एन० मान्डल

भागकर प्रश्नितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तस्वति, निनका उचित बाजार मूख्य 25,000/-ध्वए से प्रधिक है

स्रोर जिनको संब्रा सर्वे नं० 468 पैको जमीत है। तथा जो कतार-गाम में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूचि में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 1-8-1979

को पूर्जोका समाति के उनित बागार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुग्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत अधिक है भोर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निजित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है !——

- (क) प्रश्वरण से हुई कितो धाय की बावत, उकत अधिनयम के धधीन कर देने के अन्तरक के बादिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूविधा के सिए;

अतः अब, उक्त प्रश्चितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, एक्न अधितियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अतीत्:—

- (1) श्री बालुभाई प्रभुभाई, गोपीपुरा, लीमडी कुई, सूरत। (श्रन्तरक)
- (2) सैकेटरी: जयंतीलाल रामजीभाई पटेल मंत्री: श्री परषोत्तम जबाहरलाल पटेल के द्वारा, प्रभुतगर को० श्राप० हाउसिंग सोसाइटी सैयद-पुरा, धरीश्राबी बाजार, सूरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूवता जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की शवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 विन की शवधि, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस भूचता के राजाल में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्क किसी अस्य क्यक्ति द्वारा मधोर्म्नाक्षरी ह पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पक्तीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उकत प्राव्धनियम के श्रव्याय 20-क में परिमाधि। है बही अर्थ होता, जो उस अवसाय में दिया न्या :।

अ**नुसूची**

जमीन जो कतारगाम में स्थित है भ्रौर जिसका सर्वे नं० 468 है, ये जमीन नं० 2912 से सूरत रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय में तारीख 1-8-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० मान्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , श्रह्मदाबाद

तारीख: 19-3-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, म्रहमदाबाद अहमदाबाव दिनांक 19-3-1980

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 900 एक्वी/19-8/79-80— श्रतः मुझे, एस० एन० मान्छल

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 468 पैकी जमीन है तथा जो कतार-गाम में स्थित है (श्रीर इससे उपावस श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से ऐसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उनत श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थात्:—

- (1) श्री रोहितकुमार बालुभाई गोपीपुरा, लीमडीकुई, सूरत (ग्रन्तरक)
- (2) सैकेटरीः श्री जयंतीलाल रामजीभाई पटेल मंत्री: श्री परषोत्तम जवाहरलाल पटेल के द्वारा, प्रभुतगर को० भ्राप० हाउसिंग सोसाइटी सैयदपुरा, वरीभावी बाजार, सुरत (भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उमत सम्यत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी
 ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रपुक्त सब्यों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रविनियम के श्रष्टयाय-20क में परिभाषित है, वहीं श्रर्य होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन जो कतारगाम में स्थित है झौर जिसका सर्वे नं० 468 है। ये जमीन नं० 2913 से रिजस्ट्रीकर्ता झिंधकारी के कार्यालय में सुरत में रिजस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० मान्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-II अहमदाबाद

तारीख: 19-3-1980

मोहरः

प्ररूप मार्द । टी । एत । एस • ----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धारकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 26 मार्च 1980

निदेश सं० ए०सी०क्यू०-23-आई०-2570 (990) 12-2/79-80----ग्रतः मुझे, एस० एन० मण्डल *ब*ायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का **43**) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त श्र*धिनियम' सहा गया है*), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- ४० से प्रधिक है भौर जिसकी सं० म्युनि० नं० 10/144 से 10/1/153-10 गोदाम है तथा जो स्टेशन रोड, भूज में स्थित है (ब्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय भुज में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम' 1908 (1908 का 16) के प्रधीन ग्रगस्त, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के तृत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके वृश्यमान प्रतिफ न से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है भीर मन्तरक (सन्तरकों) मीर मन्तरिती (अंतरितमों) के बीच ऐसे प्राप्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेषय से उनत अस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित मही किया नया है ।—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त घषिनियम के घष्टीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी बन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायश्चर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्स भिवित्यम, या धन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविद्या के सिए;

शत धन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रश्रीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, मर्वात्:---

- (1) श्री केणव लाल वाघजी पटेल कुल मुखत्यार श्री पटेल बाघजी मावजी के मारफत नवावास भाषा-पर ता० भुज। (ग्रन्तरक)
- (2) (1) लुहार नूरमोहम्मद मुगा (2) लुहारसीद्दीक मुसा गांव⊶वारालिया ता०—ग्रवडासा जिला⊸ कख्ळ (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 48 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेंगे ।

स्पव्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में वियागया है।

प्रमुस्ची

10 गोदाम जो 4264 वर्ग फुट जमीन पर खड़े हैं जो स्टेशनरोड भुज पर म्युनि० नं० 10/1/144 से 10/1/153 स्थान हैं तथा बिक्री दस्तावेज नं० 1390 ग्रगस्त 1979 से रिजस्ट्री-कत्ता ग्रिधिकारी भुज द्वारा रिजस्टर्ड हुगा है याने उसमें मिल्तत का जैसे पूर्ण विवरण दिया गया है।

> एस० एन० मण्डल मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 26-3-1980

प्ररूप पार्थ वी ब एन • ए स • ----

आयकर विधिवियम, 1981 (1961 का 43) की घारा 269-प (1) के भाषीन मुख्यता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णनरेज-1 श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 26 मार्च 1980

निदेश सं० ए.०सी ० म्यू ० - 23-आई ० - 2570 (991) 12-2/ 79-80--- प्रत मुझे एस० एन० मंडल भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उका अधिनियम' कहा गया है), की झारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्बन्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25000/- व्यए

से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 5 दुकाने गैरेज के साथ है सथा जो भुज स्टेशन रोड भूज, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण स्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ता श्रधिवारी व कार्यालय भुज मे रिजस्ट्रीयरण प्रधिनियम, 15(8 (1908 का 16) के भ्रधीन भ्रगस्त, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मुख्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के जिमे भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यनापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रश्निता (भ्रन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पापा कया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में प्रास्त्रविक रूप ने किया नहीं किया गया है:---

- (有) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम क अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया वाना पाहिए पा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में में उक्त अधिनियम की वारा 269-व की उपद्वारा (1) के अधीम, निम्मकिखिन व्यक्तियों, अर्वात् :---

- (1) श्री कान्तीलाल बाघजी पटेल कुल मुखत्यार श्री पटेल बाघजी भावजी के मारफत नवाबास-माधापर (ग्रन्तरकः)
- (2) (1) श्री नूरमोहम्मद मुला लुहार (2) श्री गाव: वारालीया ता० सीदीक मूला लुहार (श्रन्तरिती) भूज, जिला वच्छ

को यह सुवता बारो करके पूर्वोत्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता ह ।

उनत मन्त्रति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी माजप :---

- (का) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणन को तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी क्यमितयों पर सुबना की नामील से 30 दिन की धयधि, भी धी धविद्याद में समाप्त होता हो, के भोपर पृर्वीका अविनयों में में किया व्यक्ति द्वारा;
 - (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक किमी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्रस्ताकारी हेपास सिवित में किए जास हेंगे।

स्पन्तीकरण:--इनाँ प्रयुक्त शन्दां श्रीर नर्दा का, जो उनन प्रधि-नियम के अध्यात 20न्त में परिभाषित है. वही प्रवेहोता, को उस अध्याय में विया गया है ।

अनुसची

गैरेज के साथ 5 दुकाने जो 2535 वर्ग फुट जमीन पर खडी--भूज स्टेगन रोड---भुज मे स्थित है तथा बिक्री दस्ता-वेंज नं० 1391/ग्रगस्त-1979 से रजिस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी भूज द्वारा रजिस्टर्ड हम्रा है उसमे जैसे प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

> एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज- अहमदाबाद

सारीख: 26-3-1980

प्रकृप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के अधीन कुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख 28-3-1980

निवेश सं० ए०सी०क्यु० 23-आई०-2724(997) 1-1/79-80—म्ब्रतः मुझे एस० एन० मण्डल धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यान् 'उनन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने हा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूह्य 25,000/-रुपये से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं सर्वे नं 155, हिस्सा नं 2,3,4 तथा 5 है तथा जो घोडासर, श्रहमदाबाद जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिवर्ट कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधित्राम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन श्रगस्त, 1979 की

को पूर्वोक्त सम्पति के जिन्द बाजार मृथ्य से कम के पृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृथ्य, ससके वश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफल के प्रश्वह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण मिक्ति में वास्त्रम् विका रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रियन नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के बायिश्व में कमी करने या उससे वजने में शुविज्ञा के लिए; भौए/या
- (क) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय प्रायकर अग्निनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिविषम, या खनकर प्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए चा, किया में सुविधा के सिए;

(1) श्री चन्द्र भान्ताबेन मोहनलाल लल्लुभाई कोठारी, तथा अन्य कुल मुखत्यार श्री हममुख लाल मोहनलाल कोठारी के मारफत श्रमृतलाल की पोल, खाडिया श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) बरमाना को० ग्राप० हाउसिंग सोसाइटी हिलिमिटेड चेयरमैन: श्री श्रमरकान्त एच० व्यास के मारफत बालबाटिका के पीछे, मणीनगर, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की संवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संवधि, जो भी संवधि बाद में समाध्त होनी हो, के भीतर पूर्वोत्तन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से:

 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितवद किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोतस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यक्वीक्षरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनसं श्रीविषयम के श्रीव्याय 20-क्ष में परिवाधित हैं. वहीं प्रयं हीया जो उस श्रीवाय में दिया गया है !

अनुसूची

जमीन जो 7698 वर्गगज, 8265 वर्ग गज, 6355 वर्ग गज तथा 3875 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली है जिसका सर्वे नं० 155 पैकी है जो जो घोडासर जिला श्रहमदाबाद में स्थित है है तथा बिक्की दस्तावेज नं० 9045/9046/9047/9048/79 जो श्रगस्त 1979 के दूसरे पखवाड़ में प्राप्त हुए तथा रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी श्रहमदाबाद द्वारा रजिस्टर्ड हुआ है याने उसमें प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

> एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-ा, अहमदाबाद

नारीख: 28-3-1980

प्रसम् प्राई० टी० एस० एस० ।

्झायक्ट्र, प्राधानयम, 1961 (1961 का 431 का धारा 269-घ (1) के प्रधान सुचना

भारत सरकार कार्याच्चय, सद्घायकः,चायकर,चायुक्तः ,(निरीक्षण)

> अजेन रज-म. अहमदाबीट तारीख 25-3-1980

निवेश पी० श्रार० नं० 903 ए०सी०क्यु०-23-II 79-80---

भन्न मुझे स्ट्र्स्स प्रत्मित मिण्डल है। आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) कि कि इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम', कहा गया है), की धारा 269 ख के अस्तिन सार्थक प्रधिनयमी की, महस्तिकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इर्ष सिमिधक है

भौर् सिजेंका स॰ एस॰ न्॰ 863-1; 864; 865, 863-2, है तथा जा नगनल हु इव् न॰ 8 ं पारडो कस्बा में स्थित है (श्रीर इसेंस उपाबक श्रीमुंची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकीरी के के विकित एएडी के श्रीम स्थान स्थान

कोत् प्रस्तों का सम्मत्ति के उष्णिक आजार मूक्य से कृम हो दृश्यमान प्रतिफल के लिए अवस्ति एक की नार्य है अपे हुन्स से कृम हो दृश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्यों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफला के हेले हुन्ह का कम्मतिकला का कि साम प्रतिफला के होले हुन्ह का कम्मतिकला का कि प्रतिफला के हिले हिले हुन्ह का कम्मतिकला का कि प्रतिफल के कि प्रतिक्रियों के प्रतिक्रियों के कि प्रतिक्रियों कि प्रतिक्रियों के कि प्रतिक्रियों कि प्रतिक्रियों के कि प्रतिक्रियों के कि प्रतिक्रियों के कि प्रतिक्रियों के कि कि प्रतिक्रियों कि प्रतिक्रियों के कि कि प्रतिक्रियों कि प्रतिक्रिय

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रम्भिन्न-स्कर देने के भ्रन्तरक के दायिन्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के त्रिप्ते - भीत्र/पार
- (ख) ऐसी किसी आय या किसा धन या धन्य आस्त्या ो, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रीधीनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त श्रीधीनयम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ श्रन्तारता द्वारा प्रकट नहीं किया स्वान्धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुक्किशा के लिए;

श्रतः श्रवं, उक्त श्रीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-ग्रद्धकी -हम्प्रधारा (मि)। प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्राचीत्:—

- 1 (1) श्री नीविरेण श्रेरवैशा पेरिडेविला,
 - (2) श्री घरनागीसा श्ररचशा पारडी वाला ''(3) श्री ⁽नीशोर्खान श्रीरंचशा वेपरडीविली
 - (4) कुम्भवनाम अरमणा ग्यारखावालाम-
 - (5) डोलीबेन श्ररचशा पारडीवाला
 - (6) श्रमीबेन श्ररवर्गा पारंडावाला, प्रभावत अध्यक्त श्रमकारक)
- 2. (1) श्री हृतीक्रभाई स्टीमज़ब्स गोरी
 - (2) श्री अब्युलमजीद हनीफ गोरी
 - (3) श्री ग्रब्दुल लतीकः हेलीकः गोरीं
 - (4) श्री ग्रब्दुल के० हनीफ गोदी
 - (5) श्री श्रब्दुल गफर हनीफ़्-गोरी-जिला-वालवाद

कस्या पारडी तालुक-पारडी बाल्-बाल्साद (अस्त्।रत्।), को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति **के प्रजंग के लिस्** कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के म्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी म्राक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरमम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीच से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किएंजा सकेंगे।

स्पब्हिकरफं: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया

असमही

जैमीन एस॰ नि॰ 863-1, 864 865, 863-2, है जो नेर्सनल 'हाइब न॰ 8 पारडो 'मस्चा' में 'स्थित है और रजिस्ट्री-कर्नी अधिकारी' के कार्यालय परिक्षि भीना 938 में दिनाक हो हैं ने कि के रिजिस्टेंड कि निक्ष हैं कि मिल्

> ण्सू एन० मंडल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मण्डलेक्यीन सेन्द्र-प्रिम्मक्तकस्याव

ताराखः मोहरः ोस्त्वा जोड् अन्दी काएम ० एस ० :-----

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का. 43) की धारा 269-घ (1) क अधीत सचनाः

भारत सरकार

न्हार्यालयः सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-II, श्रेंहर्मदीकी इसे**एओका: ३७-७: १०० ह**िए

निदेश संूुपी० भ्रार्० नं० 904 ए० सी० क्यू०-23-II/

आयुक्र आधानयम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहेंचीते जिल्ही कि विदेश के भारा 269 कि कि अधीन सिक्रिक प्रीक्षिकी सिक्रिक कि कारण हो कि स्थावर सम्पति, जिल्ही कि विदेश बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक हो

भौर जिसिकों सिंही संबंधित ने 1/84 भीर िंगिर शिक्ष में जिसिकों सिंही संबंधित है भीर सिंही जिसिकों भीर भीर भीर भीर भीर भीर भीर सिंही से मिलिस भानेद में रजिस्ट्रीकरण भ्राधिनियमी से 1/8 का 1/8 के भ्राधीन 1/8 का 1/8 के भ्राधीन 1/8 का 1/8

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कराने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकीं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था छिपान में सिद्धधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गृ को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— ----(1) श्री करिए ड विवेशको स्वाप्तिकारी भाई फूलाभाई पटेल की स्पष्ट जिव्धका जाकेकी ह बाहोल स्तालकार डिकेट्यक हाए

(३) के प्रधीन सूचना (१) के प्रधीन सूचना

(2) गोवरधन नगराकक्रोक प्रकारण हाउसिंग सोसाइटी (एशिस्ट्रिके अपूर्वाः (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वाक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करती हैं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्धानों कहेर्ड भीव्याक्षेप्रकृत प्राप्त

- (क) इसट्र सङ्का क्रि.राज्यका में प्रकायन की प्रारंखित से प्रक्ति की का खादिए या तहसम्बद्धी क्षित्रितामों पूर से से की की तामील से 30 दिन की अविध् जो भी कि भीतर पूर्वाक्त के जिसी की की से समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वाक्त के क्यों किता में संक्रिती क्षेत्रित में किसी क्षेत्रित स्वारं के मितर पूर्वाक्त
- प्सः स्वति। भिराकका अभिन्त्रकार्यान कि तार्याचे मिसे

 45 जिना के असे तहर सकत अभिन्न सकति कि तिर्वान कि हिंग
 क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट सकते असे सकति क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क

अन्स्ची

जमीन सब नें० 784-1 और 788 है जो भानद में स्थत है और रिजिस्ट्रेकित अधिकारों के कार्यालय भानद में नं० है और स्क्रिक्ट्रेकित अधिकारों के कार्यालय भानद में नं० 1682 से दिनाक 31-8-79 को र्जिस्ट्रेक की गई है। के (९९ ७ १८९१) रहेश मिन्नाइकि जिन्हे

> ऐसंहें ध्रेन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्क्रीकंत रेंज-र्रेड़, अक्षमद्याबाद

研修部: 第5-3-49807

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भायकर **श्रां**धनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II , श्रहमदाबाद

तारीख 25-3-80

निदेश नं ० पी० भार० 905 ए०सी० क्यु०-23-II/79-80-

मतः मुझे, एस० एन० मण्डल, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से प्रधिक है

बाजार मूल्य 25,000/- क्पए स आधक है और जिसकी सर्वे नं० 784-1 और 788 है तथा जो आनंब में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनंद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-8-1979 की

पूर्वोक्त सम्यत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के जिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के जिए ता पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश ने उना प्रन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम, के श्रश्नीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (स्र) ऐने किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिन्नियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, मब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-व जी उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:—-

- (1) श्री पटेल मगन भाई चतुरभाई, ग्रानंद (ग्रन्तरक)
- (2) गोरधन नगर को० आप० हाउसिंग सोसाइटी लिमि-टेड ग्रानंद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधिया तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूचना के राज्यत्र में प्रकाणत को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अमुसूची

जमीन एस० नं० 784-1 श्रीर 788 है जो श्रानंद में स्थित है। श्रीर रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी कार्यालय के श्रानंद में नं० 1682 से दिनांक 31-8-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० **मण्डल,** ृसक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II **अहमदाबाद**

तारीख:25-3-80

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) $% \frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} \right) \left(\frac{1}{2}$

तारीख 25-3-1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 784-1 श्रीर 788 है। तथा जो भानंद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रानंद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के ग्रधीन 31-8-79

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्ट्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित काजार मूल्य, उसके इष्ट्यमान प्रतिफल का पन्मह अतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के िए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्धेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा का लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री पटेल जावेरभाई फलाभाई संघ गांव, नडीयाद तालुका (भ्रन्तरक)
- (2) गोरधन को० म्नाप० हार्जासंग सोसायटी लिमिटेड म्नानंद (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थान्द्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 784-1 श्रीर 788 है जो भ्रानंव में स्थित है श्रीर रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय भ्रानंव में नं० 1683 से दिनांक 31-8-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० मण्डल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख: 25-3-80

प्रकण भारि टी ग्रेस्न र एसं --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का.,43), का भारा 269 भ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II कार्यालय, भ्रहमदाबाद

तारीख 25-3-1980

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 907 ए० सी० क्यु० 23-Ш/ 79-80--- प्रतः मुझैं एस ० रिन् ० मण्डल आयकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमे इसके पत्रवात 'उक्त मिन्नियम' कहा गया है), की धारा ्र्यु के खु कु अधात समर्प प्राक्तिकारी को यह विश्वास करने ,को, क्रीह्रण है कि म्यावर संपत्ति, जिलका उचित बाजार म्लय 25,000/- व ♦ से झिक्षक है ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 13-ए० श्रहणोदय को० श्राप० सोसाइटी लिमिटेड है तथा जो अलकापरी बडौदा में स्थित है (ग्रौर इससे जिपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्री-नियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन 120-8-79 [बॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के पृथ्यमान प्रति-फल के लिए भ्रम्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का छन्ति बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्त-रितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निकालिकत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिकित में वास्तविक स्थ से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अरुपण्डा हसे हुई। किसी आग्र ५ मी व्यायत हासमा हे हा यशिनिमा के मुझीत क्य देते के अरुपण्डा के प्रशिक्त में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के विलिध। और/धा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
 को को किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
 को किसी किसी आयकर प्रधिनियम, 1922
 -(-1:922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर्मा किसी प्राप्ति 1. 1. 1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया
 या या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के सिए।

अतः, अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की बारा 269-व की। उपकारत (म) में अधीन, निम्निस्तित व्यक्तियों, अर्थात् :-- -----(-1-) श्री ए**छोठामा**ई ्मितीमाई पढेल और दुसरे 12 आनुद्ध सोसाइटी बडौदा-5 (प्राह्तरक) (2) श्री चन्दुभाई एन० पटेल, श्रहणोदय सोमाइटी अनकापुरी, बडौदा

(श्रन्तरिती)

को यहाक्त्रकाः भाषाः करके पूषित सम्बद्धि के अवस्थि के लिए कार्यशहियहे क्षरताः हूं।

उक्त सम्पनि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आहें। ---

- (क) इप सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नेहपीय सेह कड़ दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियो एक सूचले की रामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भवेषि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियाँ में स् किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कं राजपत्र म प्रकाशनः क्रमृतासः ५६५ तन्तरः 4,5 दिन कं भोतर उक्त स्थावर संपृक्तिः में हितद्वरः किया अस्य व्यक्ति द्वारा अबोटस्साकारी के प्रमृ क्रिब्हित स किए वा सकेंगे।

र्भकृषकपृष्यः -- इसम प्रतुषतः गव्दा भीर पद्गै तम्मूहः हो। उसतः अधिनयम के भव्यापः स्थापक कि परिमाधित है, वही अर्थ होगा में जीवाहीस अधिमास में विया गया है।

अनुसूची

ाहरू मिलमीन भ्रीर पकान प्लाट नं 13-ए श्रहणीदय सोसायटी मे है जो श्रलकापुरी बडौदा में 'स्थित है श्रीर रजिस्ट्री-करती श्रधाकारी के कार्यालय में नं 4363 से दिनांक 20-8-79 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

> ण्स० ग्रन्त० मंडल संर्क्षण प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्त[े] (निरीक्षण) श्रर्जन-Ш, अष्टमदाबाद

∤ ह्या ची**ख**≾⊬25*3-80 मो**ह**र :

है

म्भप-माई• टी• एन• एस •---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक आयकर आपुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख 26-3-80

निर्देशें सं० पी० स्नार० नं० 908 ए० सी० क्यु०-23-II/ 79-80—अतः मुझे एस० एन० मण्डल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/- दुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सर्वे सं० 490 है तथा जो लखवाड पट्टी नडीयाड में स्थित र (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नडीयाड में क्ष्रिरजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 17-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उलित बानार मृत्य ये कम के वृर्गमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुप्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथानुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य उसके धृष्यमान प्रतिकत ने ऐस दृष्यमान प्रतिकत के पन्द्रह प्रतिलत से गिष्ठक है और प्रस्तरक (प्रश्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, विस्तिविद्यं उद्देश्य के उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अस्तरह के दायित्व में कभी फरने या उपपंचत्रने में मुनिधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घर या प्रत्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय थायकर प्रिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रवित्यम, या धन-कर भ्राधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उन्त मिलियम की बारा 269-ग के मनुसरण में, म, उपत मिलियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के धीन, निग्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) (1) मनीभाई वाघजीभाई पटेल लखवाड चोरा के पास नडीयाड
 - (ii) नवदीप गोरधन भाई लखवाड, नडीयाङ (श्रतरक)
- (2) श्री काशभाई प्रहलादभाई पटेल हीरीकंज संतराम सोसाइटी, नडीयाद (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के श्रजन के यम्बन्ध म कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की ग्रविष, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविष जो भी ग्रविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी प्रन्य श्यक्ति द्वारा भ्रघोत्स्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोक्तरगः ---इसर्ने प्रमुक्त ग्रन्थों सीर पर्यो का, जो जनत पधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहो प्रयोगा जो उत्त प्रवसाय में विया गया है।

अनुसूची

खेलिकी जमीन सर्वे नं० 490 संतराम डेरी के पास है जो पीपलाज रेलवे कार्सिंग के पास स्थित है श्रीर रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नडीयाद में नं०-2929 से दिनांक 17-8-79 के रोज रिजस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० मंडल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज-II अहमदाबाद

तारीख: 26-3-80

प्ररूप आईं० टी० एन० एस० —

बायकर बिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-II कार्यालय, श्रहमदाबाद तारीख 26-3-1980

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुठ से अधिक हैं।

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 490 है तथा जो लखवाड़ पट्टी नडीयाद में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वांजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, नडीयाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम 1908 (1908 का 16) के श्रष्ठीन, 17-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- (1) (i) मणीभाई बागजीभाई पटेल लखवाड़ चोरा के पास नडीयाद
 - (ii) नवदीप गोरधन भाई लखवाड़, नडीयाद (म्रन्तरक)
- (2) श्री ग्ररिवन्दभाई इन्दुभाई "गुरुदया" संतराम सोसाइटी नडीयाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाजित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिन खेती लायक जमीन ए० डी० एम० नं० 2299 एस० नं० 490 है जो संतराम डेरी के पास पिपलाज रेलवे कार्सिंग में स्थित है और रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नडीयाद में डीड नं० 930 से दिनांक 17-8-79 को रिजस्टर्ड की गई है।

> एस०एम० मंडल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ध अहमदाबाद

तारीख: 26-3-80

प्रकप आई० दी॰ एत• एत•——

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्घायक भागकर भागुकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

अहमधाबाव, दिनांक 26 मार्च 1980

निवेश सं० पी० झार० 911 ए० सी० क्यु० 23-II/79-80-झत: मुझे, एस० एन० मण्डल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त सिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सभीन ससन प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से विधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 45 एण्ड 46 है तथा जो जो नागोर हवेली इन्डस्ट्रीयल एस्टेट, सीलवासा में स्थित है (भीर इससे जपाबस भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, बाम्बे में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 4-8-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के बृहयमाम शिक्त के जिये मन्तरित की गई है भीर मुझे बड़ विश्वास करने का नगरण है कि ववापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उतके बृहयमान प्रतिकत से, ऐसे बृहयमान प्रतिकत का पन्वह प्रतिकत अधिक है भीर प्रन्तरक (प्रस्तरकों) भीर धन्तरिक्षी (अस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निस्थित उदेश्य से खनत प्रस्तरक निवास में बास्तिबक इप से कचित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण प हुई किसी आग की बाबत अक्त प्रक्षिक नियम के प्रक्षीत कर देने के प्रकारक के दायित्य में कमी करने या उसमे बचने में पुविधा के लिए। और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर शिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, मा खा-कर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती जारा प्रकट नहीं किया गया या सिया जाना चाहिबेधा, जिलाने में सुविधा के तिए;

नतः अब, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ए के अनुसर्थ में , अक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :---9---46GI/80

- (1) श्री रामभाई शांतिलाल मेहता घौर वूसरे; मैं० टेक्सटाइल्स टेक्निशियन्स कार्मिशयल के भागीदार, 450, लैमिन्गटम रोड, तीसरी मंजिल, बोम्बे-4 (अन्तरक)
- (2) मैं बोम्बे टैंग्सटाइल्ल के भागीगवार (1) श्री मुरारीलाल बाबुलाल खेमानी 201, कालबावेबी रोड, बोम्बे-2
- (2) श्री हरीशकुमार रामकरण कमालिया 20/सी॰ कुन्गरशी रोड श्रीसागर, बालकेश्वर, बोम्बे-6
- (3) श्रीमती शकुन्तला नाथालाल बजाज; 29/सी० इम्मरशी रोड, श्रीसागर, बालकेश्वर, बोम्बे-6 (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजैत ने ाम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्म व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताकारी के पास निश्चित में किसे जा सकेंगे।

श्यक्षीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पर्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवाधित हैं, वही घर्च होगा, को उस घड़्याय में दिया गया है।

प्रनुसुची

जमीन भीर मकान प्लाट नं० 45 भीर 46 है जो नगर हवेली इन्डस्ट्रियल एस्टेट में स्थित है भीर रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बाम्बे में नं० 1772/75 से दिनांक 4-8-79 को रिजस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० मंडल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीखः मोहरः प्रहप आहें टी० एन० एस० -

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज । भ्राटमकार्यकार

प्रहमदाबाद, दिनांक 2 श्रप्रैल 1980

पी॰ ग्रार॰ नं॰ (999) ऐस॰ स्यू॰ 23 /79-80 I-1-द्यतः मुझे ऐस० एन० मांडल ब्रायुक्द ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसने इसमें इसके पत्रवात् 'उका प्रत्यितिसम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिनारी को,यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित म्रुय 25,000/- रुपए से मधिक है ग्रौर जिसकी सं० ऐस० नं० 4894 सी नं० 2556 ए० शाह-पूर है तथा जो श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे छपाबद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रजीन 8-8-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य सेकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे व स्पनार प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशार से घांधिक ै भौर ान्तरह (भ्रन्तरहों) श्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित महीं किया गया है।

- (क) प्रन्तरण से तुई िक्सी ग्राय की बाबत उक्त मधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में किमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती होरी प्रकट नहीं किया गया था या किया जानी चाहिए था किपाने में सुविद्धा के लिए:

श्रुतः भव, उक्त भूषिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपश्लारा के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयोत् :---

- (1) 1 श्री हरी जेनाव दामोवरवास (2) श्रीनीतीनभाई कन्हें यालाल, णाहपुर,गोझारीस्रानीपोल श्रह्मदाबाद (श्रन्तर व)
- 2. श्री की एती नान जिम्मनलाल मेहना, भद्रेश्वर सोसाईटी देव्हीदरवाजा के बाहर हाथीभाई टेम्पल के सामने, श्रहमदाबाद (ग्रन्नरिती)

की यह सूचना जारी हरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रार्वेत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (季) इस सुबूता के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रश्रिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (का) इस सूचना के उपजरत में प्रकारत की लाधील से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितबब किएी अस्य व्यक्ति द्वादा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकृद्ध :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पतों का, जो उक्त मधि-नियम के शब्द्याय २०-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन पर खड़ा हुआ मकान एस० नं० 4854 मीट नं० 45 एम० सी नं० 2596-ए शाहपुर I में है और श्रह्मचाबाद में स्थित है जो रज़िस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रह्मधा-ब्राह्म में रजिस्टर्ड नं० 7715 से दिनांक 8-8-1979 के रोन रजिस्टर्ड की गई है।

> एम० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज , श्रहमुद्याबाद

त(**रीख** 2-4-1980

प्रकृप मार्रे टी॰ एन॰ एस॰---

म्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रंजन रेंज-II, ग्रहमदांबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 श्रप्रैल 1980

निदेश सं्पी० प्रार० नं० 913्ऐ०सी० क्य० 23-XI/79——80— श्रत, मुझ, एस एन० माडल

मायकर मधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से मधिक है

ग्रोर जिसकी से० प्लाट नं० 8 रोड नं० 2 है तथा जो उद्यना उद्योगनगर से स्थित है (ग्रोर इससे छपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 13-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरक से हुई किसी श्राय की बाबत, उन्त प्रिध-नियम के प्रभीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिश्य में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त धिधिनियम की धारा 289-ग के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त धिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत्:—

- (1) श्री निरंन्जन बैनीलाल यलाल; 9/1302, बालाजी रोड,सूरन (ग्रन्तरक)
- 2. मैं० पन्नीलांल श्रीर सन्स; 7/4425, बेगमपुरा, दारू-खाना सूरत । (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पात के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

वनत सम्यत्ति के भ्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन की श्रवधि या तंस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इसं सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंग।

स्वर्धोत्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिश-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन प्लाट नं 8 गीड नं 2 है और उधना उद्योग नगर में स्थित है। श्रीर रजिस्ट्रीक्रण श्रधिकारी के कार्या-लय सुरत में नं 3032 से दिनांक 13-8-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० मांडल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जैन रेंज-II, अहमदाबाव

तारीख 2-4-1980 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर ध्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत रकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज-, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 2 श्रप्रैल 1980

पी० ग्रार० नं० 914 ऐक्तू 23-II/79-80--ग्रतः मुझे एस० एन० सांखल ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिस, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से प्रधिक है ग्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 8 जमीन रोड नं० 2 है तथा जो स्थाना खद्योग नगर खदना में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 13-8-1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्र^नतरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ध्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/य।
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए; }

ग्रतः, ग्रव, उपत ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रिधीन निक्निलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीत् :—

- 1. हंगाबेन रमेशचन्त्र घलाल, 8/1302 बालाजी रोड, सूरत । (ग्रन्तरक)
- 2. मे॰ पञ्चालाल श्रीर सन्स 7/4425 बेगमपुरा, दरू-खाना, सूरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सवंधी अपिक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त सब्दों स्रीर पदों का, जो उक्त स्रिध-नियम के स्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन प्लाट नं० 8 रीड नं० 2 हैं जो **घर**ना **घडोग** नगर **घड**ना में स्थित है। ग्रौर रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकार कें कार्यालय सूरत में तं० 3033 से दिनांक 13-8-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

> एस एन० मोडल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नरीक्षण) श्रजेन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ता**रीख** 2-4-1980 **मोक्ष**ः प्रकप भाई • दी • एन • एस • - - - - - - आयक्तर श्रिष्टिनयम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा
269-व (1) के श्रिष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-Ш, ग्रहमधाबाद

श्रहमदाबाय, दिनांक 2 श्रप्रैल 1980

निदेश सं० पी० प्रार०नं० 915 ए० सी० क्यू० 23-II/79—80—अतः मुझे, एस० एन० मांडल आयकर प्रितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात 'उक्त प्रसिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मूख्य 25,000/- रुपए से प्रसिक है

म्रोर जिसकी सं० नोंद नं० 358/ब है। तथा जो चाकावाना शेरी, वाडी फालीया वार्ड नं० 9 सुरत में स्थित है (ग्रौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्री-हर्ना बिश्व हरी के कार्यानय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29-8-1979

नी पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के नियं प्रन्तिति को गई है और मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकत अधिक है और अग्तरक (घग्तरको) भीर मग्तिरी (प्रक्तरितयों) के शेच ऐसे अग्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तिक इप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) स्मारण से हुई किसो माय की बाबत, उक्त अधिनयम के धिमीन कर देने के मन्तरक के वायिस्य में सभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए। और/या
- (का) ऐसी किसी ग्राय या िसी भन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर ग्राम्बनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धन-कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के किए;

सतः सब, उन्त प्रविनियम की बारा 269•ग के प्रमुक्तरण में। में, उन्त प्रविनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के वधीन निश्वनिवित व्यक्तियों, अर्थान् ।→-

- श्रीवन्द्रकान्त छोटुभाई देशाई (2) श्री धनीरु विनोद
 भाई देशाई; चाकावाला शेरी वाडी फलीया, सूरत (श्रन्तरक)
- 1. श्री नागीनलाल न उनदास (2) श्री हरीलाल नगीन-दास बागरा महोल्लो जम्पा बाजार सूरत (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की भविष्ठ या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भी नर अनत स्थावर मम्पत्ति में द्वितवस किसी मन्त्र क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्तानरों के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

हपब्टीकरण: -- इसमें प्रयुवत बन्दों भीर ग्वीं का, जो उक्त प्रधिनियम, के भश्याय 20-क में परिभावित है बड़ी अर्थ होगा, की उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मिलकोयत नोद नं० 3588 है जो चाकाशाला शेरी वाजी फलीया सूरत में स्थित है श्रीर रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में नं० 3137/79 में रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० मांडल स्**यम प्राधिकारी,** स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),** श्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाध

नारीख: 2-4-1980

प्रकप धाई॰ टी॰ ऐमं॰ एस॰-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बार 26ई-व (1) के संधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सङ्गायक आवकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 3 श्रश्रैल 1980 पी० श्रार० नं० 916 ए० क्यू० 23-II/79-80---

ग्रतः मुझे एस० एन० मांडल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 239-ख के प्रधीन समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उच्चित बाजार मृख्य 25,000!-

क से श्रीक्षक है

ग्रीर जिसकी सं नं सर्वे नं 2288/2 घोड़दोड रोड के पास है तथा जो ग्रडश गांव सूरत में स्थित है 'ग्रीर इससे छपा-बद्ध श्रनुस्चित में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23-8-1979

नो पूर्नोक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिपत्त के लिए भन्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और प्रतर्क (अगरकों) और प्रगतिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति फरा निम्नलिखित उद्देश्य से बन्त अग्तरण लिखित में वास्तिक का से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वावत चक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर वेने के प्रस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे वदने में सुविधा के किए। ग्रीर/सा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर पधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीयी भन्तिरिती धीरी प्रकट नहीं किया गया वा यो किया जाना जाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उन्त बिधिनियम की धारा 269-ग के मनू-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नविधित स्पक्तियों, अर्थात्।—

- श्री भवान भाई छकाभाई पटेल गांव वांकानेर ता० वारडोती श्री चतुरभाई रणछोड़जी (श्रन्तरेक)
- ्प्रतीक अपार्टमेन्ट को-ओपरेटिव सोसायटी श्री ए० ए० वःन्डेलीयाला श्री जीतेन्द्रकुमार एस० गोड गांव श्रठवा सूरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी घोछोप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनी की तामील मे 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध वार्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपंति में हिंत-बंद किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अघोहक्ताक्षरी के पास जिकित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्दों घोर पदों का, जो उसत अधिनियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाणि। है, बड़ी अर्थे होगा, जो उस ग्राड्याय में विया गया है।

अनुसूची

मिलकीयत एस० नं० 2288/2 घोडघोल के पास है जो गांव श्रथवा में स्थित है श्रोर रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय सूरत में नं 3108/79 से दिनांक 23-8-1979 के रोज रिजस्टर्ड की गई है।

> एम० एन० मांडल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-II, ग्रहमक्षाबाद

तरीख 3-4-1980। मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०———

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्पालय, सहायक्त ग्रायक्तर ग्रायुक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 7 श्रप्रैल 1980

निदेश सं० पी० श्रार० 917 ए० सी० क्यू०--श्रतः मुझे, एस० सी० तारिख

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी नोव सं० 555 तालावाला पोल, नानावात है। तथा जो कार्ड नं० 11 सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीनर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधि रिव्य 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 6-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के यूक्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके यूक्यमान प्रतिकल से, ऐसे यूक्यमान प्रतिकल का पम्ब्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्षन अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घ्राय की बाबत, उक्त घ्रषि-नियम के प्रधीन कर देने के घ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (का) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या भन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रम, उन्ते, श्रिधिनियम, की श्रारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत:—

- (1) श्री रजनी कान्त कान्सीलाल माह (2) नूतन-बेन रजनीकान्त माह (3) समीर राजेम रजनीकान्त माह ग्रौर उनके कर्ती रजनीकान्त कान्तीलाल माह, नटराज पार्ट-मेंट, भागा तालाब, सुरत (श्रन्तरीती)
- 2. श्रीचन्द्रेश कुमार नवीनचन्द्रशाह; सगीर नीमेश कुमार नवीन चन्द्रशाह और उसके कर्ता नकीनचन्द्र नवल चन्द्र शाह नानावटी हनूमान पार्ले, सूरत (श्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :→-

- (क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशित को तारी वा से 45 दिन की श्रविध या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में सनाय्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीनर उन्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रवीहरूनाक्षरी के प्रास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रष्डोक्तरग--इसमें प्रयुक्त गम्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधि-नियम, के ग्रम्याय 20क में परिभाषित **हैं, वही** ग्रार्य होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिल्कत नोंद नं० 555 बोर्ड नं० 11 है जो तालावाला पोन, नानावाट सूरत में स्थित है ग्रीर रिजस्ट्रीकर्ती श्रिध-कारी के कार्यालय सूरत में 2975 से दिनांक 6-8-1979 के रोज रिजस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० पारिख, सक्षम प्रामधिकारी सहायक भागकर भागुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

तारीख 7-4-1980 मोहर: प्ररूप धाई∙ टी॰ एन० एस∙----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1980

निवेश सं० पी० ग्रार० 918 ऐ०सी० स्यू० 23-II/79-80→ यतः मुझे एस० सी० परीख आयकर पितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परवात् 'उनन मितियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० पुराना एस० नं० 242 पेखी नं० वार्ड नं० 13 है तथा जो नोंध नं० 328 नमेंदानगन वसाहाट प्रख्या सूरत में स्थित (ग्रीर इससे उपावस प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 23-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मुख्य से कम के बृश्यमान प्रतिकान के लिए प्रन्तिरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकाल का पण्डह भितानत से प्रधिक है, पौर यह कि प्रन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रश्तिरती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के निए तय पाया नया प्रतिकाल, निम्ननिक्षित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कवित नहीं किवा यथा है :---

- (क) प्रस्तरम से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त प्रक्षिक नियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के बाबित्य में कमी करने पा उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या ग्रन्थ धारितकों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बंग वा या किया बाना चाहिए चा, छिपाने में मुनिधा के लिए।

जतः अव उपत अधिनियम की झारा 269-ग के अनुसरण में, में उपत अधिनियम की जारा 269-च की उपजारा (1) के अधीन, निक्निधिक व्यक्तियों, ज्वाति ।----

- 1. श्री मधुक्तर नटकरलाल इष्काराम देणाई भुलेश्वर बोम्बे। (ग्रन्तरिती)
- 2. श्रीमिति लिलिताबेन रमेशचन्द्र नायक 5, राधानगर अथवा लाइन्स सूरत (भ्रान्तरक)

की यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्यत्ति के श्रर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की धविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, बो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रष्ठोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छी करण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्तियम, के प्रध्याय 20-क में परिशासित है, बड़ी भवें होगा जो इस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

जमीन न्यू एस० नं० 13 नोद नं० 328 है जो नरेंद्रनगर वसाहत अठवा सुरन में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता मिश्वकारी के कार्यालय सुण में नं० 3101/79 से विनोक 23-8-79 के रोज रजिस्टर्ड की गई हैं।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-]I ग्रहमदाबाद

तारीख 7-4-1980। मोहरः प्ररूप माई • टी • एन • एन • ~

भायकर अधितियम, 1961 (196) का 43) की घारा 269-ष (1) के घषीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीकण)

भ्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद भ्रहमदाबाद, दिनांक 7 श्रप्रैल 1980

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 919 म्सीक्यू० 23-II/79-80---ग्रतः मुझे एस० सी० पारीख

लार के प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के मधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- क∘ में प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० नोद नं० 1518 है तथा जो उमरवाडा सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाश्रद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 30-8-1979

की पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतितन के लिए प्रश्नरित की गई है भीर मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार पूर्व्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्य भन्तरच लिखित में वास्त- विक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या जनने बचने में श्रीविधा के लिए; धीन/या
- (१) ऐसो किसी श्राय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-का शिवियम, या धन-का शिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिमी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाके में युद्धि। के लिए:

अतः अव, उक्त भिधितियम की धारा 269-ग के अनू-सरणों, में, उक्त अधितियम को धारा 269-म की अपचारा (1)के अधीन, निक्तिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:---10---46GI/80

- 1. (1) लक्ष्मीनारायण बीरबलदास (2) सुष्मादेवी जुगलिक्शोर बीरबलदास की परनी श्रवयस्क उषादेवी जुगलिक्शोर
 - ,, ग्राशादेवी
 - ,, रेणुदेवी ,,
 - ,, रामकिशोर ,,

सबके मुख्तारनाम, श्री भ्यामलाल बीरबल दास, 873, गली बेरीवालीया, पाटीराम बाजार सीताराम दिल्ली-६। (श्रन्तरक)

 भे० हीराला कीरीतकुमार तथा कं० के भागीदार (1) श्री हरीलाल रतीलाल जरीवाला (2) बलवन्त राम मोहनलाल जरीवाला (3) धनेमकुमार कान्तीलाल जरी-वाला (4) लीलावतीबेन जमीयत राम जरीवाला स्लाबत-पुरा धमलावाड, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका संपत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्मन के मंबंध में कोई भी पासीप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिस की घवधि या तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संस्थान में हिन-बढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त प्रिविनियम के प्रश्वाय 20-क में परिभाषित है, बही अने होगा जो उस प्रध्याय में दिया गा। है।

प्रनुस् ची

जमीन नोद नं० 1518 है जो उमरवाडा सूरत में स्थित है स्रोर रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारियों कार्यालय सुरत में 3162 से दिनांक 30-8-1979 के रोज रिजस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० पारीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 7-4-1980

प्ररूप आई• ही• एत• एत०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-घ (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांकः 7 ग्रप्रैल 1980

निदेश सं० पी० ग्रार० (1000) ए सी म्यू 23-1/79-80---

श्रतः मुझे, एस० सी० पारीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वपये से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० एस० नं० 211 से 215 प्लाट नं० 11-B पैकी बी-11-3 है। तथा जो साह सैक्शन रोड, जामनगर में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के वार्यालय जामनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के

ग्रधीन 1-8-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे थह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
छिति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत्व से, ऐसे
दृश्यमान प्रविकृत का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तर (सन्तरकों) पीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निवितित
उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिविन कप से कथित
नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उनत अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रंधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के घनू-सरण में. में, उक्त धिधिनियम की घारा 269-म की उक्तारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्धात ।----

- 1. (1) श्री गिरधरलाल माधवजी (2) श्री रमणीकलाल माधवजी इंजन्ज ग्रोफीस के पाम, जामनगर। (श्रन्तरक)
- 2. महावीर वाल्वज सोल० प्रापराईटर; श्री ग्रमृतलाल नाथुभाई शाह; एम० पी० शाह म्यूनिसिपलटी उद्योगनगर जाम-नगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियी करता हूं।

उनन सम्यत्ति के अनंत के सम्बन्ध में कोई भी खाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपळ में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी धश्रधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य क्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मकेंगे।

स्राउटी करण: -- - इस्तर्में प्रयुक्त शन्दों और पर्यो का, जो उक्त मिन्न नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा, जो उन 15राव वंदिया व्याह्में

ग्रनुसूधी

जमीन श्रीर मकान श्रार० एस० नं० 211 से 215 प्लाट नं० 11-वी है श्रीर जो सारू सैंवशन रोड, जामनगर में स्थित है श्रीर रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय जामनगर में नं० 1875 से दिनांक 1-8-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 7-4-1980।

प्ररूप माई ∘टी ॰ एन • एस •---

मायकर मिर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरोंज-I ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांकः 7 श्रप्रैल 1980

निदेश सं० पी० मार० नं० 1001 एसीक्यू 23-1/79-80— मतः मुझे एस० सी० पारीख मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भिषक है

मौर जिसकी भार० एस० नं० 211 से 215 प्लाट नं० 11-बी है तथा जो सारु सेक्शन रोड जामनगर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता श्रिधवारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रीवरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-8-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से श्रीधक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) ग्रन्तरण से तुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिक्षि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी थ्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उका ग्रिधिनियम, या घन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रवः, जनतं ग्रिधिनियमं की धारा 269-गं के ग्रानुसरणं में, मैं, जनतं ग्रिधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः —

- 1. बीजा वाल्वे द्वारा सोल प्रोपराईटर मनसुखलाल नाथूभाई शाह्य (ध्रन्सरक)
 - 2. वडगाम भाईग्रों के द्वारा
- (1) गिरधर लाल माघवजी (2) रमणीकलाल माधवजी इन्जीनियर्स ग्राफिसर के पास जामनगर (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप : 🗻

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तःसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो छक्त ग्रिधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मंकान भार० एस० नं० 211 से 215 प्लाटनं० 11— बी हैं जो सारू सेक्शन जामनगर में स्थित है और रजिट्रीकरण भ्रधिकारी के कार्यालय जामनगर में नं० 1876 से दिनांक 1-8-1979 के रोज रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

तारी**ख 7-4-8**0 मोहरः प्ररूप आई० डी• एन• एस•----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 7 श्रप्रैल 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1003 एसीक्य 23-1/79-80--- अतः मुझे एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उन्त अधिनियम' कड्डा गया है), की घारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० सब प्लाट नं० 13 एफ० पी० नं० 181 एस० नं० 627 से 629 है तथा जो टी० पी० नं०-15 वाडज अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यान्त्य, भ्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-8-1979 को

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तिरति की गई है भीर मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ती का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह 15 प्रतिशत से भ्रधिक है भीर अन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरीती (भ्रन्तरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उका भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खकत घिसिश्म के मधी। कर देने के मनरक के दायिश्व में कमी करने या उससे उचन में मुविका के लिए; भीर या
- (ख) ऐसी किसी अप्य या किसी धन या अप्य आस्तियों को बिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रश्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, स्थत पश्चिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थान:---

- 1. रूप नगर एपार्टमेंटस को०-म्रापरेटिय हाउसिंग सो-सायटी लि० c/o जैयश्री कारपोरेशन 6 रबी चेम्बर्स रीलीफ सिनेमा म्रहमदाबाद (भ्रन्तरक)
- 2. श्री हाफीज रुस्तम दलाल "सुनबीम" मीरजापुर प्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के मंबंध में कोई मी आक्रीय:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तक्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यंक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूबना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के मीतर उक्त क्यांबर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पब्लीकरण: --- इसमें प्रयुका शाक्तो भीर पद: हा, जो उस्त अधि-नियम, के प्रध्याय 20-फ में रिश्माधित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्यत्य में दिया गया है।

प्रनुसूची

जमीन सब-प्लाट नं० 13 एफ पी० नं० 181 एस० नं० 627 से 629 टी० पी० नं० 15 है जो वाडज झहमदाबाद में स्थित है छौर रजिस्ट्रीकर्ता झिधकारी के कार्यालय झहमदाबाद में नं० 10080 से दिनांक 30-8-1979 के रोज रजिस्टर्ड कि गई है।

एस० सी'० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाक्षाद

तारीख 7-4-1980 : मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एत० एन०-----

भायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 7 श्चर्येल 1980

निवेश सं० पी० श्रार० 1002 ऐ सी क्यू 23-I/78-80 - श्रतः मुझे एस० सी० पारीख श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-चपए से श्रिधक है

ग्रीर जिसकी सं० सब प्लाट नं० 15 एफ० पी० नं० 181 एस० नं० 627 728, 629 है। तथा जो टी० पी० एस० नं० 15 वाडज ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता ग्रिधिनारी के कार्यालय श्रहदाबाद में रजिस्ट्रीवरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 30-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ना सामा सामानिका, निमानिजा उद्देश में उना अन्तरम लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उकत ग्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- ्ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- 1 रूपनगर एपार्टमेंट्स की-भ्रोपरेटिय हार्डिंग संत्रार्टिं लि॰ C/० जैयश्री कारपोरेशन, 6-रवी चेम्बर्स रीलीफ सिनेमा भ्रहमदाबाद (श्रन्तरकः)
 - 2 श्री रूस्तम दलाल "सुनबीम" मिरजापुर श्रहमदाबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यक्ति के प्रजैंग के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास निज्ञित में हिए जा सकोंगे।

हाडटोकरण: --इनमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अभितिशम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन श्रांडी एमं० 535 वर्ग गज सब प्लाट नं० 15 एफं० पीं० नं० 181 एसं० नं० 627 पार्ट 627 से 629 है जो वाडल श्रहमदाबाद में स्थित है श्रीर रिजस्ट्रीवर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में न० 10081 से दिनांक 30-8-1099को रिजस्टर्ड कि गई है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद

तारीख: 7-4-1980

प्रकृप काई • टी • एन • एस •----

आयकर ग्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1 ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 7 श्रप्रैल 1980

निदेश सं० पी० श्रार० 1004 ऐ०सी० क्यू० 23→I/79-80-श्रतः मुझे एस० सी० पारीख

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-क्पए से ग्रधिक है

भौर जिसकी सं० ऐस० नं० 106/1 टी॰पी॰एस नं० 21 है। तथा जो श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाद्धब श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भधि-कारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन 6-8-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से अधिक हैं और पंतरक (अग्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अंतरितीयों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तम प्राप्त गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्छ प्रग्तरण विद्वान में सास्तरिक कम से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त श्रिष्ठित्यम के अश्रीत कर देने के धन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या;
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रिषितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिषितियम, या भ्रत-कर भ्रिषितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तिरती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया खाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के शिए;

भ्रतः, धन, उनत धिवित्यम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उनत धिवित्यम की धारा 269-ण की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वाद् :---

- 1 सावेरमती रामनगर जैन स्वेश्म्बर मुर्ती पुजक संघ रुप चन्द डाह्याभाई के द्वारा सत्यनारायण सोसायटी रामनगर सावरमती, श्रहमवाबाद (श्रन्तरक)
- (1) श्री कल्याण चन्द चुनीलाल शाह (2) श्री छन्ना-लाल चुनीलाल शाह (3) सुमितिबेन साकरचन्द श्री अरूण-कुमार साकरचन्द के द्वारा वी/2 रचना एपार्टमेटस नवरंग-पुरा श्रहमदाबाद (श्रन्तरिसी)

को यह भूवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के श्रचैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इन सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की भ्रविष, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजात में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्प्रति में दित्वद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकें।

स्रव्दोक्षरम:--इनमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, बड़ो अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन एस० नं० 106/1टी० पी० एस० नं० 21 है जो ग्रनीग्रार ग्रहमदाबाद में स्थित है। ग्राँर रिजस्ट्रीनर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में नं० 9258 ग्रौर 9259 से दिनांक 6-8-79 के रोज रिजस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-^I ग्रहमदाबाद

तारीख 7-4-1980 मोहरःं ़ प्ररूप श्राई० टी० एन० एन०----

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज I, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 9 मप्रैल, 1980

निदेश सं० पी० म्रार० 106 ऐ०सी०क्यु० 23/1/79→80---म्रतः मुझे एस० सी० परीख भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से ग्रौर जिसकी सं० ई० पी० नं० 7/15 सब प्लाट नं० ए है। सथा जो गोंडल रोड राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रौरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता <mark>श्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीवारण श</mark>्रधि-नियम 1908 (1098 का 16) के प्रधीन 1-8-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रिषिक है भीर भ्रन्तरक (म्रन्तरकों) भ्रौर म्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न**लिखित** उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त म्रधि-नियम के भ्रघीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रिधिनियम, या घनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथितः—

- 1 श्री दीलीयकुमार मोहनलाल नटवरलाल मोहनलाल; गोन्डन रोड, राजकोट। (श्रन्तरक)
- 2 सुर्यंकान्त हरजीभाई ग्रौर दूसरे; 2, ग्रोसवाल कालोनी जामनगर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन ६० पी० नं० 7/15, सब प्लाट नं० ए है जो गोन्डल रीड राजकौट में स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में नं० 3570 से दिनांक 1-8-79 को रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर घायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारी**ख** 9-4-1980 मोहर: प्ररूप आई ० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांकः १ श्रप्रैल 1980

कारण है कि स्थावर सम्पात, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुठ से अधिक हैं।
श्रीर जिमकी संव ऐसव पीव नंव 7/15 सब प्लाट नंव बी हैं तथा जो गोन्डल रोड राजकोट में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वींणत हैं), रिवर्ट्री-कर्ता श्रिधिशारी के कार्यालय राजकोट में रिकस्ट्रीवरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिंधधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्री धीरजलाल लालजीभाइ बडगामा गोन्ड ल रोड राज-कोट (भ्रन्तरक)
 - 2 श्री सूर्यकांत इरजा भाई भ्रौर दूसरे
- 2. ओसवाल कालोनी जीतेन्द्रं निवास जामनगर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उथका अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन इ० पी० नं० 7/15, सब प्लाट न० बी है जो गोन्डन रोड राजकोट में स्थित है भ्रीर राजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय राजकोट में नं० 3520 से दिनांक 1-8-79 के रोज राजस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज- ग्रहमदाबाद

तारीख 9-4-1980 मोहरः प्रकप आई० टी० प्त॰ एस०-----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज-I श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 श्रप्रैल 1980

पी० आर० नं० 1008 एसीक्यू 23-I/79-80---- प्रतः स्मा, एस० सी० पारिख

बाय कर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उकन ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संक्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से स्थिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 433 है तथा जो राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्याक्षय, राष्ट्रकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 13-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत ग्रधिक है और धन्तरक (प्रन्तरकों) भीर धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उक्ते बची में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रान्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भत, श्रव, उबत श्रधिनियम की धारा 269-ग को भनुसरण में, में, उबत श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, प्रयीन 11-46GI/80

- श्रीमिति शारवार्वेन मेघजीभाइ भल्डोडीम्रा 25 न्यू जगन्ताथ, दीनेशकुन्ज राजकोट (भ्रन्तरक)
 - 2. **हेमन्तलाल सक्जीभाई पटे**ल हाथीखाना राजकोट (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीशरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो जनत श्रिधिनयम कि अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो उस भन्याय में दिया गया है।

अनुस ची

जमीत सर्वे नं० 433 है जो राजकोट में स्थित है श्रीर रिजस्ट्री हर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में नं० 5020 से विनांक 13-8-1979 के रोज रिजस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजनरेज-1 भ्रहमदाबाद

तारीख: 9-4-1980

प्ररूप बाइ . टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 27 मार्च 1980

निवेश नं॰ 791-ए/दादरी 79--80---श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषिभूमि है तथा जो मंगलबेंगमपुर में स्थित है (श्रीर इससे जपाबक्क अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के वार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-8-1979

को पूर्वोक्त संपित्त के उण्चित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक ख्प से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुप्रिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग क्रे अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अथित्ः---

- 1. श्री हरिसिंह पुत्र श्री भगवाना निवासी मंगलवेगम-पुर तह० दावरी जिला गाजियाबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्री धर्मप्रतिष्ठानम ई-9 डिफेंस कालोनी नई देहली द्वारा जी, महापान (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें पृयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 251/2-17-0 ग्राम मंगलबेगमपुर में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-3-1980

प्ररूप आइ². टी. एन. एस. ———---

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायां लिय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

धर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, विनोक 31 मार्च 1980

निवेश सं० 796-ए/वावरी/79-80-धतः मुझ बी० सी० चतुर्वेषी

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं किष्म भूमि है तथा जो गैसालिफताबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दादरी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31-8-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रति-फल् निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निख्त, में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- 1. श्री देवीचन्द्र व खिले राम व बाबू लाल पुत्न गोपी-चन्त्र व श्रीमित सुरेशवती बेवा मजलाल बिहारी पृत्न बल्लू सिंह व संरक्षक मिजानिक जगवीश प्रसाद व धीरज व भीम सिंह पुत्र श्री भूली सिंह निवासी महावली फाजलपुर सूबा देहली । (मन्तरक)
- 2. श्री एम० ग्राई० सी० ग्राई० ई०-9 डिफेंस कालोनी नई दिल्ली बारा डा० जी० महापाल (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्तु सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पटिकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

धनुसूची

कृषि भूमि 13/4-0-0 ग्राम ग्रहालिफ्ताः वाद परगता व तह् वादरी जिला गाजियादाद में त्रिर है।

बीं० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राप्यकारी सहायक आयकर आयूबत, (निरीक्षण) श्रुजैन, रेज कानपुर

तारीख: 31-3-1980

मोहर:]

प्रकप साई॰ डी॰ एन॰ एस॰---

आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 45) की खारा 269-व (1) के सभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनाक 27 मार्च 1980

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पश्चात् 'जन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर मम्पत्ति, जिसका स्वित काजार मूल्य 25,000/- र• से प्रधिक हैं

श्रौर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो मंगल बेगमपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय दादरी मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पखह प्रतिणत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्न अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत, खबत खिलियम, के प्रधीन कर देते के प्रस्तरक के वासिक्य में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या घर्य ग्रास्तियाँ की; जिन्हें प्रांतकर श्रिमित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

शतः सबः, उन्न बादिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्द धिनियम की धारा 269व की सपद्वारा (1) के प्रधीन, निम्निकिखित व्यक्तियों, अवीत् !---

- श्री जगत सिंह पुत्र श्री राजे व श्रीमती चंदरी पत्नि राजे मडावली फाजलपुर सूबा देहली (श्रन्तरक)
- 2 महिताध्यान विद्यापीठ जीडिफेंस कालीनी नई देहली द्वारा डा० जी० महापात (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी अपने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्य करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की घनकिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की घनिल, जो जी घनिज बाव में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों भीर पर्वो का, को उनत प्रधितियम के प्रध्याय 20-क में परिचालित हैं, बड़ी प्रवंहोग, को उस प्रध्याय में विया गया है।

भनुसूची

कृषि भूमि <u>216</u> ग्राम मंगलबेगमपुर मे स्थित है। 3-13-0

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख 27-3-1980 मोहर:

प्रकथ आई। डी। एन।एस।----

मायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की घारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 अप्रैक्ष 1980

निदेश सं० 1236-ए/कानपुर/79-80---ध्रतः मृझे बी० सी० चतुर्वेदी

तायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' अहा गया है), की वारा 269-त के अधीन सबम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारन है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उक्ति वाकार मूक्य 25,000/• क्यंये से संविक है

भीर जिसकी सं प्लाट नं० 8 है तथा जो स्वरूप नगर कान-पुर में स्थित है भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कान-पुर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 18-10-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के रुचित बाजार मूल्य से कम के बृह्यमान प्रतिक्ष के लिए सन्तरित की पर्द सीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पनदह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और सन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) सन्तरक के हुई किसी धाय की नावत, उक्त धिक्षिमयम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधिक में क्मी करने या उसके वजने में सुविद्या के विद्या धीर/का
- (ख) ऐसी किसी पाय वा किसी धन वा बन्ध आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर घिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पिधिनयम, धा धन-कर पिधिनयम, धा धन-कर पिधिनयम, धा धन-कर पिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तियम, जाना चाहिए था, छिपाने वें सुविधा के सिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त श्रीविनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिवित व्यक्तियों, प्रयात् :--

- 1. श्री रतन चन्द्र राधा स्वामी रोड ग्रमतहर (ग्रन्तरक)
- श्री महेश प्रसाद चन्त्रसाद मेहरोत्रा निवासी 7/188-ए
 (1) स्वरूप नगर कानपुर (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त ैसम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्य करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की धविस या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की धविस, जो भी धविस बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्ष्मित्यों में से किसी क्यक्ति हारा;
- (का) इस मूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में दिनवद किसी अन्य कानित कारा, अक्षोद्दलाकारी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोशरण :---इसमें प्रयुक्त अन्ती धीर वर्षों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-द में परि-भावित्र हैं, वहीं धर्च होता, जो उस धन्याय में विद्या क्या है।

अमुख्या

एक किता प्याट नम्यर 8 व, $7/1881/\sqrt[3]{1/2}$ जो 503.75 वर्ग गज स्वक्ष्प नगर कानपुर में स्थित है।

यी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण, श्रर्जन, रेंज कानपुर

तारीख: 5-4-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षग)

धर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 5 श्रप्रैल, 1980

निदेश सं० 844-ए/कानपुर/79---80--अतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मिनिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान 51/27 है तथा जो कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 4-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है घीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त म्रधि-नियम के म्रधीन कर देने के म्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रत, श्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित्: —→

- 1. श्री राघा किशन सोमानी डा० महाबीर उध्यान पत्र बजाज नगर जयपुर '4' (ग्रन्तरक)
- श्रीमित फ्ललता सोमानी सा० 51/27 नयागंज कान-पुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूवता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्नब्डीकरण :---इसमें प्रयुक्त गन्दों श्रीर पदों का, जो छक्त श्रधि-नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मिशा मकान जिनका नम्बर 51/27 न्यू 51/87 नयागंज कानपुर में स्थित है।

> वी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर स्रायुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारोख: 5-4-1980।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर ग्रंधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 मार्च 1980

निदेश नं० 447/म्रर्जन/फिरोजाबाद/79-80---म्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भिधिक है

भीर जिसकी सं० मकान है तथा जो जलसर रोड में स्थित है (भीर इससे छपाबद्ध धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रिजस्ट्रीकर्रा भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 8-8-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रत्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः श्रब, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात्:——

- 1. श्री जगपाल शर्मा पुत्र श्री पोखपाल शर्मा (न० नु० जलमर रोड कस्बा व डाकखाना फिरोजाबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्री प्रभूवयाल पुत्र श्री बलवन्त सिंह निवासी थार गंगाराम मजरा मौजा एलई तह् एत्मावपुर जिला ग्रागरा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, ओ भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुस्षी

एक किता मकान जैलसर रोड कस्बा फिरोजाबाद जिला स्रागरा में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 21-3-1980

प्रका आई० दो : एन : एस =----

आयकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-घ (1) के सक्षीन यूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 21 मार्च 1980

निदेश सं० 448-म्रर्जन/79-80---म्रतः मझे बी० सी० चतर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का छारण है कि स्थायर अंपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~र वे अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो जलेसररोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय फि जाबाद में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 8-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति, के उलित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उलित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्व प्रतिशत पश्चिक है भीर सन्तरम (सन्तरकों) भीर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उश्वेष्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्विध नहीं किया गया है।—

- (क) मन्तरभ ने हुई किसो साथ की बारत जनत सिम-तिश्म के प्रधीत कर देने हे मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में शुविधा के खिए। और,या
- (क) ऐसी किसी आय या किय़ी घन या मन्य आस्तियों की, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1322 का 11) या उनस अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविक्षा के लिए;

अतः अय, उन्त शिक्षिनयम की धारा 26%-ए के समुखरण में, में, उक्त शिक्षिनयम की धारा 26%-ए की छप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री प्रेम प्रकाश व सत्यप्रकाश पुत्रगण प० जगपाल जी शर्मा निवासी मु० जलेसर रोड कस्बा फिरोजा-बाद । (धन्तरक)
- (2) श्री दौलतराम पुत्र श्री बलवन्त सिंह निवासी ठार गंगाराम मजरा एलई तह० एत्मावपुर । (श्रन्तरिती)

को यह सुचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई मी माखेप 1---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी काकितवों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में दित्रका किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा, प्रकोहस्ताक्षरी के पास निवित्र में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: -- इसमें प्रपुक्त शब्दों घोर पर्दो का, जो उक्त धिधिनयम के घट्टगाय 20-क में परिमाधित है, बही धर्य होवा, को उस अहदाय में दिया गया है।

अनुसूचो

एक किता मकान बाके जलैंसर रोड कस्बा फीरोजाबाद रकबा 1400 वर्ग फीट सीमा पूरव रास्ता सड़क पच्छम रास्ता गली 8 फीट चौडा उतर जायदाद मूलचन्द देखिन रास्ता गली है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज, कानपुर।

तारीख: 21-3-1980

मोह्रर:

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

म्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 22 मार्च 1980

निदेश सं० 402/धर्जन/अलीगढ़/79-80--यतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अभीत पत्तन प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्बद्धि, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हपण् से अधिक है

भौर जिसकी स० 9/42 है तथा जो बाजार मुहम्मदेअली रोड में स्थित है (और इसमे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण कामे विणित है), रिजिस्ट्रोकर्ना अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अत्रीन, तारीख 21-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफत से ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के भधीन कर देने के अन्तरक के घायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रनय ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के आयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिताने में सुविधा के लिए;

भतः अव उक्त श्रिधिनियम की धारा 26911 के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269 घकी उगधारा (1) के श्रभी तः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 12—46GI/80

- (1) श्रीमती हकीमुनिस परिन स्व० श्री मो० इब्राहीम, निवासी श्रातिशवाजार, मोहम्मव अली रोड, श्रलीगढ़। (श्रन्तरक)
- (2) श्री द्यसगर घली तथा धन्य, निवासी मु० घातिश बाजार, घलीगढ़ । (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त समाति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अपिश्च या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूबना के राजग्र में प्रकाशन की तारीख हैंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यब्दोकरण: →-इसमें प्राप्तन मध्यों ग्रीर पदों का जा उक्त श्राध-नियम के श्रष्टवाय 20क में परिभाषित हैं वही श्रार्थ होगा जो उप श्रष्टवाय में दिया गया है है।

अनुसूची

9/42 मुस्तका विलिंडग ग्राप्तिय बाजार, मुहम्मद ग्रालीरोड ग्रालीगढ में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ऋजैन रेंज, कानपुर

सारीख: 22-3-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 21 मार्च 1980

निदेश सं० 337-म्रर्जन/79-80--म्प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

श्रायंकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपति जिसका उचित्र वाजार मूल्य 25,000/- इ० से श्रिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो ईसानगर में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकाी के कार्यालय श्रलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 7-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास अरने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, छतके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक अप मे कथित नहीं किया गया है :——

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर धिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्ठिपाने में सृविधा के लिए;

अतः, श्रब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्री राघे लाल सारस्वर पुत्र स्व० श्री प्रेमलाल निवासी कृष्णा पुरी अलोगढ़ । (श्रन्तरक)
- (2) श्रोमती भगवान देवी परिन श्री सन्त कुमार, कनवरी गंज, श्रलीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तहसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदो का, जो जनत प्रधितियम के भ्रष्ट्याय 20-क में शिरभाषित है, वही भ्रथं होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान स्थित मो० ईसानगर, श्रलीगढ़ में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्गेन रेंज, कानप्र

तारीख: 21-3-1980

प्रकृष ग्राई० टी० एत० एस०~~~

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 22 मार्च 1980

निवेश सं० 333/म्रर्जन/म्रलीगढ़/79-80---- प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के भिधीन सक्षम प्रिष्ठिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— ४० से भिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो ग्रताईयान उस्मान पाड़ा में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रलीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 2-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरक से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्रिधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उकतं भिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधोन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथीत् :—

- (1) श्री रमेशचन्द्र घ चक्खनलाल पुत्र श्री सोहनलाल निवासी मोहल्ला श्रताईयान उस्मान-पाड़ा शहर कोल जिला श्रलीगढ़ (श्रन्सरक)
- (2) श्री मुहम्मद पामीन पुत्र हाजी शौकत व श्रीमती शमीम बेगम पत्नि मुहम्मद पामीन उपरोक निवासी मोहल्ला चाह्रवसन्ता शहर कोल, जिला श्रलीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एल किता मकान यदवालाखाला तामीरपुरला बाके मोहल्ला अनाईयान छत्रमानपाड़ा जिला अलीगढ़ में स्थित है।

> बी०सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी [सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 22-3-1980

प्रक्य भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 मार्च 1980

निदेश सं० 406 /श्रर्जन/म्रागरा/79-80----म्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

ष्मायकर ष्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन संभाग प्राधिकारी को, यह त्रिश्त्रास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं०प्लाट नं० 13 है तथा जो ताज गंज, श्रागरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रागरा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 2-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रोर भ्रम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त भन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रतिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः भव, उक्त भिवित्यम की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं उक्त भिवित्यम की घारा 269-भ की उपघारा (1) के अधोन, निम्निलिखित व्यक्तियों, भर्षात्:—

(1) डा॰ सतवन्त सिंह सोधी पुत्र श्री पृथीपाल सिंह निवासी 8, रकाब गंज, श्रागरा।

(घ्रन्तरक)

(2) श्री इक बाल नारायण खन्ना पुत्न श्री नारायण खन्ना, निवासी मंडिया कटरा, ग्रागरा । (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जनत सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वडटी करण:--इसमें प्रयुक्त गड़दों और पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 13, जसरीमा इन्कलेव बसई ताजगंज, श्रागरा में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 22-3-1980

प्रकृप प्राई • टी • एन • एस • ----

आयकर मोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के भंभीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 मार्च 1980

निदेश सं॰ 316-प्रार्जन/79-80---प्रतः मुझे, बी॰ सी॰ चतुर्वेदी,

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

श्रीरं जिसकी सं० मकान है तथा जो कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठिकारी के कार्यालय, कानपुर मे रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन तारीख 30-7-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कारा मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल का पम्श्रह प्रतिकत श्रिष्ठक है और इन्तरक (अन्तरकों) और श्रग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकन, निम्नजिधित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्या त्री कम स्थित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राथ की बाबत, उक्त श्रिध-नियम के ग्रामीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐंसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भ्रास्तिगों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए,

म्रत: म्रब, उक्त मिधिनियम, की घारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यात:--- (1) कु० परासर्स क्राउन पुत्ती स्व० रवरेन जान क्राउन
15/32 मिशन कम्पाछण्ड सिविल लाइन कानपुर
व खुद बहैसियत मुख्तारम्राम श्री विकटर सी० क्राउन
पुत्र स्व० श्री रवरेन जान क्राउन सा० रवेन्श वुड
यूनाइटेड मेथाजिस्ट चर्च हरमिटस एन्ड साइड सनी
एवेन्यूज शिकागो इलिनोस 60640 (यू०एस०भ्रो०)
व विन्सटन अनिल क्राउन पुत्र स्व० श्री डबल ए०
ब्राउन विलियम क्राउन बपौत्र रवरेन जान क्राउन
2110 बेसलेबन्यिइवास्टन इलिनोइस 60201
यू० एस० ई० व श्रीमती मेविसवान्ड नाक्राउन
पुत्री स्व० रवरेन जान क्राउन पत्ति स्व० डेविडवन्स, 15/32, मिणन कम्पाउण्ड, सिविल लाइन,
कानपुर। (श्रन्तरक)

(2) श्री गुरप्रसाद व राम प्रसाद व श्रीमती प्रेमदेवी पत्नि श्री पन्नालाल 35/156, बंगाली मोहाल, कानपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

जरत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की संवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संवधि, जो भी संवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक्ररण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बढ़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 15/32 411वर्ग गज दो मंजिला परेड चर्च कम्पाउण्ड कानपुर में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 22-3-1980

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एन०----

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीत सूत्रता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19मार्च 1980

निर्देश सं० 70-/म्रर्जन/हाथरस/79-80----म्रतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- घपए से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गली रामलीला हाथरस में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हाथरस में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-8-1979

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, एस दूर्यमान प्रतिकल के पन्द्रह्मातिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरित् (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे भन्तरणके निए तय पाया गये। प्रतिकित निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त मन्तरण लिखित में नास्त्रिक हम से कथित नहीं किया गया है;

- (क) परनरम संदुई किसी आप की बाबत, उन्त अधि-ियभ के मधीन कर देने के भन्तरक के दाविस्त में कमी करने पा उसने बचने में पुतिया के लिए; और/पा
- (स) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या छात प्रधिनियम, या धन-कर घिषित्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए या, खिलाने में सुविद्या के लिए।

अतः, अव, उक्त धिविया की धारा 269-ए के अनुसरण में, में उतः प्रधिनियम की दारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखन स्विवायों, अर्थात:---

- (1) श्री जोगेन्द्र गान्धी पुत्र श्री हरनाम सिंह व बाबूलाल पुत्र श्री उदैराम व कृष्ण कुमार स्वामी पुत्र श्री केदारनाथ व रामजीलाल पुत्र श्री बहोरी-लाल, नि० हाथरस, जिला ग्रलीगढ़। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पन्नालाल पुत्र श्री पदमसिंह, नि० ग्राम पुरा-खुर्द, तह० हाथरस, रघुनन्दन प्रसाद पुत्र श्री गोविन्द राम, नि० ग्राम भदामई तह० हाथरस व श्रोमती सवपी देवी विधवाश्री सूरजपाल सिंह, नि० ग्राम रमनपुर, तह० हाथरस व शिवशंकर शर्मा पुन्न श्री गोविन्द राम शर्मा, नि० ग्राम लहरा, तह० हाथरस व रामेश्वर दयाल शर्मा पुत्र श्री पन्नालाल शर्मा, नि० सासनीद्वार गली रामलीला, हाथरस, श्रलीगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्गत के संबंध में कोई भी मान्नेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की मनधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की गापील से 30 दिन की मनधि जो भी अवधि बार में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किपी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस पूतना के राजरत में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी सन्य क्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताकारी के पास निवित्त में किए जा अकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसर्ने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित, हैं, वही अर्थ होगा, जो उन मध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

कृषि भूमि ग्राम गढ़ी तमना, तह० हाथरस, जिला धिलीगढ़ में स्थित हैं।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 19-3-1980

प्ररूप धाई० टी॰ एन॰ एस॰-----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 268-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मार्च 1980

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त प्रधित्यम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अशी सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृख्य 25,000/- रु॰ से अधिक है भौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो राजपुर रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 13-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिवा बाजार मूहम से कम के वृथ्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके वृथ्यमान प्रतिफल स, एस वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रीविक है सौर अन्तरक (प्रग्तरकों) और अन्तरिती (प्रग्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये स्य पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जक्य अन्तरण लिखित में वाश्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (ह) अश्वरण में इंद्वे हिनो आप को बाबत स्क्त गाँधनियम के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक क वायित्व म कमी करने या उससे ग्राचने में सुविधा के निरुध भीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रत्य श्रीस्तयों को जिन्हें भारतीय धाय-कर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः धन, उनत धिक्षितियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, धनत अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री राम कुमार नरूला पुत्र श्री रामचन्द्र नरूला निवासी 49-सी०, निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली । (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती चन्द्र कान्ता खन्ना पत्नी श्री गुलजारी लाल खन्ना, श्रीमती मधू खन्ना पत्नि श्री दीपक खन्ना निवासी 156-डी०, राजपुर रोड, देहरादून। (मन्तरिती)

को यह श्रुवता जारी करके पूर्वोधत सम्पति के **धर्णन** के लिए कार्यवारहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्त क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप ---

- (क) इस सूबना क राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की सामील से 30 दिन की ग्रविध, ओ भी अविधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (थ) इस सूजा। के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए भारकेंगे।

हराध्योकरण :--इननें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियन के मध्याण 20-क में परिमाणित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याण में परका गया है।

अमुसुधी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 0.92 ऐकड़ जो मेन रोड, देहरादून राजपुर रोड पर स्थित है।

> बी० सी० चतुवदी, सक्षम प्राधिकारी, मह्दाप रु प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-3-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 4 मार्च, 1980

निर्देश सं० 591/म्रर्जन/म्रागरा/79-80—म्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेधी,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उनन ग्रधिनियन', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 3/27 है तथा जो रुई मन्डी शाहरांज, श्रागरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 21-8-1979

का 16) के प्रधीन तारीख 21-8-1979
को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकत्र के लिए प्रत्तिरा की गई है और मुने यह विश्वास करने
का कारण है कि यथाप्नोंका नम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित
में बास्तिकिक का से किया नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के प्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किमी आव या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रन अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिताने में मुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रत्र, उपा अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, प्रयीत्:—

- (1) श्रीमती पुष्पा गर्मा पुत्री स्व० हीरालाल गर्मा निवासी 51/2, सिविल लाइन श्रागरा (भन्तरक)
- (2) श्री भगवानदास पुत्र श्री रमाशंकर निवासी 3/24, रुई मन्डी शाहगंज, श्रागरा (श्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के भर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षीर:--

- (क) इस सूबना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अनिध या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नानीन से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति झारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्होकरण :--इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 3/27 बाके रुई मन्डी शाहगंज श्रागरा में स्थित हैं।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जेन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-3-1980

मोहरः

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 फरवरी 1980

निर्देश सं० 806/ग्रर्जन/मथुरा/79-80---भ्रतः मुझे बी० सी० चसुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हों

श्रीर जिसकी सं० मकान 855 है तथा जो बाके घाटी बाहलराम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मथुरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 23-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, म⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अथित्:——
13—46GI/80

- (1) श्री लक्ष्मी नारायण भारतीया पुत्र लाला जमना प्रसाद जी 79 कान्ती नगर जयपुर व तह ० मुख्तार खास श्रीमती पन्नी विध्वा स्व० जैनारायण स्वयं व संरक्षिका ग्रपनी नावालिगन पुत्नी गण मोहनी व मधु पुत्री जैयनारायण व श्रीमती मिथलेश पितन लक्ष्मी नारायण, पितन जैयनारायण व श्रीमती छवा पितन नरेश विहारी लाल व चन्द्र प्रकाण व मोहन प्रकाश व हरी प्रकाश व रखुवीर प्रकाश पुत्र जैयनारायण व मीरा पितन प्यारे श्याम पुत्री जैयनारायण व पाल पो० खास हाल 79 कान्ती नगर जयपुर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बलवन्त सिंह पुत्र चमेली प्रसाद व श्रीमती प्रेम-लता पित्न बलवन्त सिंह व बृजेन्द्र सिंह घ महेन्द्र सिंह पुत्र बलवन्त सिंह नि० कुन्नागाली मथुरा । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कांगे।

स्पष्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान तीन मंजिला नं० वाटर रेट 855 **बाके** घाटी बहालराम णहर मथुरा में स्थित हैं।

> बी० सी० चतुर्षेदी, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 28-2-1980

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रवीन सूत्रना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर,दिनांक 18मार्च 1980

444/श्रर्जन/फिरोजाबाट/7१-१(--१तः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके. परवात् 'उका ग्रधिनिथम' कहा गया है), की धारा 26.9-च के अधीर यक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का हारग है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित म्लग 25,000/- घनए से ग्रीधक है अगैर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ढोलपुरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सुची में श्रीर पूर्ण रूप से विफित है), रजिस्द्रीवर्ता श्रीधकारी के वार्यारूण फीरोडटा गे, रंजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 1-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रीष्ठक है भीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के निर्त्त ता पाया गा। प्रतिफत निम्नलिखित उद्देश्य में उसन प्रनारण निष्ति प्रतिका निम्नलिखित नहीं किया गया है:——
 - (क) अन्तरण में दुई िहसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में हमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
 - (ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुसिधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के. अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) सर्वश्री श्रोम प्रकाश, सस्य प्रकाश, वेद प्रकाश व श्री प्रकाश पुत्रगण मुन्शी हर प्रसाद व शरद चन्द्र पुत्र बाबू राम चन्द्र श्रीवास्त्र नि० ढे.रुपुरा परगना फीरोजाबाद, जिला श्रागरा । (शन्तरक)
- (2) श्री सुनहरीलाल व मुकट मिह पुत्रगण चोखेलाल निवासी ढोलपुरा, परगना फोरोजाबाद, जिला ग्रागरा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सुवता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी श्रन्य वाकिन बारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण →-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीध-तियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रयं होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

न्नाराजी बाके मौजा ढोलपुरा परगना फीरोजाबास, जिला न्नागरा खमरा नम्बर 304-5-2-10 पुख्ता लगानी 42-55 मालाना है।

> बीं० सीं० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिव⊤री, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज,क्षानपुर

तारीख: 18-3-1980

प्र**रूप ग्राई**० टी० एन० एस०००००

म्रायकर म्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के म्रीवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 मार्च 1980

निर्देश सं० 592/ग्रजैन/ग्रागरा/79-80---ग्रतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्पए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान 3127 है तथा जो रुई मन्डी शाह-गंज, श्रागरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय श्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 21-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह्म प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या भ्रत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः भव, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण मे, मै, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .---

- (1) श्रीमनी पुष्पा गर्मा पुत्री हीरालाल गर्मा, निवासी 51/2, मिबिज लाइन, ग्रागरा। (श्रन्तरक)
- (2) श्री दिनेश चन्द्र पुत्र रम।शंहर, निवासी रुई मन्डी, शाहर्गज श्रागरा (श्रन्तरिती)

को यह मूत्रना जारो करके पूत्रीन सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उद्भन सम्मत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई मी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूवना के राजात में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की प्रतिध या तत्तान्वत्वी व्यक्तियों पर सूवना की नामीज से 30 दिन की प्रतिध, जो भी अविध बाद में सनाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति हारा;
- (ख) इस स्वता के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीगर जन्म स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राध्योक्तरगः --इनमें प्रयुक्त ग्रन्थों ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रधि नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

एक महान न॰ 3/27 बाके रुड मन्डी, शाह गंज, श्रागरा में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदीः, सक्षम प्राधिकारीः, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)ः, स्रर्जनरेज, कानपुर

तारीब: 4-3-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 मार्च 1980

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० में प्रिक्ष है और जिसकी सं० मकान 12 है तथा जो छन्छीपुर देहराहून में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण कर से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय देहराहून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख 7-8-1979

- को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यया पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिभात बाधक है भीर प्रस्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कर से कथित नहीं किया गया है :——
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
 - (खा) ऐसी किसी आय का किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त प्रविनियम की बारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269थ की उत्तथारा (।) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथीत्:——

- (1) श्रीमती सवित्री देवी पत्नी सिपाही लाल, उन्ह्रीपुर मोहल्ला, देहराषून। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कमला देवी पत्नी ताराचन्द्र व नीरज, 12, डन्डीपुर, देहराधून । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्क करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की क्षारीख से 45 विन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.प सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हितब इ
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
 निखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इमर्ने प्रयुक्त गब्दों भीर पदा का जी उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

भनुसूची

एक किता मकान नं० 12, मोहल्ला डान्डीपुर, देहराषून में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, स**क्षम प्राधिकारी** सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-3-1980

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजनिरोज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 मार्च 1980

निर्देश सं० 962-ग्०/पी० एन०/ग्रनूपणहर/79-80--ग्रतः, मुझे,बी० सी० चतुर्वेदी,

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उ₹त ग्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर समात्ति, जिल्लका उचित बाजार पूल्य 25,000/- द० से ग्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रन्पणहर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबत श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रनूपणहर मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त समात्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधक है घौर धन्तरक (धन्तरकों) घौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनयम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अब, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुमरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :—

- (1) श्री विक्रम पुत्र पूरनचन्द्र, निवासी कस्या श्रनूपणहर, मी० छता, डा० खाम परगना तह० श्रनूपणहर जिला बुलन्दणहर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री अज्ञाल सिंह, केहर सिंह, जगवीर सिंह, बालिगान व मान सिंह ता० बा० ग्रायु 16 साल बालिगान वा पिता लहरी सिंह पुत्र फतह सिंह बाके प्रनूपणहर, मो० छत्ता डा० खास पर० व तह० ग्रन्पशहर, जिला बुलन्दणहर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वी≉त सम्बक्ति के म्रर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पढडोकरण:--इममें प्रयुक्त सक्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि कुल बीघा बाके अनूपशहर तह० अनूप-शहर जिला बुलन्दशहर में स्थित हैं।

> बी० सी० चतुर्वेदी. सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 15-3-1980

भारत सरकार

कार्यालय, पदायक ग्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज,कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मार्च, 1980

निर्देश सं० 449-प्रर्जन/79-80----प्रतः, मुझे, बी० सी० नवर्वेती

भागकर भिष्ठितियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त भिष्ठितियम' कहा गया है), की भार' 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, पद विश्वास करने का क'रंग है कि स्वावर मन्त्रति. जिन्हा उचित बाजार मुख्य 25,000/- हुपए से भ्रष्टिक हैं

भीर जिसकी सं० मकान है तथा जो जलेसर रोड में स्थित है (भीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के वार्यालय फिरोजाब व में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन तारीख 8-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पनि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथा पूर्वोका सम्पत्ति का छवित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है मौर अन्तरक (अन्तरकों) मौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सक्त धर्षिनियम के ग्रंधीन कर देने के मन्तरक के रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी प्रत या प्रथ्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय अध्यक्त प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उचेत धींबित्यम, या धन-कर प्रश्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रश्तिश्ती कारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269म की उपधारा के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:

- (1) श्री वेदप्रकाश व ज्ञान प्रकाश पुत्र श्री जग पाल शर्मा, निवासी मु० जलेसर रोड, कस्बा फीरोजाबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्री भगवान सिंह पुत्र श्री बलवन्त सिंह, निवासी ग्राम ठार, ा राम नगरा एलई, तह० एत्मादपुर, श्रागरा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:---]

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त प्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रथ्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वंब्हीं करंग: ----इसमें प्रयुक्त जनवीं श्रीर पदों का, जो जनत प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में विराणित हैं, बही पर्यं होगा जो उस प्रध्याय म दिया गया है!

अनुसूची

एक किया मकान बाके मु० जलेसर कस्या फीरोजायाद पूर्व रास्ता सड़क, पश्चिम जायवाद प्रेमप्रकाश म्रादि, उतर जायदाद मूलवन्द दिखन म्राराजी प्रभूदयाल म्रादि में स्थित है।

> बी० सी० चसुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

नारी**ख**: 20-3-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 20 मार्च, 1980

निर्देश सं० 915/श्रर्जन/कासगंज/१६६८-- १६ गई बिट सी० चतुर्वेदी,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्न श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन पता गिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिन्नका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कुतनपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कांसगंज में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 27-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि तिन्तिविक उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वाथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः श्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उगधारा (1) के अधीन, निम्नलिखा ठाकिनयों, ग्रयीत :--

- (1) श्रीमती माया देवी पत्नि श्री किशन स्वरूप घ जयदेवी पत्नि भगवती प्रसाद व विभलादेवी पत्नि राम प्रकाण व श्री देवी पत्नि श्री शानप्रवाश नि० कस्या कासगंज पो० नाथूराम पर० बिलराम जिला एटा (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कमलेश गुप्ता जीजे श्री गिराज विशोर निवासी कासर्गज पो० जैजैराम जिला एटा (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्मत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (ह) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
 पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राब्दी हरण: - - इपमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो छक्त श्रवितियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उन्न अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि कुतन पुर पर० विलराम जिला एटा मे रिण्ह है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजनरेंज, कानपुर

तारीख: 20-3-1980

प्रका प्राई०टी०एन०एस०------

म्रायकर म्रघिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269**-ध** (1) के **म्रघीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर,दिनांक 20 मार्च 1980

निदेश सं० 401/श्रर्जन/ग्रलीगढ़/79-80----ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिमका उचित बाजार मूह्य 25,000/- र० से अधिक है

न्नौर जिसकी सं० मकान है तथा जो लक्ष्मीपुरी में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इ.कीगढ़ में, रिइट्टिकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 27-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त मधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उन्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतः ---

- (1) श्री मोहन लाल पाण्डेय पुत श्री राम पान निकासी लक्ष्मी पुरी (सराय बाबू) श्रलीगढ़ हाल निवासी रेलवे कालौनी रेवाड़ी जिला महेन्द्रगढ़। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती जमवन्ती देवी पत्नि श्री श्रोम प्रकाण गुप्ता निवासी जोगिया डा० व थाना हाथरम जिला अलीगढ़ हाल निवासी सराय हक्कीम श्रकीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचनाजारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारी का से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो छक्त ग्रिधिनियम के ग्राध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्य होगा, जो उस ग्राध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

एक मंकान लक्ष्मीपुरी सरायबाबू श्रालीगढ़ पूरन गली पश्चिम मकान क्रवा देवी व मकान छीतरमल उत्तर गली दक्षिण मकान चन्द्र पाल, लक्ष्मीपुरी में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, स**क्षम प्राधिकारी** सहायक <mark>प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> स्र**जै**न रेंज, कानपुर

तारीख: 20-3-1980

प्रकृप स्नाई० टी० एन० एस०--

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यानय, सहायक ग्रायक्तर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजीत रेंग, कानपुर कानपुर,दिनांक 22 मार्च, 1980

निक्रेश सं० 307/प्रर्जन/79-80---प्रतः मुझे, बी० सी० चसुर्वेदी,

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान 3/38 है तथा जो विष्णुपुरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिकस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के वार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन तारीख 3-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीव ऐने प्रन्तरण के थिए तय पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त धिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उना अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के िए;

ग्रतः भ्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) भ्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, ग्रथीन:----14 —46G1/80

- (1) श्रीमती बनबीरो देवी परिन कल्याण सिंह निवासी मकान न० 3/38 विष्णुपुरी कानपुर (अन्तरक)
- (2) श्रीमनी विमलादेवी परिन श्री एस० एस० सरन निवासी ग्राम व पो० पचलखी जिला सिवान बिहार राज्य (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख 45 दिन की श्रविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की श्रविष्ठ, जो भी श्रविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उपन स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रक्शीकरगः—इपनें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्वो का, जो उपत प्रिविधिम, के प्रश्याय 20-क में परिभाषित है, बहो प्रर्थ होता, जो उस ग्रब्याय म दिया गया है।

अनुसुची

एह किला मकान जिसका नं० ॄें3/38 विष्णुपुरी घा स्राक्षा भाग जो चारसी वर्गगत पर बना है।

> ्बी० सी० चतुर्वेदी, मझम प्राधिकारी सहापक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेंज, कानपुर

तारीख: 22-3-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक भ्रायक्तर भ्रायुक्त (निरोक्तण)

म्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मार्च, 1980

निदेश सं० 479-म्रर्जन/79-80---- ग्रतः मुझे, बी० सी० चतर्वेदी,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रिधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2479/1 है तथा जो 190 श्राजाइपुरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन् की में श्रीर टूर्ण हप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लिहरपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रस्तरित की गई है धौर मुसे यह निश्वास करने का कारण है कि यया पूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है धौर प्रस्तरक (धन्तरकों) धौर प्रस्तरिती (प्रन्तरितीं) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निश्वित में वास्तविज कप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा इसते बचने में सुविधा के जिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या घन्य प्रास्तियां को, जिन्हें भारतीय धायकर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिधनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

इत: श्रव, उनत प्रधिनियम की खारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उनत प्रधिनियम की खारा 269-व की उपवारा (1) के श्रधीन निम्नलिखन व्यक्तियों, अर्थात्: ~

- (1) मिस वरजीनिया एल० फलू आर० ई० भिसन ललितपुर (मन्तरक)
- (2) श्री जार्जलीन 190 ध्राजाद प्रा लितिपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्न सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की प्रविध या तत्मा बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल में 30 दिन की अपित, जो भी प्रविध खाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उस्त स्थातर संपत्ति में हिंत-बद्ध कियी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोड्स्नाक्षरी के पास लिखिन में किए जा मर्केंगे।

स्वण्डोकरण: ---इयनें प्रयुक्त ग्रन्दों प्रौर पदों का, जो खकत श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिमाषित हैं बही प्रयंहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

2479/1 भूमि सम्पति न० 190 म्राजादपुरा लिस्तिपुर पास गोविन्द सागरडैम जिला लिलितपुरमें स्थित है।

> बी० सी० च**तुर्वेदी,** मक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) फ्रर्जं न रेंज, का नपुर

तारीख: 20-3-1980

मोहरः

प्ररूप भाई • टी • एत • एस •-----

आयकर प्रवेतिका 1941 (1951 का 43) की घारा 289-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, नद्रायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्ज न रेंज, कानपुर

कानपुर,दिनांक 20 मार्च, 1980

निदेश सं० 488/प्रजेन/झांसी/79-80—श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

भायकर अधिनेत्रन, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चत 'इस्त को नेत्रन' कहा गया है), की घारा 269-ख के अगान पत्ता गत्रकाती ो, यह विश्वाम करने का कारत है कि नावर्षा है विनका उत्ति बाजार मूख्य 25,000/- रुकसे अगि है

श्रीर जिसकी सं० महान 87/3 है तथा जो सिविस लाइन में स्थित है (ग्रीर इसने उन्हाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीहर्मा श्रिधिकारी के वार्यासय झांसी में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उकि । बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के । लाए रतिरत की गई र गौर पत्त यर विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्यों कर सप्पत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के प्रतिकार प्रतिकार प्रतिकार की एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहु प्रतिभत प्रजित की प्रतिकार प्रीर प्रन्तरक (अन्तरकों और अप्तरिती (अन्तरितिणा) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, तिम्नोलिखत उद्देश्य से उन्त भन्तरण जिल्लान में वास्तरित कर से क्यात नहीं किया गया है :--

- (भ) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनिया के ग्रागीत कर देने के भन्तरक के दायित्व में सभी करते था उससे वचने में सुविधा के लिए, और'या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या मन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायण्य ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम, वा धन-कर प्रायित्ताम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ स्वया अपन नहीं किया नया था ए। किया अपन पत्रिया, कियाने में सुविधा के लिए;

बत: प्रव, धक्त श्रिक्षियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त यिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्पवितयों, अर्थात्:——

- (1) श्री रमेश कुमार शर्मा पुत्र श्री रामनारायण निवासी 80 सिविल लाइन झांसी (ग्रन्तरक)
- (2) श्री योगेन्द्र पाल शर्मा पुत्र श्री राम प्रकाश शर्मा निवासी 87/3 सिविल लाइन झांसी (अन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

परत सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेत्र :---

- (क) इस सूत्रता के राजपत में प्रकाशन की नारीज से
 45 दिन की घविधिया हरसम्बन्धी क्यक्तियों पर
 सूत्रना की तामील से 30 दिन की धर्यात, ओ भी
 भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीच से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक क
 कियी सम्य व्यक्ति द्वारा, सन्नोहरनाक्षरी के पास
 निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीतरण--इमर्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रवं होगा को उस भ्रष्ट्याय में विया वया है।

अनुसूची

एक किता नम्बरी 87/3 सिविल लाइन पूर्व प्रा० रोड पिनम बंगला की खुली जमीन देव करण सिंह उतर बंगला की खुली जमीन देवकरण सिंह छ रिका मीटर गैरेज की खुली जमीन है र० 30/- ग्रसिस 800/ सालाना कवर्ड ऐरिया 2611 वर्ग फुट हैव खुला ऐरिया 2015 वर्ग फुट।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपूर

तारीख: 20-3-1980

प्रकप प्राई•टी०एन•एस•-------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मार्च, 1980

निर्देश सं० 491-श्रर्जन/फरुखाबाद/79-80—-श्रप्त:, मुझे बी॰ सी॰ चतुर्देदी,

अस्यकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रयात् 'उत्त अधिनियम' कहा प्या है), की धारा 269-ख के अधिन नकान प्राधिकारी को, यन विष्याम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-/ इ० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान है तथा जो कटरा ग्रहमद गंज में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय फरूखाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 24-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए आ कि कि गई के भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से पन्नह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) भीर ए तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निम् तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्त्रिक क्य में कथित नहीं किया गया है क्य

- (क) अन्तरण से हुई कियी आय की बाक्ष्त उक्क अधिविधम के अधीन कर 'ने के अन्तरक के दायस्य में कमी करने या उक्ष्ये स्वते में स्विध के लिए; और/या
- (ख) ऐती विसी आय या किसी धन या अपन्य आस्तियां को, जिलें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत पश्चिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 57) के प्रयोजन यें अन्तरिती (को अकट नहीं किया का या कि के जाते। जाहिए या छिपाने में सुनिधा के सिय:

श्रतः, ग्रबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अपीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रवीत्:---

- (1) श्री दुलारी देवी बेवा व बलराम टन्डन व सुशीला टन्डन पुत्रगण लक्ष्मी नरायण उर्फ लष्ट्यू व श्रीमती रेनू पुत्री लक्ष्मी नरायण मजकूर जीजा राजीव श्ररोड़ा सा० मो० बक्सरिया 270 शहजहापुर व बृहम्मा नारायण वल्द मञ्जूलाल कमलादेवी जौजा ब्रह्मा नरायण मजकूर सा० फरुखाबाद (अन्तरिती)
- (2) श्री दयाराम पुत्र लड़ैतेलाल सा० मो० चीनी ग्राम पुरन चन्द्र श्रग्नवाल पुत्र श्री गुलाव चन्द्र सा० मौजा कोण पाची शहर फरुखाबाद।
 (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

छश्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्म व्यक्ति द्वारा, अओहस्ताक्षरी के पासः जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढडी करग : → इसमें प्रमुक्त शन्दों भीर पर्दों का, जो उक्त भिक्षितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भयं होगा, जो उस प्रध्याय में विया तुआ है।

प्रमुस्ची

एक किता दुनान पुख्ता उत्तर जिसमें एक कमरा है जिसना क्षेत्रफल 40 वर्ग मी० हैं बाके कटरा ग्रहमद गंज उर्फ शेहर रोड में स्थित हैं।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 20-3-1980

प्ररूप पाई० टी० एन० एस०---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मार्च 1980

निर्देश सं० 480/मर्जन/ऊरई/79-80--मातः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अजीन सभम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० इखलासपुर नगर है तथा जो पटेल नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के वार्यालय अर्ध में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन उक्त मधि-नियम, के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीन भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भिष्ठिनियम, या धनकर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त ग्रिधिनियम की घारा 269-च की क्पबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीतः--

- (1) श्री ग्रमरनाथ पुत्र श्री जगन्नाथ सा० मृहरुला तुलसीनगर स्टेशन रोड कस्वा उर्द्ध जिला जालीन। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री डा॰ राजेन्द्र कुमार पुरी बस्द श्री एम॰ एल॰ पुरी व श्रीमती कमलेश पुरी जौजा डा॰ राजेन्द्र कुमार पुरी सा॰ पटैल नगर उरई जिला जालेन। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उकत सम्पत्ति के श्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्वच्दीकरण:---इसमें प्रयुवत शब्दों घीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस ब्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

बाके मौजा इखलासपुर नगरपालिका उरई पटेल नगर कस्वा उरई जिला जालौन में स्थित हैं।

> बी० सी० चक्षुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर

तारीख . 20-3-1980

प्ररूप भाई । टी । एन । एस ।

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, बहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 मार्च 1980

निदेश सं० 410/म्रर्जन/मागरा/79-80-मत मझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्वत्ति, जिसका उचित बाजार मूख 25,000/- र० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट 104 है तथा जो जयपुर हाउस कालोनी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्प संवर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रागरा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 13-8-79

को पूर्वोक्त सम्यत्ति के उत्तिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मक्षे यह गिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यत्ति का उच्चित्त बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंच्छन्न प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रक्षिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमो करने पा उससे दवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घायपा किमी घन या ग्रान्य आस्तियों की जिन्हें घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त घिषियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अला अन्, उकत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसर्क में, बेक्त अधिनियम की घारा 269-य की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री बंशीलाल पुत्र सीताराम निवासी मालवीय कुंज लोहामण्डी, मागरा। (मन्तरक)
- 2. श्री दिनेश सिंघल पुत्र श्री देवकीनन्दन सिंघल निवासी कारवानलोहा मण्डी, धागरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्वन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजनंत्र में प्रकाशन की तारी आप से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवध्य, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यांकर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य क्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा नकींगे।

स्पब्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त गर्क्यों कीर पर्यों का, जो उक्त अधि-तियम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं धर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता जमीन प्लाट संख्या 104 क्षेत्रफल 378 वर्गगज बाके जयपुर हाउस कालोनी लोहामण्डी, ग्रागरा में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी स**क्षम प्राधिकारी** सहायक ग्रायकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 20-3-80

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 मार्च 1980

निदेश सं० 727-ए/मंसूरी/79-80--धतः मृझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में प्रधिक है

मौर जिसकी सं० 2, 4, 3 है तथाओ कुलरी मंसूरी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मसूरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यनान प्रतिफन से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्दर् प्रतिगा अधिक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मधि-नियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के जिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या जिसी धन या अग्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीन आयकर भशिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भशिनियम, या धनकर भशिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भन, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्तलिखित व्यक्तियों, भर्यातु:---

- 1. श्री जगन्नाण शर्मा एडवोकेट रिसीवर मैसर्स मन्साराम एण्ड संस 15 बी न्यू रोड, देहरादून। (श्रन्तरक)
- 2. भाग सिंह कटारिया राक्सी बिल्डिंग राक्सी सिनेमा के नीचे कुलरी, मंसूरी। (अंतरिसी)

को **यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त** सम्पत्ति के स्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सन्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्सारंधी व्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, कि भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टगाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रंथ होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान मम्बर 2 व 3 मौर सूट नम्बर 9 से 13 तथा 15 से 19 कुलरी मंसूरी में स्थित है।

> बी० सी० चतुवदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 21-3-1980

प्ररूप आई टी एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 ग्रप्रैल, 1980 ज

निवेश सं० 801-v/दावरी/79-80---ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गैंशा तिलपताबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दादरी म, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28-8-1979

का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण निचत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनुसरण मे, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उप्धारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों अर्थात्:— मी गोपी पुत्र छुटटन व राजे पुत्र खचेडू व बिहारी पुत्र बल्लू निवासी मडाबली फाजलपर मबा वहेली

(अन्सरक)

1. श्री धर्म प्रतिष्ठानम ई० 9, डिफेन्स कालोनी नई दिल्ली द्वारा डा० जी० महापाझा पुत्र श्री पी० महापाता निवासी दिल्ली। (ग्रान्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 किन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बन्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 102/3-9-3 ग्राम गेन्सा तिलपताबाद तह० धादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी रहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-4-1980

सी० चतुर्वेदी

प्ररूप आर्द्धः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 3 मार्च, 1980

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि हैं तथा जो मंगलबेगमपुर म स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 28-8-1979

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——
15—46GI/80

- 1. श्री खचेड पुत्र वल्लू व खिलेराम व देवीराम व बाबूराम पुत्र गण गोपी व श्रीमती सुरेशवती बेबा अजलाल व जगदीश प्रसाव पुत्र श्री भूले व बिहारी पुत्र बल्लूवालि व संरक्षक मिनजानिक धीरज व भीमसिंह ता० पुत्र भूले निवासी मंडवली पंभजलसर सूबा वेहली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री धर्म प्रतिष्ठानम ई० 9 डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली द्वारा डा० जी, महापात्र (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्स में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए, जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 ं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

शृधि भिम $225^{l}2-12-0$ ग्राम मंगल बेगमपुर परगना व तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीख: 3-3-1980

माहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर ऋधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के **मधीन सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 31 मार्च, 1980

निदेश सं० 792-ए/दादरी/79-80--- ग्रतः मझे, बी० सी० चतुर्वेदी, **मा**यकरम्रिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीस सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिन्न । उचिन बाजार मृत्य 25,000/ रुपये से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० कृषि भिम है तथा जो मंगलबेगमपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिध्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के द्यद्यीन, तारीख 31-8-197 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य असके दृश्यमान त्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भौर भन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरन निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उकत अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या श्रससे अचने में सुविधा के लिए, भीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को 'जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम वा धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिनाने में सुविधा के लिए;

जतः, शव, उनतः अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नविज्ञित स्पनितयों, प्रचात्:—

- 1. श्री फतन पत्र धोसा निवासी मंगलबेगमपुर तह० दादरी गाजियाबाद) (ध्रन्तरक)
- 2. श्री महाऋषि ध्यान विद्यापीठ यू० पी० द्वारा डा० जी० महापात्रा निवासी ई० 9 डिफेंस कालोमी, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्यच्टी तरणः → इनमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भिम 260/2-12-0 ग्राम मंगलबेगमपुर में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिका**री;** सहायक ग्रायकर द्यायुक्त (नि**रीक्षण**), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 31-3-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एत०----

प्रायकर ऋधितियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के प्रधीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज, कानपुर कानपुर, दिनांक 31 मार्च 1980

भायकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रंधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गेझा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28-8-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थोंका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पत्म गमा प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रिचित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचे घम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः मन, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपद्यारा (1)के प्रधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, संशीत्:⊶- 1. श्री विहारी पुत्र श्री बल्ल सिंह वली व संरक्षक व जानिव जगदीश प्रसाद वालिग धीरज व भीमसिंह नावालिग पुत्र श्री भलेसिंह दादा स्वयं व खिलेराम व देवी-चन्द्र व बाकूलाल पुत्रगण गोपी चन्द व श्रीमती सुरेशवती बेवाक बजलाल नि० मढ़ावली फाजलपुर सूबा देहली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री धर्मप्रतिष्ठानम ६० डिफंस कालोनी नई दिल्ली द्वारा डा॰ जी ॰ महापान्ना पुन्न श्री पी॰ महापान्ना निवासी 9 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सुवता जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के **मर्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उका अभ्यत्ति के ग्रार्तन के पम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज ने 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजात में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीनर उकन स्थावर समात्ति में हितजब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा मकेंगे।

स्तवडीकरण .---इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त स्विध-नियम के अध्याय 20 ह में परिभाषित हैं. वहीं प्रयं होगा जो उन अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भिम 54/5-9-0 ग्राम गेझा विलयताबाद परगना व तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्रण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 31-3-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 भ्राप्रैल, 1980

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपहित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गेन्झा तिलपताबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 28-8-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक दूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आग रा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन - निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- 1. श्री खिलेराम व देवी चन्द्र व बाबूलाल पुत्रगण गोपी चन्द्र व श्रीमती सुरेशवती बेवा बृजलाल व बिहारी सिंह पुत्र बल्लू सिंह वली व संरक्षण मिनजानिब जगदीश प्रसाद व घीरज व भीमसिंह पुत्र भूलेसिंह निवासी मडावला फाजल-पुर सूबा देहली। (ग्रन्तरक)
- 2. एम० म्राई० सी० म्राई० 9 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली ब्रारा जी० महापाता। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त याब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

क्रुषि भूमि 13/3-2-0 ग्राम गेंद्वा तिलपताबाद परगना व तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-4-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
भर्जन रज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 1 श्रप्रैल 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया ही), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गेंझातिलपताबाद में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप में विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 28-8-1979

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बाबूलाल व खिलेराम व देवी चन्त्र पुत्र गण गोपीचन्द व श्रीमती सुरेशवती बेवा बृजलाल व विहारी सिंह पुत्र बल्लूसिंह वली व संरक्षक निनजानिव जगदीश प्रसाद व धीरज व श्रीमती भीमसिंह नाबालिग पुत्र भूलेसिंह निवासी मदावली फाजलपुर सूबा देहली। (श्रन्तरक)

2. श्री एम० ग्राई० सी० ग्राई० ई० 9 डिफेंस कालोनी नई विल्ली द्वारा डा० जी० महापादा। (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

13
कृषि भूमि — ग्राम गेंझातिलपताबाद परगना व तह०
4-0-0
दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-4-1980

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 भन्नैल 1980

निदेश सं० 803-ए/दादरी/79-80---म्रतः मुक्षे, बी० सी० चतुर्वेदी,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्स जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गेंझा, तिलपताबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रिष्ठकारी के कार्यालय, दादरी में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीम, तारीख 28-8-1979

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक सुप् से किथान नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्री जगतसिंह (वालिग) व रणधीर सिंह व श्रृषि-कुमार व दुलीचन्द्र (नाबालिगान) पुत्रगण श्री राजे व संरक्षक कुदरती मनचन्दरी निवासी मंडावली फाजलपुर, सूबा बेहली। (श्रन्तरक)
- 2. एम० प्राई० सी० ग्राई० ई० 9, डिफेंस कालोनी नई दिल्ली द्वारा डा० जी० महापाता पुत्र श्री पी० महापात निवासी ई० 9 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली। (ग्रन्तिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पटकीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 2-13-0 ग्राम गेंझातिलपताबाद परगना व तह० दावरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-5-1980

प्रकप भाई • टी • एन • एस • - - - - - प्रायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यावय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 31 मार्च, 1980 निदेश सं० 790-ए/दादरी/79-80---भ्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के भधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से भक्षिक है

म्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि हैं तथा जो गेंझा तिलपताबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31-8-1979

करे पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का प्रम्तह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रम्तरक (प्रग्तरकों) गौर प्रम्तरिती (अगारितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल जिम्मिलिख उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में बास्तिव ह कर ने किया नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिश्चित्यम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी द्याय या किसी धन या अन्य ध्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

यद: यम, उस्त भिष्ठियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उस्त धिष्ठिमम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्री खिलेराम, देवीचन्द, बाबूलाल पुत्र गोपीचन्द श्रीमती सुरेशवती पत्नी अजलाल व जगदीश प्रसाद पुत्र भूले सिंह व धीरज सिंह भीम सिंह पुत्र श्री भूलेसिंह व बली दलेराम बिहारी पुत्र श्री बल्ल निवामी मंडावली फाजलपर सूवा देहली। (अन्तरक)
- 2. महिला ध्यान विद्यापीठ ई०-9 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली द्वारा डा० जी० महापाक्षा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके रूवोंक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारी करें के 45 दिन की घनिष्ठ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घनिष्ठ, जो भी घनिष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन को सारीख से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में दितक क किसी अन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताकारी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रब्दो सरग: --इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्दो का, जी उक्त भिधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, प्रही अर्थे होगा, जो उत्त अध्याय में दिमा गया है।

अनुसूषी

कृषि भूडि 54/4-0-0 गेन्सा ग्राम तिलपताबाद में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रापुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज, कानपुर

तारी**ज** 31-3-1980 मो**हर**ः प्रप्य आइ². टी. एन**, एस.---**---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 1 ग्रप्रैल 1980 निदेश सं० 799-ए/दादरी/79-80--श्रतः, मुझे, बी० मी० चतुर्वेदीः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की भार 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्नावर संपरित जिलका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि, है तथा जो गेंझा तिलपताबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबज भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28-8-1979

को पूर्वांक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्छें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्त में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री राजे पुत्र खचेडू व गोपी पुत्र श्री छुट्टन व बिहारी पुत्र बल्लू निवासी मडावली फाजलपुर सूबा देहर्ला (अन्तरक)

2. स्परिचुम्रल रीजनरेशन मूथमेंट म्राफं इण्डिया ई० 9, डिफोंस कालोनी, नई दिल्ली द्वारा डा० जी० महा-पासा पुत्र स्थ० पा० महापात्रा नियासी दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को आयकर अधिनियम के अध्याय 70-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनस्ची

कृषि भूमि 102/3-9-3 ग्राम गेंझा तिलपताबाद पर-गना व तहु० दावरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-4-1980

प्ररूप आर्धुः ही. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन ग्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 1 ग्रप्रैल, 1980

निवेश सं० 800-ए/दादरी/79-80---- प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो मंगल बेगमपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 क 16) के ग्रधीन, तारीख 28-8-1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते पह विव्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल में, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिक नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

1. श्री गोपी पुत्र श्री छुट्टन व बिहारी सिंह पुत्र श्री राज पुत्र खचेडू निवासी मंडावली फाजलपुर सूबा देहली। (ग्रन्तरक)

2. श्री महाऋषि ध्यान विध्यापीठ यृ० पी० द्वारा डा० जी० महापात्रा सुपुत्र श्री पी० महापाता ई० 9 डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां मत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

रभष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

कृषि भूमि 208/3-9-10 ग्राम मंगलबेगमपुर परगना व तह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज,कानपुर

तारीख: 1 · 4-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 31 मार्च, 1980

निधेश सं० 795-ए०/दादरी/79-80-प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर मंपिता जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है सथा जो गेंझा तिलपतानाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 31-8-1979

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, ऐसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बंध एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हर्ष्ट किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अन्मरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उण्भारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- 1. श्री खिलोराम व वेवीराम व बाब्राम पुत्तगण गोपी-चन्त्र व मु० सुरेशवती बेवा क्रजपाल व जगदीश वालिगान व धीरण सिंह व भीम सिंह नाबालिगान पुत्र श्री भूलेराम वली विहारीसिंह निवासी मंडावली फजलपुर सूबा देहली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री स्प्रचुपल रीजनरेशन मूबमेंट म्राफ इन्डिया ई० 9 डिफेंस, कालोनी, नई दिल्ली। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

कृषि भूमि 14/3-8-10 ग्राम गेंझा तिलपताबाद परगना वतह० दादरी जिला गाजियाबाद में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 31-3-1980

प्रकप भाई • टी • एम • एस • ---

आविकर आंधनियम, 1961 (1961का 43) की बारा 289वं (1) हे सधीन पूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 14 ग्रप्रैल 1980

निवेश सं० 810-ए/देहरादून/79-80---भ्रतः मृझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

स्रायकर प्रधितियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सभम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित वाजार मून्य 25,00 % के से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 69, है तथा जो गोविंद नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के खिला बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए भर्गिरत की गई में भीर मुझे थई विश्वत करने ता करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिलत बाजार मूला, जसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से मांचक हैं कीर अन्तरक (अन्तरका) और धार्वरिक (अन्तरित्यों) के धीच ऐसे यन्तरण के जिए तय पापा गरा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर प्रनारण विश्वित में वास्तवित स्पार्थ से अवित तहा निश्वास्यों है :--

- (क) अन्तरण से हुई छित्री अन्य की नावन उन्त अधिनियम क प्रधीन कर देने के वन्तरक के दायिक में कभी करने या उनमें बचने में सुविधा के किए; और/या
- (जर्णमा किना धाय या किना धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1857 का 27) के प्रयोजनायँ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियाग्या या विध्या शना चाहिए या, छिपाने में सुनिक्षा के लिए;

अतः, त्रवं, अतः अभिनियां हो भारा 269-गरे त्रमुतरण में में, अवा अधिवियं हो प्राटः 269-घकी उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अ्यमितयों, अर्थात्:---

- 1. श्री रोशन लाल ठकुराल पुत श्री वसाखी राम ठकुराल निवासी 69 गोविन्व नगर, देहरादून। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती दलजीत कौर पत्नी श्री कुलवन्त सिंह साहनी, 23 रेस कोर्स, देहरादून। (झन्तरिती)

को य**ह सूच**ना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहिया सुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के भावेंन के शंबंध में काई भा आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की प्रविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकर व्यक्तियां में ये कियो व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्ध कि थें। ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भन्नोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पन्धीकरण :--इसमें प्रमुक्त कड़वों भीर पढ़ों का, जो उस्त भीविनियम के भ्रष्टवाय 20क में परिभावित है, बड़ी भर्ष होगा, वो उस भड़वाव में विया गया है।

अनुसूची

भवल सम्पत्ति नम्बर 69 क्षेत्रफल 4314 वर्गफीट गोविन्द नगर, देहरावून, में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (मिरीक्षण); भ्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 14-4-80

प्ररूप आई॰ टी॰ एनः एस०----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 म्रप्रैल 1980

निदेश सं० 845-ए/कानपुर/79-80--श्रप्तः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इपये से बाधिक है

ग्नौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो बूड़पुर मछरिया में स्थित है (ग्नौर इससे जपाबब ग्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 17-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत भिक्षक है और धन्तरक (धन्तरकों) भे बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्वा के लिए: और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्रिनियम का चन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269—ग के प्रमुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269—व की उपधारा (1) के अधीन, निरुक्ति क्रिक्त क्रिक्सियों, अर्थन :

- 1. श्री शहजादे द्वारा रमाकान्त द्विवेदी निवासी ग्राम पहाङ्गपुर पोस्ट कसिगवा तहसील व जिला कानपुर। (ग्रन्तरक)
- 2. द्विवेदी नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लि॰ पहाड़पुर हमीरपुर रोड कानपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करकेपूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनन सम्यति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षीर--

- (क) इन पूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचता ह राजप्रत, नें. प्रकागा की तासीख से: 45 दित के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद. किमी प्रश्न व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षणे के पास-विख्या में किए जा नकेंगे ।

स्वब्दोक्करगः ---इसमें त्रपुक्त शब्दों प्रीर तो का, जो उक्त ग्रीचितियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ी प्रश्ने रोगा जी उस चक्टराय में विभा गया है।

अनुसुधो

भूमि वूडपुर मछरिया ग्राम में स्थित है। भूमि का क्षेत्र-फल 6 बीधा एक बिस्वा है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-4-1980

प्रक्रप्र. माई०. टी० एत० एस० ----

भ्रायकर श्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत-साम्बर

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 श्रप्रैल 1980

निवेश सं० 808/म्रर्जन/म्रागरा/79-80-म्ब्रतः मुझे, बी० सी० भतुर्वेदी,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के भक्षीन सक्षम भाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है-कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपए से भिक है

ग्रीर जिसकी सं० 18/180 है तथा जो मंटोला ग्रागरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 18-8-1979

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिष्ठि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वाणित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (,19,22 का 1.1) या. उन्त श्रिधितियम, या धनु-कर श्रिधिनियम, 1957 (1,9,57 का 27), के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधार के लिए।

भनः ग्रन्थः, उन्त भिविनियम की भारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त भिविनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के भन्नीम, निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :—

- 1. श्री धरमदास पुत्र श्री झम्पटमल सिन्धी सा० नाला मंटोला, ग्रागरा। (ग्रन्तरक)
- श्री भ्रब्दुल गक्फार वल्द श्री नूर बक्ण निवासी ढोली बार, श्रागरा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिझ के भीतर उक्त स्थायर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अरुध-व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासः लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होना जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान हाल नम्बर 18/180 बाके मंटोला ग्रागरा में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-4-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 श्रप्रैल 1980

निदेश सं० 811/म्रर्जन/म्रागरा/79-80-म्प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

मायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

भौर जिसकी सं० 68.4/85 है तथा जो लाजपतकुज, भागरा में स्थित है (भौर इससे उपाबद श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भागरा में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन. तारीख 30-8-1979

16) के अधीन, तारीख 30-8-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दूध्यमान
प्रतिकन के निए अनारित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यमापूर्योग नम्मति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया
गम प्रतिकन निम्नलिखा उद्देश्य पे उनन प्रन्तरण लिखित मे
वास्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिष्ट-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रग्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐमो किसी आय या किमी धन या घण्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर श्रिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधितियम या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्रतः, स्रव, उक्त प्रधितियम, की धारा 269-ग के स्नतुसरण में, म, उक्त प्रधितियम की धारा 269-च की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, स्रयातः ---

- 1. श्री नंबलाल पुत्र दयालमल निवासी 4/85 लाजपत-कुंज सिविल लाइन ग्रागरा व हाल निवासी महाराजा फिल्म डिस्ट्रीक्यूटर भागीरथ पैलेस, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री विजय कुमार पुत्र श्री मिलक देशराज सहगल व श्रीमती फूला रानी सहगल पत्नी मिलिक देशराज सहगल मोसूफ निवासी गण हाल 68 लाजपतकुंज शहर आगरा। (मन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पुर्वोक्त सम्मित के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बास में साग्न होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में ने किती व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्षारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

एक जायवाद तजबीजा नम्बर 68 म्यूनिसिपल नम्बर 4/85 बाके लाजपतकुंज सिविल लाईस ध्रागरा में स्थित हैं।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-4-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1980

श्रादेण सं० 833- ए/मेरठ/79-80—यतः, मुझे, बी०सी० चतुर्वेदी भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/र० से श्रिधक है

श्रीर जिनकी सं असनान तिलक रोख है तथा जो बेगम बाग मेरठ में स्थित है, (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मेरठ में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनरम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 17 आगस्त 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रग्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और अग्तरक (अन्तरकों) ग्रौर भन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रष्टिनियम, के भ्रष्टीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ध्रतः ध्रब, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में. उन्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रद्धीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रषीत :---

- 1. श्री यशपाल धींगरा पुत्र मथुरावास धींगर 1876 लक्ष्मीबाई नगर, विजयनगर ब्लाक जी नई विल्ली। (श्रन्तरक)
- श्रीमती ऊषा घरोड़ा पत्नी श्री राजेन्द्र किशोर घरोड़ा
 171 एन०, भ्रब्बूलेन मेरठ कैन्ट। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूचो

एन किता मकान नम्बर 82 तिलकरोड बेगमबाग जिला मेरठ में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 14-4-1980

अरूप आई० टी० एन० एम०---

आषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृषना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयु**क्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निदेश सं० 899-v/कैराना/79-80--ग्रसः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

ग्रीर जिसकी सं० दुकान है तथा जो कैराना मु० नगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मुजफ्फर नगर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 23-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जिससे बकने में स्वृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिश्वत व्यक्तियाँ, अर्थात्:---

- श्रीमती मानवती पत्नी बारूमल निवासी शामली श्रार्युपुरी पर० व० डा० शामली तह० कैराना जिला मुजपफर नगर। (श्रन्तरक)
- 2. सुरेश चन्द्र पुत्र देवीदत्तामल व श्रीमती श्रमृतरानी पत्नी सुरेश चन्द्र व सुधीर कुमार पुत्र श्री सुरेश चन्द्र निवासी शामली डा० खास मुजफ्फर नगर। (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी छास्रेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पर्तित मे हित्बक्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोक्रस्ताक्षरी के पास विस्ति मे किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, भी उस अध्यस्य में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान दो खमी पश्चिम मुहानी तह० कैराना जिला मुजफ्फर नगर में स्थित हैं।

> ्बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, कालपुर

तारीख: 14-4-1980

प्राह्म प्राई० टी० एन० एस०-----

आय कर अबिनियम, 1961 (1961 का 43) की झारा 269-मं (1) के ग्रंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 14 भर्रेल 1980

निवेश सं० 889-ए/सरधना/79-80-मतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25000/- ग० से भधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो लक्कर गंज सरधना में स्थित है (भौर इससे उपाबद भनुसूची में भौर रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, सरधना में, रजिस्ट्रीकरण भिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन, तारीख 20-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखा में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उस से बचने में सुविश्वा के लिए, ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी बन या मन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उका श्रिबिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुमरण में. में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत :---

- 1. श्री श्याम मुरारी बंसल व परसराम व राजीव कुमार बंसल पुत्र व्रजमोहन लाल बंसल निवासी सिविल लाइन्स मेरठ। (श्रन्तरक)
- 2. श्री श्रासीराम पुत्र रामप्रसाद निवासी महादेव व रमेश चन्द्र पुत्र दरायाव सिंह शेर सिंह, श्रशोक कुमार, विनोद कुमार पुत्र रमेश चन्द्र निवासी ग्राम हैदरपुर पर० तह० खास जिला गाजियाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारी खासे 45 दिन की अविध या तरसंख्धे व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जोभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इति सूचरा के राजरत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर पर्नात में हि। बद्ध किनो सन्य व्यक्ति हारा प्रजोड्स्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सर्कों ।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याम 20 कमें परिभाषित है, बही अर्थे होगा, जो उस अख्याय में दिया गमा है।

ग्रनुसूची

एक प्लाट नाप में 2140 वर्गगज स्थित मोहल्ला लश्करगंज कस्बा सरधना जिला मेरठ में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

सारीख: 14-4-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एन०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 भ्रप्रैल 1980

निदेश सं० 883-ए/गाजियाबाद/79-80--श्रतः मुझे, बी० सी० चसुर्वेदी,

अप्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इस (जिसे में इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के भधीत नभाम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंत्रति जिसका उचित्र बाजार मूख्य 25,000/- द० से प्रभिक्ष है

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो न्यू गुरुद्वारा रोड़ में स्थित है (श्रीर जइससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गाजिया-बाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10-8-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त भिधिनियम के अधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी अन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत भ्रधिनियम, गा धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के क्ए;

अतः प्रव, उन्त अधिनियम, की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-न की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री हरीकृष्ण जयसवाल पुत्र श्री लाला रामवन्दर निवासी भोदीनगर परगना जलालाबाद तह् जिला गाजिया-बाद (ग्रन्तरक)।
- 2. श्रीमती गोमती देवी पत्नी श्री रामगोपाल निवासी कस्बा फरीदनगर हाल निवासी मकान मुंबईया मोहल्ला न्यू गरुद्वारा रोड़, मोदीनगर परगना जलालाबाद जिला गाजियाबाद। (श्रन्तरिती)

को य**हसूत्र**ना जारी करके पू**र्वीक्त** सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जरत सम्पति के अर्जन के यम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यिं पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 स्वितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधौहस्ताक्षरी के पास लिखित किए जा सकेंगे।

हरडडी हरग:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सालिम एक मकान दो मंजिला महद्दा जैलपूरव मुहाना बाके मोहरुता न्यू गुरुद्वारा रोड़, सत्यनगर मौकवा रकवा ग्राम बेगम-बाद बुढाना जिस पर हाउस टैक्स 60/- ६० सालाना है कुल क्षत्रफल 200 वर्गगज है कवर्ड एरिया 130 वर्गगज है शेष 70 वर्ग गज खाली है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीख: 14-4-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रज, कानपुर

कानपुर, दनांक 14 ग्रप्रैल 1980

निदेश सं० 873-ए/गा० बाद/79-80----ग्रतः मझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भ्रिधिक है

न्नौर जिसकी सं० ए० 1/2 सी इण्डस्ट्रियल प्लाट है तथा जो मेरठ रोड़, गाजियाबाद में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, राजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-8-1979

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भौर धन्तरक (अन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिक नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनयम, या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः अब, उक्त घिधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त घिधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात्:---

- 1. श्री करमचन्व पुत्र बहादुर चन्त्र निवासी 11 श्रादर्श नगर, गांधी नगर, गांजियाबाद। (श्रन्सरक)
- 2. श्रो राजेश्वरी प्रसाद कोशिक पुत्र श्री तारा अन्द्र पार्टनर मेसर्स कुग्रालिवी इन्टरप्राइजेज 119 न्यू गांधी नगर, गाजियाबाद। (ग्रन्तरिती) को यह सबना जारो करके पर्योक्त सम्पत्ति के ग्रजन के लिए

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशित की तारीख से
 45 दिन को प्रविध या तत्तम्बन्धो व्यक्तियों पर
 सूचना की तामीन से 30 दिन को प्रविध, जो भी
 ग्रविध बाद में समान्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में ने किसो व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचता के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्मत्ति में हितबढ़ किसी प्रत्य काति। द्वारा प्रप्रोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

हराब्दीकरण:---इसमें प्रपुक्त शब्दों ग्रीर पतों का, ओ उक्त ग्रिष्ठ-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट ए 1/2 स इण्डस्ट्रियल अलाक क्षेत्रफल 8659 वर्गगज तथा इमारत मेरठ में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 14-4-1980

प्रकृप धाई० टी॰ एत॰ एस॰----

धायकर मर्धिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 मप्रैल 1980

आयकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के भ्रधीन सम्भाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन आजार भूल्य 25,000/- वपये से ग्राधिक है और जिसकी सं० 173-ए है तथा जो राजपुर रोड, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्याक्षय, देहराधून म, रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 7-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बिंबत बाजार भूक्य से कम के दृष्यमान प्रतिफन के लिए धर्नारित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यन्तापूर्वोकन सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिमत से प्रसिक है धौर धर्नारक (धन्तरकों) भौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तर्ण के लिए, तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धर्नारण लिखित में वास्तविक क्य से क्वित नहीं किया गवा है:---

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उपत, प्रधि-नियम के प्रधीन कर वेने के प्रत्तरक के वायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (म) ऐमी किसी माय या किमी धन या अन्य आहिनयों को, जिन्हें, भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या भन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, धव, उक्त मितियम की खारा 269-ग के अनु-भरण में, में, उक्त मितियम की धारा 269-व की उपभारा 1 के प्रधीन निम्ननिखित व्यक्तियों प्रथात् :---

- श्री जोरमा एटोज मेनिक सर्वन्टो 173-ऐ, राजपुर रोड, देहरादून। (म्रन्तरक)
- श्री डी० इमानल राज सेन्नेटरी /कोषाध्यक्ष न्यू लाइफ सैन्टर, देहरादून। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (वा) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रह्मोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोक्तरणः -- - इनमें प्रयुक्त भाग्दों सीर पदों का, जो उसत धिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, बही सर्व होना, जो उस सध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भ्रजल सम्पत्ति नं० 173 ऐ०, राजपुर रोज, देहरादून, में स्थित है जिसका क्षत्रफल 1700.584 वर्ग मीटर है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर घ्रायुक्त, (निरोक्षण) धर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 14-4-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1980

निदेश सं० 820-ए/गा० बाद०/79-80--- प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी, मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रुपये प्रधिक श्रीर जिसकी सं० फैक्ट्री बिल्डिंगटीन है तथा जो शोड टीन, गढ़ रोड में स्थित है (धीर इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद भें, रजिस्ट्रीकरण ब्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 21-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुस्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत षधिक है गौर भन्तरक (अन्तरकों) घीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निर्तय याया गरा प्रतिकत, निस्तलिखित उद्देश्य से उनत ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिष-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय था किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिनाने में स्विधा के लिए;

अहः प्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-य के धनुसरक में, मैं, उक्त धिधिनियम की घारा 269-व की उपधार√ (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री कान्ति प्रसाद पुत्र प० श्री भगवत प्रसाद मर्मा निवासी 16 चाह कमाल हापुड़ द्याभाराम पुत्र श्री रामचन्द्र निवासी 37 द्यार्यनगर, हापुड़ बहैसियस मुख्तयारधाम मिन-जानिब व श्री रसनलाल गोयनका पुत्र श्री तुलाराम गोयनका व माधब प्रसाद गोयनका पुत्र श्री कन्हैया लाल गोयनका श्री गोपाल गोयनका पुत्र श्री मन्नालाल गोयनका पुत्र श्रीमती गुलाब देवी गोयनका बेबा श्री देवकी नन्दन गोयनका निवासी कलकत्ता। (ग्रन्तरक)
- श्री डिप्टी सरन पुत्र श्री बाबूराम निवासी मोहल्ला
 भगवतीगंज व ग्रोम प्रकाश पुत्र श्री बाबूराम निवासी
 जवाहर गंज हापुड़ जिला गाजियाबाद । (ग्रन्तरिती)

को महसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उन्त सम्मित के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जकत क्यावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीरपदों का, जो उक्त ग्राधिक नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रह्याय में वियागया है।

अनुसची

कुल एक फैक्ट्री बिल्डिंग टीन शेंड पड़ी हुई नाप में 548 वर्ग गण स्थित पेच खुरजे बालान अन्दर गढ़ रोड हापुड़ जिला गाजियाबाद में स्थित है।

> बी० सी० चतुत्रदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 14-4-1980

त्र¥प आई० टी० एन० एस०-----

अायकर पश्चितियम, 1961 (1961का 43) की धारा 2697 (1) के प्रश्नीत मूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक म्नायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 14 म्रप्रैल 1980

निवेश सं० 766-ए/बुलन्दशहर/79-80--ध्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

धायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परनात् 'उक्त पश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीत सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति कियका उचित वाजार मूस्य 25,000/-रु॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो कृष्णा नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबच अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17-8-1979 को

पूर्वीक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रश्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ट संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल कर पन्छई प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरको) भीर अन्तरिती (भ्रम्नरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मनिक्त छद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित महीं किया गरा है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी शान की यावत उक्त अस्ति-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायिस्व में क्षमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्कृषिधा के लिए;

भतः पन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान:--

- श्री ईश्वर सिंह पुत्र श्री राम स्वरूप निवासी कृष्णा नगर, बलन्द शहर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती लज्जा देवी पत्नी स० सरदारी लाल नवासी कायस्तवाला सिकन्दराबाद व श्रीमती सुशीला गुप्ता पत्नी श्रानन्द स्वरूप ग्राम मुडी, पर० जिला बुलन्दशहर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूवता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजनक में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधि-नियम के अख्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान कृष्णानगर बुलन्दशहर में स्थित है।

बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 14-4-198

प्रकृष माई• टो• एत• एत•----

आयकर प्रसितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक ग्रायकर ग्रापुत्रत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 14 ग्राप्रैल 1980

निदेश सं० $734-v/\mu_0$ नगर $/79-80-\mu_1$ त: मभी, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर धिर्मियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- श्पए से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 270 है तथा जो मजपफर नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मुजपफर नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्निरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से मिलक है और धन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्निरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चहेश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) मन्तरण ने हुई किया गांध की बाबत, उपन आधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या ितयी वन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर यजिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनयम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के निष्;

अतः मन, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण म, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-च की एपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:---

- 1. श्री ठाकुर दास पुत्र श्री भगवानदास निवासी 31 सरवतगेट उत्तरी मजपफर नगर। (ग्रन्तरक)
- 2. सा० ग्रात्मा सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह निवास 6/4 गांधी कालोनी, मजफ्फर नगर। (श्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।---

- (क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्र ख से 45 दिन को भवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि का में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूनना के राजात में प्रकाशत को नारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध कियी द्यस्य स्थावन द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिश्वनियम के भध्याय 20क में परिभाषित है, वही भ्रषं होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

अनुसची

भ्राराजी तइती मकान नं० 270 क्षेत्रफल सगभग 301½ वर्ग गज जिसकी सीमाएं पूर्व प्लाट श्री भ्रमर सिंह पश्चिम कोठी श्री श्यामलाल उत्तर में रोड़ व दक्षिण में कोठी डाक्टर भागव है बाके मे० सिविल लाइन उसरी म्जफ्फरनगर में स्थित हैं।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 14-4-1980

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 14 म्रप्रैल 1980

निदेश सं० 835-ए/मु० नगर/79-80---श्रतः मुझे, स्री० सी० चतुर्वेदी,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से भ्रधिक है

भौर जिसकी सं० 156 है तथा जो सिविल लाइन्स दक्षिणी में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरनगर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17-8-1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंत्रिक का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ते, ऐले दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगा से प्रधिक है और प्रनारक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रनारितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरग के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि विश्वतिविद्या उद्देश्य से उका प्रन्तरण निखित में धास्तविक क्या से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर; ...
- ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अख, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्णात्:—

- 1. श्री मुरारी लाल पुत्र श्री फूल बन्द निवासी 156 सिविल लाइन्स दक्षिणी मुजफ्फरनगर। (झन्तरक)
- 2 श्री नरेश्वर दास पुत्र बशेशवर दयाल नि० 682 सिविल लाइन्स दक्षिणी मुजफ्फरनगर। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के क्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजांत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राब्दी करण: --इत्तमें प्रपुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त मिश्वनियम, के ग्राव्याय 20-क में परिमाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस ग्राव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान दो मंजिला दक्षिण मुहाना नम्बर 156 तथा क्षत्रफल 273 वर्गगज मोहल्ला सिविल लाइन्स दक्षिणी मुजफ्फरनगर में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, कार्नपुर

विनांक: 14-4-1980

प्रहा प्राई० टी० एन० एन०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 प्रप्रैल 1980

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से श्रिष्ठिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो ग्राम पसोन्डा कडकड-माइल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29—8—1979

का 16) के प्रधान, ताराख 29-8-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूरयमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुप्ने यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे
द्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर
प्रन्तरक (प्रन्तरकों) प्रौर प्रन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच
ऐमे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निष्टित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिष्ठि-नियम, के भ्रधीन कर देने के श्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, श्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातः ---18—46GI/80

- 1. श्री रमेश चन्त्र सेठी पुत्र देशराज सेठी, औम प्रकाश सेठी पुत्र देशराज सेठी मुख्तार खास मिजजानित देशराज सेठी पुत्र हवेली राम सेठी निवासी 59 मजीठा रोड, अमृतसर। (अभ्तरक)
- 2. श्री भगत एण्ड एसोसियेट द्वारा श्री वी० के० भगत पुत्र श्री सी० एल० भगत व श्री राकेश भगत पुत्र श्री वी० के० भगत निवासी 56 जोहरबाग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखासे 45 दिन की श्रविधिया तत्मिबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तब्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पवों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस अकाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि $90\frac{1}{2}$ गज ग्राम पसोन्डा पर० लोनी में तथा 51161/2 वर्गगज भूमि (कुल 5207 वर्ग गज) ग्राम कडकडमाडल पर० लोनी तह० व जिला गाजियाबाद में स्थित है तथा 1.83.000/- न्पये में बची गई।

यी० सी० चतुर्वेषी नज्ञम प्राधिकारी, तद्भाक प्रशाकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), ध्रजेन रेंण, कानपुर

तारीख: 14-4-1980

प्ररूप भाई०टी० एन० एम० -

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 भ्रप्रैल 1980

निदेश स० 834-ए०/मेरठ/79-80-प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

श्रीयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बागार मूस्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 173-वी है तथा जो आबू लेन मेरठ कैन्ट में स्थित है (श्रीर इसमें उपाब श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मेरठ म, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 3-8-1979

को पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है और प्रन्तरक (प्रम्तरकों) भौर ध्रन्तरिती (अन्तरितीयों के) श्रीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाषा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण में हुई किमो आप को बाबत, उबन प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उपये बचने में सुँव मा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी भ्राम या किमी अन या अन्य श्राहितयों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 192: (1922 का 11) या उक्षन प्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः सन्, उन्त स्रधिनियम ही धारा 269-म के सनुमरण में, मैं, उन्त स्रधिनियम की धारा 269-च ही उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- 1. श्री श्रशोक कुमार शर्मा, श्रमरीण कुमार, श्रनिल कुमार, श्रमित कुमार, श्रीमती शान्ती देवी पत्नी स्व० जी० डी० शर्मा निवासी छिपी टैंक, मेरठ। तथा श्रीमती गलजार वती, रानी, कुसुमलता निवासनी नया बाजार मेरठ कैन्ट। (श्रन्तरक)
- 2. श्री राम भ्रौतार, पुत्र श्री श्याम सुन्दर लाल निवासी, मोदीनगर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (६) इन मुबना के राजान में जनागत को नारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

रणधीकरण:--इमनें प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदो का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है ≀

अनुसूची

प्रर्ध भाग मकान नम्बर 173 बी, ग्राब लेन मेरठ कैंन्ट में स्थित है तथा 1,45,000/- रुपये का बेचा गया।

> वी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), प्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 14-4-1980 मोहर: प्ररूप आई ० टी० एन्० एस० ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 भ्राप्रैल, 1980

निदेश सं० 729–ए/भेरठ/79–80—ग्रत: मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

ग्रौर जिसकी सं० 173-को है तथा जो ग्राबु लेन मेरठ कैन्ट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 3-8-1979

को पूर्योक्त सम्पति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्योक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ऑधक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिभक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की क्षावत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- 1. श्री ग्रागोक कुमार शर्मा, श्रमरीण कुमार, श्रनिल कुमार, श्रमित कुमार, श्रीमती शांती देवी पत्नी स्व० जी० डी० गर्मा निवासी छिपी टैंक, मेरठ तथा श्रीमती गुलजार वती, कमला रानी, कुसुमलता निवासिनी नथा बाजार भेरठ कन्ट। (श्रन्तरक)
- 2. श्री हरी धोम श्रग्नवाल पुत श्री जै प्रकाश श्रग्नवाल निवासी 184 बी झाबू लेन मेरठ कैन्ट। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण. — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुसुची

श्रर्ध भाग बंगला नम्बर 173 बी ध्राबू लेन मेरठ कैन्ट में स्थित है तथा जो 1,45,000/- रुपये में बेची गई।

> वी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 14-4-1980

माहरः

प्ररूप आई०टी ०एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्ष्ण) व्यर्जन रज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 मप्रैल 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं।

भौर जिसकी सं० मकान है तथा जो गान्धी कालोनी में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्थालय, मजपफर नगर में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीखा 13-8-1979

को पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है;——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्रया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—-

- 1. श्री गरुवित्ता मल व कृष्ण लाल पुत्न राम वितामल निवासी 376 गांधी कालोनी, मुजफ्फर नगर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री कशामीर सिंह व दर्शन लाल पुत्र मोहर सिंह निवासी 1047 पंजाबी कालोनी शाभली सह० कैराना मुजपफर नगर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 376 गांघी कालोनी मजफ्फर नगर में स्थित हैं।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज, कानपुर

तारीख: 14-4-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 मप्रैल 1980

निवेश सं० 817—ए/गा० बाष/79—80——श्रतः मझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रहाता 2/3 भाग है तथा जो छीपीवाड़ा नई ग्रावादी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वींगत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 29-8-1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों अर्थास्ः——

- श्री सालगराम पुत्र श्री गंगाराम निवासी कस्बा कस्ला करस्माबाद हापुड़, जिला गाजियाबाद । (श्रन्तारक)
- 2. श्री ब्रह्मबस्त व निरंजन लाल गर्मा पुत्र श्री हरदेव सहाय निवासी छीपीवाड़ा जिलखुवा तह० हापुड़ जिला गाजियाबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्यष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

ग्रहाता 2/3 भाग छीपीवाड़ा नई ग्राबावी जिलखुवा तह० हापुड़ गाजियाबाद में स्थित है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) मर्जन रेंज, कानपुर

तारीखा: 14-4-1980

माहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०------------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यावन, सहायक भावनार भायुन्त (निरीक्षण)

ध्रजैन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 15 ध्रप्रैल 1980

आदेश सं० राज०/सहा० आ० प्रर्जन/674-~यतः, मुझे, एम० एस० चौहान,

जाबकर प्रधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या खंडेला हाउम है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के वार्यालय, जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 27-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के कन्नाह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

ग्रतः ग्रन, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नकिखित व्यक्तियों, ग्रयोत्:—

- 1 श्रीमित भागीरथी देवी पत्नी श्री भीम देव संघी निवासी खंडेला हाडस, छोटा पाना, संसार चन्द रौड, जयपुर (प्रन्तरक)
- 2. मेनसँ राजेश शर्मा फैमिली ट्रस्ट द्वारा श्री श्याम सुन्दर शर्मा द्वारा मेटल श्रलाय इण्डस्ट, इण्डस्ट्री, मकुम रोड़, तिनसुखिया, श्रासाम। (श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रजँन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पति के अर्गन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के मोतर पूजीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबढ़ फिसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पन्डीकरण:-इनमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिन नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रयं होता जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्रविभाजित स्राधा भाग मकान सम्पत्ति का जो खंडेला हाउस ऐरिया, संसार चंद्र रोड़, श्रपोजिट मैन खंडेला हाउस, जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रमॉक 2096 दिनॉक 27-8-1979 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहाम **तक्षम प्राविकारो** स**हायक श्रायकर शापुक्त (निरीक्षण)** श्रजन रेंज, जयपुर

तारीख: 15-4-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सृथना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 15 श्रप्रैल 1980

स्रादेश सं० राज०/महा० ग्रा० श्रर्जन/675--यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

ग्नौर जिनकी मंख्या खंडेला हाउम है तथा जो जयपुर में स्थित है, ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से रिणा है). रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीम, दिनाक 27-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिपक्त को लिए बन्तरिम की गई है बीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्त से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दौने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में मृतिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री वासुदेव मोदी, निवासी नीमका थाना जिला सीकर। (ग्रन्तरक)
- 2. मैसर्स राजेश शर्मा फैमिली ट्रस्ट, द्वारा श्री श्याम-सुन्दर शर्मा केयर श्राफ भेटल घलाय इण्डस्ट्री ,मकुम रोइ, तिनसुखिया, श्रासाम। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त स्म्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावत्र सम्परित में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम्', के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया है।

पनुसूची|

ग्रविभाजित श्राधा मकान का भाग जो खंडेला हाउस ऐरिया, संसार चन्द रोड़, मुख्य खंडेला हाउस के सामने स्थित है श्रीर उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रमांक 2087 दिनांक 27-8-79 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल**० चौहान** स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, जयपुर

सारीखा : 15-4-1980

नाहरः

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 18 म्रप्रेंल 1980

ग्रादेश सं० राज०/महा० भ्रा० भ्रर्जन/678--यतः मुझे, एम० एस० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 7 व 8 है तथा जो ब्यावर में स्थित है, (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ब्यावर में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 21-8-1979

को पृथांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. मैंसर्स गणेण सूत उद्योग, ब्यावर द्वारा इसके पार्टनर सर्वश्री सुर्गात्रसाद जाजू पुत्र श्री भंवर लाल जी जाज (2) श्री मिती यणोवा देवी जाजू पत्नी श्री रामनिवास जाजू निवासी पीमांगन जिला श्रजमेर। (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स विमलेश यार्न इण्डस्ट्रीज (प्राईवेट) लि०, 7 श्रीराम रोड़, देहली द्वारा इसके निर्देशक सर्वश्री एस० एन० बलदुवा पुत्र श्री संवरीलालणी बलदुश्रा (2) श्रीमती प्रशोदा जाजू पत्नी श्री श्रार० एन० जाजू एवं श्री भंवर लाल जाजू नि० पीसांगन, जि० श्रजमेर। (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फैक्टरी रोड़ को प्लाट नं० 7 व 8 ग्रापर स्थित है जिसके साथ इसकी मशीनरी, प्लान्ट, ग्रेंड़ ग्रोर वैस्ट प्लान्ट है जो जवाहरलाल नेहरू उद्योगपुरी, सैंदड़ा रोड़, ब्यावर में स्थित है तथा उन नंजीयक ब्यावर द्वारा कम संख्या 1962 दिनांक 21-8-1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पन्न में ग्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एस० ए**ल० चौहा**न_, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-4-1980

मोहर ।

अक्षय धाई• टी• एन• एस•----

बायकर प्रधितिथम, 1961 (1961का 43) की धारा 26%-घ(1) के ध्रधीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जथपुर

जयपुर, दिनांक 18 श्रप्रैल 1980

निदेश सं० राज०/महा० ग्रा० ग्रर्जन/676--यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भंभीत सद्याम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिलका उजित जाजार मून्य 25,000/- इन् से प्रधिक है

मौर जिसकी सं० दुकान नं० 25 है तथा जो श्रो गंगानगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 20-8-79 को पूर्वोक्त सम्मति के खिल बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिल बाजार मूल्य, उसके पृश्यमान प्रतिकल से ऐसे पृश्यमान प्रतिकल का पन्त्र प्रतिकत अश्विक है पौर प्रन्तरित (अन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (धन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (धन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रतिकल, निम्निक्तिया उद्देश्य से उसत अन्तरण निश्वत में वास्तिक सं वास्तिक सं संगित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण थे हुई कि जो आय की बाबत कवा कांधि-नियम के प्रश्नीन कर वैंगे के धन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, दिखें भारतीय बायकर घषिनियम, 1922 (1932 का 11) मा उन्त घषिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पंया का, या जिया जाना वाहिए था, जिलाने में सुविधा के जिये;

अतः ग्रन, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उसत अधिनियम, की घारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशींस :——
19—46GI/80

- मर्वश्री लक्ष्मीनारायण एवं बनारसी दास पुलान स्व० श्री कृपाराम श्रग्रवाल, 11-ची, ब्लाक, श्री गंगानगर। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कलावती देवी पत्नी श्री रामभण अग्रवाल, पाटनर ग्राफ रामभण हनुमानवास, पुकान नं० 25, धानमण्डी श्री गंगानगर। (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

धश्त मध्यति के प्रजैन के मध्यक्य में कोई भी भारतेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्त में प्रकासन की तारी ख से 45 दिन की प्रविध गा तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति नारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किये जा स्केंगे।

स्पष्टीकरण:---इसर्ने प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्थ होगा, को उस भध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुशान नं० 25 का घाधा भाग जो धानमंडी श्री गंगा-नगर में स्थित है भौर उप पंजीयक, श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 2321 दिनांक 20-8-79 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 18-4-80

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनोक 18 भ्रप्रैल, 1980

भ्रावेश संख्या राज०/सहा० म्रा० मर्जन/677→-यतः, मुझे, एम० एल० चौहान, ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-- रुपये से ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 25 है तथा जो श्री गंगानगर में स्पित है, (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, श्री गंगानगर में, रजिष्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 17 भ्रगस्त, पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय दुश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्भक्ति का उनित बाजार मृत्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रष्टिक है मौर ग्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्तरग निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उनत प्रधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीन भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिमाने में सुविधा के लिए;

अतः, भ्रम, उका भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, में, उकत श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निस्तनिखित व्यक्तियों, भ्रथीत :---

- श्री लक्ष्मीनारायण एवं बनारसी वास पुत्रान श्री कृपा राम प्रग्रवाल 11-बी, ब्लाक, श्री गंगानगर। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कलावती देवी पत्नी श्री राम भज अग्रवाल पार्टेनर आफ रामभज हनुमानवास, बकान नं० 25, धानमंडी, श्री गंगानगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त से हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परदीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के झच्याय 20-क में परिभाषित है, वही ध्रथें होगा, जो उस झच्याय में दिया गया है।

म्रनुसूची

बुकान नं० 25 का ग्राधा भाग, जो धानमंडी, श्री गंगा-नगर में स्थित है ग्रीर उप पंजीयक, श्रीगंगानगर में स्थित है ग्रीर उप पंजीयक, श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 2269 दिनांक 17-8-1979 पर पंजीबद्ध विकय पन्न में थो विस्तुत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर फ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 18 ग्रप्रैस 1980

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 म्रप्रैल 1980

श्रादेश सं० राज०/सहा० धा० श्रर्जन/679-~यतः मुझे, एम० एल० चीहान,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृ्ख्य 25,000/-क्पए से मिधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० की-1 है तथा जो जोघपुर में स्थित है, (भौर इससे उपाबक धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजित है), रजिष्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिष्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख 16-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रति-फल के निये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, सत्तके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और प्रकारक (धन्तरकों) भीर प्रकारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्यित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के सबीन कर देने के अन्तरक के वायिश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी कितो अत्य या किसी धन या अन्य अतिस्तयों को जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भण्डरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाता चाहिएचा, खियाने में सनिधा के लिए;

अतः सन, उक्त यधिनियम, की धारा 269-ग के धनु-सरण में में, प्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. श्री तिलक काक पुत्र श्री जयनाय काक द्वारा जनरल पायर श्राफ श्रटानी होल्डर हाजी मोहम्मद रमजान पुत्र हाजी श्रश्युल रेहमान, खैरावियों का मोहल्ला हाजी विल्डिंग, जोधपुर। (अन्तरकी)
- 2. सम्पतराज पुत्र बाबूलाल गांधी, बी-रोड़, पाघटा; जोअपुर। (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-ियम, के म्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूषी

प्लाट नं डी-1, धर्मनारायण जी का श्रहाता, मण्डोर रोड़, पायटा जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 1386 दिनांक 16-8-1979 पर पंजीबद्ध विकय एक में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी [सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 18-4-198**0**

भोहर:

भारत सरकार

कार्<mark>यालय, सहायक ब्रायकर <mark>घ्रायुक्त</mark> (निरीक्षण)</mark>

ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 27 मार्च 1980

निदेश सं० एन० एन० एल०/4/79-80-यतः, मुझे, जो० एस० गोपाल,

भायकर मिनियन, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अन्त प्रिवित्यय' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी की, पह विश्वास करने का कारण है कि स्यापर पम्मित, जिमका उचित्र बाबार मूल्य 25,009/-कु ने अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक रिहायणी मकान है तथा जो नारनौल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नारनौल में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रगस्त, 1979

16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1979
को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उवित बाजार मून्य से कन के दृश्यमान
प्रातंकल के जिए मन्तरित की गई उं और मुने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूहण, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अम्बरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में
वास्नविक रूप ने स्थान नहीं किया गार हैं :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाव की बाबत उक्त धरिनियम ें प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी कि ते आय या किसी धन या अन्य आ स्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर घिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन पर बिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में मुक्कि के निए;

अतः गवः उक्षा पश्चित्यम की धारा 269-म के धनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की आरा 269-म की सपदारा (1) भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवित्र---

- श्री गिरधर गोपाल, कन्हैयालाल, बद्री प्रसाद, रमेश चन्द्र, महेश चन्द्र एफं लाला गंगाराम पुत्र श्री गनपत राम वैश्य, फराश खाना नारनौल। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती विद्या देवी पत्नी श्री प्रहलाद राम पुत्र श्री रूपचन्द वैष्य, मोह० फराश खाना, नारनौल। (ग्रन्तरिती) को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचाा क राजपत्त में अकाशन की तारीख से
 45 दिन की ग्रमींघ या तत्मभ्यमधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 जिन को धविष्ठ, जो भी
 धविध बाद में समाध्य होती हो, के धीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ६म मूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पित में दिसबद्ध कियो अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ता तरी ह पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थान्त्री करण ---इसर्वे प्रयुक्त गब्धों और पदों का, जो उका आंध्रव निया के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहो अर्थे होगा जी उस अयाय में विया गया है।

प्रनुसूची

सम्पत्ति एक रिहायणी मंकान जो कि मोहल्ला फराश खाना, नारनौल में स्थित है तथा जिसका ज्यादा विधरण रजिस्ट्रीकर्त्ता नारनौल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1439 दिनांक 17-8-79 में दिया गया है।

> जी० एल० गोपालॄ सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षक्ष) श्रर्जन रेंज, रोहतक

सारीख: 27~3-80

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 25 मार्च 1980

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'एक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से प्रधिक हैं

भौर जिसकी सं० तीन दुकाने, तीन कमरे एक मंजिले संपत्ति है तथा जो भ्रम्बाला शहर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रम्बाला में, रजिस्ट्रीकरणं भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकत का पत्द्रह
प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किपी बन या बन्न ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रम, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों खर्यात्:--

- श्रीमती शकुन्तला जैन परनी श्री एस॰ पी॰ जैन,
 बी-11-189, मोहल्ला सूदन, लुधियाना। (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती मोहिन्त्र कौर पत्नी श्री हरबन्स सिंह प्लाट नं० 2032, मेहता सेलर के पास भ्रम्बाला,कालका रोड़, ग्रम्बाला शहर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की नारी इ ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधीहसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्राउदोकरण:--इसर्ने प्रयुक्त सञ्दों श्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

प्रनुसुची

सम्पत्ति तीन दुकानें, तीन कमरे एक मंजिले जो कि ग्रम्बाला, कालका रोड पर श्रम्बाला शहर में स्थित है तथा जिसका ज्यादा विवरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रम्बाला के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3118 दिनांक 24-9-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहसक

तारीख: 25-3-1980

प्रसप भाई• टी• एन॰ एस•---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 की 43) की वारा 269-म (1) के अधीन सूचना मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहसक

रोहतक, दिनांक 27 मार्च, 1980

निवेश सं० बी० जी० श्रार०/31/79-80--यतः, मुझे, गो० सि० गोपाल,

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से प्रधिक है,

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 19 डी, एल० एफ० इन्डस्ट्रीयल एरिया पैमाइस 3779 वर्ग गज है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, बस्लबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनांक दिसम्बर, 1979

कों पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्विक्त संपत्ति का अचित बाजार मृत्य, ससके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है भीर घन्तरक (अन्तरकों) भीर घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अहेय्य से उच्न मन्तरण लिखित में चान्तर विक चप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, अक्त प्रधिनियम, के सधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी फरने या उससे वयने में सुविधा के किए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आर या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो छ/रा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः धन, उक्त प्रक्षित्यम की धारा 269 म के अनुसरण में, में, चक्त अधिनियम की बारा 269 म की उपधारा (1) के प्रजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री सेवा राम शर्मा पुत्र (स्वर्गीय) पं० किशान लाल 52, प्रेम पुरी, मेरठ (यू० पी०)। (ग्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स स्टेनलेस एण्ड स्टील प्रोडक्ट्स कम्पनी 11/7 माइल स्टोन मथुरा रोड़, फरीवाबाव 121003। (श्रन्सरिती)

को यह **सु**चना जारी करके पू**र्वोक्त सम्पत्ति के धर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि मा तत्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, भी भी मवधि बाद में यभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारी आ से 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवस किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उकत प्रधिनियम के अध्याय 20क में परिचाधित है, वहीं अर्थ होगा को छस ग्रहमाय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति प्लाट नं० 19 डी० एल० एफ० इन्डस्ट्रियल एरिया नं० 11 फरीदाबाद में स्थित है तथा जिसका ज्यादा विवरण रजिस्ट्री कर्ता कार्यालय बस्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 6342 दिनांक 11-12-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रजैंन **रेंघ रोह**सक

तारीख: 27-3-80

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रुंग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 धप्रैल 1980

निवेश सं वी० जी० मार० /21/79-80-मत:, मुझे, गो० सि० गोपाल, **भायकर अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 26.9-ख के भाषीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000√- रुपये से भ्रधिक है भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 134 ब्लाक ई-1 सैक्टर-11 है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भधि-कारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण धर्धिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख भ्रगस्त 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर भन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए क्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरग लिखित में वास्तविक रूप से कथित नदी किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरह के दायित्व मैं कमी करने या उसी बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधिनियम, या धन-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धवीन, निम्निखित व्यक्तियों, क्योत्:→

- 1. श्रीमती विमला गुप्ता पत्नी श्री श्री० श्रार० गुप्ता, निवासी मकान नं० 155-एन, पंचशीलपार्क, न्यू विस्ती। (श्रन्तरक)
- मैसर्स तकरू हार्ऊसिंग कारपोरेशन, एम०-33,
 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली । (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्मति के ग्रामेंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध झाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरगः -- इसमें प्रपृक्षा गर्दां पौर पवों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रार्थ होगा जो अस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 134 ब्लाक ई०-I सैक्टर-11, फरीवाबाद में 1166.6 वर्गगज का स्थित फरीवाबाद है तथा जिसका पूरा ब्यौरा रजिस्ट्रीकर्ता बल्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 3703 दिनांक 16-8-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहृतक

तारीख । 16-4-80 मोहर ।

भारत गुरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 अप्रैल 1980

निदेश सं० पी० एन० पी०/18/79-80--यतः, मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयंकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उना प्रितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह बिश्वास करने का फारण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहस 25,009/-क्पसे से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 179, वार्ड नं० I, सेन्द्रल बैंक के पास इन्सार चौक है तथा जो पानीपत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ताारीख सितम्बर, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिनत बाजार मूल्य से कम के वृत्रयमान प्रतिकन के लिए प्रश्तरित की पई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृत्रयमान प्रतिकल से, ऐसे वृत्रयमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिकत मधिक है भीर प्रन्तरक (प्रश्तरकों) भीर पन्नहिंदती (भ्रम्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरफ के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से तुर्दे किसी माय की बाबत उक्त मिनियम के ब्रिप्तीन कर देने के मन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध। के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय गायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, श्रा धन-कर प्रधिनियम, श्रा धन-कर प्रधिनियम, श्रा धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रमुक्रण में, में, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-न की उपवाराः (1) सन्दीन निम्निजिबित व्यक्तियों वर्षात्ः—

- श्री दौलत राम कुब्बा पुत्र श्री दुनी चन्द कुब्बा, निवासी मकान नं० 222 एल०, माडल टाउन, पानीपत। (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री वाई० एल० सेठिया पुत्र श्री केशवदास मकान नं० 56/डब्स्यू०-3, पानीपत ।
- (2) श्री हीरानन्द पुत्र श्री केणववास मकान नं 56/ डब्लयू-3, पानीपत।
- (3) श्री प्रेम सिंह चावला पुत्र श्री हकीमराय, 388, माडल टाउन, पानीपत।
- (4) श्रीमती सरोज बाला पत्नी जगवीश चन्द्र मार्फत गांधी इक्ल्लेट्रीकल्स ग्रसन्ध रोड्र, पानीपत।
- (5) श्री राम किशन गुप्ता पुत्र श्री ग्रज्योध्या प्रसाद, 372, वार्ड नं० 2, पानीपत।
- (6) श्रीमती ज्ञान देवी पत्नी श्री तिसकराण ज्ञारा मैसर्स मोती राम एण्ड सन्स, पानीपत। (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समाति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूबता के राजपत पें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सन्त्रकी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनजब किसी प्रक्ष व्यक्ति द्वारा, प्रजोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त श्रीधिनयम, के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहां प्रदेशां, जो उप प्रध्याय ने दिया गया है।

प्रमुस्ची

सम्पत्ति मकान नं० 179 जोकि वार्ड नं० 1, पानीपत में स्थित है तथा जिसका पूरा विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 2763 दिनांक 16-9-79 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहुतक

तारीख: 16-4-80

त्रकप बाई • टी • एन • एस • ----

आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांत्रय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्रक) ऋर्जन रेंज, पूना

पूना-411 004, दिनांक 22 मार्च 1980

निर्वेश सं॰ सी॰ ए॰ 5/हवेलीं II/471/79-80-यतः मुझे, शिशिर कुमार स्यागी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ४० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० सब प्लाट नं० 4, फायनल प्लाट नं० 84, सं० नं० 3 मुगेरी, गुलटेकडी, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीरइससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हवेली \mathbf{IJ} , पूना में, रजिस्ट्रीकरण भ्रष्टिनियम, 1908 (1908 का 16) के **मधीन, तारीख 27--9-197**9 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है गौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) धीर अश्वरिती (भन्वरितियों) के बीच ऐसे अन्वरण के सिए तय पाया गयात्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्षित में बास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उनत ग्रीधिनियम के ग्रीन कर देने के मन्तरक के प्रशिक्ष में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के लिए;

ग्रुत: ग्रुब, उक्त ग्रुधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण
में, में, उक्त ग्रुधिनियम की धारा 269-ग की अपधारा (1)
के अधीन, निम्बलिखित व्यक्तियों अर्थात:——
20—46GI/80

- (1) 1. श्री कृष्णा बालय्या सांदूपातला 431/3 गुलटेकडी, पना।
- 2. श्री हरिभाऊ पुरुषोत्तम कामत 1114/5 गणेशिख रोड पूना-5। (ग्रन्सरक) (1) 2. श्री बलराम सहकारी गृह रचना संस्था मर्यादित 431/4 गुलटेकडी, पूना 9। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या ततसम्बन्धी व्यक्तियों पर प्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अक्षीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्बों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिक्षित नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रंथ होगा, जो उस ग्रब्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन ग्रौर जिसके ऊपर का मकान जो सब प्लाट नं० 4, फायनल प्लाट नं० 4बी, सं० नं० 3 मुंगेरी, गुल-टेकडी, पूना 9 में स्थित है। जमीन का क्षेत्रफल 790 वर्ग मीटर है।

> शिशिर कुमार त्यागी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ध्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 22-3-1980

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 1st April 1980

No. A.12019/1/79-Admn.H.—Shri K. Sundram, Senior P.A., in the office of the Union Public Service Commission, is hereby appointed to officiate on ad-hoc basis as Special Assistant to Chairman on transfer on deputation for the periods from 17-3-1980 to 25-3-1980 and 22-3 1980 to 26-6-1980, or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri K. Sundram will be on deputation to the ex-cadre post of Special Assistant to Chairman and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance, Department of Expenditure O.M. No. F.10(24) F.111/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN
Under Secy
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi, the 1st April 1980

No. A35014/2/79-Admn.H.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri O. P. Goyal, a normanent Assistant of CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate as Reception Officer on transfer on deputation basis in the office of the UPSC for a period of three years with effect from 1-4-1980, or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri Goyal will be on deputation to the ex-cadre post of Recention Officer and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance, Department of Expenditure O.M. No. F 10(24)-F.III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN
Under Sccy.
for Secy.
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 31st March 1980

No. A.38015/2/79-Admn.II.—Consequent upon his retirement on superannuation with effect from 31st March, 1980 (Afternon) Shri S. L. Chopra has relinquished the charge of the office of the Reception Officer in the office of the Union Public Service Commission.

S. BALACHANDRAN
Under Scey.
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 11th April 1980

No. 18 RCT 1.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri A. C. Panchdhari. Chief Engineer, C.P.W.D., as Chief Technical Fxaminer in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the foreneon of 3rd April 1980, until further order.

N. L. LAKHANPAL
Dv. Sccy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOMF AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.) STAFF SPIECTION COMMISSION

New Delhi, the 10th April 1980

No. A-22013/1/80-Ad —Shri A. K. Aggarwal, Junior Accounts Officer in the Pay & Accounts Office, Department of Food, Govt of India, Bombay has been appointed on deputation as Section Officer in the Western Regional Office of Staff Selection Commission at Bombay w.e.f. the forenoon of 1st April, 1980 until further orders vice Shri K. S.

Sundaramoorthy whose services have been replaced at the disposal of his parent cadre viz. Ministry of Works and Housing w.e.f. the forenoon of 1st April, 1980.

GURBACHAN SINGH Under Secy. (Admn.)

CENTRAL BURFAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 14th April 1980

No. PF/J-81/73-Ad-I.—On attaining the age of superannuation at the age of 58 years Shrl J. C. Sarkar, Inspector of Police, on deputation from Calcutta Police, has been relieved of his duties in the Central Bureau of Investigation/FOW Calcutta with effect from the afternoon of 29-2-80.

The 15th April 1980

No. PF/B-107/70-Ad-I.—Shri Bimalendu Bhowmick, an officer of West Bengal State Police on deputation to CBI as Inspector of Police, has been relieved of his duties in the CBI EOW, Calcutta Branch on the afternoon of 10-3-1980 on repatriation to the West Bengal State Police.

Q. L. GROVER Administrative Officer (E) C.B.J.

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 11th April 1980

No. O.II-1444/79-Estt — The Director General CRPF is pleased to annoint Dr. (Miss) Iftekhar Unnisa Begam as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 4-3-80 for α period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

K. R. K. PRASAD Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPFCTOR-GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 8th April 1980

No F-38013(3)/24/79-PFRS—On transfer to Hyderabad Shri A. S. M. Rao relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit. FCI Ramagundam w.e.f. the afternoon of 22nd F-bruary. 1980 and assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit. IG Mint, Hyderabad we.f. the forenoon of 23rd February, 1980.

Sd/-, TILEGIBLE Inspector-General

MINISTRY OF FINANCE

(DFPTT, OF FCONOMIC AFFAIRS)

BANK NOTF PRESS

Dewas, the 10th April 1980

No. BNP/C/5/80—In continuation to this Deptt's Notification number BNP/C/5/79 dated 9-1-80 the ad-hoc annointment of Shri Ashok Ioshi, as Technical Officer (Printing & Platemaking) in Bank Note Press, Dewas is continued for a further period of 3 months with effect from 12-4-1980 or till the nost is filled on the regular basis, whichever is entitled on the same terms and conditions.

P. S. SHIVARAM General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

Bangalore, the 3rd April 1980

No. ES.I/A4/80-81/12.—The Accountant General is pleased to promote Sri K. Sampath Permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of his seniors, if any, with effect from the date of his taking charge.

The promotion is subject to the ultimate results of Writ Petition No. 4367 of 1978 filed in the Supreme Court of India.

M. A. SOUNDARARAJAN Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTORATE OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 15th April 1980

No. 204/A.Admn/130/79-80.—On attaining the age of superannuation Shri R. Ramadurai, Substantive Audit Officer, of the Audit Department, Defence Services, retired from service, with effect from 31st March, 1980 (AN).

No. 205/A.Admn/130/79-80.—The Director of Audit, Defence Services is pleased to appoint Shri A. N. Gopala-krishnan, substantive member of S.A.S. to officiate as Audit Officer in the office of the Joint Director of Audit, (O.F.) Jabalpur, with effect from 14-3-80 (A.N.), until further orders.

K. B. DAS BHOWMIK Jt. Director of Audit

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 8th April 1980

No. CLB II/10(2) /77-80.—In exercise of the powers conferred on me by clause 5(1) of The Cotton Control Order, 1955, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 10(1) /73-74/CLB II, dated the 19th December, 1974, namely:—

In the said Notification, for Explanation (I), the following shall be substituted, namely:—

"(I) The average monthly consumption will be computed on the basis of manufacturers' actual consumption during September, 1978/August, 1979 as reported in the CST—H return submitted by the manufacturer to the Textile Commissioner."

M. W. CHEMBURKAR Joint Textile Commissioner

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 8th April 1980

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 7—Division 2, add the following, namely:

1. "COLOURED SMOKES exclusively for out-door use" lafter the entry "COBRA EGGS OR PHARAOH'S SERPENT (WHITE)".

I. N. MURTY Chief Controller of Explosives

DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMN, SECTION A-6)

New Delhi, the 2nd April 1980

No. A-17011/153/80-A6.—On his reversion to the post of Examiner of Stores (Textiles), Shri Sunit Kumar Chakraborty, Asstt. Inspecting Officer (Textiles) in the Madras Inspectorate under this Directorate General relinquished charge of the post of AIO (Textiles) in that office w.e.f. the afternoon of 16th January, 1980.

No. A-17011/170/80-A6.—The Director General of Supplies and Disposels has appointed Shri A. M. Paranjpe, permanent Examiner of Stores and officiating Asstt. Director of Supplies (Grade-II) in the office of Director of Supplies (Textiles), Bombay to officiate on ad-hoc basis as Assistant Inspecting officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Bombay w.c.f. the forenoon of 1st March, 1980 and until further orders.

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 10th April 1980

No. 2819B/A-32013(4-Driller)/78-19B.—Shri K. K. Mukherjee, Scnior Technical Assistant (Drilling) in the Geological Survey of India is appointed on promotion to the post of Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22nd February, 1980, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 11th April 1980

No. A.19011(28)/70-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri N. N. Subrahmanyan, Chief Ore Dressing Officer, on ad-hoc basis to the post of Chief Ore Dressing Officer in an officiating capacity with effect from 27-3-1980 (A/N) until further orders.

S. V. ALI Head of Office Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 8th April 1980

No. E1-5615/881-Officers.—Dr. Kuldev Singh Negi, M.B.B.S. is appointed as Medical Officer in G.C.S. Group B' Service in Survey of India Dispensary, Hathibarkala, Dehro Dun on purely temporary basis on a monthly wages of Rs. 1155/- p.m. (all told) w.e.f. 25-2-1980 (F/N) against the vacancy caused by retirement of Dr. A. N. Chatterjee w.e.f. 30-6-1979 (A/N) for a maximum period of 6 months (with a break after 90 days on 25-5-1980) or for such a period when a regular Doctor is posted in the said Dispensary whichever is earlier.

Authority:—Ministry of ealthH & Family Welfare letter No. A-12034/20/78-CHS.I dated 8-8-1979.

The 10th April 1980

No. E1-5616/579-Sel.74(Cl.II).—In continuation of this office Notification No. E1-5520/579-Sel.74(Cl.II) dated 3rd July, 1979, the ad-hoc appointment of Shri J. M. Sharma, Officer Surveyor in Group 'B' Service, is further extended for a further period of six months w.e.f. 30-9-1979 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

K. L. KHOSLA Major-General Surveyor General of India

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi-110011, the 7th April 1980

No. 14/2/80-M(T).—In exercise of the powers conferred under the rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules 1959, I, K. V. Soundara Rajan, Director (Monuments), hereby direct that no fee shall be charged for entry to monuments at Rajgir Hill, Gingee, South Arcot District Tamilnadu for a period of 10 days from 21-4-80 to 30-4-80 (both days inclusive) on account of annual festival of Devi Kamalakanni Amman.

K. V. SOUNDARA RAJAN Director (Monuments) for Director General

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 7th April 1980

No. 10/47/79-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Asoke Kumar De Sarkar as Assistant Engineer at All India Radio, Calcutta in a temporary capatillation of the control of the city with effect from the forenoon of 14th March, 1980 until further orders.

> H. N. BISWAS
>
> Dy. Director of Administration for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

(DIRECTORATE OF FILM FESTIVALS)

New Delhi-3, the 7th April, 1980

No. 4/10/80-FFD—It is hereby notified that in pursuance of Rule 9 of the Rules for the National Film Festival, 1980 published in the Directorate of Film Festivals Notification No. 1/2/80-FFD dated 25th January, 1980 the Central Government on the basis of the recommendations submitted by the two National Juries have decided to give awards to the following

S. No.	Title of film and language	Name of the Award Winner	Award
(1)	(2)	(3)	(4)
		I—FEATURE FILMS	
1. Av	vard for the Best Feature Film:		
	HODH	. PRODUCER (i) Shri Sitakant Misra, Kalinga Films International, Mahtab Road, Cuttack-753003.	'Swaran Kamal' (Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 40,000/- (Rupees forty thousand only).
		DIRECTOR Shri Diplab Ray Chaudhury, 140/4-A/1, Netaji Subhash Chandra Bo Road, Regent Park, Calcutta-700040.	'Swaran Kamal' (Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 20,000/- (Rupees twenty thousand only).
SA	ward for the Best Feature Film winKARABHARANAM . elugu)	ith mass appeal, wholesome entertainment and PRODUCERS (i) Shri Edida Nageswarao, (ii) Shri Akasam Sriramulu, No. 34, II Main Road, Trustpu Madras-24.	'Swaran Kamal' (Golden Lotus)
		DIRECTOR Shri K. Vishwanath 2, 6th Cross Street, United India Colony, Madras-24	'Rajat Kamal' (Silver Lotus)
3. A	ward for the Best Feature Film	on	
22	(ational Integration : 2 JUNE 1897 Marathi)	. PRODUCER Shri Nachiket Patwardhan, 55/14, Erandwana, Poona-411004.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 30,000/- (Rupees Thirty thousand only).
		DIRECTORS (i) Shri Nachiket Patwardhan, (ii) Smt. Jayoo Patwardhan, 55/14, Erandwana, Poona-411004.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only).
4. A	Award for the Best Feature Film	in each regional language:	
(a) EKDIN PRATIDIN (Bengali)	. PRODUCER Shri Mrinal Sen, 4E, Motilal Nehru Road, Calcutta-700029.	Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only.
		DIRECTOR Shri Mrinal Sen, 4E, Motilal Nehru Road,	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cas prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only.

Calcutta-700029.

(1)	(2)	(3)	(4)
(b)	SPARSH	PRODUCER Shri Basu Bhattacharya, Aarohi Film Makers, Gold Mist, 36, Carter Road, Bandra, Bombay-50. DIRECTOR Smt. Sai Pranipye, C/o Aarohi Film Makers, Gold Mist, 36, Carter Road, Bandra, Bombay-50.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.
(c)	ARIVU (Kannada)	PRODUCER Miss Lalitha K. R., No. 9, 6th Main Road, Vyalikaval, Bangalore-3. DIRECTOR Shri Katee Ramachandra, No. 9, 6th Main Road, Vyalikaval, Bangalore-560003.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only. 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/ (Rupees Five thousand) only.
(d)	PERUVAZHIAMBALAM (Malayalam)	PRODUCER Shri Prem Prakash, Prakash Bhawan, Kottayam-6 (Kerala State).	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only.
		DIRECTOR Shri P. Padmarajan, T. C. 17/373, Poojappura, P.O., Trivandrum, Kerala State.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.
(e)	SINHASAN (Marathi)	PRODUCER Shri D. V. Rao and Shri Jabbar Patel, B-201, Kalpita Enclaves Sahar Road, Andheri (E), Bombay-400069.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and : cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only.
		DIRECTOR Dr. Jabbar Patel, Kur-Kum Road, Daund, Dist. Pune, Maharashtra.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.
(f)	SRIKRISHNA RASALILA (Oriya)	PRODUCER Shri Chitta Ranjan Mohanty, 2097, Rameswar Patna, Bhubaneswar-2.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only.
		DIRECTOR Shri Sona Mukherjee, C/o Shri S. C. Sorcar Palit Para, Cuttack.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only.
(g)	PASI (Tamil)	PRODUCER Mrs. G. Lalitha, 4, Ashok Street, Alwarpet, Madras-600018.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only.
		DIRECTOR Shri Dutai, 4, Ashok Street, Alwarpet, Madras-600018.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.
(h)	NAGNA SATYAM (Telugu)	PRODUCER Shri U. Visweshar Row, 46, Usman Road, Madras-600017.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only.
		DIRECTOR Shri U. Visweswar Row, 14, 3rd Street, Habibullah Road, "T' Nagar, Madras17.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.
(i)	OLANGTHAGEE WANCMADASOO (Manipuri)	PRODUCER Shri G. Narayana Sharma, N. S. Films, Poona Road, Imphal.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only.
		DIRECTOR Shri Aribam Syam Sharma, Thangmeiband, Imphal.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.

(1)	(2)	(3)	(4)
5.	Award for the Best Children's Film:		
	DANGEYEDDA MAKKALU (Kannada)	PRODUCERS (i) Shri T. S. Narasimhan & (ii) Shri B. S. Somasundara M/s. Komal Productions, 4/54, First Main Road, Tata Silk Farm, Basavanagudi, Bangalore-560004.	'Swaran Kamal' (Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees Fift een thousand) only.
		DIRECTOR Shri U. S. Vadiraj, 199/22A, Cross, 3rd Block, Jayanagar, Bangalore-21.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only.
6.	Award for the Best Direction: EKDIN PRATIDIN (Bengali)	Shri Mrinal Sen, 4E, Motilal Nehru Road, Calcutta-700029.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 20,000/- (Rupees Twenty thousand) only.
7.	Award for the Best Screenplay; SPARSH	Smt. Sai Pranjpye, Aarohi Film Makers, Gold Mist, 36, Carter Road, Bandra, Bombay-50.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only.
8.	Award or the Best Acting: (a) Best Actor: SPARSH	Shri Naseeruddin Shah, C/o Aarohi Film Makers, Gold Mist, 36, Carter Road, Bandra, Bombay-50.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only.
	(b) Best Actress: PASI (Tamil)	Mrs. Shoba, Ashok Nagar, Madras-600083.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only.
	(c) Best Child Actor: AANGAN KI KALI	Baby Geeta Khanna, Sholay, 7, Bunglows, Versova, Bombay-400058.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.
9.	Award of Best Cinematography (Colo SHODH	ur) : Shri Rajan Kinagi, 138, Aram Nagar-II, Andhery, Bombay-400061.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.
10.	Award for the Best Cinematography	(Black; White):	
	NEEM ANNAPURNA (Bengali)	Shri Kamal Nayak, 13-B, Mahesh Barick Lane, calcutta-700011.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.
11	Award for the Best Edition: EKDIN PRATIDIN (Bengali)	Shri Gangadhar Naskar, 3, Harishabha Road, Calcutta-700041.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.
12.	Award for the Best Art Direction: 22 JUNE 1897	Smt. Jayoo Patwardhan, 55/14, Erandwana, Poona-411004, Maharashtra.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only.
13.	Award for the Best Music Direction: SANKARABHAPANAM (Telugu)	Shri K. V. Mahadevan, 121, G. N. Chatty Road, 'T', Nagar, Madras-17.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees ten thousand) only.
14.	Award for the Best Male Playback Singe SANKARABHARANAM		'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only.
15.	Award for the Best Female Playback		
	Singer: SANKARABHARANAM	Smt. Vani Jayaram, 273, Mowbryas Road, Madras-18.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand) only.

II-SHORT FILMS

		II—SHORT FILMS	
1)	(2)	(3)	(4)
1.	Best Information Film (Documentary): THE KALBELIAS-NOMADS OF RAJASTHAN (English)	PRODUCER Shri Tejbir Singh, 59, Regal Buildings, Cannaught Circus, New Delhi-110001. DIRECTOR	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand) only,
		Shri Valmik Thappar, 59, Regal Buildings, Cannaught Circus, New Delhi-110001.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 4,000/- (Rupees Four thousand) only.
2,	Best Educational/Instructional Film:		
	A MATTER OF LIFE AND DEATH. (English)	PRODUCER Films Division, Govt. of India, 24-Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-400026.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupecs Five thousand) only.
		DIRECTOR C/o Films Division, Govt. of India., 24-Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-400026.	'Rajat Kamal' (Silver I otus) and a cash prize of Rs. 4,000/- (Rupees Four thousand) only.
3.	Best Promotional Film (Non-Commercia		
	Commercial) : STORY OF INDEPENDENCE (English)	PRODUCER Film Media,	'Rajat Kamal' (Silver Lotus).
		47, Laxmi Insurance Bldg. Sir P. M. Road, Fort, Bombay-400001. DIRECTOR Creative Contribution by M/s Lintas India Ltd., and Film Media C/o 47, Laxmi Insurance Bldg., Sir P. M. Road, Fort, Bombay-400001.	'Rajat Kamal' (Silver Lotus.)
4.	Best Experimental Film		
	CHILD ON A CHESS BOARD .	PRODUCER Film Division, Govt. of India, Dr. G. Deshmukh Marg., Bombay-400026	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of R. 5,000/- (Rupees Five thousand) only
		DIRECTOR Shri Vijay B. Chandra, Govt. of India, Dr. G. Deshmukh Marg., Bombay-400026,	'Rajat Kamal (Silver Lotus) and cash prize of Rs. 4,000/- (Rupces Four thouse nd) only,
5.	Best Newsreel Cameraman ;		
	MISSION TO CHINA	CAMERAMAN Shri H. S. Advanl, Films Divison, Govt. of India 24-Dr. G. Deshmuk Marg, Bombay-400026	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/-(Rupees Five thousand) only.
6.	Best Indian News Review : INR No. 1592	PRODUCER Films Division, Govt. of India, 24-Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-400026,	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/ (Rupecs Five thousand) only.
	Special Commendation of the Jury ACHARYA KRIPLANI (English)	PRODUCER Films Division Govt. of India, 24-Dr. G. Dehmukh Marg, Bombay-400026, DIRFCTOR Shri Girish Vaidya, Films Division, 24-Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-400026.	
	A MONUMENT TO FRIENDSHIP . (English)	PRODUCED. PRODUCER Films Division, Govt. of India, 24 Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-400026.	

[PART III—SEC. 1

(1) (2) (3) (4)

DIRECTOR
Shri P. N. Kaul

Shri P. N. Kaul,
Film Division,
Govt. of India,
24 Dr. G. Deshmukh Marg,
Bombay 700026.

III-DADA SAHEB PHALKE AWARD

Shri Sohrab Modi, Pilot 211, Bunder Road, Bombay. 'Swaran Kamal' (Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 40,000 (Rupees forty thousand only) and a shewl.

M. L. Juneja, Joint Director

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 8th April 1980

No. A.19019/24/77(JIP)/Admn.I.—On attaining the age of superannuation Dr. (Miss) Vimla Sud relinquished charge of the post of Professor of Dentistry in the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Educationand Research, Pondicherry, on the afternoon of the 31st January, 1980.

No. A.31014/2/79-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Purushottam Kakra in a substantive capacity in the post of Lecturer in Physics at the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi with effect from 1st October, 1977.

No. A.31014/7/79-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. K. N. Tandon to

the post of Veterinary Assistant Surgeon, Central Research Institute, Kasauli in a substantive capacity with effect from the 20th October, 1977.

S. L. KUTHIALA

Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 10th April 1980

No. A.19019/25/79 CGHS-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Miss) Lata Srivastava to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 3-3-1980.

N. N. GHOSH Dy. Director Admn. (CGHS)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 21st March 1980

No. 8(24)/79-Confirmation/644—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints in a substantive capacity the undermentioned officers as Station Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from March 1, 1979.

SI. No	Name		 		Present Grade	Division	Pmt. post already held in BARC
1.	Shrl J. S. Pannu (G/102/116)				Dy. Chief Fire Officer	Chem. Engineering	Sub-Officer
2.	Shri K. V. Balakrishnan (G/102/126)	٠			Station Officer	Chem. Engineering (F.S,S.)	-

H. V. AWATRAMANI, Dy. Establishment Office

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 7th April 1980

No. PPFD/3(262)/76-Adm./379/3942.—In continuation of this Division's notification of even number dated February 25, 1980, Shri N. T. Varwani, a permanent Selection Grade Clerk of this Division who was appointed as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 19, 1980 to the afternoon of April 3, 1980 has been permitted to continue to hold temporary charge of the same post upto the afternoon of May 17, 1980.

B. V. THATTH Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 11th April 1980

No. DPS:23:8:77:Est:/5951.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri J. G. Sathe, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis with effect from 30-1-1980 (F.N.) to 3-3-1980 (FN) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 in the same Directorate.

C. V. GOPALAKRISHNAN

Assistant Personnel Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 7th April 1980

No. AMD-1/23/79-Adm—Director, Atomic Minerals Division. Department of Atomic Fnergy, hereby appoints Shri M. Thimmaiah as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 14, 1980 until further orders.

Minerals AMD-1/23/79-Adm.—Director. No. Atomic Division, Department of Atomic Energy, hereby appoints Shii K. Shiva Kumai, as Scientific Officei/Engineer 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary Shiva Kumar, as Scientific Officer/Engineer Grade city with effect from the forenoon of 20th March, 1980 until further orders.

M. S. RAO

Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE (ESTABLISHMENT SECTION)

Trivandrum-695022, the 1st April 1980

No. VSSC/EST/F/1(17)—Con equent on the revision of scale of pay of the Assistant Officer in the Administrative categories of the Indian Space Research Organisation from Rs. 550-25-750-EB-30-900 to Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-960 from 1st January, 1980, vide OM No. 2/2(19)/77-I dated 13-12-1979 issued by the Joint Secretary, DOS, the undermentioned officers of VSSC are placed in the revised scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from 1st January, 1980.

SI, No	Name				-		_ _		Designation	Division/ Facility
	Sri N. Sankara Iyer		•				,		Asstt. Admn. Officer	CHF
	Sri V. P. Damodaran Nambiar								Asstt. Admn. Officer	PGA
	Sri V. Karunakaran Nair .								Asstt. Admn. Officer	PGA
	Sri G. Muralcedharan Nair			•					Asstt. Admn. Officer	PGA
5.	Sri A. P. Rajagopal				•	٠	•	•	Assistant Public Relations Officer	PGA

P. A. KURIAN, Administrative Officer-II (EST), /or Controller VSSC

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 5th April 1980

No. A. 31013/1/79-EA-The President has been pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Senior Aerodrome Officer, in the Air Routes and Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department, with effect from the 17th January, 1980.

S. No.	Name			Station of posting
(1)	(2)			(3)
1.	Shri K.G. Iyer .			Madras Airport.
2.	Shri P. C. Vyas	•	•	On deputation to Govt. of Libya.
3.	Shri K. V. P. Iyengar			Madras Airport.
	Shri V. G.Karnad			Bombay Airport.
5.	Shri T. S. N. Rao .			Delhi Airport, Palam.
6.	Shri B. M. Roy			Calcutta Airport.
7.	Shri S. Bhatt			Asstt. Dir. (C. L. & A.)
				at Hdgrs.
8.	Shri R. N. Bhatnagar			CATC, Allahabad,
9,	Shri K. N. Bahal			CATC, Allahabad.
10.	Shri K. C. Duggal			Asstt. Dir. (T & E) at Hdqrs.
11.	Shri I. M. Tuli .			Agartala.

(1)	(2)		(4)
12.	Shri V. V. Bagga		Asstt. Dir. (Op) at Hdqrs.
13.	Shri R. J. Yuvraj		Bombay Airport.
14.	Shri M. K. Das		Calcutta Airport.
15.	Shri M. S. G. K. Warrier	•	SAO, ATCP (c) at Hdgrs.
16.	Shri P. K. Biswas		Delhi Airport, Palam.
17.	Shri D. N. Gupta		Bombay Airport.
18.	Shri P. I. C. Vidyasagar .		Begumpet.

The 10th April 1980

No. A38013/1/80EA.—Sarvashri A. C. Sarkar and S. R. Das Sarma Assistant Aerodrome Officers, Calcutta Airport, Dum Dum retired from Government Service on the 31st March, 1980 AN on attaining the age of superannuation.

> V. V. JOHRI Deputy Director of Administration

New Delhi, the 8th April 1980

No. A.12025/2/79-EC.—The President is pleased to appoint Shri Soumitra Sana in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Communication Communication cation Officer with effect from 17-3-80 (FN) and to post him in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Calcutta Airport, Calcutta until further orders.

The 14th April 1980

No. A. 32013/11/79-EC—The President is pleased to appoint the following two Technical Officers to the grade of Senior Technical Officer on ad-hoc basis with effect f om the date and station indicated against each for a period of six months or till the posts a e filled on regular basis whichever is earlier:—

SI. No.	Name		Present station of posting	Station to which transferred	Date of taking over charge
1. R.	Shri Sampathkumatan shawa Nath		A. C. S., Bombay Radio Const . & Dev. Units, New Delhi	A. C. S., Bombay Radio Const. & Dev. Units, New Delhi	21-3-1980 (FN) 20-3-1980 (FN)

R. N. DAS,

Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 10th April 1980

No. 1/73/79-EST.—The Director General, Oversens Communications Service, hereby appoints Shri S. S. Malık Technical Assistant, Bombay Branch, as Assistant Engineer,

in an officiating capacity, on ad-hoc basis, in the same Branch, for the period from 1-6-1979 to 28-8-1979.

H. L. MALHOTRA Dy. Director (Adma) for Director General

Date of assumption

of charge

(3)

16-1-1978

16-1-1978

16-1-1978

16-1-1978

16-1-1978

16-1-1978

2-2-1978

16-1-1978 1-2-1978 16-1-1978 1-2-1978 27-1-1978 16-1-1978 23-3-1978 16-1-1978 28-2-1978 6-2-1978 16-1-1978 3-2-1978 16-1-1978 15-3-1978 19-4-1978 24-5-1978 3-6-1978 1-6-1978 11-7-1978 4-7-1978 30-8-1978 1-8-1978 1-8-1978 21-9-1978 25-9-1978 22-9-1978

A.N.

15-11-1978

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Madas-34, the 19th March 1980

C. No. II/3/22/80-Estt.- The following Inspectors of Central Excise in the Madras Central Excise Collectorate been appointed to officiate as Superintendent of Central Excise, Group 'B' until further orders and posted with effect from the dates noted against each, to the places specified against their names.

SI. No.	Name								Place where posted as Supdt, Gr. 'B'	Date of joining
	S/Shri								<u> </u>	
1.	V. Radhakrishnan								Hqrs. Office, Madras	4-8-1979
2.	G. R. Balasundaram								Coonoor Dn.	24-8-1979
3.	C. V. Neelalochanan								Madras III Dn.	3-8-1979
4.	C. John Lazar								Ooty Range, Coonoor Dn.	3-10-1979
5.	R. Ananthanarayanan								Coimbatore I Dn.	27-8-1979
б.	R. Krishnasamy .								Coimbatore I Dn.	21-9-1979
7.	S. Sriniyasan								Madras II Dn.	11-1-1980 (AN
8.	M. Srinivasan								Hqrs. Office, Madras.	17-12-1979 (AN
9.	S. Subramaniam .								Madras III Dn.	8_2-1980
10.	R. Venkatabashyam		-						Hqrs. Office, Madras.	3-12-1979 (AN)
11.	R. C. Muthusamy .								Pollachi Dn.	28-12-1979 (AIN)
12.	R. Balasubramaniam				,				Madras I Dn.	30-9-1979 (AN
13.	Jothi Pandian Jesudian								Sulur Range, Coimbatore II Dn.	29-12-1979
14.	R. Krishnan .								Gobi Range, Erode Dn.	22-12-1979
15.	S. Balasundaram .								Kotagiri Range, Coonoor Dn.	22-12-1979 (AN
16.	M. Prithvir: j			•		,	•		Podanur Range Poll; chi Dn.	31-1-80

8.

No.

(1)

22.

23.

24.

25.

26.

27.

28.

Name

(2)

Shri J. V. Gokulgandhi

Shri S. V. Joshi

Shri V, D, Jadhay

Shri M. H. Lalwani

Shri C. Y. Mahajan

Shri M. H. Adajanla

Shri J. K. Biblkar

No. II/3/24/79-Estt.—Shri W. S. Parathasarathy, Office Superintendent, Madras Central Excise Collectorate, has been appointed to officiate as Administrative Officer, Gr. 'B' unt'l further orders and posted to Madras II Division with effect from 31-12-1979.

B. R. REDDY Collector

Bombay-4400020, the 9th April 1980

No. 11/3E(a)2/77 Pt. I.—The following Selection Grade Inspectors have on promotion assumed charge as officiating Superintendents of Central Excise, Group 'B' in Bombay Central Excise Collectorate with effect from the dates shown against their names.

5. Name No.		·	Date o	f assumption of charge
1) (2)		 		(3)
1. Shri S. B. Kulkarni				4-1-1978
2. Shri G. K. Merani				4-1-1978
3. Shri J. R. Deshmukh				3-1-1978
4. Shri S. S. Joshi				16-1-1978
5. Shri K. S. Tipnis .				16-1-1978
6. Shri M. M. Modi .				16-1-1978
7. Shri R. N. Artani .				1-2-1978
8. Shri M. V. Raykar				16-1-1978
9. Shri K. E. Thuse .				16-1-1978
0. Shri K. S. Prabhu				1-2-1978
1. Shri P. P. Dambal .				24-1-1978
2. Shri B. K. Vadgaonkar				16-1-1978
3. Shri R. G. Kadam				16-1-1978
Shri N. M. Chainani				6-2-1978
Shri V. B. Kulkarni				16-1-1978
6. Shri T. M. Kadam				1-2-1978
7. Shri F. D'souza				16-1-1978
8. Shri S. P. Mondkar				16-1-1978
9. Shri A. R. Patil				1-2-1978
0. Shri J. F. Silva				30-1-1978
1. Shri A. V. Borkar	,			16-1-1978

(1)	(2)			(3)		_(1)	(2)			(3)	
56.	Shri F. S. Machado			9-1-1979		86.	Shri V. D. Deodhar .			19-3-1979	
57.	Shri G. N. Dabke	Ċ		28-10-1978		87.	Shri A. K. Joshi .			12-3-1979	
58.	Shri B. S. Sawant			26-10-1978		88.	Shri S. S. Rane			1-3-1979	
59,	Shri K. Venugopalan .			1-3-1979		89.	Shri B. H. Mahajani .			8-3-1979	
60.	Shri Y. C. Salgaonkar			27-10-1978	A.N.	90.	Shri L. M. Kulkarni .		•	26-3-1979	
61.	Shri G. S. Shanbhag .			25-10-1978				•	•		
62.	Shri U. G. Bhatia			1-11-1978		91.	Shri P. A. Motiani	•		22-3-1979	
63.	Shri A. R. Kudalkar .			16-11-1978		92.	Shri S. J. Chugani	•	•	11-4-1979	
64.	Shri A. R. S. M handale			26-10-1978	A.N.	93. 94.	Shri B. M. Gupta .	•	•	5.5-1979	
65.	Shri G. S. Patkic .		,	1-11-1978		9 4 . 95.	Shri T. N. Ketkra .	•	•	4-5-1979	
66.	Shri C. T. Lilaramani			1-11-1978		95. 96.	Shri K. L. Narang Shri R. K. Shah	•	•	5-6-1979 4-6-1979	
67.	Shri A. K. R. Mansoori			15-11-1978	A.N.			•	•		
68.	Shri V. K. Patil .		,	15-11-1978		97.	Shri B. B. Lute	•	٠	4-6 -197 9	
69.	Shri N. S. Singasane		•	15-11-1978		98.	Shri D. M. Kelker		•	5-6-1979	
70.	Shri S. V. Muley			15-11-1978		99.	Shri N.M. Raje .			7-6-1979	
71.	Shri R. G. Shivadasani			15-11-1978		100	Shri R. D. Karnik			4-6-1979	A.N.
72.	Shri P. B. Deshpande			15-11-1978		101.	Shri S. L. Kamble			29-6-1979	A.N.
73.	Shri T. V. Dongre	•		15-11-1978	۸.N.	102.	Shri G. R. Marathe .	٠	•		W.14'
74.	Shri H. V. Nadkarni .			16-11-1978		_	·	•	٠	11-6-1979	
75.	Shri P. S. Kakirde .		•	15-11-1978		103.	Shri N. D. Gadag			11-6-1979	
76.	Shri M. R. Daniels .			15-11-1978		104.	Shri J. R. Khanna			8-6-1979	
77. 78.	Shri S. V. Khaire .	٠		15-11-1978	A & F	105.	Shri N. H. Deshpande			11-6-1979	A.N.
79.	Shri P. S.Malegaonkar	٠		15-11-1978 1 5- 11-1978	A,N.	106.	Shri K. K. Vijan.			8-6-1979	
79. 80.	Shri P. S. Pople . Shri R. U. Pillai	•	•	16-12-1978		107.	Shri V. G. Rane .		•	5-7-1979	
81.	Shri V. I. Bhosale	•	•	28-2-1979		107.	Shri B. K. Kataria .	•	•		
82.	Shri E. P. Battase .	•		19-2-1979			2 -411 to 1		•	11-6-1979	
83.	Shri M. S. J. Aga	•		26-11-1978	A.N.	109.	Shri K. M. Daulatani .		•	8 -6-19 79	A.N.
84.	Shri M. K. Deshmukh	•	•	15-11-1978	A,13,	110.	Shri D. A. R. Mansoor	i.		30-6-1979	A.N
85.	Shri K. S. Jadhav		·	20-2-1979		111.	Shri E. P. Venugopalan	ι,		30-6-1979	A.N

No. II/3E/(a)2/77 Dt. I.—-The following Group 'B' Gazetted Officers (Supdts./Admn. Officers/A. C. A. Os.) in Bombay Central Excise Collectorate have retired on Superannuation/voluntarily in the afternoon of the dates shown against their name:—

S	No. N me							Design: tion	Date of retirement
1.	Shri K. N. Joshi	•				 <u> </u>		Superintendent	31-7-1978
2.	Shri N. R. Rajadhyax							Admn. Officer	31-7-197
3.	Shri L. F. Pacs							Superintendent	31 -7 -197
4.	Shri B. L. Galkwad							Superintendent	31-8-1978
5.	Shri S. N. Takle .							Superintendent	30-9-1978
6.	Shri J. J. D'silva .							Superintendent	30-9-1978
7.	Shri G. G. Kini .							A. C. A. O.	30 - 9-778
8.	Shri S. V. Shet							Superintendent	31-0-1978
9.	Shri V. S. Kulkarni					,		Superintendent	31-10-1978
10.	Shri F. X. Goes .						,	Superintendent	31-12-1978
11.	Shri Y. V. Akerkar .							Superintendent	31-1-1979
12.	Shri N. K. Chayan							Superintendent	31-1-1979
13.	Shri M. R. Kirtikar							Admn. Officer	31-1 -197 9
14.	Shri S. B. Prabhu							Admn, Officer	31-1-1979
15.	Shri P. S. Donde				,			Superintendent	28-2-1979
16.	Shri S. B. Torvi				,			Superintendent	28-2-1979
17.	Shri A. M. A. Shaikh							Superintendent	28-2-1979
18.	Shri A. H. I. Shaikh		,					A. C. A. O.	28-2-1979
19.	Shri K. B. Ailani .							Superintendent	31-3-1979
20.	Shri V. P. Rajeshwar							Superintendent	30-4-1979
21,	Shri M. H. Adajania							Superintendent	31-5-1979
22,	Shri R. D. Bhatkar							Superintendent	31-5-1979
23.	Shri N. A. Pinjani							Superintendent	30-6-1979
24.	Shri S. V. Ghatole .							Superintendent	30-6-1979
25.	Shri S. G. Pandit			,				Superintendent	30-11-1979
26.	Shri P. V. Gonsalves					,		Superintendent	30-11-1979

K. S. DILIPSINHJI, Collector of Central Excise,

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 8th April 1980

No. 9/80.—Shri Jeevan Krishna lately posted as Assistant Collector Central Excise in Chandigarh Collectorate, on transfer to the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi vide Deptt. of Rev. Order No. 10/80 (F. No. A-22012/38/79-Ad.II) dated 11-1-80, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'A' on the 31st March, 1980 (Forenoon).

K. L. REKHI

Director of Inspection

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombuy-400038, the 7th April 1980

No. 1-TR(3)/76.—The President is pleased to appoint Capt. A. M. Osmani an officer on deputation from the Mogul Line Ltd., Bombay as Nautical Officer on the Training Ship "Rajendra" on an ad-hoc basis with effect from 6 10-76 forenoon until further orders.

K, S. SIDHU

Dy. Director General of Shipping

MINISTRY OF RAILWAYS SOUTH CENTRAL RAILWAY

GENERAL MANAGER'S OFFICE

PERSONNEL BRANCH

Secunderabad, the 10th April 1980

No. P(GAZ)185/Accounts.—Shri T. Remanujachari, an offlciating Class II Officer of Accounts Department of South Central Railway, is confirmed in Class II service (Group B) of that Department with effect from 29-03-1979.

N. NILA KANTA SARMA

Genetal Manager

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 17th April 1980

No. 79/RE/161/1.—It is hereby notified for general information of all users of Railway lines and premises that AC overhead traction wires will be energised on high voltage at 25 kV on or after the dates indicated for their respective sections as under:—

Section & Date

Chirala (Excl. to Uppugunduru (Excl.)—15-4-1980.

Uppugunduru (incl.) to Ongole (incl.)-15-4-1980.

Ongole (Excl.) to Biratagunta (Excl.)—30-6-1980. On and from the same date, the overhead traction line shall be treated as live at all time and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of it.

The Public are also warned-

 To keep away from electric traction wires and fittings in the section;

- Not to approach or come in contact with such wires and fittings either directly in person or through particles such as poles, bamboos, metallic rods, etc., as it will prove fatal;
- Not to lean or protrude any portion of their body outside the compartments to avoid getting injured as steel masts for carrying traction wires have been erected on both sides of the track;
- 4. Not to come within a range of two metres from the electric fittings and overhead electric wires;
- Not to approach or work in the proximity of overhead wires:
- 6. Not to travel on foot-boards or ride on the roof of the coaches, as it may prove fatal;
- To kindly report to the nearest Station Master in case they come across any broken wires.

The Railway Administration will not be liable for any accident caused due to this warning being ignored.

K. BALACHANDRAN Secretary, Railway Board

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Bhatia Brothers Transport Company Private Limited

Delhi, the 13th December 1979

No. 2916/21735.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Bhatia Brothers Transport Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

HAR LALL Asstt. Registrar of Companies Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Wadht Brothers Private Limited

Bombay-2, the 26th March 1980

No. 12840/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Wadhi Brothers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Miranda Agio-Industries Research Private Limited

Bombay-2, the 26th March 1980

No. 18070/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Miranda Agro-Industries Research Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Orient Insulations Private Limited

Bombay-2, the 26th March 1980

No. 12196/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1950 that the name of M/s. Orient Insulations Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956, and of M/s Magnetics Private Limited

Bombay, the 26th March 1980

No 11917/560(3)—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Magnetics Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

S C GUPI A
Asstt Registrai of Companies
Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s Bhavnagar Potteries Limited

Ahmedabad, the 5th April 1980

No 2079/560—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Bhavnagar Potteries Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

> J G. GATHA Registrar of Companies Gujarat

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Somu Transports Private Limited

Madias 600006, the 10th April 1980

No 4162/560(5)/80—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Somu Transport Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved

H. BANERJEE Asstt Registrar of Companies Tamil Nadu, Mudras

INCOME TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 10th April 1980

No F 48 Ad(AT) /79 P II —Shii Banwari Lal, Assistant Registrar Income-tax Appellate Tribunal Chandigarh Bench, Chandigarh has on his own request been reverted to his parent department [Deptt of Panchayati Raj (1), Govt of Uttal Pradesh] for being appointed as Additional Chief Executive Officer, Ballia (UP) He relinquished charge of the office of the Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Chandigarh Bench, Chandigarh in the afternoon of 6th March, 1980

T. D SUGLA President

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II 4/144, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 14th April 1980

Ref No IAC, Acq-II/SR-I/8-79, 5691.—Whereas, I, R. B. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Factory on Plot No. 5-A situated at Property No. 69, Nojafgath Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Delhi on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transfer to pay tax under the Said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) M/s ESS, Essmelting Co. 69/5-A Najafgath Road, N. Delhi. Through its pattners (1) Sh. Amar Nath Pasticha (2) Sh. Banarsi I al Pasticha (3)Sh. Ashok Kumar Pesticha & (4) Sh. R n Kumar R/o J-59, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sumer Mal Patwari Trust Through its Managing Trustee Sh. K. L. Jain. K-71, Kirti Nagar, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Structure of Factory on Plot No. 5-A, Property No. 69 Najafgarh Road, New Delhi with the lease hold rights of land measuring 5777 sq. yds approximately under the said property.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tay
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 14-4-1980

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SUCTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

4 14A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 14th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/Sr-II/8-79/2810.--Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B/160 situated at Naraina Vihat, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Delhi on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Satya Wanti Wd/o late Sh. Karam Chand Kakkar R/o No. E-14/A DDA Flats, Rajouri Garden Near Maya Puri G-8 Area N. Delhi, Delhi. (Transfero)
- (2) Shri Ansuya Prasad Khanduri S/o late Sh. Vishweshwar Dutt Khanduri R/o No. B-160, Naraina Vihar, DDA Colony New Delhi.

 (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. B/160 in Naraina Vihar, New Delhi with 4 rooms, one store Kitchen, 2 Verandahs one bath room, latrine, on G.F. and stair case etc.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 14-4-1980

=-----------

FORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

4/14A ASAF ALL ROAD, NFW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 14th April 1980

Ref No. IAC/ACO-JI/SR-I/8-79-5713.—Whereas I, R B I. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as, the 'sald Act'), heye reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

F-14/46 situated at Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Irdian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Shri Yaduvansh Narain S/o Sh. Radha Narain R/o G-3/5, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt Saat Kaur W/o Gain Singh Kohli R/o F-14/46, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquistion of the said proper y may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I XRLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. F-14/46, measuring 233.3/10 sq. yds. at Model Town area of vill. Malikpur Chhaoni Delhi.

R. B. L. AGGARWAL.
Competent Autho, I
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-1.4°C

ACQUISITION RANGE-II 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DEI HI-110002

New Delhi, the 14th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/8-79/5711.—Whereas f, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

3436 to **3441** and **3471** to **3476** situated at Main Hauz Q Ward No. 6, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
22—46GI/80

(1) Shri Bhagwan Bhajan Ashram, Bindraban through Sh. Bibari Lal Jhunjhunwala S/o J. Sh. Basheshar Nath Secretary

(Transferor)

(2) Smt. Uma Jain W/o Sh. Suresh Chand Jain 1323 Galı Gulian, Dariba Kalan, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No 3436 to 3441 and 3471 to 3476 situated at Main Hauz Qazi, Ward No 6, Delhi

R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi'New Delhi.

Date · 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Dogar Mal Soni S/o Sh. Hans Raj (2) Ashok Kumar Soni and Nirdosh Kumar Soni Ss/o

(1) Shri Naresh Kumar Verma S/o Sh. A. R.

R/o No. A/53 Kirti Nagar, New Delhi.

Dogar Mal Soni R 'o No. 740 Chhota-Bazar Kashmere Gate Delhi.

(Transferees)

Verma

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 14th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/8-79/5717.--Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 19 Block-B(B/19) situated at Community Centre Kingsway North Dr. Mukarji Nagar Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on August 1979

for ten apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following peersons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 19 Block B (B/19) measuring 101.44 sq. Meters in Community Centre Kingsway North Dr. Mukarji Nagar Delhi

> R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dato: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IJ 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI-110002

New Delhi, the 14th April 1980

Ref. No 1AC/Acq-II/SR-11/8-79/2762.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15 situated at N.W.A. Road Punjabi Bagh New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shi Rajinder Kumar S/o Sh. Baldev Raj R/o 9 Shivaji Road Azad Market Delhi.
 (Transferor)
- (2) Shri Rajin Kumar S/o Sh. R. B. Batra & Smt. Sheela Rani W/o Sh. R.B. Batra R/o 6/14 Punjabi Bagh New Delhi.

 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg 500 sq mtrs Portion of Plot No. 15, N.W.A. Road Punjabi Bagh, area of Village Madipur Delhi, State Delhi

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14A, ASAF ALI ROAD New Delhi-110002

New Delhi, the 14th April 1980

Ref. No. 1AC/Acq-11/SR-11/8-79/2761.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15 situated at North West Avenue Road Punjabi Bagh Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fafteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Λct, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sall Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Shri Ram Parkash S/o Sh. Baldev Raj R/o 9 Shivaji Road Azad Market Delhi.

(Transferor)

(2) Shu Vijay Kumar Batra & Rajesh Kumar Batra s/o Sh. R B. Batra R o 6/14, Punjabi Bagh East New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and measuring 500 sq. meters, portion of Plot No. 15 on Road 'North West Avenue Road' Situated in the colony known as Punjabi Bagh, area of village Madipur Delhi State, Delhi.

R. B. I. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14A, ASAF ALI ROAD New Delhi-110002

New Delhi the 14th April 1980

Ref. No. IAC Acq-II/SR-1/8-79, 5702. - Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1557 situated at Faiz Ganj Pataudi House, Darya Ganj New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) Smt. Raj Karni Widow of Late Sh. S. Dewa Singh R, o of House No. H-53, New Seelampur Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Sudeishan Kumar Maggon S/o Sh. Sant Ram R/o of A.D. 38, Tagore Garden, Govt. Quarters, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said property within 45 days from the immovable date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building No. 1557 situate at Faiz Ganj near Pataud, House Darya Ganj, New Delhi-Ward No.

R. B. L. AGGARWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 14-4 1980

- (1) Smt Satya Sachdeva w/o Sh. K L. Sachdeva R/o K-2/8, Model Town, Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Shii Niranjan Lal Gupta S/o Sh J. N. Gupta R/o F-9/4, Model Town, Delhi (Tiansferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF ICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IF

4/14A, VSAF ALL ROAD NEW DELIII-110002

New Delhi, the 14th April 1980

kel No IAC/Acq II/SR-1/8 79/5639 --- Whereas I, R B L AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

K-2/8 situated at Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed house on plot No. K-2/8 measuring 272.22 sq. yds situated at Model Town, area of vill Malikpur Chhaoni Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 14-4-1980

Scal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELIII-110002

New Delhi, the 14th April 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/2808.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

34 on Road No. 52, situated at Class-'B' Punjabi Bagh Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Avter Singh Sachdeva S/o Sh. Nand Lal Sachdeva R/o 34/52 Punjabi Bagh New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jage Ram S/o Sh. Harke Ram (2) Sh. Hawa Singh (3) Krishan Kumar (4) Sh. Bishan Kumar & (5) Sh. Lalit Kumar Sharma ss/o Sh, Jage Ram R'o 34/52 Punjabi Bagh Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 34 on Road No. 52 Class-B Punjabi Bagh Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 14-4-1980

(1) Smt. Meena Devi Agrawal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ram Chandra Amarnani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

I ucknow, 28th December 1979

Ref. No R-140/Acq.-Whereas I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17/28 part of a double-storeyed building No. 215/464 situated at Mohalla Pan-Dariba, Charbagh, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 16-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(3) (1) M/S. Prem Cycle Works (2) M/S. Prem Cycle Works (3) Bahiumal (4) Santu Singh Halwai (5) (5) Santu Singh Halwai (6) Gopi Ram Halwai (7) Sunder Baniya (8) Harish Chandra Khera (9) Sardar Makhan Singh (10) Prabhakar Bagchi (11) Rahim Bux (12) Saladin (13) Mutuna Lal Kahar (14) Angney Kahar (15) Ram Prasad (16) Mulai Kahar (17) Mahadev (18) Sardar Mahendra Singh (19) Sardar Charan Singh (20) A. P. Joseph (21) Shaloo Ram Agrawal (22) Ramniwas Agrawal (23) S. P. Bose (24) Krishna Sahai and about 6 others.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

17/28 part of a double-storeyed Manzil bearing Nagar Mahapalika No. 215/464 constructed on 90 years lease-hold plots No. 61/61A situate at Mohalla-Pan-Dariba, Charbagh (old Canning Street), I ucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37-G No. 5572/79 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 16-10-1979.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-iax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 28-12-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, I UCKNOW 57, RAM TIRTHMARG, LUCKNOW

Lucknow, 19th February 1980

Ref. No R-142/Acq—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 280-A & B, including entire building situated at Mohalla-Kalibari, PO City, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on 21-9-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23—46GI/80

(1) Shri Rajendra Prakash

(Transferor)

- (2) Shri (1) RAM BHADUR and 2) KESHAV KUMAR (Transferee)
- (3) Seller

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULF

House property No 280 A and 280-B including entire Building re Tin sheds, godowns, dalan, kothries, courtyard including land pipe line machine and fittings etc. situate at Mohalla KALIBARI, PO City, Barcilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and Form 37 G No 4543 1/79 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Barcilly, on 21 9 1979

A S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I ucknow

Date · 19 2-1980.

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the February 1980

Ref. No. R-143/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

NMP No. C.30/33, Maldahiya situated at Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Varanasi on 15-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mukul Rani Das Gupta

(Transferor)

- (2) Shii Rajendra Kishore Roy and Devendia Kishore Roy.
 - (Transferec)
- (3) The sellor, Smt. Mukul Rani Das Gupta and her family members,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One pukka double storeyed brick built house built on free hold land measuring 1526 Sq. ft. forming part of S. P. No. 541 and N. M. P. No. C. 30/33, Maldahiya, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the Form 37-G. No. 7946 and sale-deed, which have duly been reconstruct in the other of the Sub-Registrar, Varanasi, on 15-9-1979.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 19-2-1980

Sça] :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INVOLUTION TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIR FH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 29th February 1980

Ref. No B-89/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No C-124, A measuring 4573 sft situated at Mahanagar, Housing Scheme Mahanagar, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 20-8-1979

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shanti Chauhan

(Transferor)

(2) Smt. Becna Rastogi

(Transferce)

(3) Seller

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period piers later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

FXPIANATION:—The term, and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of lease-hold land measuring 4573 sft bearing No. C-124/A, situate at Mahangar Housing Scheme, Mahangar, I ucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and From 37G No 4308 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, ucknow on 20-8-1979.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
quisition Range, Lucknow

Date: 29-2-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG

Lucknow, the 29th February 1980

Ref. No. C-26/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. B-13 measuring 6324 sft situated at L Road, Mahanagar Extension, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 27-9-1979

for an apparent

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Iftikar Ahmad

(Transferor)

(2) Shii Chandra Shekhar Sherma; & Smt. Sandhya Sandhya Sharma

(Transferee)

(3) Shri Iftikar Ahmad
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-13 situate at L Road, Mahanagar Extension, Lucknow measuring 6324 sft and bounded as below:

East-Plot No. B-11 and 41;

West-60' wide L Road;

North-Plot No. B-1 & 14;

South—Plot No. B-1-12; measurements : E-W 62' N-5 102' Total Area 6324 sft.

and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 5186 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Lucknow on 27-9-1979.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 29-2-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 29th February 1980

Ref. No. J-51/Acq.—Whereas I. A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. E.C. 02/237 situated at Katra Chand Khan, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 3-9-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mirza Asghar Ali Beg.

(Transferor)

(2) Shri Jitendra Kumar Agarwal.

(Transferee)

(3) Shri Dr. Bhawani Shanker Agarwal (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House No. E.C. 02/237 situate at Mohalla Katra Chand Khan, Bareilly and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 4725 which both have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Bareilly on 3-9-1979.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 29-2-1980

(1) Shri Savinder Singh Sahni

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

(2) Shri Vishwa Nath Behal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

FORM ITNS-

(3) Above transferor & transferee
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 29th February 1980

Ref. No. V-45/Acq.Wheeras I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Half portion of Deepak Building situated at Budh Bazar, Station Road, Moradabad (U.P)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Moradabad on 29-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any men ys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of house property known as 'DEEPAK BUIL-DING' situate at Budh Bazar, Station Road, Moradabad, U.P. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 4969 which have duly been registered at the office of the Sub Registrar, Moradabad on 29-8-1979.

A. S. BISEN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Lucknow

Date: 29-2-1980

and bearing No.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 57-RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 23rd March 1980

Ref. No. K-90/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

5 Block A, Kasturba Nagar, situated at Mohalla Ramapura, Sigra, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer nt Varanasi on 2-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Rama Kant Mitra through General Attorney Anurag Misra; & 2. Shri Anurag Misra. (Transferor)
- (2) M/S Kumar Carpets Exporters through partners: S/Shri: 1. Ajeet Kumar; 2 Smt. Prabhuwati Devi; 3. Smt. Usha Devi; 4. Manju Lata; & 5. Ranicet Kumar. (Transferee)
- (3) M/S Kumar Carpets Exporters through partners: S/Shri; 1.Ajeet Kumar; 2. Smt. Prabhawati Devi; 3. Smt. Usha Devi; 4. Manju Lata; & Ranject Kumar. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that land measuring 2450 sft. being Plot No. 5, Block A', Kasturba Nagar, Mohalla Sigra, Village Ramapura, Varanasi with three storeyed building constructed thereon with all the rights including the right of easement and appurtenances annexed thereto as follows:

Towards East--30' vide road, West-Nagar Mahapalika Colony; North—Plot No. 6 and South—Plot No. 4.

and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 5929 which both have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Varanasi on 2nd August, 1979.

> A. S. BISEN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 25-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

57-RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd April 1980

Ref. No. A-81/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

B-27/78-A-1 & B-27/78-A-1A, situated at New Colony, Bhelupur, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Varanasi on 23-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Dr. J. M. Ghoshal.

(Transferor)

(2) 1. Arun Kumar; 2. Jayas Kumar; 3. Bhupendra Kumar; & 4. Ashwin Kumar.

(Transferee)

(3) Dr. J. M. Ghoshal.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three-storeyed house No. B-27/78-A-1 and B-27/78-A-1A, including land etc. situated at Mohalla New Colony, Bhelupur, Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 6841 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Varanasi on 23-8-79.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 3-4-80

(1) Shi i Nanabhai Ambalal Desai; Valanja—Taluka—Kamrej.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Vanmalibhai Lallubhai Patel;
2. Shri Dullabhai Lallubhai Patel;
3. Shri Ichhubhai I allubhai Patel;
Pandesara, Tal. Choryasi, Dist. Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th February 1980

Ref. No. P.R. No. 869/Acq. 23-II/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land bearing Survey No. 148, 149, 135/1 and 143 situated at Village Valanja Dist. Surat, Kamrej, Taluka (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kamrej on 1-8-1979 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pur poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Agricultural land situated at village—Valanja, Taluka Kamrej, admeasuring 24 Acre 11 Guntha of land duly registered with Sub-Registrar at Kamrej on 1-8-1979 vide No. 774/79.

S. N MANDAL
Competent Authorny
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

persons, namely:—24—46GI/80

Date: 15-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th February 1980

Ref. No. P.R. No. 870/Acq. 23-II/79-80.—Whereas I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1275, Soy Sheri, No. 2, Wd. No. 5

situated at Haripura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 1-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prabhubhai Hiralal Patel; 6/2202, Mahidharpura, Nagar Sheri Naka, Surat.

(Transferor)

Shri Sureshchandra Sakarlal Singvala;
 Shri Dineshchandra Sakarlal Singvala;
 Shri Bhupendra Sakarlal Singvala;
 Shakti Kripa Coop. Housing Society Ltd. Vibhag-2, Varachha Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Soy Sherl, Nondh No. 1225, Wd. No. 5, Surat duly registered at Surat on 1-8-79 vide No. 1275/79.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 29th February 1980

Ref. No. P.R. No. 878 Acq.23-II/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 9, Muni. No. 13, S. No. 328-9, T.P. No. 5 situated at Narmadnagar, Athwa, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 7-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Nilaben Pravinchandra Thakkar; Narmad Nagar Society, Athwa, Lines, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Vrajlal Dullabhram Joshi; Lal Darwaja, Gandi Sheri, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property admeasuring 441 sq. vds. land situated at Narmadnagar, Plot No. 9, T.P. No. 5, Athwa, Surat duly registered on 7-8-1979 vide No. 2987.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 29th Feb., 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Fakirbhai Devjibhai; Kazi Falia, Ankleshwar.

(Transferoi)

(2) Shri Ambalal Chimanlal & others; Ankleshwkar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 3rd March 1980

Ref. No. P.R. No. 887 Acq.23-4-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 184/1+3 land

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ankleshwar on 2-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Gadkhol Taluka Ankleshwar bearing Survey No. 184/1+3 duly registered on 2-8-79 at Ankleshwar.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 3-3-1980

(1) Shri Fakirbhai Devjibhai, Kazi Faha, Ankleshwai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) I Shri Anibalal Chimanlal & others, Ankleshwar
 2 Shri Dhansukhbhai Chunilal Mithaiwala, Ankleshwar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad 380009, the 3rd March 1980

Ref No PR No 888 Acq 23 4 1/79-80 —Whereas, I, S N MANDAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

Survey No 184/1+3, land

Gadkhol, Taluka Ankleshwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officei at Ankleshwar on 15 8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the laibility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Gdkhol Taluka Ankleshwar bearing Survey No 184/1+3, duly registered at Ankleshwar on 2-8-1979

S N MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 31d March 1980

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMT-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 10th January 1980

Ref No. Acq.23-I-2529(922)/11-4/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 1723, C.S Ward-3, Sheet No. 151, Mun. No. 10-6-56 Paiki, situated at Wadia Road, Porbandar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Porbander on August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Jeraj Lalji Panchmatia, C/o Shri P. D. Kakkad, Advocate, M.G. Road, Porbander.

(Transferor)

(2) Shri Prabhudas Devchand Chotal, Sutarwada, Porbander.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days fro in the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 1723, C.S. Ward No. 3, Sheet No. 151, Mun. No. 10-6-56 paiki adm. 916-83 sq. yds. with garrage room & compound wall, situated at Wadia Road, Porbander, duly registered by Registering Officer, Porbander, vide sale-deed No. 2904/Aug. 1979, i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 10-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 10th January 1980

Ref. No. Acq.23-I-2529(923)/11-4/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 1723, Paiki Ward No. 3, Sheet No. 151, Mun. No. 10-6-56 situated at Wadia Road, Porbander

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 Porbander on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Jeraj Lalji Panchmatia, C/o Shri P. D. Kakkad, Advocate, M.G. Road, Porbander.

(Transferor)

(2) Shri Jayantilal Ramji Gadhia, Kedareshwar Road, Porbander.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Openland bearing C.S. No. 1723—C.S. Ward No. 3, Sheet No. 151—Mun. No. 10-6-51 paikl—adm. 189-58 sq. yds. situated at Wadia Road, Porbander, duly registered by Registering Officer, Porbander, vide sale deed No. 2907/Aug. 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 10-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGF 11, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSF; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 10th January 1980

Ref. No. Acq 23-I-2529(924)/11-4/79-80.---Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 1723 paiki—Sheet No. 151, Ward-3, Mun. No. 10-6-56 situated at Wadia Road, Porbander

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Porbander on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Λet, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Jeraj Lalji Panchmatia, C/o Shri P. D. Kakkad, Advocate, M.G. Road, Porbander.

(Transferor)

(2) Smt. Jayagauri Ratilal Jogia, Thakkar Plot, Porbander.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persoes within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing C.S. No 1723, Paiki, Sheet No. 151, Ward No 3, Mun. No. 10-6-56 situated at Wadia Road, Poibander, adm 187-19 sq yds. duly registered by Registering Officer, Poibander, vide sale-deed No. 2906/Aug. 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 10-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 10th January 1980

Ref. No. Acq 23-I-2529(925)/11-4/79-80.—Whereas, I, N. MANDAL, eing the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property having a fair market value xceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1723, Mun. No. 10-6-56 Paiki, ituated at Wadia Road, Porbander and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 'orbander on August, 1979

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property, and I have reason o believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by nore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to etween the parties has not been truly stated in the said naturally of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
25—46GI/80

 Shri Jeraj Lal ji Panchmatia, C/o Shri P. D. Kakkad, Advocate, M.G. Road, Porbander.

(Transferor)

(2) Shi Pravinkumar Vallabhdas Pau, Zaveri Bazar. Porbander.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Openland bearing C.S. No. 1723, Mun. No. 10-6-56, Paiki, adm. 410-48 sq yds. situated at Wadia Road, Porbander, duly registered by Registering Officer, Porbander, vide saleded No. 2905/Aug, 1979 i.e. property a₉ fully described therein.

S. N. MANDAL

Lonipetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,

Acquisition Range-I, As mediabad

Date · 10-1-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMM¹S-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th March 1980

Ref. No. Acq.23-I-2713(956)/1-1/79-80.—Whereas, I. S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and beging

and bearing S.P. No. 160 and 161 of Naroda Indus Trial Estate, situated at Naroda, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 13-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (41 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Hiralal Vanmalidas Prajapati, B-2, 1st Floor, Bharatnagar, Grant Road, Bombay.
 - (Transferor)
- (2) Reliance Textile Industries, Court House, 4th Floor, Tilak Marg, Dhobi-Talao, Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building adm. 1673-63 sq. mtrs. bearing S.P. No. 160 & 161, situated at Naroda Industrial Estate, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 9458/13-8-1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 4-3-1980

Altmedabad on 4-8-1979

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th March 1980

Ref. No. Acq. 23-I-2996(957)/1-1/79-80.—Whereas, I. S. N. MANDAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Kalupur Ward No. 1, Sheet No. 22, S. Nos. 2433, 2446, 2447, 2448, situated at Opp. Kalupur Tower, Kalupur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Korawalla Mahajan through: S/Shri
 - (1) Patel Ranchhodlal Harilal, Novovas, Danapith, Ahmedabad.
 - (2) Hiralal Ramchand, Sriramji's Pole, Vadigam, Darlapur, Ahmedabad.
 - (3) Shantilal Madhavlal, Bhanderi Pole, Kalupur, Ahmedabad.

(Transferors)

- (2) Kalupur Commercial Centre,
 - through Promoters: S/Shri
 (1) Shri Shabbir Imranbhai Lokhandwalla, Shaikh Munjal's Mohalia, Nr. Kalupur Tower, Kalupur, Ahmedabad.
 - (2) Shri Jawaharlal Dahyabhai Gandhi, Nichli Sheri, Dhal's Pole, Ahmedabad. (Transferees)

(3) (1) Shri J. Nathabhai,

- (2) Shri Sureshchandra Gordhandas,(3) Shri Vallabhdas Mohanlat,
- (4) Shri Star Corporation, All C/o Kalupur Commercial Centre, Opp. Kalupur Tower, Kalupur, Ahmedabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building known as "Kalupur Commercial Centre", at Kalupur Ward No. 1, Sheet No. 22, S. Nos. 2433, 2446, 2447, 2448, situated at Kalupur, Opp. Kalupur Tower, Ahmedabad—duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 8426/4-8-1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 4-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 13th March 1980

No. Acq. 23-I-2682(983)/16-6/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Kewadawadi, Sheri No. 2, Rajkot,

situated at Kewadawadi Sheri No. 9, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 7-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax \ct, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Ramajibhai Mepabhai Chotalia, 22, Kevada Wadi, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Bachubhai Manchabhai, Kewadawadi Sheri No. 2, Rajkot.

(Transferee)

- (3) 1. Shri Shantilal Popatial, 2. Shri Babulal Popatial,

 - 3. Jivlben Ranchhodbhai, Maganlal Khimji,
 - Mansukhlal Karsanbhai, Kewadawadi Sheri No. 2, Raikot.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building standing on land admeasuring 333.6 sq. yds. situated at Kewadawadi Sheri No. 2, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 4848 dated 7-8-1979.

> S. N. MANDAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 13-3-1980

(1) Aminabibi wife of Abdul Sattar Abdul Karim; Sindhiwad, Surat. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Zeharbibi wife of Yusufmiya Amirmiya; Golkivad, Sagrampura, Surat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 19th March 1980

Ref. No. P.R. No. 895 Acq.23/19-8/79-80,—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 2783, Ward No. 2, situated at

Kabitpura, Sagrampura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 22-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Kabitpura, Sagrampura, Surat bearing Nondh No. 2783, paiki land duly registered at Surat on 22-8-79 vide No. 3095/79.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 19-3-1980

(1) Shavak Jehangirji Unwala; Khusro Bag, F-2, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sunderlal Motilal Dabbiwala; Faram Mohollo, Rustampura, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 19th March 1980

Ref. No. P.R. No. 896 Acq.23/19-8/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 5153 Ward No. 2, situated at Faram Mohollo, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 7-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Faram Mohollo, Rustampura, Surat bearing Nondh No. 5153, Ward No. 2, Surat duly registered on 7-8-1979 at Surat.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 19th March, 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 19th March 1980

Ref. No. P.R. No. 897 Acq.23/19-8/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-artel bearing

Survey No. 468 paiki land situated at Katargam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 1-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Nirmalaben Balubhai; Gopipura, Limdikui, Surat.

(Transferor)

(2) Secretary:

 Shri Jayantilal Ramjibhai Patel;
 Mantri:
 Shri Parsottam Javaharlal Patel;
 C/o. Prabhunagar Co-op. Housing Society,
 Variavi Bazar, Saiyedpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Katargam, Survey No. 468 paiki land duly registered at Surat on 1-8-79 vide No. 2910.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 19th March, 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 19th March 1980

Ref. No. P.R. No. 898 Acq.23/19-8/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. 468 paiki land situated at Katargam, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 1-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

No.v., therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Hemantkumar Balubhai; Gopipura, Limdikui, Surat.

(Transferor)

(2) Secretary: Shri Jayantilal Ramjibhai Patel; Mantrl: Shri Parsottam Javaharlal Patel; Saiyepura, Variavi Bazar, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Katargam, Survey No. 468 paiki land duly registered at Surat on 1-8-79 vide No. 2911.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 19th March, 1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 19th March 1980

Ref. No. P.R. No. 899 Acq.23/19-8/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 468 paiki land situated at Katargam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 1-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
26—46GI/80

(1) Shri Balubhai Prabhubhai; Gopipura, Limdikui, Surat.

(Transferor)

(2) Secretary: Shri Jayantilal Ramjibhai Patel; Mantri: Shri Parsottam Javaharlal Patel; C/o. Prabhunagar Co-op. Housing Society, Saiyedpura, Variavi Bazar, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given i that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Katargam, Survey No. 468 paikl land duly registered at Surat on 1-8-79 vide No. 1912.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 19th March, 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 19th March 1980

Ref. No. P.R. No. 900 Acq.23/19-8/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 468 paiki land situated at Katargam, Surat (and more fully described in the Schedule Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 1-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rohitkumar Balubhai; Gopipura, Limdikui, Surat.

(Transferor)

(2) Secretary: Shri Jayantilal Ramjibhai Patel; Mantry: Shri Parsottam Javaharlal Patel; C/o. Prabhunagar Co-op. Housing Society, Variavi Bazar, Salyedpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Katargam, Survey No. 468 paiki land, duly registered at Surat on 1-8-79 vide No. 2913.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 19th March, 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Through: Power of Attorney holder Shri Patel Waghii Havji, Navavas, Madhapar, Tel. Bhuj.

(1) Shri Keshavlal Vaghji Patel,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th March 1980

Ref. No. Acq.23-J-2570(990)/12-2/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Muni. No. 10/1/144 to 19/1/153-10 godowns

situated at Station Road, Bhuj

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the officer at Bhuj on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considetation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) (1) Luhar Noormamad Musa (2) Luhar Sidhik Musa of Vill. Varalia, Tal. Abdasa, Dist. Kutch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 Godowns standing on 4264 sq.ft. situated at Station Road, Bhuj bearing Mun. No. 10/1/144 to 10/1/153—duly registered by Registering Officer, Bhuj vide sale-deed No. 1399/August, 1979 i.e. property as fully described here-

S. N. MANDAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 26-3-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th March 1980

Ref. No. Acq.23-I-2570(991)/12-2/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

5 shops with garrage situated at

Bhul Station Road, Bhul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhuj on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kantilal Vaghji Patel, Through: Power of Attorney holder Shri Patel Vaghji Mavji, Navavas, Madhapar, Tel. Bhuj.

(Transferor)

(1) (1) Shri Nurmamad Musa Luhar,

(2) Shri Sidhik Musa Luhar, Village Varalia, Tel. Bhuj, Dist. Kutch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 Shops with Garrage standing on land 2535 sq. ft.—situated at Bhuj Station Road, Bhuj duly registered by Registering Officer, Bhuj, vide sale-deed No. 1391/Aug. 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 26-3-1980

Soni :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDAMAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th March 1980

Ref. No. Acq.23-I-2724(997)/1-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 155-Hissa No. 2, 3, 4 & 5 situated at Ghoda sar-Ahmedabad Distr.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on August, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, mamely:—

 Smt. Chandrakantaben wd/o Sh. Mohanlal Lallubhai Kothari, & others, through: Power of Attorney holder Shri Hasmukhlal Mohanlal Kothari, Amrallal's Pole, Khadia, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Barsana Co. Op. Housing Society Ltd., through: Chairman— Shri Amarkant H. Vyas, Behind Balvatika, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 7698 sq. yd., 8265 sq. yds., 6355 sq. yd. & 3875 sq. yd. bearing S. No. 155 Paiki situated at Ghodasar, Dist. Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide Sale-deed Nos. 9045/9046/9047/9048/79 received in Second fortnight of August, 1979 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 28-3-1980

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th March 1980

Ref. No. P.R. No. 903Acq.23/7-5/79-80.--Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 863-1, 864, 865, 863-2 situated at National Highway No. 8, Pardi Kasba

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on 6-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Shri Nadirsha Arachsha Pardivata;
 - Shri Gharnagisha Arachsha Pardivala;
 Shri Naushirvan Arachsha Pardivala;
 - Kumiben Arachsha Paidivala;
 - Doliben Arachsha Pardivala;
 - 6. Amiben Arachsha Pardivala, Pardi.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Hanifbhal Rahlmbux Gori;
 - 2. Shri Abdulmajid Hanif Gori;
 - 3. Shri Abdul Latif Hanif Gori;
 - 4. Shri Abdul K. Hanif Gorl;

Shri Abdul Gafar Hanif Gori; Kasba-Pardi-Taluka Pardi, Dist. Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

used EXPLANATION:--The and expressions terms herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Pardi-Kasba, National High way No. 8. bearing S. No. 863-1, 864, 865, 863-2, duly registered at Pardi on 6-8-79 vide No. 938.

> S. N. MANDAL, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date :25-3-1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th March 1980

Ref. No. P.R. No. 904Acq.23-13-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 784/1 and 788 situated at Anand

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anand on 31-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Dahiben;
 Wd/o Shri Kashibhai Fulabhai Patel,
 Moti Khadol, Nadiad Taluka.

(Transferor)

(2) Govardhannagar Coop. Housing Society Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 31 Gunthas out of the total area of 2 Acre 13 Guntha situated at Anand S. No. 784-1 and 788 by the side of Nutan Society and full described a₃ per sale deed No. 1681 registered in the office of the Sub-Registrar, Anand on 31-8-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Ahmedabad.

Date: 25-3-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Patel Maganbhai Chaturbhai; Anand.

(Transferor)

(2) Gordhannagar Coop. Housing Society Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th March 1980

Ref. No. P.R. No. 905Acq.23/3-1-/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 784-1 and 788 situated at Anand (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anand on 31-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 31 Gunthas out of the total area of 2 Acre 13 Guntha situated at Anand S. No. 784-1 and 788, by the side of Nutan Society and full described as per sale deed No. 1682 registered in the office of Sub-Registrar, Anand on 31-8-1979.

S. N. MANDAL.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 25-3-1980

(1) Patel Zhaverbhai Fulabhai; Sangh Village, Nadiad Taluka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th March 1980

Ref. No. P.R. No. 906 Acq.23-13-1/79-80,---Whereas, I. S. N. MANDAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 784-1 and 788 situated at Anand

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Anand on 31-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---27---46GI/80

(2) Govardhannagar Coop. Housing Society Ltd.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 31 Gunthas out of the total area 2 Acre 13 Guntha situated at Anand S. No. 784-1 and 788, by the side of Nutan Society and full described as per sale deed No. 1683 registered in the office of Sub-Registrar, Anand on 31-8-1979

> S. N. MANDAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Ahmedabad.

Date: 25-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-38 009, the 25th March 1980

Ref. No. P.R. No. 907 Acq.23-6-1/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 13-A Arunodaya Coop. Housing Society Ltd., situated at Alkapuri, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Baroda on 20-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Chhotabhai Motibhai Patel and others; 12, Anand Society, Baroda-5.

(Transferor)

(2) Shri Chandubhai N. Patel; 13-A, Arunodaya Society, Alkapuri, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days fro mthe date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building being Plot No. 13-A of Arunodaya Coop. Housing Society Ltd., in the Alkapuri area of Baroda City and fully described as per sale deed No. 4363 in the office of Sub-Registrar, Baroda on 20-8-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 25-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th March 1980

Ref. No. P.R. No. 908 Acq. 23-II/79-80.—Whereas. I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 490 situated at Lakhavad Patti, Nadiad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad on 17-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (i) Manibhai Vaghjibhai Patel; Near Lakhawad Chora, Nadiad.
 - (ii) Navdeep Gordhanbhai; Lakhawad, Nadiad.

(Transferor)

(2) Prakashbhai Prahladbhai Patel; "Hari Kunj", Santram Society, Nadiad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non-agricultural land admeasuring 3630 sq. yds. bearing Survey No. 490 and situated near Santram Deri, Piplaj Railway Crossing and fully described as per sale deed No. 2929 registered in the office of Sub-Registrar, Nadiad on 17-8-1979.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 26-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th March 1980

Ref. No. P.R. No. 909 Acq-23-II/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 490 situated at Lakhawad Pitti, Nadiad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nadiad on 17-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) (i) Manibhai Vaghjibhai Patel; Near Lakhawad Chora, Nadiad.
 - (ii) Navdeep Gordhanbhai; Lakhawad, Nadiad.

(Transferors)

(2) Arvindbhai Indubhai; "GURU DAYA" Santram Society, Nadiad.

(Transferce)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non-agricultural land admeasuring 2299 sq. yds. bearing Sur. No. 490 and situated near Santram Deri, Piplaj Railway Crossing and fully described as per sale deed No. 930 registered in the office of Sub-Registrar, Nadiad on 17-8-79.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 26-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th March 1980

Ref. No. P.R. No. 911 Acq.23-II/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 45 & 46 situated at Nagor Haveli Industrial Estate, Silvassa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rambhai Shantilal Mehta and others; Partners of: M/s. Textile Technicians Commercial; 450, Lemington Road, 3rd Floor, Bombay-4.

(Transferor)

- (2) Partners of M/s. Bombay Textile Corporation;
 - Shri Murarilal Babulal Khemani;
 201, Kalbadevi Road, Bombay-2.
 - Shri Harishkumar Ramkaran Kamalia;
 20/C, Dungarsi Road, Shree Sagar,
 Walkeshwar, Bombay-6.

Mrs. Shakuntala Nathalal Bajaj;
 C. Dungarsi Road, Shree Sagar,
 Walkeshwar, Bombay-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property situated at Nagar Haveli Industrial Estate promoted by Dhanudyog Sahakari Sangh Ltd., Silvassa bearing Flat No. 45 & 46 duly registered at Bombay on 4-8-1979 vide No. 1772/75.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 26-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FI OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad 380 009, the 2nd April 1980

Ref No PR No 999 Acq 23/I-1/80-81 —Whoreas, I, S N MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

S No 4894, C No 2556-A of Shahpur situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 8-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shri Haiiprasad Damodardas, Shri Nitinbhai Kanaiyalal, Shahpur, Gozariani Pole Ahmedabad

(Transferor)

(2) Shu Kirtilal Chimanlal Mehta, Badhreshwar Society, Outside Delhi Darwaja, Opp Hathibhai Temple, Ahmedabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires late1,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

A building standing on land 112 3 sq yards bearing S No 4854, Sheet No 45, M C No 2596 A of Shahpur-I, situated at Gozariani Pole, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Regn No 7715 dated 8 8-79

S N MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date 2-4 1980 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDAMAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd April 1980

Ref. No. P.R. No. 913 Acq.23/19-7/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 8, Road No. 2, situated at Udhna Udyognagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 13-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ...ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Niranjan Venilal Dalal; 9/1302, Balaji Road, Surat.

(Transferor)

 M/s. Pannalal & Sons;
 7/4425, Begampura, Darukhana, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXΛ of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Plot No. 8, Road No. 2, Udhna Udyognagar, Udhna duly registered at Surat on 13-8-79 vide No. 3032.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 2-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd April 1980

Ref. No. P.R. No. 914. Acq. 23/19-7/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 8,-land situated at Road No. 2

Udhna Udyognagar, Udhna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 13-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purtles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Hansaben Rameshchandra Dalal; 8/1302 Balaji Road, Surat.

(Transferor)

M/s. Pannalal & Sons;
 7/4425, Begampura, Darukhana,
 Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Plot No. 8, Road No. 2, Udhna Udyognagar duly registered at Surat on 13-8-79 vide No. 3033.

S. N. MANDAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 2-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONFR OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMTDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd April 1980

Ref. No. P.R. No. 915 Acq.23/19-8/80-81.—Whereas, 1, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

Nondh No. 358-B situated at Chakawaha Sheri, Wadi Falia, Wd. No. 9, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Chandrakant Chhotubhai Desai;
 Shri Anirudh Vinodhhai Desai;
 Chakavala Sheri, Wadi Falia,
 Surat.

(Transferor)

Shri Mohanlal Nagindas;
 Shri Hatılal Nagindas;
 Vagra Mahollo, Zampa Bazar,
 Surat.

(Transfereo"

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Nondh No. 358B, situated at Chakawala Sheri, Wadi Falia, Surat duly registered at Surat vide No. 3137/79.

S. N. MANDAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 2-4-1980

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 2690(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd April 1980

Ref. No. P.R. No. 916 Acq 23/II/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 2288/2 Near Ghoddod Road, situated at Village Athwa, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 23-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

P. A Holder of;
 Shri Bhavanbhai Ukabhai Patel;
 Village Vankaner, Tal. Bardoli,
 Shri Chaturbhai Ranchhodji.

(Transferor)

(2) Pratik Apartment Coop, Housing Society; Shri N. A. Vandeliwala; Shri Jitendrakumar S. Sheth; Village; Athwa, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property bearing S. No. 2288/2 Near Goddhol Road, village Athwa, duly registered at Surat on 23-8-1979 vide No. 3108/79.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 3-4-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th April 1980

Ref. No. P.R. No. 917 Acq.23-II/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/000 and bearing

Nondh No. 555, Talawala Pole, Nanavat, situated at Ward No. 11, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 6-8-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Chandreshkumar Navinchandra Shah; Minor Nimeshkumar Navinchandra Shah & his guardian Navinchandra Navalchand Shah; Nanavat, Hanuman Pole, Surat.
- (2) 1. Shri Rajnikant Kantilal Shah;
 - Nutanben Rajnikant Shah;
 Minor Rajesh Rajnikant Shah &
 his guardian Rajnikant Kantilal Shan;
 Natraj Apartment, Bhaga Talav, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Nondh No. 555, Talawala Pole, Nanavat Wd. No. 11, Surat duly registered on 6-8-1979 at Surat vide No. 2975.

S. C. PARIKH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11
Ahmedabad

Date: 7-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Madhukar Natverlal Ichharam Desui; Bhuleshwar, Bombuy.

(Transferor)

Lalitaben Rameshehandra Naik,
 Radhanagar, Athwa Lines,
 Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th April 1980

Ref. No. P.R. No. 918 Acq.23-II/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Old S. No. 242 paiki New S. No. Wd. No. 13, situated at Nondh No. 328, Narmadnagar Vasahat, Athwa, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 23-8-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at New S. No. Wd. No. 13, Nondh No. 328 at Narmadnagar Vasahat, Athwa, Surat duly registered at Surat on 23-8-79 vide No. 310/79.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 7-4-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONFR OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 7th April 1980

Rcf No PR No 919 Acq 23 II/79 80 - Whereas, I, S C PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

Nordh No 1518 situated at Umarvada, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 30 8 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Laxminarayan Birbaldas,
 Puspadevi w/o Jugalkishor Birbaldas,
Minor Ushadevi Jugalkishor,
Minor Ashadevi Jugalkishor,
Minor Renudevi Jugalkishor,
Minor Ramkishor Jugalkishor
PA Holder of all Shri Shyamlal Birbaldas
873, Gali Berivali Kaya,
Patiram Bazar, Sitaram, Delhi 6

(Transferor)

(2) Partner of M/s. Harilal Kuntkumar & Co,

1 Shri Harılal Ratılal Jarivala;

2 Shri Balvantram Mohanlal Janvala, 3 Shri Dhaneshkumar Kantilal Janvala;

4 Lilavatiben Jamiyatram Jarivala Salabatpura, Dhamlavad, Surat,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Umarvada, Nondh No 1518 duly regitered at Surat on 30 8 79 vide No 3162/79

S C PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-II,
Abmedabad

Date 7-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad 380 009, the 7th April 1980

Ref No PR No 1000 Acq 23 I/79 80 --- Whereas, I, S C PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

S No 211 to 215 Plot No 11-B path B 11-3 situated at Siru Section Road, Jamnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

 $1908 \ (16 \ of \ 1908)$ in the office of the Registering officer at J_{amnaga_1} on $1.8 \ 1979$

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair muket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tituly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following per sons, namely —

Vadgama Bios through,
 Shii Girdharlal Madhavji,
 Shii Ramniklal Madhavji,
 Near Engineer's Office, Jamnagar

(Transferor)

(2) Mahavir Valves, Sole Proprietor, Shri Amritlal Nathubhai Shah, M P Shah Municipality Udyoguagar, Jamnagar.

(Trausferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 3000 sq ft bearing R 8 No 211 to 215 Plot No 11-B, paiki, B-11-3, situated at Suru Section Road, Januargar and as fully described in the sale deed registered vide R No 1875 dated 1-8 79

S C PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date 7-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th April 1980

Ref No. P.R. No. 1001 Acq.23-I/79-80,—Whereas, J, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tox Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R S. No. 211 to 215 paiki Plot No. 11-B paiki B-11-4 situated at Saru Section Road, Jamnagar,

(and more mully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 1-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—44—36GI/80

(1) Vadgama Bros. through;

Shri Girdharlal Madhavji;
 Shri Ramniklal Madhavji;

2. Shri Ramnikiai Madhavji; Near Engineer's Office, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Beeja Valves through;
 Sole Properietor;
 Mansukhlal Nathubhai Shah;
 M. P. Shah Municipality Udyognagar,
 Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 3000 sq. ft, bearing R.S. No. 211 to 215, Plot No. 11-B, paikl, B-11-4, situated at Saru Section Road, Jamnagar and as fully described in the sale deed registered vide R. No. 1876 dated 1-8-79.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 1980

Seal ?

(1) Shrila Rustom Dalal, "Sun Beam" Mirzapur, Ahmedabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Roopnagar Apartments Coop Housing Society Ltd
 C/o Jaishri Corporation,
 Ravi Chambers, Relief Cinema,
 Ahmedabad

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I.
2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSF, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th April 1980

Ref No PR No. 1002 Acq 23 I/80-81 —Whereas, I, S C PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sub-Plot No. 15 of FP. No. 181 alloted lien of S. No. 627 part 628 & 629 part under the TPS No. 15 situated at Wadaj, Ahmedabad

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 30-8 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1951 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesa'd persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inferested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land adm. 535 sq yds bearing sub-plot No. 15 of FP. No 181 alloted in heu of S No 627 part, 628 & 629 part under TPS. No 15 of Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No 10081/30-8-79 te property as fully described therein

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date . 7-4-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th April 1980

Ref. No. P. R. No. 1003 Acq. 23-I/79-80.—Whereas, I. S. C. PARIKH;

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sub-Plot No. 13 of f-P. 181—S. No. 627 part, 628 part & 629 part TPS. No. 15 situated at Wadaj, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Ahmedabad on 30-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
29—46GI/80

(1) Shri Hafez Rustom Dalal; 'Sun Beam' Mirzapur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Roopnager Apartments Coop. Housing Society Ltd., C/o. Jaishii Corpn.
 6, Ravi Chambers, Relief Cinema, Ahmedabad, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 456 sq. yds. bearing Sub-Plot No. 13 of F.P. No. 181, alloted in lien of S. No. 627 part, 628 part & 629 part under T.P. Scheme No. 15—situated at Wadaj, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 10080/30-8-79 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedahar

Date: 7-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

> > Ahmedabad, the 7th April 1980

Ref. No P. R. No. 1004 Acq. 23-I/79-80.—Whereas, I S. C. PARIKH;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

S. No. 106/1 T.P.S. 23 Missa No. 21 situated at Achier, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 6-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) 1. Shii Kalyanchand Chunilal Shah;
 - 2. Shri Chhanalel Chunilal Shah:
 - 3. Sumatiben Shakarchand; through their Power of Attorney Holder Shri Arunkumat Shakerchand, B/2, Rachna Apartment, Navrangpura, Ahmedabad.
- (2) Shri Sabarmati Ramnagar Jain Swetamber Muiti Pujak Sangh; through: Shri Rupehand Dahyabhai, Satyanarayan Society, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 day, from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm 3271 sq. yds & 3721 sq. yds i.e. 745 sq yds bearing S. No 106/1—TP. S. 23, Hissa No. 21, situated at Achier, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer. Ahmedabad vide sale-deed Nos. 9258 & 9259/6-8-79 i.e. property as fully described therein.

S C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date · 7-4-1980

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FIOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 9th April 1980

Ref No P R No 1006 Acq 23 J/79 80 - Whereas, I, S C PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No EP No 7/15 Sub Plot No A situated at Gondal Road, Raikot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-8 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Suryakant Hirjibhai & others: 2, Oswal Colony, Jamnagar

(Transferor)

(2) Dilip Kumar Mohan lal, Natverlal Mohanlal, Gendal Road, Rajkot

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land admeasuring 500 sq yds bearing No E.P. 7/15, Sub-Plot No A, situated at Gondal Road, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 3570 dated 1-8-79

> S C. PARIKH Competent Authority, Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 9-4 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE: ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th April 1980

Ref. No. P. R. No. 1007 Acq. 23-I [79-80,---Whereas, I, S C PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No S.P No. 7/15 Sub-plot No. B situated at Gondal Road, Raikot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-8-1979

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforestiid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Shr: Suryakant Hirjibhai & others: 2, Oswal Colony, Jitendra Niwas, Jamnagar. (Transferor)
- (2) Shri Dhirajlal Lalaji Vadgama; Gondal Road, Rarkot,

(Timisferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I API ANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land admeasuring 500-7-107 sq. yds bearing EP. No. 7/15 sub plot No. B, situated at Gondal Road, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 3520 dated: 1-8-79.

> S C. PARIKH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 9 4-1980 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 9th April 1980

Ref No P R No 1008 Acq 23-1/79 80 -Whereas, f, S C. PARIKH;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Survey No 433 situated at Rajkot

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raykot on 13-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Hemantlal Rahavjibhai Patel; Hathikhana Road, Rajkot.
- (2) Smt Shardaben Meghjibhai Bhalodiya; 25, New Jagannath, Dincshkunj, Rajkot.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring sq. yds 1061 3 0 situated at Survey No. 433, Rajkot and as fully described in sale deed No. 5020 registered in the office of Sub-Registrar, Rajkot on 13-8-1979.

S C PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 9 4 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1980

Ref No 791-A/Dadu/79-80—Whereas, I, B C CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No AS PFR SCHI DUIT situated at AS PER SCHEDULF (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Dudit on 31-8 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the rollowing persons, namely:—

- (1) Shri Hari Singh s/o Shii Bhagwana 1/o Bhagal Begumpui, Teh Dadri Disti Ghaziabad
- (2) Shri Dharmratisthann E 9, Defence Colony, New Delhi through G Mahapatra

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural I and measuring $\frac{251}{2-17-1}$ Village Bhagal Begumpur Teh Dadii Ghaziabad

B C CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date 27 3 1980 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st March 1980

Ref. No. 796-A/Dadti/79-80.—Whereas, I. B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PFR SCHEDULF situated at AS PER SCHEDULF. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 31-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Devi Chandra, Khileram and Babulal s/o Shri Gopi Chand, Smt. Sureshwati Widow of Shri Biajlal, Bihari Singh s/o Ballu Singh Vali and Guardion Shri Jagdish Prasad, Dhiraj and Bhim Singh (Nabalig) sons of Bhule Singh r/o Madawali Fazalpur Distt. Delhi

(Transferor)

 Mahrishi Institute of Creative Intelligence, E-9, Defence Colony, New Delhi through Dr. G. Mahapatra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land No. 13 measuring 4 Bigha situated at Geja Tilaftabad, Parg. & Teh: Dadri, Distt. Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 31-3-1980

Scal:

·

(1) Shri Jagat Singh S/o Shri Raje and Smt. Chandari W/o Raje r/o Madawali, Fazalpur, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahila Dhyan Vidyapeeth, L-9, Defence Colony, New Delhi, through G. Mahapatra.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 27th March 1980

Ref. No. 789-Λ/Dadri/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dadii on 29-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the days of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 216/3-13-0 situated at Vill. Bhagel Begumpur, Tch. Dadri, Distt, Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpui

Date: 27-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th April 1980

Ref. No. 1236-A/Kanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 18-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the conceolment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30-46GI/80

- (1) Shri Ratan Chand, Radha Swami Road, Amritsar.
 (Transferor)
- (2) Shri Mahesh Prasad Mehrotra r/o Premises No. 7/188-1(A), Swaroop Nagar, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot No. 8 premises No. 7 188-1(A) measuring 1/2 of 503.75 sq. yds situated at Swaroop Nagar, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 5-4-80

Scal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th April 1980

Ref. No. 844-A/Kanpui/79-80.—Wheteas, I, B C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 4-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- Shri Radha Kishan Somani, Dr. Mahabir Udhyan r/o Bajaj Nagar, Jaipur-4.
 (Transferor)
- (2) Smt. Phool Lata Somani r/o 51/27, Naya Gani, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No 51/27 New No. 51/67, measuring 329.50 sq. yds. situated at Naya Ganj, Kanput.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Arquisition Range, Kanpur

Date : 5-4-80

Scal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THI INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st March 1980

Ref. No. 447/Acq/Firozabad/79-80.--Wheras, I. B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PPR SCHEDUIT situated at A. PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Firozabad on 8-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believ that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Jagpal Sharma s/o Shri Pokhpal Sharma r/o Jalesar Road Kasba & Post: Firozabad, Distt, Agra.

Transferor'

(2) Shri Prabhu Dayal s/o Shri Balwant Singh r/o Thar Gangaram, Majara Mauja: Ailai, Teh: Aitmadpur, Distt. Agra,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Properly measuring 1460 sq. ft. situated at Jalesur Road, Kasba: Pirozabad, Distt. Agra.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 21 3-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st March 1980

Ref. No. 448/Acq/79-80.-Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabal on 8-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of an yincome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the reason and notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Prem Prakash & Satya Prakash s/o Pt. Jagpalii Sharma r/o Mo. Jalesar Road, Kasba: Firozabad. (Transferor)
- (2) Shri Daulat Ram s/o Shri Balwant Singh r/o Thar Gangaram, Majara : Allai Teh. Aitmadpur, Distt. Agra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property measuring 1400 sq. ft. situated at Jalesar Road, Kasba: Firozabad, Distt. Agra.

> B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 21 3-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd March 1980

Ref. No. 402/Acq/Aligarh/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. AS PFR SCHEDULE situated at AS PFR SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh on 21-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afroesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Hakeemunnisan widow of
 Late Shri Mohd. Ibrahim
 r/o Atish Bazar, Mohd, Ali Road, Aligarh.
 (Transferor)
- (2) Shri S. Asghar Ali & Others r/o H. No. 9/42, Mustfa Building Mohalla: Atish Bazar, Mohd. Ali Road, Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I'XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 9/42, Mustfa Building situated at Atish Bazar, Mohd. Ali Road, Aligarh.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 22-3-80

Scal:

(1) Shri Radhey Lal Saraywat s/o Late Shri Piem Lal r/o Krishnapuri, Aligath.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bhagwan Devi w/o Shri Sant Kumar r/o Kanwers Ganj, Aligarh. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st March 1980

Ref. No. 337/Acq/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh on 7-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property No. Nil situated at Easanagar, Aligarh.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 21-3-80

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd March 1980

Ref No 333/Acq/Aligarh/79 80 —Whereas, I, B C CHATURVFDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No AS PER SCHEDULF situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Aligath on 2-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ,—

(1) Shii Ramesh Chand and Chakkhan Lal 5/0 Shii Sohan Lal i/0 Mohalla: Ataipan Usman Para Shahar Kol, Disti Aligarh

(Transferor)

(2) Sh Mohd Yamin s/o Haji Shaukat and Smt Shameem Begam Wife of Mohd Yamin R/o Mohalla Chah Basanta Shahai Kol, Distt Aligarh

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesæid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication or this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed House Property situated at Mohalla Ateiyan Usman Para, Aligarh

B C CHATURVEDI

Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Kanpur

Dnth 22-3-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Dr. Satwant Singh Sodhi s/o Shri Prithipal Singh r/o 8, Raqab Ganj, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Eqbal Narain Khanna s/o Shri Jagat Narain Khanna r/o Madia Katra, Agra.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd March 1980

Rcf. No. 406/Acq/Agra/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Agra on 2-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Urban Plot No. 13, Jasoria Enclave Basai 'Taj Ganj', Agra.

B. C. CHATURVFDI, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd March 1980

Ref. No. 316/Acq/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 30-7-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—46GI/80

(1) Kr. Parasars Brown d/o Ravren John Brown, 15/32, Mission Compound Civil Lines, Kanpur Self and Bahaisint Mukhtar-a-am Shri Victor C. Brown s/o Late Shri Ravren John Brown r/o Ravens Wood United Methojist Church Harmits & Suni Side Avenues Shikagoilinois-60640 (U.S.O.) and Winston Anil Brown s/o Late Shri Double A. Brown (William Brown and Grand s/o Revren John 2110 Besle Avenue Iwanston Elimoece-60201 U.S.E. and Smt. Mewisvond (Nabrown d/o Late Shri Ravren John Brown w/o Late Shri Devidvans, 15/32, Mission Compound, Civil Lines, Kanpur. (Transferor)

(2) S/Shri Gur Prasad, Ram Prasad and Smt. Prema Devi w/o Shri Panna, 35/156, Bangali Mohal, Kanpur.

(Transferee)

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing in the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 15/32 measuring 411 sq. yds. (all covered) situated at Parade Church Compound Civil Lines, Kanpur.

B. C. CHATURVFDI, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th March 1980

Ref. No. 170/Acq/Hathras/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hathras on 30-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per gent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an yincome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jogendra Gandhi s/o Shri Harnam Singh, Shri Babul Lal s/o Shri Udai Ram, Shri Krishna Kumar Swami s/o Shri Kedarnath and Shri Ramji Lal s/o Shri Bahori Lal r/o Hathras, Distt: Aligarh.

(Transferor)

(2) Panna Lal s/o Shri Padam Singh
r/o Vill. Pura-Khurd, Teh. Hathras,
Raghu Nandan Pd. s/o Shri Govind Ram
r/o Vill. Bhadamai Teh. Hathras,
Smt. Saghpi Devi Wd/o Shri Surajpal Singh
r/o Vill. Ramanpur, Teh. Hathras,
Shiv Shanker Sharma s/o Shri Govind Ram Sharma
r/o Vill. Lahra Teh. Hathras,
Rameshwar Dayal Sharma s/o Panna Lal Sharma
r/o Sasnidwar, Galiram Lila, Hathras.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land situated at Vill: Garhi Tamna, Teh. Hathras, Distt. Aligarh.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 19-3-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th March 1980

Ref. No. 761-A/Dehradun/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 13-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Kumar Naroola s/o Shri Ram Chandra Naroola r/o 49(C), Nizamuddin East, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Chandra Kanta Khanna w/o Shri Gulzari Lai Khanna, Smt. Madhu Khanna w/o Shri Deepak Khanna r/o 156-D, Rajpur Road, Dehradun.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in question is a piece of land measuring 0.92 acres situated on the main road of Dehradun named Rajpur Road, near a place Jakhan.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 6-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Pushpa Sharma d/o Late Shri Hiralal Sharma, r/o 51/2, Civil Lines, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwan Dass, s/o Shri Ramashanker, r/o 3/24, Rui Mandi Shahganj, Agra.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th March 1980

Ref. No. 591/Acq/Agra/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 21-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House bearing No. 3/27 situated at Rui Mandi Shahganj, Agra.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th February 1980

Ref. No. 806/Acq/Mathura/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mathura on 23-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; an!
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Laxmi Narain Bhartiya s/o Late Jamana Pd. Ji r/o 79, Kanti Nagar, Jaipur and Mukhtar Khas Smt. Panni w/o Shri Jai Narain and Guardian of her daughter named Mohani and Madhu d/o Shri Jai Narain, Smt. Mithlesh w/o Laxmi Narain d/o Shri Jainarain, Smt. Usha w/o Naresh Bihari Lal d/o Shri Jai Narain, Chandra Prakash, Mohan Prakash, Hari Prakash and Raghbir Prakash all ss/o Late Shri Jai Narain and Smt. Mira w/o Shri Pyare Sham d/o Late Shri Jai Narain r/o Bayana Post: Khas Hall 79, Kanti Nagar, Jaipur.

(Transferors)

(2) S/Shri Balwant Singh s/o Chameli Prasad, Smt. Prem Lata w/o Balwant Singh, Brijendra Singh and Mahendra Singh s/o Balwant Singh r/o Kunwa Gali, Mathura.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Triple Storyed House bearing No. Water Rate-855 situated Ghati Bahal Ram, Mathura.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 28-2-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Kanpur, the 12th March 1980

Ref. No. 756-A/Dehradun/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule americal hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Debased un eq. 7-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or essaien of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27, of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Savitri Devi w/o Shri Sipahi Lal r/o Dandipur, Dehradun.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Devi w/o Shri Tara Chandra and Niraj r/o 12, Dandipur, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said: Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 12, Mohalla: Dandipur. Dehradun.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition, Range, Kampur.

Date: 12-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th March 1980

Ref. No. 592/Acq/Agra/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 21-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Pushpa Sharma d/o Shri Hiralal Sharma r/o 51/2, Civil Lines, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Chandra s/o Shri Rama Shanker r/o 3/24, Rui Mandi, Shahgani, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 3/27 situated at Rul Mandi Shahganj, Agra.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-3-1980

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th March 1980

Ref. No. 444/Acq/Firozabad/79-80.—Wherens, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 1-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S/Shri Om Prakash, Satya Prakash, Ved Prakash and Dev Prakash, Sri Prakash all ss/o Shri Munshi Har Prasad, Shri Sharad Chandra s/o Shri Babu Ram Chandra Srivastava r/o Dholpura, Parg. Firozabad, Distt: Agra.

(Transferors)

 S/Shri Sunhari Lal and Mukat Singh 8/0 Shri Chokhelal r/0 Dholpura, Parg. Firozabad, Distt. Agra.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land Khasra No. 304 measuring 5 Bigha, 2 Biswa and 10 biswansi situated at vill. Dholpura, Parg. Firozabad, Distt. Agra.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 18-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 15th March 1980

Ref. No. 962/PN/Anoopshahar/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anoopshahar on 16-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
32—46GI/80

(1) Shri Bikram s/o Shri Pooran Chandra r/o Kasba Anoopshahar Mauja Chhatta, P.O. Khas, Parg. & Teh Anoopshahar, Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

(2) S/Shri Brij Pal Singh, Kehar Singh, Jagbir Singh (Balig) and Man Singh (Nabalig) ss/o Shri Lahari Singh r/o Anoopshahar, Mauja Chhatta P.O. Khas, Parg. & Teh. Anoopshahar, Distt. Bulandshahar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 10 Bigha situated at Anoopshahar, Distt. Bulandshahar.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 15-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th March 1980

Ref. No. 449/Acq/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 8-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) S/Shri Ved Prakash & Gyan Prakash ss/o Shri Jagpal Sharma r/o Mukam Jalesar Road, Kasba Firozabad.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwan Singh s/o Shri Balwant Singh r/o Vill. Thar Gangaram Majara, Ailai, Teh. Aitmadpur, Distt. Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House measuring 1240 sq. ft. situated at Jalesar Road, Kasba Firozabad.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 20-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th March 1980

Ref. No. 915/Acq/Kasganj/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kasganj on 27-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Maya Devi
w/o Shri Kishan Swarup,
Smt. Jai Devi
w/o Shri Bhagwati Pd.,
Smt. Vimla Devi
w/o Shri Ram Prakash and
Smt. Sri Devi
w/o Shri Gyan Prakash
all r/o Kasba Kasganj, Moh. Nathuram,
Parg. Bilram Distt Etah.

(Transferor)

(2) Smt. Kamlesh Gupta w/o Shri Girraj Kishore r/o Moh. Jai Jai Ram, Distt. Etah.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land situated at Kutanpur, Parg. Bilram, Distt. Etah.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 20-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Mohan Lal Pandey s/o Shri Sriram Pandey

r/o Laxmipuri (Sarai Babu), Aligarh Hall r/o Railway Colony Rewari Distt. Mahendraganh.

(Transferor)

(2) Smt. Jaiwanti Devi

w/o Shri Om Prakash Gupta r/o Jogia Post Hathras, Distt. Alignih Hall

r/o Sarai Hakim, Aligarh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th March 1980

Ref. No. 401/Acq/Aligarh/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Aligarh on 27-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the libility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1357 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property measuring 179.45 sq. Metre situated at Laxmipurı (Sarai Babu), Aligarh.

> B. C. CHATURVEDI, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 20-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd March 1980

Ref. No. 307/Acq/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 3-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Balviro Devi w/o Shri Kalyan Singh r/o H. No. 3/38, Vishnupuri, Kanpur.

(Transferor)

Smt. Vimla Sharan
 w/o Shri S. N. Sharan
 r/o Village and Post Pachlakhi,
 Distt. Siwan, Bihar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property measuring 400 sq. yds. bearing No. 3/38 situated at Vishnupuri, Kanpur, 4 part of 400 sq. yds. is constructed.

B. C. CHATURVFDI, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22-3-1980

(1) Miss Virginia L. Fleu R.E. Mission, Lalitpur, U.P.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rev. George Lucas r/o 190, Azad Pura, Lalitpur, U.P.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th March 1980

Ref. No. 479/Acq/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Lalitpur on 28-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Single Storeyed building known as Huston House is situated in Plot Survey No. 2479/1 bearing Municipal No. 190, Azadpura in town Lalitpur near Govind Sagar dam.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said

persons, namely :---

Date: 20-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th March 1980

Ref. No. 488/Acq/Jhausi/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Jhansi on 15-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramesh Kumar Sharma 5/0 Shri Ram Narain r/0 80, Civil Lines, Jhansi.

(Transferor)

(2) Shri Yogendra Pal Sharma s/o Shri Ram Prakash Sharma r/o 87/3, Civil Lines, Jhansi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Bunglow Hall No. 87/3, Civil Lines, Jhansi measuring covered Area 2611 Sq. ft. and Open Area 2015 sq. ft.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 20-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th March 1980

Ref. No. 491/Acq/Farrukhabad/79-80.—B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Farrukhabad on 24-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

- (1) Smt. Dulari Devi (Widow), Shri Balram Tandon and Sushil Tandon sons of Shri Laxmi Narain alias Lachhu and Smt. Renu d/o Shri Laxmi Narain Majkoor Jauja Rajeev Arora r/o Mauja: Buksaria Distt. Shahjahanpur and Shri Brahma Narain s/o Shri Mannu Lal, Smt. Kamla Devi w/o Brahma Narain r/o Farrukhabad, Mohalla Nehru Road.

 (Transferor)
- (2) Shri Daya Ram s/o Shri Laraits Lal r/o Mohalla Chini Bhan, Shri Pooran Chandra Agarwal s/o Shri Gulab Chandra r/o Mohalla Kotha Pachi Jadid Distt. Farrukhabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Shop measuring 40 Sq. Mtr. situated at Katra Ahmed Ganj alias Nehru Road, Farrukhabad.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 20-3-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th March 1980

Ref No 480/Acq/Orai/79-80—Whereas, I, B C CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Orai on 30-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the tran and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33-46GI/80

(1) Shu Amar Nath Jo Shu Jagannath To Mohalla - Tulsi Nagai, Station Road, Kasba - Orai, Jalaun

(fransferor)

(2) Dr Rajendia Kumar Puii s/o Shii M L Puri and Smt Kamlesh Puii w/o Di Rajendia Kumar Puri i/o Patel Nagar Orai, Distt. Jalaun

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

A Farm (Plot) situated at Mauja Ikhlaspur under the limitation of Nagai Palika Orai, Mohalla Patel Nagar, Kasba Orai, Disti Jalaun

B C CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 20-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th March 1980

Ref. No. 410/Acq/Agra/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Agra on 13-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Banshi Lal s/o Shri Sita Ram r/o Malviya Gunj, Loha Mandi, Agra.

(2) Shri Dinesh Singhal 8/0 Shri Devki Nandan Singhal r/0 Karwan Loha Mandi, Agra.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot bearing No. 104 measuring 378 sq. yds. situated at Jaipur House Colony Loha Mandi, Agra.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 20-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Jagannath Sharma, Advocate, Receiver of M/s Mansaram & Sons, 15-B, New Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Bhag Singh Katuria, Raxy Building, Mussoorle.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st March 1980

Ref. No. 727-A/Mussoorie/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mussoorie on 23-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property a_S aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Shop measuring 611.86 sq. mts. bearing No. 2+3 Suite Nos. 9 to 13 & 15 to 19 situated at Kulari, Mussoorie.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 21-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st April 1980

Ref. No. 881/Acq/Dadri/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 28-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Gopi
s/o Shri Chuttan,
Shri Raju
s/o Shri Khacheru,
Shri Behari
s/o Shri Ballu
r/o Madawali Fazalpur, Distt. Delhi.

(Transferor)

(2) Dharampratisthanam, E-9, Defence Colony, New Delhi, through Dr. G. Mahapatra.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 182 measuring 3-5-3 Bigha situated at Vill: Gujha Tilaftabad, Parg: & Teh: Dadri, Distt: Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st March 1980

Ref. No. 794-A/Dadri/79-80.—Whereas, 1, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 28-8-79

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ·—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Khacheru
s/o Shri Ballu,
S/Shri Khilaram, Deviram and Baburam
ss/o Shri Gopi,
Smt. Sureshwati,
w/o Shri Brajpal,
Shri Jagdish Prasad
s/o Shri Bhule,
Shri Bihari
s/o Shri Ballu,
S/Shri Dhiraj & Bhim Singh (Nabalig)
ss/o Shri Bhule
r/o Madawali Fazalpur, Distt: Delhi.

(Transferor)

(2) Dharmpratisthanm, F-9, Defence Colony, New Delhi, through Dr. G. Mahapatra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 225/2-12-0 situated at Vill. Bagel Begumpur, Parg: Teh: Dadri, Dist: Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 31-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st March 1980

Ref. No. 792-A/Dadri/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 31-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Shri Fattan
 Dhisa
 Po Bhagel Begumpur Post: Gejha,
 Dadri, Dist: Ghazlabad.

('Fransferor)

(2) Maharishi Dhyan Vidya Peeth, Uttar Pradesh, E-9, Defence Colony, New Delhi, through Dr. G. Mahapatra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 260/2-12-0 situated at Vill. Bhagel Begumpur, Parg: & Teh: Dadrl, Distt. Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 31-3-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st March 1980

Ref. No. 793-A/Dadri/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dadri on 28-8-1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Biharı
s/o Shri Ballu,
Shri Jagdish Prasad (Baligh), Dhiraj
and Bhim Singh (Nabalig)
s/o Shri Bhule Singh,
S/Shri Khıleram, Devi Chandra and Babulal
Ss/o Shri Gopi Chandra,
Smt. Sureshwati
wd/o Shri Brajlal
r/o Madawali Fazalpur Dist: Delhi.

(Transferor)

(2) Dharmpratisthanm, E-9, Defence Colony, New Delhl, through Dr. G. Mahapatra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 54/5-9-0 situated at VIII. Gejha Tilaftabad, Parg: & Teh: Dadrai, Distt: Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 31-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st April 1980

Rcf. No. 798-A/Dadri/79-80,—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at us per Schedule (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dadri on 28-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Khile Ram, Devi Chandra and Babu Lal s/o Shri Gopi Chand,
Smt. Sureshwati
wd/o Shri Braj Lal,
Shri Bihari Singh
s/o Shri Ballu Singh,
S/o Shri Dhiraj and Bhim Singh
ss/o Shri Bhule Singh,
Shri Jagdish Prasad
s/o Shri Bhule Singh,
r/o Madawali Fazelpur, Distt: Delhi.

(Transferor)

(2) Maharishi Institute of Creative Intelligence, E-9, Defence Colony, New Delhi, through Dr. Mahapatra.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 13 measuring 3-2-00 Bigha situated at Vill: Gujha Tilaftabad, Parg: & Teh: Dadri, Distt. Ghaziabad

B. C. CHATURVEDI.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 1-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st April 1980

Ref. No. 797-A/Dadri/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 28-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

34—46GI/80

(1) S/Shri Babulal, Khile Ram, Devi Chand s/o Shri Gopi Chand, Smt. Sureshwati widow of Shri Braj Lal, Shri Bihari Singh s/o Shri Ballu Singh, S/Shri Dhiraj and Bhim Singh s/o Shri Bhule Singh, Shri Jagdish Prasad s/o Shri Bhule Singh, r/o Madawali Fazalpur, Distt: Delhi.

(Transferor)

 (2) Mahrishi Institute of Creative Intelligence, (M.I.C.I.)
 E-9, Defence Colony, New Delhi. through Dr. Mahapatra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 13 measuring 4 Bigha situated at Vill: Gujha—Tilaftabad, Parg. & Teh Dadri, Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Dato: 1-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st April 1980

Ref. No. 803-A/Dadri/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) 'said Act'), have (hereinafter referred to as the reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 28-8-1979 for an apparent consideration which less the fair market value of the aforesaid property, and reason to believe that the fair market value have property as aforesaid exceeds the apparent of the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Jagat Singh (Balig), Randhir Singh,
 Rishi Kumar and Duli Chand (Nabalig)
 all ss/o Shri Raje
 under the Guidance of Smt. Chandari (Mother)
 r/o Madawali Fazalpur, Distt: Delhi.
 (Transferor)
- (2) Maharishi Institute of Creative Intelligence, E-9, Defence Colony, New Delhi, through Dr. Mahapatra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Counts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 9 measuring 2-13-0 situated at Gejha Tilaftabad, Parg: & Teh: Dadri, Dist: Ghalabadz.

B. C. CHATURVFDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 1-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMPTAX, ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 31st March 1980

Ref. No. 792-A/Dadri/79-80.—Whereas I, B. C. CHATUR-VEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dadrl on 31-8-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri

 1. Khilaram, Devi Chand and Babulal s/o Shri
 Gopi Chand, Smt. Sureshwati Widow of Shri
 Brajlal, Jagdish Prasad s/o Bhula Singh, Dhiraj
 Singh and Bhim Singh s/o Bhule Singh, Bihari
 s/o Ballue R/o Madawali Fazalpur, Distt. Delhi.

 (Transferor)
- (2) Mahila Dhyan Vidya Peeth, E-9, Defence Colony, New Delhi through Dr. G. Mahapatra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guestte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 54 measuring 4-00 Bigha situated at Vill. Gojha Tilaftabad, Parg. & Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 31-3-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 1st April 1980

Ref. No. 799-A/Dadri/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 28-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lesue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Raja S/o Shri Khasheru, (2) Shri Gopi S/o Shri Ghhuttan,
 - (3) Shri Bihari S/o Shri Ballu, R/o Madawali Fazalpur, Distt. Delhi.

(Transferors)

(2) Spiritual Regeneration Movement of India, E-9, Defence Colony, New Delhi through Dr. G. Mahapatra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 102 measuring 3-9-3 Bigha situated at Village Gojha Tilaftabad, Parg. & Teh. Dadri, Distt. Ghazlabad.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 1-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st April 1980

Ref. No. 800-A/Dadri/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dadri on 28-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely !—

 Shri Gopi s/o Shri Chhuttan, Shri Bihari S/o Ballu, Shri Raja S/o Shri Khasheru, R/o Madawali Fazalpur, Distt. Delhi.

(Transferors)

(2) Maharishi Dhyan Vidya Peeth of Uttar Pradesh, E-9, Defence Colony, New Delhi through Dr. G. Mahapatra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 208 measuring 3-9-18 Bigha situated at Vill. Bhagal Begumpur, Parg. & Teh. Dadri, Distt. Ghazjabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-4-1980

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, 31st March 1980

Ref. No. 795-A/Dadri/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATUR-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 31-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Khiliram, Shri Deviram and Shri Babulal s/o Shri Gopi Chand, Smt, Sureshwati Wd/o Brajpal, Shri Jagdish (Balig), Shri Dhiraj Singh and Shri Bhim Singh (Nabalig) S/o Shri Bhula Ram Vali Guardian Shri Bihari Singh S/o Ballu Singh, R/o Madawali Fazalpur, Dist, Delhi.

(Transferor)

(2) Spiritual Regeneration Movement Foundation of India, E-9, Defence Colony, New Delhi through Dr. G. Mahapatra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 14 measuring 3-8-10 situated at Vill, Goja Tilaftabad, Parg. & Teh. Dadri Distt, "Ghaziabad.

E. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 31-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 818-A/Dehradun/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dehra Dun on 29-8-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Roshan Lal Thakural S/o Shri Wasakhi Ram Thukral, R/o 69, Govind Nagar, Dehradun.

(Transferor)

(2) Smt Daljit Kaur W/o Shri Kulwant Singh, R/o Sawhney 23, Race Course Dehradun.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property measuring 4314 sq. ft. situated at 69, Govind Nagar, Dehradun.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date · 14-4 1980

Soal;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th April 1980

Ref. No. 845-A/Kanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 17-8-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shahzada through Shri Ramakant Dwivedi R/o Village Paharpur, Post. Kasigavan, Tch. and Distt. Kanpur.

(Transferor)

(2) Dwivedi Nagar Shahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Paharpur, Hamirpur Road, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Georgette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Bigha one Biswa situated at Woodpur Machhariha, Kanpur.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 10-4-1980

FORM ITNS ----

(1) Shri Dhatm Das s/o Shi Jhampat Mal Sindhi R/o Nala Mantola, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Gaffar s/o Shri Noor Bax, R/o Dholi Khar, Agra,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th April 1980

Ref. No. 808/Acq/Agra/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULF (and more fully described in the Schedule annoxed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Agra on 18-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

35-46GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property Hall No. 18/180, situated at Mantola, Agra.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kanpu-

Date: 10-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th April 1980

Mcf. No. 811/Acq/Agra/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDUIT (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 30-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nandlal s/o Dayalmal R/o 4/85, Lajpat Kunj, Civil Lines, Agra and Hall Resident of Maharaj Film Distributor, Bhagirathi Palace, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vijai Kumar Saigal s/o Shri Malik Deshraj Saigal and Phoola Rani Saigal wife of Malik Deshraj Salgal, R/o Hall 68, Lajpat Kuni, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Immovable property bearing No. 68, Municipal No. 4/85, situated at Lajpat Kunj Civil Lines, Agra.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 833-A/Meerut/79-80.—Whereas, I, 3. C. CHATURVEDI,

peing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ind bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULF (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 [16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vicerut on 17-8-79

or an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said astrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Yashpal Dhingra S/o Shri Mathura Dass Dhingra, R/o 1876, Laxmibai Nagai, Vijai Nagar East, Block-G, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Arora w/o Shri Rajendra Kishore Arora R/o 171-N, Abbu Lane, Meerut Cantt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 82 situated at Tilak Road, Begum Bagh, Meerut.

B. C. CHATURVED1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanput

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 899-A/Kairana/79-80.—Whereas. I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred of as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and begging No.

exceeding Rs 25,000/- and begging No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDUL! (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Muzaffainagar on 23-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Manwati w/o Shri Barumal R/o Shamli Aaryapuri, Parg. and Post. Shamli, Tch. Kairana, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Chand S/o Deviduttamal and Smt. Amrit Rani W/o Shri Suresh Chand and Sudhir Kumar S/o Shri Suresh Chand, R/o Shamli, Post. Khas, Distt. Muzaffarnagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saud Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Shop situated at Shamli, Teh. Kairana, Distt. Muzaffarnagar.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 889-A/Sardhana/79-80.—Wherens, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sardhana on 28-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concelment o fany noome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shii Shyam Murari, Paras Ram and Rajeev Kumar Bansal Ss/o Shii Braj Mohan Lal Bansal R/o Civil Lines, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Asaram S/o Ram Prasad R/o Mahadev, Ramesh Chand S/o Daryav Singh, S/Shri Sher Singh, Ashok Kumar and Vinod Kumar Ss/o Ramesh Chand R/o Village Haidarpui, Parg. Garhmukteshwar, Teh. Khas, Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expuses later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot measuring 2148 sq. yds. situated at Mohalla: Lushkar Ganj, Kasba; Sardhana, Distt. Meerut.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 883-A/PN/Ghaziabad/79-80 —Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

AS PIR SCHEDUIT situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghazabad on 10-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hari Krishna Jaisawal S/o Shri Lala Ramshandar R/o Modi Nagar, Parg. Jalalabad, Teh and Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Smt. Gomti Devi w/o Shri Ram Gopal R/o Kasba: Faridnagar all Resident of Mohalla New Gurudwara Road, Modi Nagar, Parg Jalalabad, Teh. and Distt. Ghaziabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed House Property measuring 20. sq. yds. situated at Mohalla New Gurudwara Road Satyanagar Modinagar.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquistion Range, Kanpur

Date: 14-4-1980

FORM ITNS----

 Shri Karam Chand s/o Bahadur Chandta R/o 11, Adarsh Nagar, Gandhi Nagar, Ghezlabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Rajeshwari Prasad Kaushik S/o Shri Tara Chandra (Partner) of M/s. Quality Enterprises, 119, New Gandhi Nagar, Ghaziabad.

(Tiansferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 873-A/Ghazmbad/79-80 --- Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULI (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 29-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot No. A-1/2-C Industrial Block measuring 8659 Sq. yds. situated at Meerut.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 14-4-1980

(1) Shri Jorma Atoz Mainic Survanto, 173-A, Rajpur Road, Dehradun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) D. Emmanul Raj, Secretary/Treasurer of the New Life Centre, Dehradun,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. Acq/755-A/DDN/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDUI 12 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dehradun on 7-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 173-A, situated at Rajpur Road, Dehradun with land measuring about 1700-583 metres sold for Rs. 1,00,000/- fair market value of which is more than 15% of the apparent consideration.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 820-A/G.Bad/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 21-8-79

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

36—46GI/80

(1) Shri Kanti Prasad S/o Pt. Shri Bhagwat Pd. Sharma R/o 16, Chah Kamal Hapur, Asharam s/o Shri Ram Chandra R/o 37, Aarya Nagar, Kanpur, Shri Ratan Lal Goyanka S/o Shri Tula Ram Goyanka, Shri Madhav Prasad Goyanka S/o Shri Kanhaiya Lal Goyanka, Shri Shri Gopal Goyanka Shri Shri Gopal Goyanka Shri Shri Gopal Goyanka and Smt. Gulab Devi Goyanka Widow of Shri Devki Nandan Goyanka All R/o Calcutta.

(Transferors)

(2) Shri Deputy Saran s/o Babu Ram R/o Mohalla : 39, Bhagwati Ganj, Shri Om Prakash S/o Shri Babu Ram R/o 108, Jawahar Ganj, Hapur Distt. Ghaziabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Factory Building measuring 548 sq. yds. situated at Poch Khurje Walan, Garh Road Hapur Distt. Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 766-A/Bulandshahar/79-80.—Whereas, J. B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 17-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ishwar Singh s/o Shri Ram Swaroop Singh R/o Krishna Nagar, Bulandshahar. (Transferor)

(2) Smt. Lajja Devi w/o Sardari Lal R/o Kayasth Bara, Sikandrabad, Sushila Gupta w/o Shri Anand Swaroop R/o Village Mudi, Parg. Syana, Distt. Bulandshahar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property situated at Krishna Nagar, Buland-shahar.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kappus

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 734-A/M. Nagar/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 1-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Thakur Das s/o Bhagwan Dass R/o 31, Sarvat Gate (Northern) Muzaffarnagar.

(Transferor)

 S. Atma Singh s/o S. Haruam Singh R/o 6/4 Gandhi Colony, Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 270 measuring affeast 301\frac{1}{2} Sq. yds. situated at Mohalla: Civil Lines (Northern), Muzaffarnagar.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 835-A/M.Nagar/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaifarnagai on 17-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Murari Lal s/o Shri Phool Chandra R/o 156, Civil Lines, Southern, Muzaffarnagar,

(Transferor)

(2) Shri Nareshwar Dass s/o Basbeshwar Dayal R/o 682, Civil Lines (Southern), Muzaffarnagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Double Storeyed House Property bearing No. 156 measuring 273 sq. yds. situated at Mohalla: Civil Lines (Southern), Muzaffarnagar.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. Acq/875-A/GBD/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 29-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market vaue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Shri Ramesh Chandra Sethi, Shri Om Prakash Sethi, 59, Majitha Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Bhagat & Associates, Through Shri V. K. Bhagat, Rakesh Bhagat, R/o 56, Jauharbagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5,207 sq. yds. situated at Village Rasonda, Parg. Loni and Vill. Karkarmodel, Parg. Loni, Teh. & Distt. Ghaziabad sold for Rs. 1,83,000/- fair market value of which exceeds more than 15% of the apparent consideration.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE. KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. Acq/834-A/Mrt/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 3-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) S/Shri Ashok Kumar Sharma, Amrish Kumar, Anil Kumar, Amit Kumar, Smt. Shanti Devi, R/o Chippi Tank, Meerut, and Smt. Gulzarwati, Kamla Rani, Kusum Lata, R/o Naya Bazar, Meerut Cantt.
- (2) Shri Ram Autar s/o Shri Shyam Sunder Lal, R/o Modinagar.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of Bungalow No. 173-B, situated at Abu Lane, Meerut Cantt. sold for Rs. 145,000/- fair market value of which exceeds more than 15% of the apparent considera-

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kanpur

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. Acq/729-A/Mrt/79-80.--Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULF (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 3-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesold property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri Ashok Kumar Sharma,
 - (2) Shri Amreesh Kumai,
 - (3) Shri Anil Kumar, (4) Smt. Shanti Devi,
 - R/o Chippi Tank, Meerut.

(Transferor)

 Shii Hariom Agarwal, s/o Shri Jai Parkash Agarwal,

Agarwal, R/o 184-B, Abu Lane, Meerut Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of Bungalow No. 173-B, situated at Abu Lane, Meerut Cantt., sold for Rs. 1,45,000/- the fair market value of which exceeds more than 15% of the apparent consideration.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Kanpur
Kanpur

Date: 14 4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 739-A/M. Nagar.—Whereas, I. B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at M. Nagar on 13-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurditta Mal, Shri Kishan Lal S/o Shri Ram Ditta Mal, R/o 376 Ramji Coloney Muzaffarnogar. (Transferor)

(2) Shri Kashmir Singh, Shri Darshan Lal S/o Shri Mohan Singh, R/o 1047 Punjabi Coloney Shamli, Teh. Kairana Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 376 Ghandhi Coloney Muzaffarnagar.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th April 1980

Ref. No. 817-A/Hapur.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Hapur on 29-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
37—46GI/80

- (1) Shri Salàg Ram S/o Sri Ganga Ram, R/o Kasmabad Teh. Hapur Distt Ghaziabad. (Transferors)
- (2) Shri Brahmdutta, Shri Brahmdutta, Shri Biranjan Laf Sharma S/o Sri Hardeo Sahai, R/o Chhippiwara Jilkhua I'sh. Hapur Distt. Ghaziabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ahata 2/3 part Chhippiwara, Nai Abadi, Kilkhua Teh. Hapur Distt. Ghazlabad.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-(ax
Acquistion Range, Kanpur

Date: 14-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th April 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/674.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Khandela House situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 27-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Bhagirathi Devi w/o Shri Bhim Deo Sanghi, R/o Khandela House, Chhota Pana, Sansar Chandra Road, Jaipur.

(Transferors)

(2) M/S. Rajesh Sharma Family Trust Through Shri Shyam Sunder Sharma, C/o Metal Alloy Industry, Makum Road, Tansukhiya, Assam.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half portion of house property situated at Khandela House area, Sansar Chandra Road, Opposite Main Khandela House and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 2096 dated 27-8-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jaipur

Date: 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th April 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/675.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Khandela House situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 27-8 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Kamala Devi w/o Shri Vasudev Modi, R/o Neemka-thana, Distt Sikar.

 (Transferor)
- (2) M/s. Rojesh Sharma Family Trust, Through Shri Shyam Sunder Sharma, C/o Metal Alloy Industry, Makum Road, Tansukhiya, Assam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half portion of house property situated at Khandela House area, Sansar Chandra Road, Opposite Main Khandela House and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 2087 dated 27-8-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Jaipur

Date: 15-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th April 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/678.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

bring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 7 & 8 situated at Beawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Beawar on 21-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/S. Ganesh Soot Udyog, Beawar Through its partners Svs. (1) Shri Durga Pd. Jajoo S/o Shri Bhawarlalji Jajoo (2) 3mt. Yashoda Devi Jajoo, W/o Shri Ram Niwas Jajoo, R/o Pisan-Gan, District, Ajmer.

(Transferor)

(2) M/S. Vimelesh Yarn Industries (P) Ltd., 7, Shriram Road, Delhi through its Directors Svs (1) S. N. Baldua, S/o Shri Janwarilalji Baldua, (2) Smt. Yashoda Jajoo, w/o Shri R. N. Jajoo and (3) Shri Bhawarlal Jajoo of Piasngan Distt. Ajmer. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One factory shed standing on plot No. 7 & 8 together with its machinery, plant, shed and waste plant situated at Jawaharlal Nehru Udhyog Puri, Sendra Road, Beawar and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Beawar vide No. 1962 dated 21-8-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 18-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th April 1980

Ref. No. Rej/LAC(Acq.)/676.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 25 situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 20-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Laxminarain and Banarsidass Ss/o Late Shri Kriparam Agarwal 11-B Block, Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shrimati Kalawati Devi w/o Shri Ram Bhaj Agarwal P/o Rambhaj Hanumandass, Shop No. 25, Dhanmandi, Ganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I portion of shop No. 25 situated at Dhanmandi, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Sriganganagar vide registration No. 2321 dated 20-8-1979.

> M. L. CHAUHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th April 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/677.--Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Shop No. 25 situated at Stiganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registation Act, 1908 (16 of 1908), in the offlie of the Registering Officer at Stiganganagar on 17-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have to believe that the foir market value of the

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Laxminaram and Banarsidass S/o Late Shri Kriparam Agaiwal 11-B Block, Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shrimati Kalawati Devi w/o Shri Ram Bhaj Agarwal P/o Rambhaj Hanumandass, Shop No. 25, Dhanmandi, Ganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

† portion of shop No. 25 situated at Dhanmandi, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Sriganganagar vide registration No. 2269 dated 17-8-1979.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th April 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/679.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. D-1 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Todhpur on 16-8-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Tilak Kak, S/o Shri Jai Nath Kak through C.P.A. holder Hazi Mohd. Ramian S/o Hazi Abdul Rehman, Kharadiyon ka Mohalla Hazi Bldg., Jodhpur. (Transferor)
- (2) Shri Sampatraj S/o Shri Baboolal Ghanci B-Road, Paota, Jodhpur.

 (Transferee)

Objections, if any, of the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-1 situated at Dharamnarainji Ka Ahata, Bandore Road, Paota and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 1386 dated 16-8-79.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquistion Range, Jaipur

Date: 18-4-1980

NUTTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 27th March 1980

Ref. No NNL/4/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One residential house situated at Narnaul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

at Narnaul in August 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Girdhar Gopal,
 - (2) Shri Kanhya Lal,
 - (3) Shri Badri Parshad,(4) Shri Ramesh Chander,
 - (5) Shri Mahesh Chander alias Lala Ganga Ram S/o Shri Ganpat Ram, Farashkhana Narnaul. (Transferor)
- (2) Smt. Vidya Devi W/o Shri Perhalad Rai S/o Shri Rup Chan1, Moh. Farashkhana, Narnaul.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being a residential house situated at Moh. Farashkhana Narnaul and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1439 dated 17-8-79 with the Sub Registrar, Natnaul.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Robtak

Date: 27-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 25th March 1980

Ref. No. AMB/17/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Property being three shops, three rooms single storeyed situated at Ambala City,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ambala in September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—46GI/80

- (1) Smt. Shakuntla Jain W/o Shri S. P. Jain, B-II-189, Mohalla Soodan, Ludhiana.
- (2) Shri Mohinder Kaur W/o Shri Harbans Singh, Plot No. 2032 Near Mehta Sheller Ambala Kalka Road, Ambala City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being three shops, three rooms single storeyed situated on Ambala Kalka Road, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3118 dated 24-9-1979 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Rohtak

Date: 25-3-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 27th March 1980

Ref. No. BGR/31/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 19 DL. F. Industried Area No. measuring 3779 sq. yds. situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ballabgarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sewa Ram Sharma S/o Late Pt. Kishan Lal, 52 Prem Puri Meerut (UP).
- (2) M/S. Stainless & Steel Products Co. 11/7 Milestone, Mathura Road, Faridabad-121003. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 19, DLF Industrial Area No. 11, Faridabad measuring 3379 sq. yards and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6342 dated 11-12-1979 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Rohtak

Date: 27-3-1980

(1) Smt. Bimla Gupta W/o Shri D. R. Gupta, R/o House No. N-155, Panchsheel Park New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/S. Tarakru Housing Corporation, M-33, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th April 1980

Ref. No. BGR/21/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 134. Block E-I Sector 11, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ballabhgarh in August 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 134, Block E-I situated in Sector 11, Faridabad, measuring 1166.6 sq. yds. and as mentioned more in the sale deed registered at No. 3703 dated 16-8-1980 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,

Date: 16-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th April 1980

Ref. No. PNP/18/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 179, Ward No. 1, near Central Bank, Insar Chowk situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Daulat Ram Kubba S/o Shri Duni Chand Kubba, R/o House No. 222-L, Model Town, Panipat.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Y. L. Sethia S/o Shri Keshav Dass, R/o House No. 56/W-3, Panipat.
 - (2) Shri Hira Nand S/o Shri Keshav Dass, R/o House No. 56/W-3, Panipat.
 - (3) Shri Prem Singh Chawla S/o Shri Hakim Rai, R/o 388, Model Town, Panipat.
 - (4) Smt. Saroj Bala W/o Shrl Jagdish Chander C/o M/S. Gandhi Electricals, Assandh Road, Panipat.
 - (5) Shri Ram Kishan Gupta S/o Shri Ajudhla Parshad, R/o House No. 372, Ward No. 2, Panipat.
 - (6) Smt. Gian Devi W/o Shri Tilak Raj C/o M/o Moti Ram & Sons, Panipat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing House No. 179, Ward No. 1, Panipat and as mentioned more in the sale deed registered at No. 2763 dated 26-9-1979.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range, Rohtak

Date: 16-4-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, COMET HOUSE, 691/1/10 PUNE SATARA ROAD, PUNE-411009

Pune-411009, the 22nd March 1980

Ref. No. CA5/Haveli-II/471/79-80.—Whereas, I S. K. FYAGI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sub-Plot No. 4, F.P. No. 4B, S. No. 3, Mungeri situated at Gultekadi, Pune-9

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

M Haveli-II on 27-9-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Krishna Balayya Sandupatla, 431/3, Gultekadi, Pune.

2. Shri Haribhau Purshotta Anat, 1114/5, Ganeshkhind Road, Pune-5.

(Transferor)

(2) Shti Balram Sahakati Griha Rachana Sansiha Matyadit, 431/4, Gultekadi, Pune-9.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertmay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sub-Plot No. 4, Final Plot No. 4B, S.No. 3, Mungeri, Gulte-kadi, Pune-9.

(Property as described in the sale deed registered under No. 2458 dated 27-9-1979 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II, Pune).

S. K. TYAGI.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, POONA

Date: 22 3-1980